श्री पद्म-वर्धमान संस्कृत धातु-शब्द रूपावली

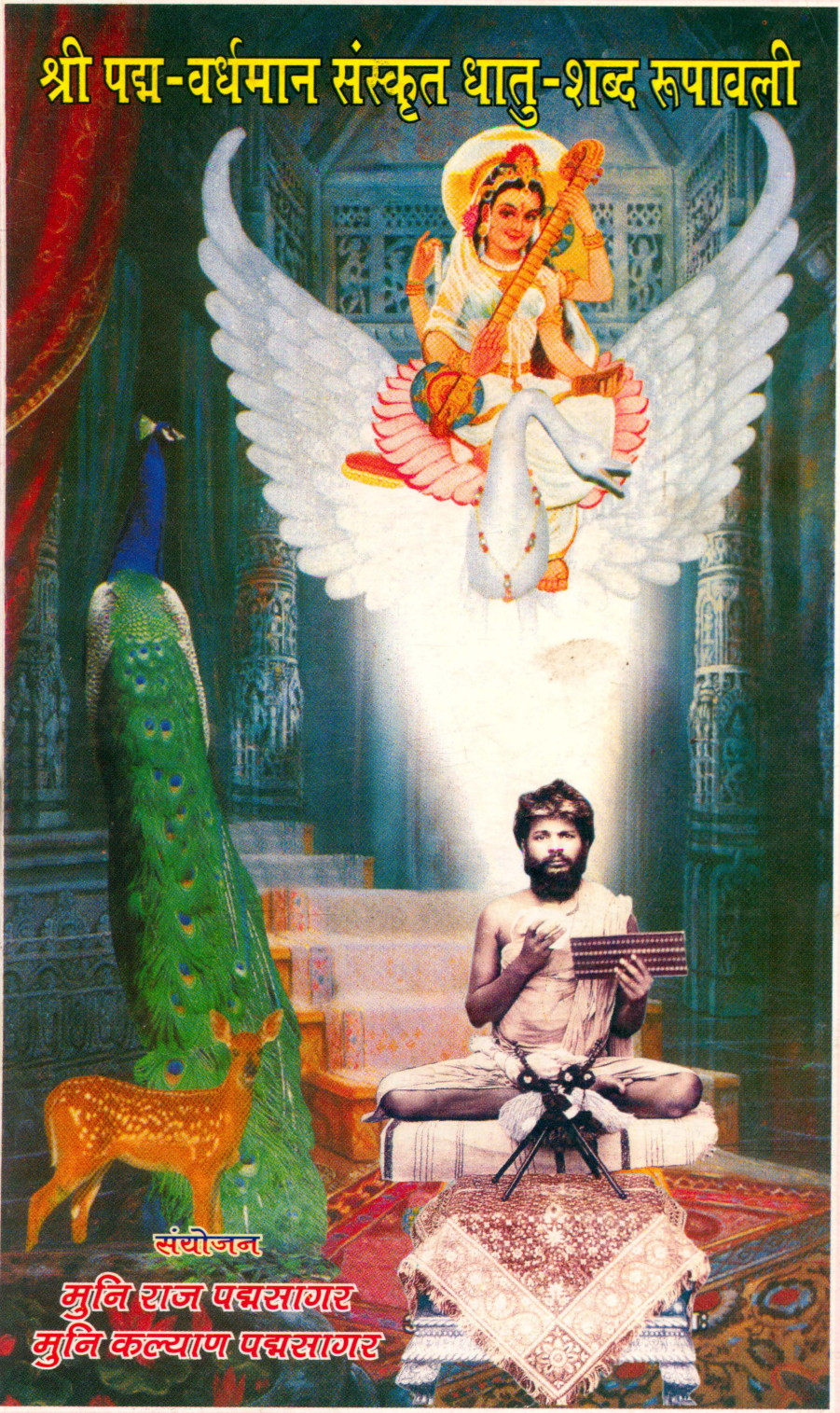

संयोजन

मुनि राज पद्मसागर

मुनि कल्याण पद्मसागर

सागर वंदना

प.पू.चारित्र चूडामणी आ. देव श्री कैलाससागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य रत्न शिल्प शास्त्र मर्मज्ञ प.पू. आ. देव श्री कल्याणसागरसूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर जिनशासन रक्षा –समाज उत्कर्ष जिनका मूल मंत्र है एसे राष्ट्रसंत, श्रुत–समुद्धारक प.पू. आ देव श्री पद्मसागरसूरीश्वरजी म.सा. के सयंम जीवन का अर्धशताब्दी वर्ष चल रहा है!पूज्य आचार्यश्री का जन्म अजीमगंज (प.बंगाल) मे हुआ किंतु उनकी दिक्षा–भूमि साणंद (अहमदाबाद)रही! दिक्षा लेने के बाद ही गुरूभगवंतो के आशीर्वाद से वे ज्ञान–ध्यान–सेवा मे इस प्रकार आगे बढे जिस प्रकार सूर्य की रोशनी को प्राप्त कर पद्म का फूल खिलता है, उसी प्रकार से आगे बढकर गुरूदेव ने भारतभर के सिवाय नेपाल तक परिभ्रमण करके एवं विदेशोंमें भी जिनशासन के अनुरागी बनाने के लिए श्रावको द्वारा जिनमंदिरोंका निर्माण कराके जिनशासन के अनेकानेक महान कार्य किए और कर रहे हैं!पूज्य आचार्य श्री की ज्ञान रक्षा के प्रति उत्कृष्ट भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण स्वरूप ''श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र कोबा'' हैं! उन्होनें इस कार्य के द्वारा जिनशासन को एक अमूल्य भेंट दी हैं, जिसमें प्राचिन्तम् ग्रंथ एवं मूर्तियों को सुरक्षित रख कर आनेवाली पीढियों को प्रेरणा एवं धर्म के उपर श्रद्धा बढानेवाली बनेगी! एसे सागर के रत्न समान पूज्य श्री के इस पावन प्रसंग पर हम श्री पद्म–वर्धमान संस्कृत धातु–शब्द–रूपावली को उनके पावन चरणों में सादर समर्पित कर उनके दीर्घ सयंम पर्याय के लिए प्रभु से प्रार्थना करते है एवं पूज्य श्री के आशीर्वाद को प्राप्त कर हम भी हमारी आत्मा का कल्याण करें यही अभीलाषा,

मुनि राजपद्मसागर

मुनि कल्याणपद्मसागर

!! श्री आदिनाथाय नमः !!

!! श्री अभिनंदन स्वामीने नमः !!

!! श्री अजाहरा पार्श्वनाथाय नमः !!

ऐँ नमः

श्री पद्म-वर्धमान संस्कृत धातु-शब्द रूपावली

श्री हैम संस्कृत प्रवेशिका प्रथमानुसारी

(चार काल के कर्तरि, कर्मणि रूप,
शब्दो के रूप, अर्थ सहित कृदन्त
एवं कृदन्त के वाक्य)

(भाग - १)

संयोजक

मुनि राजपद्मसागर

मुनि कल्याणपद्मसागर

तथा

श्री नाकोडा पार्श्वनाथ जैन ज्ञानशाला के

प्राध्यापक श्री नरेन्द्रभाई कोरडीया

अध्यापक श्री पंकजभाई एस. झालमोरा

-: प्रकाशक :-

आचार्य पद्मसागरसूरि चेरिटेबल ट्रस्ट

Acharya Padmasagarsuri

મુંબઈ
25-10-2004

સેવામાંની -

મુનિરાજ શ્રી રાજપદ્મસાગરજી મ. તથા મુનિશ્રી કલ્યાણપદ્મસાગરજી મ. આદિ વંદના સુખસાતા)

"પદ્મ-વર્ધમાન- સંસ્કૃત શબ્દ ધાતુ રૂપાવલી"

કા સુંદર સંયોજન કિયા હૈ, જાનકર પ્રસન્નતા હુઈ હૈ। સંસ્કૃત ભાષામેં પ્રવેશ કરનેકા યહ પ્રથમ દ્વાર હૈ। વિદ્યાર્થીગણ ઇસ પુસ્તક સે સુંદર લાભ ઉઠાયેંગે ઐસી આશા રખતા હું।

ઉપરોક્ત દોનોં મુનિરાજોં કો ઇસ કાર્યકે લિયે ધન્યવાદ દેતા હું।

પદ્મસાગર

Babu Amichand Pannalal Adishwar Jain Temple
41, Ridge Road, Walkeshwar, MUMBAI - 400 006.
Phone : 022-2369 2727

મુનિરાજ શ્રી રાજપદ્મસાગરજી મ. તથા
મુનિરાજશ્રી કુલચંદ્રપદ્મ સાગરજી મ. ને શ્રી
પદ્મ વર્ધમાન સંસ્કૃત ધાતુ શબ્દ રૂપાવલી
નું સંકલન કરેલું છે આ ગ્રંથ ખૂબ
અનુમોદનીય છે આ પુસ્તક સંસ્કૃતના
અભ્યાસુઓને ખૂબજ ઉપયોગી છે ભવિષ્યમાં
પણ આવું સંકલન કરે એજ
મારો મંગલ શુભ કામના.

લક્ષ્મણ સાગર

शुभ प्रेरक

प.पू. पंन्यास प्रवर श्री
विनयसागरजी म.सा.

प.पू. गणिवर्य श्री
विवेकसागरजी म.सा.

संकलन एवं संयोजन

मुनि राजपद्मसागर

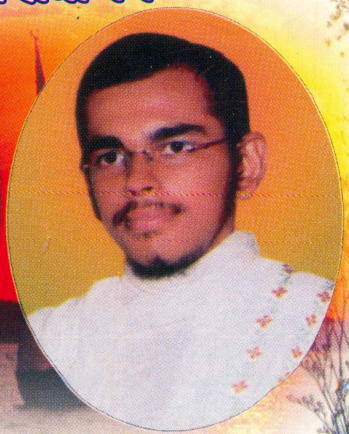

मुनि कल्याणपद्मसागर

-: प्रकाशक :-

संपर्क स्थान - प्राप्ति स्थान

आचार्य पद्मसागरसूरि चेरिटेबल ट्रस्ट

C/o. अनिल भाई जे. शाह
A/5, झवेरी पार्क जैन फ्लैटस्
Opp. स्थानकवासी वाडी,
नारणपुरा रेल्वे क्रोसींग,
अहमदाबाद – 380013
☎ *(079) - 27558639*

प्रथम आवृति
नकल – 1000
विक्रम संवत – 2061
वीर संवत – 2531
इस्वीसन् – 2004

मुल्य : 40 रू.

यह पुस्तक ज्ञान खाते में से प्रकाशित हुई है।
अतः गृहस्थ इसकी रकम भरकर मालिकी करें।

-: मुद्रक :-

श्री विश्वकर्मा ऑफसेट
पुलिस थाना के पीछे, खेड़ावास,
तखतगढ़ जिला–पाली (राज.)
☎ 02933 - 220264

योगनिष्ठ श्रीमद् बुद्धि-किर्ति-कैलास-कल्याण-
पद्मसागर सूरीश्वरेभ्यो नमः

-: शुभ आशीर्वाद :-

प.पू. राष्ट्रसंत श्रुत समुद्धारक आचार्य देव
श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी म.सा. एवं
प.पू. प्रशान्तमूर्ति, पद्मगौरव आचार्य भगवंत
श्री वर्धमान सागर सूरीश्वरजी म.सा.

-: शुभ प्रेरणा एवं मार्गदर्शन :-

प.पू. पंन्यास प्रवर श्री विनय सागरजी म.सा.
एवं
प.पू. गणिवर्य श्री विवेक सागरजी म.सा.

प्रकाशन के मुख्य सहयोगी

श्री तखतगढ़ जैन संघ

तखतगढ़ जिला–पाली (राजस्थान) 306912

प्रकाशन के सह सहयोगी

१. जयाबेन बावचन्दभाई दोशी (मलाड़-मुम्बई)
२. प्रन्जुलाबेन हसमुखराय शाह. (बोरीवली-मुम्बई)
३. अमृतलाल लल्लूभाई वोरा (डोम्बीवली-मुम्बई)
४. निरन्जनाबेन महेन्द्रकुमार खाखरीया (बोरीवली-मुम्बई)
५. हंसाबेन चन्द्रकान्तभाई शाह. (बोरीवली-मुम्बई)

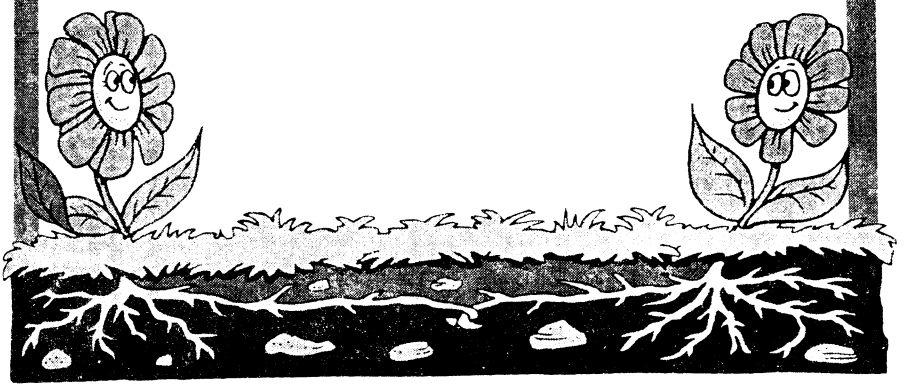

प्रस्तावना

दि. : **13-11-2004**
शनिवार (तखतगढ)

प्राणधारियों में मनुष्य श्रेष्ठ प्राणी हैं! ऊसमें अनन्त शक्तियाँ विद्यमान हैं!अभिव्यक्ति उसकी स्वयंभू शक्ति हैं!

जब बाह्य विश्वको वह सूनता–समझता और शिखता हैं तब दूसरों तक पहुंचानेकी उसमें तीव्र उत्कण्ठा उत्पन्न होती हैं! यही उत्कण्ठा वस्तुतः उसकी अभिव्यक्तिका मूल हेतु बनती हैं!अभिव्यक्तिका आदिम रूप मौखिक रहा हैं और जब लिपि विज्ञान व्यवहार में आया तब उसे लिपि बद्ध किया जाने लगा! अभिव्यक्तिकी इस प्रक्रियामें 'कहना' और 'सूनना' नामक दो प्रधान क्रियाएँ मुख्य भूमिका का निर्वाह करती हैं! मुनि श्री राजपद्मसागरजी म. एवं मुनि श्री कल्याणपद्मसागरजी म.ने श्री पद्म–वर्धमान संस्कृत धातु–शब्द रूपावली नामक पुस्तक का संकलन किया हैं!विद्या अर्जनके साथ संस्कृत शिखनेंवाले विद्यार्थीओंके लिए उपयोगी एवं प्रशंसनीय कार्य किया हैं!

अन्न दानं महादानं,विद्यादानं अतः परम्!
अन्नेन क्षणिका तृप्तिः,विद्या यावच्च जीवनम्!!

अर्थः अन्न दान सबसे बडा दान हैं!उससे भी बढकर विद्यादान हैं!

अन्नसे क्षणिक तृप्ति मिलती हैं!विद्या जीवन पर्यंत तृप्ति देती रहती हैं!

पं. विनयसागर
नूतन वर्ष दिन

अनुक्रमणीका

क्र.सं.	विवरण	पेज संख्या
1.	धातुओं का क्रम	1–6
2.	धातुओं के रूप	7–112
3.	शब्दों के रूप	113–146
4.	प्रसंगोपात विभक्तियाँ	147–149
5.	अर्थ सहित कृदन्त	150–176
6.	कृदन्त के वाक्य	177–185
7.	विभक्ति के वाक्य	186–188

धातुओं का क्रम

धातुओं का क्रम

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
1.	नम्	नमवुं, नमस्कार करवो	पहेलो	परस्मैपदी	पहेलो
2.	पठ्	पठन करवुं, भणवुं	पहेलो	परस्मैपदी	पहेलो
3.	पत्	पडवुं, पडी जवुं	पहेलो	परस्मैपदी	पहेलो
4.	रक्ष्	रक्षण करवुं, राखवुं, संभाळवुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
5.	वद्	बोलवुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
6.	वस्	वसवुं, रहेवुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
7.	भण्	भणवुं, कहेवुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
8.	खाद्	खावुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
9.	दह्	बळवुं, बाळवुं	पहेलो	परस्मैपदी	त्रीजो
10.	अट्	अटन करवुं, रखडवुं	पहेलो	परस्मैपदी	चोथो
11.	अर्च्	अर्चा करवी, पूजा करवी	पहेलो	परस्मैपदी	चोथो
12.	चल्	चालवुं	पहेलो	परस्मैपदी	चोथो
13.	चर्	चरवुं, फरवुं, आचरवुं	पहेलो	परस्मैपदी	चोथो
14.	जीव्	जीववुं, आजीवीका चलाववी	पहेलो	परस्मैपदी	पांचमो
15.	त्यज्	तजवुं, त्याग करवुं, छोडी देवुं	पहेलो	परस्मैपदी	पांचमो
16.	क्षर्	खरवुं, पडवुं, झरवुं, टपकवुं	पहेलो	परस्मैपदी	पांचमो
17.	क्रीड्	क्रिडा करवी, रमवुं	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
18.	जप्	जपवुं, जाप करवो	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
19.	जिम्	जमवुं, खावुं	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
20.	निन्द्	निंदा करवी	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
21.	वृष्	वरसवुं	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
22.	शुच्	शोक करवो	पहेलो	परस्मैपदी	सातमो
23.	जि	जय पामवो	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
24.	तॄ	तरवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
25.	धाव्	धावुं, दोडवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
26.	भू	थवुं, होवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
27.	सृ	सरकवुं, खसवुं, जवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
28.	स्मृ	स्मरण करवुं, याद करवुं, संभारवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
29.	क्षि	क्षय पामवो, क्षीण थवुं	पहेलो	परस्मैपदी	आठमो
30.	कुप्	कोप करवो, कोपवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
31.	क्रुध्	क्रोध करवुं, गुस्से थवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
32.	तुष्	खुश थवुं, संतोष पामवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
33.	नश्	नाश पामवुं, नष्ट थवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
34.	नृत्	नृत्य करवुं, नाचवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
35.	पुष्	पोषवुं, पोषण करवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
36.	मुह्	मोह पामवो, मुझावुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
37.	लुट्	लोटवुं, आळोटवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
38.	लुभ्	लोभ करवो, ललचावुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
39.	क्षुभ्	क्षोभ पामवो, गभरावुं खळबळवुं	चोथो	परस्मैपदी	नवमो
40.	मिल्	मळवुं, भेटवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
41.	लिख्	लखवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
42.	सृज्	सर्जन करवुं, सरजवुं, रचवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
43.	स्पृश्	स्पर्श करवुं, अडकवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
44.	स्फुट्	फुटवुं, खिलवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
45.	स्फुर्	स्फरवुं, फरकवुं, कंपवुं	छट्ठो	परस्मैपदी	दसमो
46.	चिन्त्	चिंतववुं, विचारवुं, चिंता करवी	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
47.	दण्ड्	दंड करवो, दंडवुं	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
48.	पीड्	पीडवुं, दुख देवुं	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
49.	पूज्	पूजवुं, पूजा करवी	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
50.	वर्ण	वर्णन करवुं, रंगवुं, वर्णववुं	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
51.	सान्त्व्	सान्त्वन करवुं, खुशकरवुं, शान्त पाडवुं	दसमो	परस्मैपदी	अगीयारमो
52.	चुर्	चोरवुं, चोरी करवुं	दसमो	परस्मैपदी	12
53.	घुष्	घोषणा करवी, गोखवुं, अवाज करवो, जाहेर करवुं	दसमो	परस्मैपदी	12
54.	तुल्	तोलवुं, जोखवुं	दसमो	परस्मैपदी	12
55.	भूष्	भूषा करवी, शोभा करवी, शणगारवुं	दसमो	परस्मैपदी	12
56.	तड्	ताडन करवुं, मारवुं	दसमो	परस्मैपदी	13
57.	पृ	पूरूं करवुं, पार पामवुं	दसमो	परस्मैपदी	13
58.	पल्	पालन करवुं, पाळवुं, रक्षण करवुं	दसमो	परस्मैपदी	13
59.	भक्ष्	भक्षण करवुं, खावुं	दसमो	परस्मैपदी	13
60.	कथ्	कहेवुं, कथा करवी	दसमो	परस्मैपदी	13
61.	गण्	गणवुं, गणत्री करवी	दसमो	परस्मैपदी	13
62.	रच्	रचवुं, रचना करवी	दसमो	परस्मैपदी	13
63.	स्पृह्	स्पृहा करवी, झंकवुं, चाहवुं, तृष्णा राखवी	दसमो	परस्मैपदी	13
64.	गम (गच्छ)	गमन करवुं, जवूं	पहेलो	परस्मैपदी	14
65.	दृश (पश्य)	देखवुं, जोवुं	पहेलो	परस्मैपदी	14
66.	स्था (तिष्ठ)	स्थिर रहेवुं, उभा रहेवुं	पहेलो	परस्मैपदी	14

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
67.	दा (यच्छ)	दान करवुं, आपवुं	पहेलो	परस्मैपदी	14
68.	पा (पिब)	पीवुं	पहेलो	परस्मैपदी	14
69.	मद् (माद्)	मत थवुं, मस्त थवुं, भुलवुं, चुकवुं	चोथो	परस्मैपदी	14
70.	श्रम् (श्राम्)	श्रम पामवो, खेद पामवो, थाकी जवुं	चोथो	परस्मैपदी	14
71.	शम् (शाम)	शांत थवुं	चोथो	परस्मैपदी	14
72.	इष् (इच्छ)	इच्छवुं	छट्ठा	परस्मैपदी	14
73.	प्रच्छ् (पृच्छ)	पूछवुं, प्रश्न करवो	छट्ठा	परस्मैपदी	14
74.	अस्	होवुं	बीजो	परस्मैपदी	14
75.	वन्द्	वंदन करवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	15
76.	वृध्	वधवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	15
77.	पच्	पकाववुं, रांधवुं	पहेलो	उभयपदी	15
78.	हृ	हरण करवुं, लइ लेवुं	पहेलो	उभयपदी	15
79.	डी	उडवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
80.	भाष्	बोलवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
81.	रम्	रमवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
82.	लभ्	मेळववुं, पामवुं, प्राप्त करवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
83.	वृत्	वर्तवुं, होवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
84.	शुभ्	शोभवुं, दीपवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
85.	सेव्	सेववुं, सेवा करवी	पहेलो	आत्मनेपदी	27
86.	स्वाद्	स्वाद लेवो, खावुं, चाखवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	27
87.	नी	लइ जवुं, दोरवुं	पहेलो	उभयपदी	27
88.	याच्	याचवुं, मागवुं	पहेलो	उभयपदी	27
89.	राज्	दीपवुं, शोभवुं	पहेलो	उभयपदी	27
90.	वह्	वहन करवुं, वहेवुं	पहेलो	उभयपदी	27
91.	मुच् (मुञ्च)	मूकवुं, छोडवुं	छट्ठा	उभयपदी	27
92.	सिच् (सिञ्च)	सीचवुं, छांटवुं, सींचन करवुं	छट्ठा	उभयपदी	27
93.	जन् (जा)	जन्मवुं, जन्म थवो, उत्पन्न थवुं	चोथो	आत्मनेपदी	27
94.	युध्	युद्ध करवुं	चोथो	आत्मनेपदी	27
95.	अर्थ्	प्रार्थना करवी	दसमो	आत्मनेपदी	29
96.	अनु+भू	अनुभव करवो, जाणवुं	पहेलो	परस्मैपदी	29
97.	अनु+रूध्	इच्छवुं, मानवुं, ताबे थवुं	चोथो	आत्मनेपदी	29
98.	आ+गम्(गच्छ)	आववुं	पहेलो	परस्मैपदी	29
99.	ईक्ष्	जोवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	29
100.	निर्+ईक्ष	निरीक्षण करवुं, बारीकीथी जोवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	29
101.	परा+जि	पराजय पामवो, हारी जवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	29

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
102.	परि+हृ ✓	परिहार करवो, त्याग करवो	पहेलो	उभयपदी	29
103.	प्र+भू	उत्पन्न थवुं, समर्थ थवुं	पहेलो	परस्मैपदी	29
104.	प्र+जन् (जा)	उत्पन्न थवुं, थवुं, जन्मवुं	चोथो	आत्मनेपदी	29
105.	प्र+दा (यच्छ)	आपवुं	पहेलो	परस्मैपदी	29
106.	प्र+स्था (तिष्ठ)	प्रयाण करवुं, जवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	29
107.	वि+रम्	विरमवुं, अटकवुं	पहेलो	परस्मैपदी	29
108.	वि+हृ ✓	विहार करवो, जवुं	पहेलो	उभयपदी	29
109.	वि+जि	विजय पामवो, जितवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	29
110.	सिध्	सिद्ध थवुं	चोथो	परस्मैपदी	29
111.	प्र+काश्	प्रकाशवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	30
112.	दिश् ✓	दान देवुं, बतावबुं	छट्ठो	उभयपदी	30
113.	उप+दिश्	उपदेश आपवो	छट्ठो	उभयपदी	30
114.	आ+दिश्	आदेश करवो, हुकम करवो	छट्ठो	उभयपदी	30
115.	अभि+भू	अभिभव करवो,हरावबुं,तिरस्कार करवो	पहेलो	परस्मैपदी	30
116.	ऋध्	वधवुं	चोथो	परस्मैपदी	31
117.	सम्+ऋध्	समृद्ध थवुं, आबाद थवुं, वधवुं	चोथो	परस्मैपदी	31
118.	नि+पत्	पडवुं, नीचे पडवुं	पहेलो	परस्मैपदी	31
119.	रूह्	चडवुं	पहेलो	परस्मैपदी	31
120.	आ+रूह्	चडवुं	पहेलो	परस्मैपदी	31
121.	आ+नी	लाववुं	पहेलो	उभयपदी	32
122.	उद्+डी	उडवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	32
123.	मुद्	हर्ष पामवो, खुश थवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	32
124.	वि+रच्	रचना करवी, बनाववुं	दसमो	परस्मैपदी	32
125.	अभि+क्रुध्	क्रोध करवो	चोथो	परस्मैपदी	33
126.	कम्प्	कंपवुं, धुजवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	33
127.	नि+वस्	वसवुं, रहेवुं	पहेलो	परस्मैपदी	33
128.	परि+त्यज्	छोडवुं, त्यजवुं	पहेलो	परस्मैपदी	33
129.	वप्	ववावुं	पहेलो	उभयपदी	33
130.	वि+श्रम्	विसामों लेवो	चोथो	परस्मैपदी	33
131.	गर्ज्	गर्जना करवी, गाजवुं	पहेला	परस्मैपदी	34
132.	गर्ज्	गर्जना करवी, गाजवुं	दसमो	परस्मैपदी	34
133.	द्युत्	दीपवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	34
134.	वि+द्युत्	चमकवुं, झबकवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	34
135.	द्रुह्	द्रोह करवो	चोथो	परस्मैपदी	34
136.	अभि+द्रुह्	द्रोह करवो	चोथो	परस्मैपदी	34

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
137.	रूच्	रूचवु, गमवुं, दीपवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	34
138.	श्रि ✓	आश्रय लेवो, सेवा करवी	पहेलो	उभयपदी	34
139.	आ+श्रि	आशरे जवुं, शरणे जवुं	पहेलो	उभयपदी	34
140.	परि+ईक्ष	परीक्षा लेवी	पहेलो	आत्मनेपदी	36
141.	यत्	यत्न करवो	पहेलो	आत्मनेपदी	36
142.	प्र+यत्	प्रयत्न करवो, मेहनत करवो	पहेलो	आत्मनेपदी	36
143.	क्षल्	धोवुं	दसमो	परस्मैपदी	38
144.	शुष्	सूकावुं	चोथो	परस्मैपदी	38
145.	तृप्	खुश थवुं, तृप्त थवुं	चोथो	परस्मैपदी	39
146.	ध्यै (ध्याय्)	ध्यान करवुं	पहेलो	परस्मैपदी	39
147.	प्र+सृ	प्रसरवुं, फेलाववुं	पहेलो	परस्मैपदी	39
148.	अप+ईक्ष्	अपेक्षा राखवी, इच्छा राखवी	पहेलो	आत्मनेपदी	40
149.	उप+विश्	बेसवुं	छट्ठा	परस्मैपदी	40
150.	उद्+गम्	उगवुं, उंचे जवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
151.	कस्	खिलवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
152.	वि+कस्	विकसवुं, खिलवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
153.	गै (गाय्)	गावुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
154.	द्रु	भींजवुं, झरवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
155.	रट्	रडवुं, रटवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
156.	वि+सम्+वद्	विपरीत,निष्फल थवुं, विपरीत बोलवुं	पहेलो	परस्मैपदी	40
157.	आ+चर्	आचरवुं, करवुं	पहेलो	परस्मैपदी	41
158.	उद्+हृ	उद्धार करवो,काढवुं,लेवुं,उद्धारवुं	पहेलो	उभयपदी	41
159.	तप्	तपवुं	पहेलो	परस्मैपदी	41
160.	मन्	मानवुं	चोथो	आत्मनेपदी	41
161.	मूल्	रोपवुं, वाववुं	दसमो	परस्मैपदी	41
162.	उद्+मूल्	उखेडवुं	दसमो	परस्मैपदी	41
163.	वर्ज	वर्जवुं, छोडवुं	दसमो	परस्मैपदी	41
164.	परि+वर्ज	वर्जवुं	दसमो	परस्मैपदी	41
165.	शिक्ष्	शीखवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	41
166.	सम+ईक्ष्	सारी रीते जोवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	41
167.	अर्प्	आपवुं	दसमो	परस्मैपदी	42
168.	भृ	भरवुं, पोषवुं	पहेलो	उभयपदी	42
169.	मृग्	शोधवुं	दसमो	आत्मनेपदी	42
170.	क्षम् (क्षाम्)	क्षमा करवी, माफ करवी	चोथो	परस्मैपदी	42
171.	वाञ्छ्	वांछवुं, इच्छवुं	पहेलो	परस्मैपदी	43

क्रम.	धातु	अर्थ	गण	पद	पाठ नं.
172.	ह्वे(ह्वय)	बोलाववुं	पहेलो	उभयपदी	43
173.	आ+ह्वे (ह्वय)	बोलाववुं	पहेलो	उभयपदी	43
174.	रूष्	रोष करवो, गुस्सो करवो	चोथो	परस्मैपदी	44
175.	लुप्	लोपाइ जवुं, मुंझांइ जवुं	चोथो	परस्मैपदी	44
176.	विद्	विद्यमान होवुं, होवुं	चोथो	आत्मनेपदी	44
177.	दीप्	दीपवुं, सळगवुं	चोथो	आत्मनेपदी	45
178.	प्र+वृत्	प्रवर्तवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	45
179.	श्लाघ्	वखाणवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	45
180.	उद्+वि+ईक्ष्	जोवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	46
181.	परि+वृत्	फरवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	46
182.	फल्	फळवुं	पहेलो	परस्मैपदी	47
183.	युज्	योग्य होवुं	चोथो	आत्मनेपदी	48
184.	लङ्घ्	लांघवुं, लंघवुं, ओळंगवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	48
185.	वि+सृज्	विसर्जन करवु, आपवु	छट्ठो	परस्मैपदी	49
186.	अनु+सृ	अनुसरवुं	पहेलो	परस्मैपदी	51
187.	उद्+सृज्	त्याग करवो	छट्ठो	परस्मैपदी	51
188.	मान्	मानवुं, पुजवुं	दसमो	परस्मैपदी	51
189.	लोक्	जोवुं	पहेलो	आत्मनेपदी	51
190.	लोक्	जोवुं	दसमो	परस्मैपदी	51
191.	सद् (सीद्)	सीदावुं, दुःखी थवुं	पहेलो	परस्मैपदी	51
192.	प्र+सद् (सीद्)	खुश थवुं, प्रसन्न थवुं	पहेलो	परस्मैपदी	51
193.	हस्	हसवुं	पहेलो	परस्मैपदी	51
194.	उद्+स्था	उभा थवुं	पहेलो	परस्मैपदी	51

धातुओं के रूप

		कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १						
व.	नमामि	नमावः	नमामः	नम्ये	नम्यावहे	नम्यामहे
	नमसि	नमथः	नमथ	नम्यसे	नम्येथे	नम्यध्वे
	नमति	नमतः	नमन्ति	नम्यते	नम्येते	नम्यन्ते
ह्य.	अनमम्	अनमाव	अनमाम	अनम्ये	अनम्यावहि	अनम्यामहि
	अनमः	अनमतम्	अनमत	अनम्यथाः	अनम्येथाम्	अनम्यध्वम्
	अनमत्	अनमताम्	अनमन्	अनम्यत	अनम्येताम्	अनम्यन्त
वि.	नमेयम्	नमेव	नमेम	नम्येय	नम्येवहि	नम्येमहि
	नमेः	नमेतम्	नमेत	नम्येथाः	नम्येयाथाम्	नम्येध्वम्
	नमेत्	नमेताम्	नमेयुः	नम्येत	नम्येयाताम्	नम्येरन्
आ.	नमानि	नमाव	नमाम	नम्यै	नम्यावहै	नम्यामहै
	नम	नमतम्	नमत	नम्यस्व	नम्येथाम्	नम्यध्वम्
	नमतु	नमताम्	नमन्तु	नम्यताम्	नम्येताम्	नम्यन्ताम्
	धातु. २					
व.	पठामि	पठावः	पठामः	पठ्ये	पठ्यावहे	पठ्यामहे
	पठसि	पठथः	पठथ	पठ्यसे	पठ्येथे	पठ्यध्वे
	पठति	पठतः	पठन्ति	पठ्यते	पठ्येते	पठ्यन्ते
ह्य.	अपठम्	अपठाव	अपठाम	अपठ्ये	अपठ्यावहि	अपठ्यामहि
	अपठः	अपठतम्	अपठत	अपठ्यथाः	अपठ्येथाम्	अपठ्यध्वम्
	अपठत्	अपठताम्	अपठन्	अपठ्यत	अपठ्येताम्	अपठ्यन्त
वि.	पठेयम्	पठेव	पठेम	पठ्येय	पठ्येवहि	पठ्येमहि
	पठेः	पठेतम्	पठेत	पठ्येथाः	पठ्येयाथाम्	पठ्येध्वम्
	पठेत्	पठेताम्	पठेयुः	पठ्येत	पठ्येयाताम्	पठ्येरन्
आ.	पठानि	पठाव	पठाम	पठ्यै	पठ्यावहै	पठ्यामहै
	पठ	पठतम्	पठत	पठ्यस्व	पठ्येथाम्	पठ्यध्वम्
	पठतु	पठताम्	पठन्तु	पठ्यताम्	पठ्येताम्	पठ्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३					
व.	पतामि	पतावः	पतामः	पत्ये	पत्यावहे	पत्यामहे
	पतसि	पतथः	पतथ	पत्यसे	पत्येथे	पत्यध्वे
	पतति	पततः	पतन्ति	पत्यते	पत्येते	पत्यन्ते
ह्य.	अपतम्	अपताव	अपताम	अपत्ये	अपत्यावहि	अपत्यामहि
	अपतः	अपततम्	अपतत	अपत्यथाः	अपत्येथाम्	अपत्यध्वम्
	अपतत्	अपतताम्	अपतन्	अपत्यत	अपत्येताम्	अपत्यन्त
वि.	पतेयम्	पतेव	पतेम	पत्येय	पत्येवहि	पत्येमहि
	पतेः	पतेतम्	पतेत	पत्येथाः	पत्येयाथाम्	पत्येध्वम्
	पतेत्	पतेताम्	पतेयुः	पत्येत	पत्येयाताम्	पत्येरन्
आ.	पतानि	पताव	पताम	पत्यै	पत्यावहै	पत्यामहै
	पत	पततम्	पतत	पत्यस्व	पत्येथाम्	पत्यध्वम्
	पतत्तु	पतताम्	पतन्तु	पत्यताम्	पत्येताम्	पत्यन्ताम्
	धातु. ४					
व.	रक्षामि	रक्षावः	रक्षामः	रक्ष्ये	रक्ष्यावहे	रक्ष्यामहे
	रक्षसि	रक्षथः	रक्षथ	रक्ष्यसे	रक्ष्येथे	रक्ष्यध्वे
	रक्षति	रक्षतः	रक्षन्ति	रक्ष्यते	रक्ष्येते	रक्ष्यन्ते
ह्य.	अरक्षम्	अरक्षाव	अरक्षाम	अरक्ष्ये	अरक्ष्यावहि	अरक्ष्यामहि
	अरक्षः	अरक्षतम्	अरक्षत	अरक्ष्यथाः	अरक्ष्येथाम्	अरक्ष्यध्वम्
	अरक्षत्	अरक्षताम्	अरक्षन्	अरक्ष्यत	अरक्ष्येताम्	अरक्ष्यन्त
वि.	रक्षेयम्	रक्षेव	रक्षेम	रक्ष्येय	रक्ष्येवहि	रक्ष्येमहि
	रक्षेः	रक्षेतम्	रक्षेत	रक्ष्येथाः	रक्ष्येयाथाम्	रक्ष्येध्वम्
	रक्षेत्	रक्षेताम्	रक्षेयुः	रक्ष्येत	रक्ष्येयाताम्	रक्ष्येरन्
आ.	रक्षाणि	रक्षाव	रक्षाम	रक्ष्यै	रक्ष्यावहै	रक्ष्यामहै
	रक्ष	रक्षतम्	रक्षत	रक्ष्यस्व	रक्ष्येथाम्	रक्ष्यध्वम्
	रक्षतु	रक्षताम्	रक्षन्तु	रक्ष्यताम्	रक्ष्येताम्	रक्ष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ५					
व.	वदामि	वदावः	वदामः	उद्ये	उद्यावहे	उद्यामहे
	वदसि	वदथः	वदथ	उद्यसे	उद्येथे	उद्यध्वे
	वदति	वदतः	वदन्ति	उद्यते	उद्येते	उद्यन्ते
ह्य.	अवदम्	अवदाव	अवदाम	औद्ये	औद्यावहि	औद्यामहि
	अवदः	अवदतम्	अवदत	औद्यथाः	औद्येथाम्	औद्यध्वम्
	अवदत्	अवदताम्	अवदन्	औद्यत	औद्येताम्	औद्यन्त
वि.	वदेयम्	वदेव	वदेम	उद्येय	उद्येवहि	उद्येमहि
	वदेः	वदेतम्	वदेत	उद्येथाः	उद्येयाथाम्	उद्येध्वम्
	वदेत्	वदेताम्	वदेयुः	उद्येत	उद्येयाताम्	उद्येरन्
आ.	वदानि	वदाव	वदाम	उद्यै	उद्यावहै	उद्यामहै
	वद	वदतम्	वदत	उद्यस्व	उद्येथाम्	उद्यध्वम्
	वदतु	वदताम्	वदन्तु	उद्यताम्	उद्येताम्	उद्यन्ताम्
	धातु. ६					
व.	वसामि	वसावः	वसामः	उष्ये	उष्यावहे	उष्यामहे
	वससि	वसथः	वसथ	उष्यसे	उष्येथे	उष्यध्वे
	वसति	वसतः	वसन्ति	उष्यते	उष्येते	उष्यन्ते
ह्य.	अवसम्	अवसाव	अवसाम	औष्ये	औष्यावहि	औष्यामहि
	अवसः	अवसतम्	अवसत	औष्यथाः	औष्येथाम्	औष्यध्वम्
	अवसत्	अवसताम्	अवसन्	औष्यत	औष्येताम्	औष्यन्त
वि.	वसेयम्	वसेव	वसेम	उष्येय	उष्येवहि	उष्येमहि
	वसेः	वसेतम्	वसेत	उष्येथाः	उष्येयाथाम्	उष्येध्वम्
	वसेत्	वसेताम्	वसेयुः	उष्येत	उष्येयाताम्	उष्येरन्
आ.	वसानि	वसाव	वसाम	उष्यै	उष्यावहै	उष्यामहै
	वस	वसतम्	वसत	उष्यस्व	उष्येथाम्	उष्यध्वम्
	वसतु	वसताम्	वसन्तु	उष्यताम्	उष्येताम्	उष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ७					
व.	भणामि	भणावः	भणामः	भण्ये	भण्यावहे	भण्यामहे
	भणसि	भणथः	भणथ	भण्यसे	भण्येथे	भण्यध्वे
	भणति	भणतः	भणन्ति	भण्यते	भण्येते	भण्यन्ते
ह्य.	अभणम्	अभणाव	अभणाम	अभण्ये	अभण्यावहि	अभण्यामहि
	अभणः	अभणतम्	अभणत	अभण्यथाः	अभण्येथाम्	अभण्यध्वम्
	अभणत्	अभणताम्	अभणन्	अभण्यत	अभण्येताम्	अभण्यन्त
वि.	भणेयम्	भणेव	भणेम	भण्येय	भण्येवहि	भण्येमहि
	भणेः	भणेतम्	भणेत	भण्येथाः	भण्येयाथाम्	भण्येध्वम्
	भणेत्	भणेताम्	भणेयुः	भण्येत	भण्येयाताम्	भण्येरन्
आ.	भणानि	भणाव	भणाम	भण्यै	भण्यावहै	भण्यामहै
	भण	भणतम्	भणत	भण्यस्व	भण्येथाम्	भण्यध्वम्
	भणतु	भणताम्	भणन्तु	भण्यताम्	भण्येताम्	भण्यन्ताम्
	धातु. ८					
व.	खादामि	खादावः	खादामः	खाद्ये	खाद्यावहे	खाद्यामहे
	खादसि	खादथः	खादथ	खाद्यसे	खाद्येथे	खाद्यध्वे
	खादति	खादतः	खादन्ति	खाद्यते	खाद्येते	खाद्यन्ते
ह्य.	अखादम्	अखादाव	अखादाम	अखाद्ये	अखाद्यावहि	अखाद्यामहि
	अखादः	अखादतम्	अखादत	अखाद्यथाः	अखाद्येथाम्	अखाद्यध्वम्
	अखादत्	अखादताम्	अखादन्	अखाद्यत	अखाद्येताम्	अखाद्यन्त
वि.	खादेयम्	खादेव	खादेम	खाद्येय	खाद्येवहि	खाद्येमहि
	खादेः	खादेतम्	खादेत	खाद्येथाः	खाद्येयाथाम्	खाद्येध्वम्
	खादेत्	खादेताम्	खादेयुः	खाद्येत	खाद्येयाताम्	खाद्येरन्
आ.	खादानि	खादाव	खादाम	खाद्यै	खाद्यावहै	खाद्यामहै
	खाद	खादतम्	खादत	खाद्यस्व	खाद्येथाम्	खाद्यध्वम्
	खादतु	खादताम्	खादन्तु	खाद्यताम्	खाद्येताम्	खाद्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६					
व.	दहामि	दहावः	दहामः	दह्ये	दह्यावहे	दह्यामहे
	दहसि	दहथः	दहथ	दह्यसे	दह्येथे	दह्यध्वे
	दहति	दहतः	दहन्ति	दह्यते	दह्येते	दह्यन्ते
ह्य.	अदहम्	अदहाव	अदहाम	अदह्ये	अदह्यावहि	अदह्यामहि
	अदहः	अदहतम्	अदहत	अदह्यथाः	अदह्येथाम्	अदह्यध्वम्
	अदहत्	अदहताम्	अदहन्	अदह्यत	अदह्येताम्	अदह्यन्त
वि.	दहेयम्	दहेव	दहेम	दह्येय	दह्येवहि	दह्येमहि
	दहेः	दहेतम्	दहेत	दह्येथाः	दह्येयाथाम्	दह्येध्वम्
	दहेत्	दहेताम्	दहेयुः	दह्येत	दह्येयाताम्	दह्येरन्
आ.	दहानि	दहाव	दहाम	दह्यै	दह्यावहै	दह्यामहै
	दह	दहतम्	दहत	दह्यस्व	दह्येथाम्	दह्यध्वम्
	दहतु	दहताम्	दहन्तु	दह्यताम्	दह्येताम्	दह्यन्ताम्
	धातु. १०					
व.	अटामि	अटावः	अटामः	अट्ये	अट्यावहे	अट्यामहे
	अटसि	अटथः	अटथ	अट्यसे	अट्येथे	अट्यध्वे
	अटति	अटतः	अटन्ति	अट्यते	अट्येते	अट्यन्ते
ह्य.	आटम्	आटाव	आटाम	आट्ये	आट्यावहि	आट्यामहि
	आटः	आटतम्	आटत	आट्यथाः	आट्येथाम्	आट्यध्वम्
	आटत्	आटताम्	आटन्	आट्यत	आट्येताम्	आट्यन्त
वि.	अटेयम्	अटेव	अटेम	अट्येय	अट्येवहि	अट्येमहि
	अटेः	अटेतम्	अटेत	अट्येथाः	अट्येयाथाम्	अट्येध्वम्
	अटेत्	अटेताम्	अटेयुः	अट्येत	अट्येयाताम्	अट्येरन्
आ.	अटानि	अटाव	अटाम	अट्यै	अट्यावहै	अट्यामहै
	अट	अटतम्	अटत	अट्यस्व	अट्येथाम्	अट्यध्वम्
	अटतु	अटताम्	अटन्तु	अट्यताम्	अट्येताम्	अट्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ११					
व.	अर्चामि	अर्चावः	अर्चामः	अर्च्ये	अर्च्यावहे	अर्च्यामहे
	अर्चसि	अर्चथः	अर्चथ	अर्च्यसे	अर्च्येथे	अर्च्यध्वे
	अर्चति	अर्चतः	अर्चन्ति	अर्च्यते	अर्च्येते	अर्च्यन्ते
ह्य.	आर्चम्	आर्चाव	आर्चाम	आर्च्ये	आर्च्यावहि	आर्च्यामहि
	आर्चः	आर्चतम्	आर्चत	आर्च्यथाः	आर्च्येथाम्	आर्च्यध्वम्
	आर्चत्	आर्चताम्	आर्चन्	आर्च्यत	आर्च्येताम्	आर्च्यन्त
वि.	अर्चेयम्	अर्चेव	अर्चेम	अर्च्येय	अर्च्येवहि	अर्च्येमहि
	अर्चेः	अर्चेतम्	अर्चेत	अर्च्येथाः	अर्च्येयाथाम्	अर्च्येध्वम्
	अर्चेत्	अर्चेताम्	अर्चेयुः	अर्च्येत	अर्च्येयाताम्	अर्च्येरन्
आ.	अर्चानि	अर्चाव	अर्चाम	अर्च्यै	अर्च्यावहै	अर्च्यामहै
	अर्च	अर्चतम्	अर्चत	अर्च्यस्व	अर्च्येथाम्	अर्च्यध्वम्
	अर्चतु	अर्चताम्	अर्चन्तु	अर्च्यताम्	अर्च्येताम्	अर्च्यन्ताम्
	धातु. १२					
व.	चलामि	चलावः	चलामः	चल्ये	चल्यावहे	चल्यामहे
	चलसि	चलथः	चलथ	चल्यसे	चल्येथे	चल्यध्वे
	चलति	चलतः	चलन्ति	चल्यते	चल्येते	चल्यन्ते
ह्य.	अचलम्	अचलाव	अचलाम	अचल्ये	अचल्यावहि	अचल्यामहि
	अचलः	अचलतम्	अचलत	अचल्यथाः	अचल्येथाम्	अचल्यध्वम्
	अचलत्	अचलताम्	अचलन्	अचल्यत	अचल्येताम्	अचल्यन्त
वि.	चलेयम्	चलेव	चलेम	चल्येय	चल्येवहि	चल्येमहि
	चलेः	चलेतम्	चलेत	चल्येथाः	चल्येयाथाम्	चल्येध्वम्
	चलेत्	चलेताम्	चलेयुः	चल्येत	चल्येयाताम्	चल्येरन्
आ.	चलानि	चलाव	चलाम	चल्यै	चल्यावहै	चल्यामहै
	चल	चलतम्	चलत	चल्यस्व	चल्येथाम्	चल्यध्वम्
	चलतु	चलताम्	चलन्तु	चल्यताम्	चल्येताम्	चल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १३					
व.	चरामि	चरावः	चरामः	चर्ये	चर्यावहे	चर्यामहे
	चरसि	चरथः	चरथ	चर्यसे	चर्येथे	चर्यध्वे
	चरति	चरतः	चरन्ति	चर्यते	चर्येते	चर्यन्ते
ह्य.	अचरम्	अचराव	अचराम	अचर्ये	अचर्यावहि	अचर्यामहि
	अचरः	अचरतम्	अचरत	अचर्यथाः	अचर्येथाम्	अचर्यध्वम्
	अचरत्	अचरताम्	अचरन्	अचर्यत	अचर्येताम्	अचर्यन्त
वि.	चरेयम्	चरेव	चरेम	चर्येय	चर्येवहि	चर्येमहि
	चरेः	चरेतम्	चरेत	चर्येथाः	चर्ययाथाम्	चर्येध्वम्
	चरेत्	चरेताम्	चरेयुः	चर्येत	चर्ययाताम्	चर्येरन्
आ.	चराणि	चराव	चराम	चर्यै	चर्यावहै	चर्यामहै
	चर	चरतम्	चरत	चर्यस्व	चर्येथाम्	चर्यध्वम्
	चरतु	चरताम्	चरन्तु	चर्यताम्	चर्येताम्	चर्यन्ताम्
	धातु. १४					
व.	जीवामि	जीवावः	जीवामः	जीव्ये	जीव्यावहे	जीव्यामहे
	जीवसि	जीवथः	जीवथ	जीव्यसे	जीव्येथे	जीव्यध्वे
	जीवति	जीवतः	जीवन्ति	जीव्यते	जीव्येते	जीव्यन्ते
ह्य.	अजीवम्	अजीवाव	अजीवाम	अजीव्यये	अजीव्यावहि	अजीव्यामहि
	अजीवः	अजीवतम्	अजीवत	अजीव्यथाः	अजीव्येथाम्	अजीव्यध्वम्
	अजीवत्	अजीवताम्	अजीवन्	अजीव्यत	अजीव्येताम्	अजीव्यन्त
वि.	जीवेयम्	जीवेव	जीवेम	जीव्येय	जीव्येवहि	जीव्येमहि
	जीवेः	जीवेतम्	जीवेत	जीव्येथाः	जीव्येयाथाम्	जीव्येध्वम्
	जीवेत्	जीवेताम्	जीवेयुः	जीव्येत	जीव्येयाताम्	जीव्येरन्
आ.	जीवानि	जीवाव	जीवाम	जीव्यै	जीव्यावहै	जीव्यामहै
	जीव	जीवतम्	जीवत	जीव्यस्व	जीव्येथाम्	जीव्यध्वम्
	जीवतु	जीवताम्	जीवन्तु	जीव्यताम्	जीव्येताम्	जीव्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १५					
व.	त्यजामि	त्यजावः	त्यजामः	त्यज्ये	त्यज्यावहे	त्यज्यामहे
	त्यजसि	त्यजथः	त्यजथ	त्यज्यसे	त्यज्येथे	त्यज्यध्वे
	त्यजति	त्यजतः	त्यजन्ति	त्यज्यते	त्यज्येते	त्यज्यन्ते
ह्य.	अत्यजम्	अत्यजाव	अत्यजाम	अत्यज्ये	अत्यज्यावहि	अत्यज्यामहि
	अत्यजः	अत्यजतम्	अत्यजत	अत्यज्यथाः	अत्यज्येथाम्	अत्यज्यध्वम्
	अत्यजत्	अत्यजताम्	अत्यजन्	अत्यज्यत	अत्यज्येताम्	अत्यज्यन्त
वि.	त्यजेयम्	त्यजेव	त्यजेम	त्यज्येय	त्यज्येवहि	त्यज्येमहि
	त्यजेः	त्यजेतम्	त्यजेत	त्यज्येथाः	त्यज्येयाथाम्	त्यज्येध्वम्
	त्यजेत्	त्यजेताम्	त्यजेयुः	त्यज्येत	त्यज्येयाताम्	त्यज्येरन्
आ.	त्यजानि	त्यजाव	त्यजाम	त्यज्यै	त्यज्यावहै	त्यज्यामहै
	त्यज	त्यजतम्	त्यजत	त्यज्यस्व	त्यज्येथाम्	त्यज्यध्वम्
	त्यजतु	त्यजताम्	त्यजन्तु	त्यज्यताम्	त्यज्येताम्	त्यज्यन्ताम्
	धातु. १६					
व.	क्षरामि	क्षरावः	क्षरामः	क्षर्ये	क्षर्यावहे	क्षर्यामहे
	क्षरसि	क्षरथः	क्षरथ	क्षर्यसे	क्षर्येथे	क्षर्यध्वे
	क्षरति	क्षरतः	क्षरन्ति	क्षर्यते	क्षर्येते	क्षर्यन्ते
ह्य.	अक्षरम्	अक्षराव	अक्षराम	अक्षर्ये	अक्षर्यावहि	अक्षर्यामहि
	अक्षरः	अक्षरतम्	अक्षरत	अक्षर्यथाः	अक्षर्येथाम्	अक्षर्यध्वम्
	अक्षरत्	अक्षरताम्	अक्षरन्	अक्षर्यत	अक्षर्येताम्	अक्षर्यन्त
वि.	क्षरेयम्	क्षरेव	क्षरेम	क्षर्येय	क्षर्येवहि	क्षर्येमहि
	क्षरेः	क्षरेतम्	क्षरेत	क्षर्येथाः	क्षर्येयाथाम्	क्षर्येध्वम्
	क्षरेत्	क्षरेताम्	क्षरेयुः	क्षर्येत	क्षर्येयाताम्	क्षर्येरन्
आ.	क्षराणि	क्षराव	क्षराम	क्षर्यै	क्षर्यावहै	क्षर्यामहै
	क्षर	क्षरतम्	क्षरत	क्षर्यस्व	क्षर्येथाम्	क्षर्यध्वम्
	क्षरतु	क्षरताम्	क्षरन्तु	क्षर्यताम्	क्षर्येताम्	क्षर्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १७					
व.	क्रीडामि	क्रीडावः	क्रीडामः	क्रीड्ये	क्रीड्यावहे	क्रीड्यामहे
	क्रीडसि	क्रीडथः	क्रीडथ	क्रीड्यसे	क्रीड्येथे	क्रीड्यध्वे
	क्रीडति	क्रीडतः	क्रीडन्ति	क्रीड्यते	क्रीड्येते	क्रीड्यन्ते
ह्य.	अक्रीडम्	अक्रीडाव	अक्रीडाम	अक्रीड्ये	अक्रीड्यावहि	अक्रीड्यामहि
	अक्रीडः	अक्रीडतम्	अक्रीडत	अक्रीड्यथाः	अक्रीड्येथाम्	अक्रीड्यध्वम्
	अक्रीडत्	अक्रीडताम्	अक्रीडन्	अक्रीड्यत	अक्रीड्येताम्	अक्रीड्यन्त
वि.	क्रीडेयम्	क्रीडेव	क्रीडेम	क्रीड्येय	क्रीड्येवहि	क्रीड्येमहि
	क्रीडेः	क्रीडेतम्	क्रीडेत	क्रीड्येथाः	क्रीड्येयाथाम्	क्रीड्येध्वम्
	क्रीडेत्	क्रीडेताम्	क्रीडेयुः	क्रीड्येत	क्रीड्येयाताम्	क्रीड्येरन्
आ.	क्रीडानि	क्रीडाव	क्रीडाम	क्रीड्यै	क्रीड्यावहै	क्रीड्यामहै
	क्रीड	क्रीडतम्	क्रीडत	क्रीड्यस्व	क्रीड्येथाम्	क्रीड्यध्वम्
	क्रीडतु	क्रीडताम्	क्रीडन्तु	क्रीड्यताम्	क्रीड्येताम्	क्रीड्यन्ताम्
	धातु. १८					
व.	जपामि	जपावः	जपामः	जप्ये	जप्यावहे	जप्यामहे
	जपसि	जपथः	जपथ	जप्यसे	जप्येथे	जप्यध्वे
	जपति	जपतः	जपन्ति	जप्यते	जप्येते	जप्यन्ते
ह्य.	अजपम्	अजपाव	अजपाम	अजप्ये	अजप्यावहि	अजप्यामहि
	अजपः	अजपतम्	अजपत	अजप्यथाः	अजप्येथाम्	अजप्यध्वम्
	अजपत्	अजपताम्	अजपन्	अजप्यत	अजप्येताम्	अजप्यन्त
वि.	जपेयम्	जपेव	जपेम	जप्येय	जप्येवहि	जप्येमहि
	जपेः	जपेतम्	जपेत	जप्येथाः	जप्येयाथाम्	जप्येध्वम्
	जपेत्	जपेताम्	जपेयुः	जप्येत	जप्येयाताम्	जप्येरन्
आ.	जपानि	जपाव	जपाम	जप्यै	जप्यावहै	जप्यामहै
	जप	जपतम्	जपत	जप्यस्व	जप्येथाम्	जप्यध्वम्
	जपतु	जपताम्	जपन्तु	जप्यताम्	जप्येताम्	जप्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १९					
व.	जेमामि	जेमावः	जेमामः	जिम्ये	जिम्यावहे	जिम्यामहे
	जेमसि	जेमथः	जेमथ	जिम्यसे	जिम्येथे	जिम्यध्वे
	जेमति	जेमतः	जेमन्ति	जिम्यते	जिम्येते	जिम्यन्ते
ह्य.	अजेमम्	अजेमाव	अजेमाम	अजिम्ये	अजिम्यावहि	अजिम्यामहि
	अजेमः	अजेमतम्	अजेमत	अजिम्यथाः	अजिम्येथाम्	अजिम्यध्वम्
	अजेमत्	अजेमताम्	अजेमन्	अजिम्यत	अजिम्येताम्	अजिम्यन्त
वि.	जेमेयम्	जेमेव	जेमेम	जिम्येय	जिम्येवहि	जिम्येमहि
	जेमेः	जेमेतम्	जेमेत	जिम्येथाः	जिम्येयाथाम्	जिम्येध्वम्
	जेमेत्	जेमेताम्	जेमेयुः	जिम्येत	जिम्येयाताम्	जिम्येरन्
आ.	जेमानि	जेमाव	जेमाम	जिम्यै	जिम्यावहै	जिम्यामहै
	जेम	जेमतम्	जेमत	जिम्यस्व	जिम्येथाम्	जिम्यध्वम्
	जेमतु	जेमताम्	जेमन्तु	जिम्यताम्	जिम्येताम्	जिम्यन्ताम्
	धातु. २०					
व.	निन्दामि	निन्दावः	निन्दामः	निन्द्ये	निन्द्यावहे	निन्द्यामहे
	निन्दसि	निन्दथः	निन्दथ	निन्द्यसे	निन्द्येथे	निन्द्यध्वे
	निन्दति	निन्दतः	निन्दन्ति	निन्द्यते	निन्द्येते	निन्द्यन्ते
ह्य.	अनिन्दम्	अनिन्दाव	अनिन्दाम	अनिन्द्ये	अनिन्द्यावहि	अनिन्द्यामहि
	अनिन्दः	अनिन्दतम्	अनिन्दत	अनिन्द्यथाः	अनिन्द्येथाम्	अनिन्द्यध्वम्
	अनिन्दत्	अनिन्दताम्	अनिन्दन्	अनिन्द्यत	अनिन्द्येताम्	अनिन्द्यन्त
वि.	निन्देयम्	निन्देव	निन्देम	निन्द्येय	निन्द्येवहि	निन्द्येमहि
	निन्देः	निन्देतम्	निन्देत	निन्द्येथाः	निन्द्येयाथाम्	निन्द्येध्वम्
	निन्देत्	निन्देताम्	निन्देयुः	निन्द्येत	निन्द्येयाताम्	निन्द्येरन्
आ.	निन्दानि	निन्दाव	निन्दाम	निन्द्यै	निन्द्यावहै	निन्द्यामहै
	निन्द	निन्दतम्	निन्दत	निन्द्यस्व	निन्द्येथाम्	निन्द्यध्वम्
	निन्दतु	निन्दताम्	निन्दन्तु	निन्द्यताम्	निन्द्येताम्	निन्द्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. २१					
व.	वर्षामि	वर्षावः	वर्षामः	वृष्ये	वृष्यावहे	वृष्यामहे
	वर्षसि	वर्षथः	वर्षथ	वृष्यसे	वृष्येथे	वृष्यध्वे
	वर्षति	वर्षतः	वर्षन्ति	वृष्यते	वृष्येते	वृष्यन्ते
ह्य.	अवर्षम्	अवर्षाव	अवर्षाम	अवृष्ये	अवृष्यावहि	अवृष्यामहि
	अवर्षः	अवर्षतम्	अवर्षत	अवृष्यथाः	अवृष्येथाम्	अवृष्यध्वम्
	अवर्षत्	अवर्षताम्	अवर्षन्	अवृष्यत	अवृष्येताम्	अवृष्यन्त
वि.	वर्षेयम्	वर्षेव	वर्षेम	वृष्येय	वृष्येवहि	वृष्येमहि
	वर्षेः	वर्षेतम्	वर्षेत	वृष्येथाः	वृष्येयाथाम्	वृष्येध्वम्
	वर्षेत्	वर्षेताम्	वर्षेयुः	वृष्येत	वृष्येयाताम्	वृष्येरन्
आ.	वर्षाणि	वर्षाव	वर्षाम	वृष्यै	वृष्यावहै	वृष्यामहै
	वर्ष	वर्षतम्	वर्षत	वृष्यस्व	वृष्येथाम्	वृष्यध्वम्
	वर्षतु	वर्षताम्	वर्षन्तु	वृष्यताम्	वृष्येताम्	वृष्यन्ताम्
	धातु. २२					
व.	शोचामि	शोचावः	शोचामः	शुच्ये	शुच्यावहे	शुच्यामहे
	शोचसि	शोचथः	शोचथ	शुच्यसे	शुच्येथे	शुच्यध्वे
	शोचति	शोचतः	शोचन्ति	शुच्यते	शुच्येते	शुच्यन्ते
ह्य.	अशोचम्	अशोचाव	अशोचाम	अशुच्ये	अशुच्यावहि	अशुच्यामहि
	अशोचः	अशोचतम्	अशोचत	अशुच्यथाः	अशुच्येथाम्	अशुच्यध्वम्
	अशोचत्	अशोचताम्	अशोचन्	अशुच्यत	अशुच्येताम्	अशुच्यन्त
वि.	शोचेयम्	शोचेव	शोचेम	शुच्येय	शुच्येवहि	शुच्येमहि
	शोचेः	शोचेतम्	शोचेत	शुच्येथाः	शुच्येयाथाम्	शुच्येध्वम्
	शोचेत्	शोचेताम्	शोचेयुः	शुच्येत	शुच्येयाताम्	शुच्येरन्
आ.	शोचानि	शोचाव	शोचाम	शुच्यै	शुच्यावहै	शुच्यामहै
	शोच	शोचतम्	शोचत	शुच्यस्व	शुच्येथाम्	शुच्यध्वम्
	शोचतु	शोचताम्	शोचन्तु	शुच्यताम्	शुच्येताम्	शुच्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. २३					
व.	जयामि	जयावः	जयामः	जीये	जीयावहे	जीयामहे
	जयसि	जयथः	जयथ	जीयसे	जीयेथे	जीयध्वे
	जयति	जयतः	जयन्ति	जीयते	जीयेते	जीयन्ते
ह्य.	अजयम्	अजयाव	अजयाम	अजीये	अजीयावहि	अजीयामहि
	अजयः	अजयतम्	अजयत	अजीयथाः	अजीयेथाम्	अजीयध्वम्
	अजयत्	अजयताम्	अजयन्	अजीयत	अजीयेताम्	अजीयन्त
वे.	जयेयम्	जयेव	जयेम	जीयेय	जीयेवहि	जीयेमहि
	जयेः	जयेतम्	जयेत	जीयेथाः	जीयेयाथाम्	जीयेध्वम्
	जयेत्	जयेताम्	जयेयुः	जीयेत	जीयेयाताम्	जीयेरन्
आ.	जयानि	जयाव	जयाम	जीयै	जीयावहै	जीयामहै
	जय	जयतम्	जयत	जीयस्व	जीयेथाम्	जीयध्वम्
	जयतु	जयताम्	जयन्तु	जीयताम्	जीयेताम्	जीयन्ताम्
	धातु. २४					
व.	तरामि	तरावः	तरामः	तीर्ये	तीर्यावहे	तीर्यामहे
	तरसि	तरथः	तरथ	तीर्यसे	तीर्येथे	तीर्यध्वे
	तरति	तरतः	तरन्ति	तीर्यते	तीर्येते	तीर्यन्ते
ह्य.	अतरम्	अतराव	अतराम	अतीर्ये	अतीर्यावहि	अतीर्यामहि
	अतरः	अतरतम्	अतरत	अतीर्यथाः	अतीर्येथाम्	अतीर्यध्वम्
	अतरत्	अतरताम्	अतरन्	अतीर्यत	अतीर्येताम्	अतीर्यन्त
वे.	तरेयम्	तरेव	तरेम	तीर्येय	तीर्येवहि	तीर्येमहि
	तरेः	तरेतम्	तरेत	तीर्येथाः	तीर्येयाथाम्	तीर्येध्वम्
	तरेत्	तरेताम्	तरेयुः	तीर्येत	तीर्येयाताम्	तीर्येरन्
आ.	तराणि	तराव	तराम	तीर्यै	तीर्यावहै	तीर्यामहै
	तर	तरतम्	तरत	तीर्यस्व	तीर्येथाम्	तीर्यध्वम्
	तरतु	तरताम्	तरन्तु	तीर्यताम्	तीर्येताम्	तीर्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. २५					
व.	धावामि	धावावः	धावामः	धाव्ये	धाव्यावहे	धाव्यामहे
	धावसि	धावथः	धावथ	धाव्यसे	धाव्येथे	धाव्यध्वे
	धावति	धावतः	धावन्ति	धाव्यते	धाव्येते	धाव्यन्ते
ह्य.	अधावम्	अधावाव	अधावाम	अधाव्ये	अधाव्यावहि	अधाव्यामहि
	अधावः	अधावतम्	अधावत	अधाव्यथाः	अधाव्येथाम्	अधाव्यध्वम्
	अधावत्	अधावताम्	अधावन्	अधाव्यत	अधाव्येताम्	अधाव्यन्त
वि.	धावेयम्	धावेव	धावेम	धाव्येय	धाव्येवहि	धाव्येमहि
	धावेः	धावेतम्	धावेत	धाव्येथाः	धाव्येयाथाम्	धाव्येध्वम्
	धावेत्	धावेताम्	धावेयुः	धाव्येत	धाव्येयाताम्	धाव्येरन्
आ.	धावानि	धावाव	धावाम	धाव्यै	धाव्यावहै	धाव्यामहै
	धाव	धावतम्	धावत	धाव्यस्व	धाव्येथाम्	धाव्यध्वम्
	धावतु	धावताम्	धावन्तु	धाव्यताम्	धाव्येताम्	धाव्यन्ताम्
	धातु. २६					
व.	भवामि	भवावः	भवामः	भूये	भूयावहे	भूयामहे
	भवसि	भवथः	भवथ	भूयसे	भूयेथे	भूयध्वे
	भवति	भवतः	भवन्ति	भूयते	भूयेते	भूयन्ते
ह्य.	अभवम्	अभवाव	अभवाम	अभूये	अभूयावहि	अभूयामहि
	अभवः	अभवतम्	अभवत	अभूयथाः	अभूयेथाम्	अभूयध्वम्
	अभवत्	अभवताम्	अभवन्	अभूयत	अभूयेताम्	अभूयन्त
वि.	भवेयम्	भवेव	भवेम	भूयेय	भूयेवहि	भूयेमहि
	भवेः	भवेतम्	भवेत	भूयेथाः	भूयेयाथाम्	भूयेध्वम्
	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः	भूयेत	भूयेयाताम्	भूयेरन्
आ.	भवानि	भवाव	भवाम	भूयै	भूयावहै	भूयामहै
	भव	भवतम्	भवत	भूयस्व	भूयेथाम्	भूयध्वम्
	भवतु	भवताम्	भवन्तु	भूयताम्	भूयेताम्	भूयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. २७					
व.	सरामि	सरावः	सरामः	स्रिये	स्रियावहे	स्रियामहे
	सरसि	सरथः	सरथ	स्रियसे	स्रियेथे	स्रियध्वे
	सरति	सरतः	सरन्ति	स्रियते	स्रियेते	स्रियन्ते
ह्य.	असरम्	असराव	असराम	अस्रिये	अस्रियावहि	अस्रियामहि
	असरः	असरतम्	असरत	अस्रियथाः	अस्रियेथाम्	अस्रियध्वम्
	असरत्	असरताम्	असरन्	अस्रियत	अस्रियेताम्	अस्रियन्त
वि.	सरेयम्	सरेव	सरेम	स्रियेय	स्रियेवहि	स्रियेमहि
	सरेः	सरेतम्	सरेत	स्रियेथाः	स्रियेयाथाम्	स्रियेध्वम्
	सरेत्	सरेताम्	सरेयुः	स्रियेत	स्रियेयाताम्	स्रियेरन्
आ.	सराणि	सराव	सराम	स्रियै	स्रियावहै	स्रियामहै
	सर	सरतम्	सरत	स्रियस्व	स्रियेथाम्	स्रियध्वम्
	सरतु	सरताम्	सरन्तु	स्रियताम्	स्रियेताम्	स्रियन्ताम्
	धातु. २८					
व.	स्मरामि	स्मरावः	स्मरामः	स्मर्ये	स्मर्यावहे	स्मर्यामहे
	स्मरसि	स्मरथः	स्मरथ	स्मर्यसे	स्मर्येथे	स्मर्यध्वे
	स्मरति	स्मरतः	स्मरन्ति	स्मर्यते	स्मर्येते	स्मर्यन्ते
ह्य.	अस्मरम्	अस्मराव	अस्मराम	अस्मर्ये	अस्मर्यावहि	अस्मर्यामहि
	अस्मरः	अस्मरतम्	अस्मरत	अस्मर्यथाः	अस्मर्येथाम्	अस्मर्यध्वम्
	अस्मरत्	अस्मरताम्	अस्मरन्	अस्मर्यत	अस्मर्येताम्	अस्मर्यन्त
वि.	स्मरेयम्	स्मरेव	स्मरेम	स्मर्येय	स्मर्येवहि	स्मर्येमहि
	स्मरेः	स्मरेतम्	स्मरेत	स्मर्येथाः	स्मर्येयाथाम्	स्मर्येध्वम्
	स्मरेत्	स्मरेताम्	स्मरेयुः	स्मर्येत	स्मर्येयाताम्	स्मर्येरन्
आ.	स्मरानि	स्मराव	स्मराम	स्मर्यै	स्मर्यावहै	स्मर्यामहै
	स्मर	स्मरतम्	स्मरत	स्मर्यस्व	स्मर्येथाम्	स्मर्यध्वम्
	स्मरतु	स्मरताम्	स्मरन्तु	स्मर्यताम्	स्मर्येताम्	स्मर्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. २९					
व.	क्षयामि	क्षयावः	क्षयामः	क्षीये	क्षीयावहे	क्षीयामहे
	क्षयसि	क्षयथः	क्षयथ	क्षीयसे	क्षीयेथे	क्षीयध्वे
	क्षयति	क्षयतः	क्षयन्ति	क्षीयते	क्षीयेते	क्षीयन्ते
ह्य.	अक्षयम्	अक्षयाव	अक्षयाम	अक्षीये	अक्षीयावहि	अक्षीयामहि
	अक्षयः	अक्षयतम्	अक्षयत	अक्षीयथाः	अक्षीयेथाम्	अक्षीयध्वम्
	अक्षयत्	अक्षयताम्	अक्षयन्	अक्षीयत	अक्षीयेताम्	अक्षीयन्त
वि.	क्षयेयम्	क्षयेव	क्षयेम	क्षीयेय	क्षीयेवहि	क्षीयेमहि
	क्षयेः	क्षयेतम्	क्षयेत	क्षीयेथाः	क्षीयेयाथाम्	क्षीयेध्वम्
	क्षयेत्	क्षयेताम्	क्षयेयुः	क्षीयेत	क्षीयेयाताम्	क्षीयेरन्
आ.	क्षयाणि	क्षयाव	क्षयाम	क्षीयै	क्षीयावहै	क्षीयामहै
	क्षय	क्षयतम्	क्षयत	क्षीयस्व	क्षीयेथाम्	क्षीयध्वम्
	क्षयतु	क्षयताम्	क्षयन्तु	क्षीयताम्	क्षीयेताम्	क्षीयन्ताम्
	धातु. ३०					
व.	कुप्यामि	कुप्यावः	कुप्यामः	कुप्ये	कुप्यावहे	कुप्यामहे
	कुप्यसि	कुप्यथः	कुप्यथ	कुप्यसे	कुप्येथे	कुप्यध्वे
	कुप्यति	कुप्यतः	कुप्यन्ति	कुप्यते	कुप्येते	कुप्यन्ते
ह्य.	अकुप्यम्	अकुप्याव	अकुप्याम	अकुप्ये	अकुप्यावहि	अकुप्यामहि
	अकुप्यः	अकुप्यतम्	अकुप्यत	अकुप्यथाः	अकुप्येथाम्	अकुप्यध्वम्
	अकुप्यत्	अकुप्यताम्	अकुप्यन्	अकुप्यत	अकुप्येताम्	अकुप्यन्त
वि.	कुप्येयम्	कुप्येव	कुप्येम	कुप्येय	कुप्येवहि	कुप्येमहि
	कुप्येः	कुप्येतम्	कुप्येत	कुप्येथाः	कुप्येयाथाम्	कुप्येध्वम्
	कुप्येत्	कुप्येताम्	कुप्येयुः	कुप्येत	कुप्येयाताम्	कुप्येरन्
आ.	कुप्यानि	कुप्याव	कुप्याम	कुप्यै	कुप्यावहै	कुप्यामहै
	कुप्य	कुप्यतम्	कुप्यत	कुप्यस्व	कुप्येथाम्	कुप्यध्वम्
	कुप्यतु	कुप्यताम्	कुप्यन्तु	कुप्यताम्	कुप्येताम्	कुप्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३१					
व.	क्रुध्यामि	क्रुध्यावः	क्रुध्यामः	क्रुध्ये	क्रुध्यावहे	क्रुध्यामहे
	क्रुध्यसि	क्रुध्यथः	क्रुध्यथ	क्रुध्यसे	क्रुध्येथे	क्रुध्यध्वे
	क्रुध्यति	क्रुध्यतः	क्रुध्यन्ति	क्रुध्यते	क्रुध्येते	क्रुध्यन्ते
ह्य.	अक्रुध्यम्	अक्रुध्याव	अक्रुध्याम	अक्रुध्ये	अक्रुध्यावहि	अक्रुध्यामहि
	अक्रुध्यः	अक्रुध्यतम्	अक्रुध्यत	अक्रुध्यथाः	अक्रुध्येथाम्	अक्रुध्यध्वम्
	अक्रुध्यत्	अक्रुध्यताम्	अक्रुध्यन्	अक्रुध्यत	अक्रुध्येताम्	अक्रुध्यन्त
वि.	क्रुध्येयम्	क्रुध्येव	क्रुध्येम	क्रुध्येय	क्रुध्येवहि	क्रुध्येमहि
	क्रुध्येः	क्रुध्येतम्	क्रुध्येत	क्रुध्येथाः	क्रुध्येयाथाम्	क्रुध्येध्वम्
	क्रुध्येत्	क्रुध्येताम्	क्रुध्येयुः	क्रुध्येत	क्रुध्येयाताम्	क्रुध्येरन्
आ.	क्रुध्यानि	क्रुध्याव	क्रुध्याम	क्रुध्यै	क्रुध्यावहै	क्रुध्यामहै
	क्रुध्य	क्रुध्यतम्	क्रुध्यत	क्रुध्यस्व	क्रुध्येथाम्	क्रुध्यध्वम्
	क्रुध्यतु	क्रुध्यताम्	क्रुध्यन्तु	क्रुध्यताम्	क्रुध्येताम्	क्रुध्यन्ताम्
	धातु. ३२					
व.	तुष्यामि	तुष्यावः	तुष्यामः	तुष्ये	तुष्यावहे	तुष्यामहे
	तुष्यसि	तुष्यथः	तुष्यथ	तुष्यसे	तुष्येथे	तुष्यध्वे
	तुष्यति	तुष्यतः	तुष्यन्ति	तुष्यते	तुष्येते	तुष्यन्ते
ह्य.	अतुष्यम्	अतुष्याव	अतुष्याम	अतुष्ये	अतुष्यावहि	अतुष्यामहि
	अतुष्यः	अतुष्यतम्	अतुष्यत	अतुष्यथाः	अतुष्येथाम्	अतुष्यध्वम्
	अतुष्यत्	अतुष्यताम्	अतुष्यन्	अतुष्यत	अतुष्येताम्	अतुष्यन्त
वि.	तुष्येयम्	तुष्येव	तुष्येम	तुष्येय	तुष्येवहि	तुष्येमहि
	तुष्येः	तुष्येतम्	तुष्येत	तुष्येथाः	तुष्येयाथाम्	तुष्येध्वम्
	तुष्येत्	तुष्येताम्	तुष्येयुः	तुष्येत	तुष्येयाताम्	तुष्येरन्
आ.	तुष्याणि	तुष्याव	तुष्याम	तुष्यै	तुष्यावहै	तुष्यामहै
	तुष्य	तुष्यतम्	तुष्यत	तुष्यस्व	तुष्येथाम्	तुष्यध्वम्
	तुष्यतु	तुष्यताम्	तुष्यन्तु	तुष्यताम्	तुष्येताम्	तुष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३३					
व.	नश्यामि	नश्यावः	नश्यामः	नश्ये	नश्यावहे	नश्यामहे
	नश्यसि	नश्यथः	नश्यथ	नश्यसे	नश्येथे	नश्यध्वे
	नश्यति	नश्यतः	नश्यन्ति	नश्यते	नश्येते	नश्यन्ते
ह्य.	अनश्यम्	अनश्याव	अनश्याम	अनश्ये	अनश्यावहि	अनश्यामहि
	अनश्यः	अनश्यतम्	अनश्यत	अनश्यथाः	अनश्येथाम्	अनश्यध्वम्
	अनश्यत्	अनश्यताम्	अनश्यन्	अनश्यत	अनश्येताम्	अनश्यन्त
वि.	नश्येयम्	नश्येव	नश्येम	नश्येय	नश्येवहि	नश्येमहि
	नश्येः	नश्येतम्	नश्येत	नश्येथाः	नश्येयाथाम्	नश्येध्वम्
	नश्येत्	नश्येताम्	नश्येयुः	नश्येत	नश्येयाताम्	नश्येरन्
आ.	नश्यानि	नश्याव	नश्याम	नश्यै	नश्यावहै	नश्यामहै
	नश्य	नश्यतम्	नश्यत	नश्यस्व	नश्येथाम्	नश्यध्वम्
	नश्यतु	नश्यताम्	नश्यन्तु	नश्यताम्	नश्येताम्	नश्यन्ताम्
	धातु. ३४					
व.	नृत्यामि	नृत्यावः	नृत्यामः	नृत्ये	नृत्यावहे	नृत्यामहे
	नृत्यसि	नृत्यथः	नृत्यथ	नृत्यसे	नृत्येथे	नृत्यध्वे
	नृत्यति	नृत्यतः	नृत्यन्ति	नृत्यते	नृत्येते	नृत्यन्ते
ह्य.	अनृत्यम्	अनृत्याव	अनृत्याम	अनृत्ये	अनृत्यावहि	अनृत्यामहि
	अनृत्यः	अनृत्यतम्	अनृत्यत	अनृत्यथाः	अनृत्येथाम्	अनृत्यध्वम्
	अनृत्यत्	अनृत्यताम्	अनृत्यन्	अनृत्यत	अनृत्येताम्	अनृत्यन्त
वि.	नृत्येयम्	नृत्येव	नृत्येम	नृत्येय	नृत्येवहि	नृत्येमहि
	नृत्येः	नृत्येतम्	नृत्येत	नृत्येथाः	नृत्येयाथाम्	नृत्येध्वम्
	नृत्येत्	नृत्येताम्	नृत्येयुः	नृत्येत	नृत्येयाताम्	नृत्येरन्
आ.	नृत्यानि	नृत्याव	नृत्याम	नृत्यै	नृत्यावहै	नृत्यामहै
	नृत्य	नृत्यतम्	नृत्यत	नृत्यस्व	नृत्येथाम्	नृत्यध्वम्
	नृत्यतु	नृत्यताम्	नृत्यन्तु	नृत्यताम्	नृत्येताम्	नृत्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३५					
व.	पुष्यामि	पुष्यावः	पुष्यामः	पुष्ये	पुष्यावहे	पुष्यामहे
	पुष्यसि	पुष्यथः	पुष्यथ	पुष्यसे	पुष्येथे	पुष्यध्वे
	पुष्यति	पुष्यतः	पुष्यन्ति	पुष्यते	पुष्येते	पुष्यन्ते
ह्य.	अपुष्यम्	अपुष्याव	अपुष्याम	अपुष्ये	अपुष्यावहि	अपुष्यामहि
	अपुष्यः	अपुष्यतम्	अपुष्यत	अपुष्यथाः	अपुष्येथाम्	अपुष्यध्वम्
	अपुष्यत्	अपुष्यताम्	अपुष्यन्	अपुष्यत	अपुष्येताम्	अपुष्यन्त
वि.	पुष्येयम्	पुष्येव	पुष्येम	पुष्येय	पुष्येवहि	पुष्येमहि
	पुष्येः	पुष्येतम्	पुष्येत	पुष्येथाः	पुष्येयाथाम्	पुष्येध्वम्
	पुष्येत्	पुष्येताम्	पुष्येयुः	पुष्येत	पुष्येयाताम्	पुष्येरन्
आ.	पुष्याणि	पुष्याव	पुष्याम	पुष्यै	पुष्यावहै	पुष्यामहै
	पुष्य	पुष्यतम्	पुष्यत	पुष्यस्व	पुष्येथाम्	पुष्यध्वम्
	पुष्यतु	पुष्यताम्	पुष्यन्तु	पुष्यताम्	पुष्येताम्	पुष्यन्ताम्
	धातु. ३६					
व.	मुह्यामि	मुह्यावः	मुह्यामः	मुह्ये	मुह्यावहे	मुह्यामहे
	मुह्यसि	मुह्यथः	मुह्यथ	मुह्यसे	मुह्येथे	मुह्यध्वे
	मुह्यति	मुह्यतः	मुह्यन्ति	मुह्यते	मुह्येते	मुह्यन्ते
ह्य.	अमुह्यम्	अमुह्याव	अमुह्याम	अमुह्ये	अमुह्यावहि	अमुह्यामहि
	अमुह्यः	अमुह्यतम्	अमुह्यत	अमुह्यथाः	अमुह्येथाम्	अमुह्यध्वम्
	अमुह्यत्	अमुह्यताम्	अमुह्यन्	अमुह्यत	अमुह्येताम्	अमुह्यन्त
वि.	मुह्येयम्	मुह्येव	मुह्येम	मुह्येय	मुह्येवहि	मुह्येमहि
	मुह्येः	मुह्येतम्	मुह्येत	मुह्येथाः	मुह्येयाथाम्	मुह्येध्वम्
	मुह्येत्	मुह्येताम्	मुह्येयुः	मुह्येत	मुह्येयाताम्	मुह्येरन्
आ.	मुह्यानि	मुह्याव	मुह्याम	मुह्यै	मुह्यावहै	मुह्यामहै
	मुह्य	मुह्यतम्	मुह्यत	मुह्यस्व	मुह्येथाम्	मुह्यध्वम्
	मुह्यतु	मुह्यताम्	मुह्यन्तु	मुह्यताम्	मुह्येताम्	मुह्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३७					
व.	लुट्यामि	लुट्यावः	लुट्यामः	लुट्ये	लुट्यावहे	लुट्यामहे
	लुट्यसि	लुट्यथः	लुट्यथ	लुट्यसे	लुट्येथे	लुट्यध्वे
	लुट्यति	लुट्यतः	लुट्यन्ति	लुट्यते	लुट्येते	लुट्यन्ते
ह्य.	अलुट्यम्	अलुट्याव	अलुट्याम	अलुट्ये	अलुट्यावहि	अलुट्यामहि
	अलुट्यः	अलुट्यतम्	अलुट्यत	अलुट्यथाः	अलुट्येथाम्	अलुट्यध्वम्
	अलुट्यत्	अलुट्यताम्	अलुट्यन्	अलुट्यत	अलुट्येताम्	अलुट्यन्त
वि.	लुट्येयम्	लुट्येव	लुट्येम	लुट्येय	लुट्येवहि	लुट्येमहि
	लुट्येः	लुट्येतम्	लुट्येत	लुट्येथाः	लुट्येयाथाम्	लुट्येध्वम्
	लुट्येत्	लुट्येताम्	लुट्येयुः	लुट्येत	लुट्येयाताम्	लुट्येरन्
आ.	लुट्यानि	लुट्याव	लुट्याम	लुट्यै	लुट्यावहै	लुट्यामहै
	लुट्य	लुट्यतम्	लुट्यत	लुट्यस्व	लुट्येथाम्	लुट्यध्वम्
	लुट्यतु	लुट्यताम्	लुट्यन्तु	लुट्यताम्	लुट्येताम्	लुट्यन्ताम्
	धातु. ३८					
व.	लुभ्यामि	लुभ्यावः	लुभ्यामः	लुभ्ये	लुभ्यावहे	लुभ्यामहे
	लुभ्यसि	लुभ्यथः	लुभ्यथ	लुभ्यसे	लुभ्येथे	लुभ्यध्वे
	लुभ्यति	लुभ्यतः	लुभ्यन्ति	लुभ्यते	लुभ्येते	लुभ्यन्ते
ह्य.	अलुभ्यम्	अलुभ्याव	अलुभ्याम	अलुभ्ये	अलुभ्यावहि	अलुभ्यामहि
	अलुभ्यः	अलुभ्यतम्	अलुभ्यत	अलुभ्यथाः	अलुभ्येथाम्	अलुभ्यध्वम्
	अलुभ्यत्	अलुभ्यताम्	अलुभ्यन्	अलुभ्यत	अलुभ्येताम्	अलुभ्यन्त
वि.	लुभ्येयम्	लुभ्येव	लुभ्येम	लुभ्येय	लुभ्येवहि	लुभ्येमहि
	लुभ्येः	लुभ्येतम्	लुभ्येत	लुभ्येथाः	लुभ्येयाथाम्	लुभ्येध्वम्
	लुभ्येत्	लुभ्येताम्	लुभ्येयुः	लुभ्येत	लुभ्येयाताम्	लुभ्येरन्
आ.	लुभ्यानि	लुभ्याव	लुभ्याम	लुभ्यै	लुभ्यावहै	लुभ्यामहै
	लुभ्य	लुभ्यतम्	लुभ्यत	लुभ्यस्व	लुभ्येथाम्	लुभ्यध्वम्
	लुभ्यतु	लुभ्यताम्	लुभ्यन्तु	लुभ्यताम्	लुभ्येताम्	लुभ्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ३९					
व.	क्षुभ्यामि	क्षुभ्यावः	क्षुभ्यामः	क्षुभ्ये	क्षुभ्यावहे	क्षुभ्यामहे
	क्षुभ्यसि	क्षुभ्यथः	क्षुभ्यथ	क्षुभ्यसे	क्षुभ्येथे	क्षुभ्यध्वे
	क्षुभ्यति	क्षुभ्यतः	क्षुभ्यन्ति	क्षुभ्यते	क्षुभ्येते	क्षुभ्यन्ते
ह्य.	अक्षुभ्यम्	अक्षुभ्याव	अक्षुभ्याम	अक्षुभ्ये	अक्षुभ्यावहि	अक्षुभ्यामहि
	अक्षुभ्यः	अक्षुभ्यतम्	अक्षुभ्यत	अक्षुभ्यथाः	अक्षुभ्येथाम्	अक्षुभ्यध्वम्
	अक्षुभ्यत्	अक्षुभ्यताम्	अक्षुभ्यन्	अक्षुभ्यत	अक्षुभ्येताम्	अक्षुभ्यन्त
वि.	क्षुभ्येयम्	क्षुभ्येव	क्षुभ्येम	क्षुभ्येय	क्षुभ्येवहि	क्षुभ्येमहि
	क्षुभ्येः	क्षुभ्येतम्	क्षुभ्येत	क्षुभ्येथाः	क्षुभ्येयाथाम्	क्षुभ्येध्वम्
	क्षुभ्येत्	क्षुभ्येताम्	क्षुभ्येयुः	क्षुभ्येत	क्षुभ्येयाताम्	क्षुभ्येरन्
आ.	क्षुभ्याणि	क्षुभ्याव	क्षुभ्याम	क्षुभ्यै	क्षुभ्यावहै	क्षुभ्यामहै
	क्षुभ्य	क्षुभ्यतम्	क्षुभ्यत	क्षुभ्यस्व	क्षुभ्येथाम्	क्षुभ्यध्वम्
	क्षुभ्यतु	क्षुभ्यताम्	क्षुभ्यन्तु	क्षुभ्यताम्	क्षुभ्येताम्	क्षुभ्यन्ताम्
	धातु. ४०					
६	मिलामि	मिलावः	मिलामः	मिल्ये	मिल्यावहे	मिल्यामहे
	मिलसि	मिलथः	मिलथ	मिल्यसे	मिल्येथे	मिल्यध्वे
	मिलति	मिलतः	मिलन्ति	मिल्यते	मिल्येते	मिल्यन्ते
ह्य.	अमिलम्	अमिलाव	अमिलाम	अमिल्ये	अमिल्यावहि	अमिल्यामहि
	अमिलः	अमिलतम्	अमिलत	अमिल्यथाः	अमिल्येथाम्	अमिल्यध्वम्
	अमिलत्	अमिलताम्	अमिलन्	अमिल्यत	अमिल्येताम्	अमिल्यन्त
वि.	मिलेयम्	मिलेव	मिलेम	मिल्येय	मिल्येवहि	मिल्येमहि
	मिलेः	मिलेतम्	मिलेत	मिल्येथाः	मिल्येयाथाम्	मिल्येध्वम्
	मिलेत्	मिलेताम्	मिलेयुः	मिल्येत	मिल्येयाताम्	मिल्येरन्
आ.	मिलानि	मिलाव	मिलाम	मिल्यै	मिल्यावहै	मिल्यामहै
	मिल	मिलतम्	मिलत	मिल्यस्व	मिल्येथाम्	मिल्यध्वम्
	मिलतु	मिलताम्	मिलन्तु	मिल्यताम्	मिल्येताम्	मिल्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. ४१

व.	लिखामि	लिखावः	लिखामः	
	लिखसि	लिखथः	लिखथ	
	लिखति	लिखतः	लिखन्ति	
ह्य.	अलिखम्	अलिखाव	अलिखाम	
	अलिखः	अलिखतम्	अलिखत	
	अलिखत्	अलिखताम्	अलिखन्	
वि.	लिखेयम्	लिखेव	लिखेम	
	लिखेः	लिखेतम्	लिखेत	
	लिखेत्	लिखेताम्	लिखेयुः	
आ.	लिखानि	लिखाव	लिखाम	
	लिख	लिखतम्	लिखत	
	लिखतु	लिखताम्	लिखन्तु	

धातु. ४२

व.	सृजामि	सृजावः	सृजामः	
	सृजसि	सृजथः	सृजथ	
	सृजति	सृजतः	सृजन्ति	
ह्य.	असृजम्	असृजाव	असृजाम	
	असृजः	असृजतम्	असृजत	
	असृजत्	असृजताम्	असृजन्	
वि.	सृजेयम्	सृजेव	सृजेम	
	सृजेः	सृजेतम्	सृजेत	
	सृजेत्	सृजेताम्	सृजेयुः	
आ.	सृजानि	सृजाव	सृजाम	
	सृज	सृजतम्	सृजत	
	सृजतु	सृजताम्	सृजन्तु	

कर्मणि

धातु. ४१

लिख्ये	लिख्यावहे	लिख्यामहे	
लिख्यसे	लिख्येथे	लिख्यध्वे	
लिख्यते	लिख्येते	लिख्यन्ते	
अलिख्ये	अलिख्यावहि	अलिख्यामहि	
अलिख्यथाः	अलिख्येथाम्	अलिख्यध्वम्	
अलिख्यत	अलिख्येताम्	अलिख्यन्त	
लिख्येय	लिख्येवहि	लिख्येमहि	
लिख्येथाः	लिख्येयाथाम्	लिख्येध्वम्	
लिख्येत	लिख्येयाताम्	लिख्येरन्	
लिख्यै	लिख्यावहै	लिख्यामहै	
लिख्यस्व	लिख्येथाम्	लिख्यध्वम्	
लिख्यताम्	लिख्येताम्	लिख्यन्ताम्	

धातु. ४२

सृज्ये	सृज्यावहे	सृज्यामहे	
सृज्यसे	सृज्येथे	सृज्यध्वे	
सृज्यते	सृज्येते	सृज्यन्ते	
असृज्ये	असृज्यावहि	असृज्यामहि	
असृज्यथाः	असृज्येथाम्	असृज्यध्वम्	
असृज्यत	असृज्येताम्	असृज्यन्त	
सृज्येय	सृज्येवहि	सृज्येमहि	
सृज्येथाः	सृज्येयाथाम्	सृज्येध्वम्	
सृज्येत	सृज्येयाताम्	सृज्येरन्	
सृज्यै	सृज्यावहै	सृज्यामहै	
सृज्यस्व	सृज्येथाम्	सृज्यध्वम्	
सृज्यताम्	सृज्येताम्	सृज्यन्ताम्	

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ४३					
व.	स्पृशामि	स्पृशावः	स्पृशामः	स्पृश्ये	स्पृश्यावहे	स्पृश्यामहे
	स्पृशसि	स्पृशथः	स्पृशथ	स्पृश्यसे	स्पृश्येथे	स्पृश्यध्वे
	स्पृशति	स्पृशतः	स्पृशन्ति	स्पृश्यते	स्पृश्येते	स्पृश्यन्ते
ह्य.	अस्पृशम्	अस्पृशाव	अस्पृशाम	अस्पृश्ये	अस्पृश्यावहि	अस्पृश्यामहि
	अस्पृशः	अस्पृशतम्	अस्पृशत	अस्पृश्यथाः	अस्पृश्येथाम्	अस्पृश्यध्वम्
	अस्पृशत्	अस्पृशताम्	अस्पृशन्	अस्पृश्यत	अस्पृश्येताम्	अस्पृश्यन्त
वि.	स्पृशेयम्	स्पृशेव	स्पृशेम	स्पृश्येय	स्पृश्येवहि	स्पृश्येमहि
	स्पृशेः	स्पृशेतम्	स्पृशेत	स्पृश्येथाः	स्पृश्येयाथाम्	स्पृश्येध्वम्
	स्पृशेत्	स्पृशेताम्	स्पृशेयुः	स्पृश्येत	स्पृश्येयाताम्	स्पृश्येरन्
आ.	स्पृशानि	स्पृशाव	स्पृशाम	स्पृश्यै	स्पृश्यावहै	स्पृश्यामहै
	स्पृश	स्पृशतम्	स्पृशत	स्पृश्यस्व	स्पृश्येथाम्	स्पृश्यध्वम्
	स्पृशतु	स्पृशताम्	स्पृशन्तु	स्पृश्यताम्	स्पृश्येताम्	स्पृश्यन्ताम्
	धातु. ४४					
व.	स्फुटामि	स्फुटावः	स्फुटामः	स्फुट्ये	स्फुट्यावहे	स्फुट्यामहे
	स्फुटसि	स्फुटथः	स्फुटथ	स्फुट्यसे	स्फुट्येथे	स्फुट्यध्वे
	स्फुटति	स्फुटतः	स्फुटन्ति	स्फुट्यते	स्फुट्येते	स्फुट्यन्ते
ह्य.	अस्फुटम्	अस्फुटाव	अस्फुटाम	अस्फुट्ये	अस्फुट्यावहि	अस्फुट्यामहि
	अस्फुटः	अस्फुटतम्	अस्फुटत	अस्फुट्यथाः	अस्फुट्येथाम्	अस्फुट्यध्वम्
	अस्फुटत्	अस्फुटताम्	अस्फुटन्	अस्फुट्यत	अस्फुट्येताम्	अस्फुट्यन्त
वि.	स्फुटेयम्	स्फुटेव	स्फुटेम	स्फुट्येय	स्फुट्येवहि	स्फुट्येमहि
	स्फुटेः	स्फुटेतम्	स्फुटेत	स्फुट्येथाः	स्फुट्येयाथाम्	स्फुट्येध्वम्
	स्फुटेत्	स्फुटेताम्	स्फुटेयुः	स्फुट्येत	स्फुट्येयाताम्	स्फुट्येरन्
आ.	स्फुटानि	स्फुटाव	स्फुटाम	स्फुट्यै	स्फुट्यावहै	स्फुट्यामहै
	स्फुट	स्फुटतम्	स्फुटत	स्फुट्यस्व	स्फुट्येथाम्	स्फुट्यध्वम्
	स्फुटतु	स्फुटताम्	स्फुटन्तु	स्फुट्यताम्	स्फुट्येताम्	स्फुट्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ४५					
व.	स्फुरामि	स्फुरावः	स्फुरामः	स्फुर्ये	स्फुर्यावहे	स्फुर्यामहे
	स्फुरसि	स्फुरथः	स्फुरथ	स्फुर्यसे	स्फुर्येथे	स्फुर्यध्वे
	स्फुरति	स्फुरतः	स्फुरन्ति	स्फुर्यते	स्फुर्येते	स्फुर्यन्ते
ह्य.	अस्फुरम्	अस्फुराव	अस्फुराम	अस्फुर्ये	अस्फुर्यावहि	अस्फुर्यामहि
	अस्फुरः	अस्फुरतम्	अस्फुरत	अस्फुर्यथाः	अस्फुर्येथाम्	अस्फुर्यध्वम्
	अस्फुरत्	अस्फुरताम्	अस्फुरन्	अस्फुर्यत	अस्फुर्येताम्	अस्फुर्यन्त
वि.	स्फुरेयम्	स्फुरेव	स्फुरेम	स्फुर्येय	स्फुर्येवहि	स्फुर्येमहि
	स्फुरेः	स्फुरेतम्	स्फुरेत	स्फुर्येथाः	स्फुर्येयाथाम्	स्फुर्येध्वम्
	स्फुरेत्	स्फुरेताम्	स्फुरेयुः	स्फुर्येत	स्फुर्येयाताम्	स्फुर्येरन्
आ.	स्फुराणि	स्फुराव	स्फुराम	स्फुर्यै	स्फुर्यावहै	स्फुर्यामहै
	स्फुर	स्फुरतम्	स्फुरत	स्फुर्यस्व	स्फुर्येथाम्	स्फुर्यध्वम्
	स्फुरतु	स्फुरताम्	स्फुरन्तु	स्फुर्यताम्	स्फुर्येताम्	स्फुर्यन्ताम्
	धातु. ४६					
व.	चिन्तयामि	चिन्तयावः	चिन्तयामः	चिन्त्ये	चिन्त्यावहे	चिन्त्यामहे
	चिन्तयसि	चिन्तयथः	चिन्तयथ	चिन्त्यसे	चिन्त्येथे	चिन्त्यध्वे
	चिन्तयति	चिन्तयतः	चिन्तयन्ति	चिन्त्यते	चिन्त्येते	चिन्त्यन्ते
ह्य.	अचिन्तयम्	अचिन्तयाव	अचिन्तयाम	अचिन्त्ये	अचिन्त्यावहि	अचिन्त्यामहि
	अचिन्तयः	अचिन्तयतम्	अचिन्तयत	अचिन्त्यथाः	अचिन्त्येथाम्	अचिन्त्यध्वम्
	अचिन्तयत्	अचिन्तयताम्	अचिन्तयन्	अचिन्त्यत	अचिन्त्येताम्	अचिन्त्यन्त
वि.	चिन्तयेयम्	चिन्तयेव	चिन्तयेम	चिन्त्येय	चिन्त्येवहि	चिन्त्येमहि
	चिन्तयेः	चिन्तयेतम्	चिन्तयेत	चिन्त्येथाः	चिन्त्येयाथाम्	चिन्त्येध्वम्
	चिन्तयेत्	चिन्तयेताम्	चिन्तयेयुः	चिन्त्येत	चिन्त्येयाताम्	चिन्त्येरन्
आ.	चिन्तयानि	चिन्तयाव	चिन्तयाम	चिन्त्यै	चिन्त्यावहै	चिन्त्यामहै
	चिन्तय	चिन्तयतम्	चिन्तयत	चिन्त्यस्व	चिन्त्येथाम्	चिन्त्यध्वम्
	चिन्तयतु	चिन्तयताम्	चिन्तयन्तु	चिन्त्यताम्	चिन्त्येताम्	चिन्त्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ४७					
व.	दण्डयामि	दण्डयावः	दण्डयामः	दण्ड्ये	दण्ड्यावहे	दण्ड्यामहे
	दण्डयसि	दण्डयथः	दण्डयथ	दण्ड्यसे	दण्ड्येथे	दण्ड्यध्वे
	दण्डयति	दण्डयतः	दण्डयन्ति	दण्ड्यते	दण्ड्येते	दण्ड्यन्ते
ह्य.	अदण्डयम्	अदण्डयाव	अदण्डयाम	अदण्ड्ये	अदण्ड्यावहि	अदण्ड्यामहि
	अदण्डयः	अदण्डयतम्	अदण्डयत	अदण्ड्यथाः	अदण्ड्येथाम्	अदण्ड्यध्वम्
	अदण्डयत्	अदण्डयताम्	अदण्डयन्	अदण्ड्यत	अदण्ड्येताम्	अदण्ड्यन्त
वि.	दण्डयेयम्	दण्डयेव	दण्डयेम	दण्ड्येय	दण्ड्येवहि	दण्ड्येमहि
	दण्डयेः	दण्डयेतम्	दण्डयेत	दण्ड्येथाः	दण्ड्येयाथाम्	दण्ड्येध्वम्
	दण्डयेत्	दण्डयेताम्	दण्डयेयुः	दण्ड्येत	दण्ड्येयाताम्	दण्ड्येरन्
आ.	दण्डयानि	दण्डयाव	दण्डयाम	दण्ड्यै	दण्ड्यावहै	दण्ड्यामहै
	दण्डय	दण्डयतम्	दण्डयत	दण्ड्यस्व	दण्ड्येथाम्	दण्ड्यध्वम्
	दण्डयतु	दण्डयताम्	दण्डयन्तु	दण्ड्यताम्	दण्ड्येताम्	दण्ड्यन्ताम्
	धातु. ४८					
व.	पीडयामि	पीडयावः	पीडयामः	पीड्ये	पीड्यावहे	पीड्यामहे
	पीडयसि	पीडयथः	पीडयथ	पीड्यसे	पीड्येथे	पीड्यध्वे
	पीडयति	पीडयतः	पीडयन्ति	पीड्यते	पीड्येते	पीड्यन्ते
ह्य.	अपीडयम्	अपीडयाव	अपीडयाम	अपीड्ये	अपीड्यावहि	अपीड्यामहि
	अपीडयः	अपीडयतम्	अपीडयत	अपीड्यथाः	अपीड्येथाम्	अपीड्यध्वम्
	अपीडयत्	अपीडयताम्	अपीडयन्	अपीड्यत	अपीड्येताम्	अपीड्यन्त
वि.	पीडयेयम्	पीडयेव	पीडयेम	पीड्येय	पीड्येवहि	पीड्येमहि
	पीडयेः	पीडयेतम्	पीडयेत	पीड्येथाः	पीड्येयाथाम्	पीड्येध्वम्
	पीडयेत्	पीडयेताम्	पीडयेयुः	पीड्येत	पीड्येयाताम्	पीड्येरन्
आ.	पीडयानि	पीडयाव	पीडयाम	पीड्यै	पीड्यावहै	पीड्यामहै
	पीडय	पीडयतम्	पीडयत	पीड्यस्व	पीड्येथाम्	पीड्यध्वम्
	पीडयतु	पीडयताम्	पीडयन्तु	पीड्यताम्	पीड्येताम्	पीड्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ४९					
व.	पूजयामि	पूजयावः	पूजयामः	पूज्ये	पूज्यावहे	पूज्यामहे
	पूजयसि	पूजयथः	पूजयथ	पूज्यसे	पूज्येथे	पूज्यध्वे
	पूजयति	पूजयतः	पूजयन्ति	पूज्यते	पूज्येते	पूज्यन्ते
ह्य.	अपूजयम्	अपूजयाव	अपूजयाम	अपूज्ये	अपूज्यावहि	अपूज्यामहि
	अपूजयः	अपूजयतम्	अपूजयत	अपूज्यथाः	अपूज्येथाम्	अपूज्यध्वम्
	अपूजयत्	अपूजयताम्	अपूजयन्	अपूज्यत	अपूज्येताम्	अपूज्यन्त
वि.	पूजयेयम्	पूजयेव	पूजयेम	पूज्येय	पूज्येवहि	पूज्येमहि
	पूजयेः	पूजयेतम्	पूजयेत	पूज्येथाः	पूज्येयाथाम्	पूज्येध्वम्
	पूजयेत्	पूजयेताम्	पूजयेयुः	पूज्येत	पूज्येयाताम्	पूज्येरन्
आ.	पूजयानि	पूजयाव	पूजयाम	पूज्यै	पूज्यावहै	पूज्यामहै
	पूजय	पूजयतम्	पूजयत	पूज्यस्व	पूज्येथाम्	पूज्यध्वम्
	पूजयतु	पूजयताम्	पूजयन्तु	पूज्यताम्	पूज्येताम्	पूज्यन्ताम्
	धातु. ५०					
व.	वर्णयामि	वर्णयावः	वर्णयामः	वर्ण्ये	वर्ण्यावहे	वर्ण्यामहे
	वर्णयसि	वर्णयथः	वर्णयथ	वर्ण्यसे	वर्ण्येथे	वर्ण्यध्वे
	वर्णयति	वर्णयतः	वर्णयन्ति	वर्ण्यते	वर्ण्येते	वर्ण्यन्ते
ह्य.	अवर्णयम्	अवर्णयाव	अवर्णयाम	अवर्ण्ये	अवर्ण्यावहि	अवर्ण्यामहि
	अवर्णयः	अवर्णयतम्	अवर्णयत	अवर्ण्यथाः	अवर्ण्येथाम्	अवर्ण्यध्वम्
	अवर्णयत्	अवर्णयताम्	अवर्णयन्	अवर्ण्यत	अवर्ण्येताम्	अवर्ण्यन्त
वि.	वर्णयेयम्	वर्णयेव	वर्णयेम	वर्ण्येय	वर्ण्येवहि	वर्ण्येमहि
	वर्णयेः	वर्णयेतम्	वर्णयेत	वर्ण्येथाः	वर्ण्येयाथाम्	वर्ण्येध्वम्
	वर्णयेत्	वर्णयेताम्	वर्णयेयुः	वर्ण्येत	वर्ण्येयाताम्	वर्ण्येरन्
आ.	वर्णयानि	वर्णयाव	वर्णयाम	वर्ण्यै	वर्ण्यावहै	वर्ण्यामहै
	वर्णय	वर्णयतम्	वर्णयत	वर्ण्यस्व	वर्ण्येथाम्	वर्ण्यध्वम्
	वर्णयतु	वर्णयताम्	वर्णयन्तु	वर्ण्यताम्	वर्ण्येताम्	वर्ण्यन्ताम्

कर्तरि

कर्मणि

धातु. ५१

व.	सान्त्वयामि	सान्त्वयावः	सान्त्वयामः	सान्त्व्ये	सान्त्व्यावहे	सान्त्व्यामहे
	सान्त्वयसि	सान्त्वयथः	सान्त्वयथ	सान्त्व्यसे	सान्त्व्येथे	सान्त्व्यध्वे
	सान्त्वयति	सान्त्वयतः	सान्त्वयन्ति	सान्त्व्यते	सान्त्व्येते	सान्त्व्यन्ते
ह्य.	असान्त्वयम्	असान्त्वयाव	असान्त्वयाम	असान्त्व्ये	असान्त्व्यावहि	असान्त्व्यामहि
	असान्त्वयः	असान्त्वयतम्	असान्त्वयत	असान्त्व्यथाः	असान्त्व्येथाम्	असान्त्व्यध्वम्
	असान्त्वयत्	असान्त्वयताम्	असान्त्वयन्	असान्त्व्यत	असान्त्व्येताम्	असान्त्व्यन्त
वि.	सान्त्वयेयम्	सान्त्वयेव	सान्त्वयेम	सान्त्व्येय	सान्त्व्येवहि	सान्त्व्येमहि
	सान्त्वयेः	सान्त्वयेतम्	सान्त्वयेत	सान्त्व्येथाः	सान्त्व्येयाथाम्	सान्त्व्येध्वम्
	सान्त्वयेत्	सान्त्वयेताम्	सान्त्वयेयुः	सान्त्व्येत	सान्त्व्येयाताम्	सान्त्व्येरन्
आ.	सान्त्वयानि	सान्त्वयाव	सान्त्वयाम	सान्त्व्यै	सान्त्व्यावहै	सान्त्व्यामहै
	सान्त्वय	सान्त्वयतम्	सान्त्वयत	सान्त्व्यस्व	सान्त्व्येथाम्	सान्त्व्यध्वम्
	सान्त्वयतु	सान्त्वयताम्	सान्त्वयन्तु	सान्त्व्यताम्	सान्त्व्येताम्	सान्त्व्यन्ताम्

धातु. ५२

व.	चोरयामि	चोरयावः	चोरयामः	चोर्ये	चोर्यावहे	चोर्यामहे
	चोरयसि	चोरयथः	चोरयथ	चोर्यसे	चोर्येथे	चोर्यध्वे
	चोरयति	चोरयतः	चोरयन्ति	चोर्यते	चोर्येते	चोर्यन्ते
ह्य.	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम	अचोर्ये	अचोर्यावहि	अचोर्यामहि
	अचोरयः	अचोरयतम्	अचोरयत	अचोर्यथाः	अचोर्येथाम्	अचोर्यध्वम्
	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्	अचोर्यत	अचोर्येताम्	अचोर्यन्त
वि.	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम	चोर्येय	चोर्येवहि	चोर्येमहि
	चोरयेः	चोरयेतम्	चोरयेत	चोर्येथाः	चोर्येयाथाम्	चोर्येध्वम्
	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयुः	चोर्येत	चोर्येयाताम्	चोर्येरन्
आ.	चोरयानि	चोरयाव	चोरयाम	चोर्यै	चोर्यावहै	चोर्यामहै
	चोरय	चोरयतम्	चोरयत	चोर्यस्व	चोर्येथाम्	चोर्यध्वम्
	चोरयतु	चोरयताम्	चोरयन्तु	चोर्यताम्	चोर्येताम्	चोर्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ५३					
व.	घोषयामि	घोषयावः	घोषयामः	घोष्ये	घोष्यावहे	घोष्यामहे
	घोषयसि	घोषयथः	घोषयथ	घोष्यसे	घोष्येथे	घोष्यध्वे
	घोषयति	घोषयतः	घोषयन्ति	घोष्यते	घोष्येते	घोष्यन्ते
ह्य.	अघोषयम्	अघोषयाव	अघोषयाम	अघोष्ये	अघोष्यावहि	अघोष्यामहि
	अघोषयः	अघोषयतम्	अघोषयत	अघोष्यथाः	अघोष्येथाम्	अघोष्यध्वम्
	अघोषयत्	अघोषयताम्	अघोषयन्	अघोष्यत	अघोष्येताम्	अघोष्यन्त
वि.	घोषयेयम्	घोषयेव	घोषयेम	घोष्येय	घोष्येवहि	घोष्येमहि
	घोषयेः	घोषयेतम्	घोषयेत	घोष्येथाः	घोष्येयाथाम्	घोष्येध्वम्
	घोषयेत्	घोषयेताम्	घोषयेयुः	घोष्येत	घोष्येयाताम्	घोष्येरन्
आ.	घोषयानि	घोषयाव	घोषयाम	घोष्यै	घोष्यावहै	घोष्यामहै
	घोषय	घोषयतम्	घोषयत	घोष्यस्व	घोष्येथाम्	घोष्यध्वम्
	घोषयतु	घोषयताम्	घोषयन्तु	घोष्यताम्	घोष्येताम्	घोष्यन्ताम्
	धातु. ५४					
व.	तोलयामि	तोलयावः	तोलयामः	तोल्ये	तोल्यावहे	तोल्यामहे
	तोलयसि	तोलयथः	तोलयथ	तोल्यसे	तोल्येथे	तोल्यध्वे
	तोलयति	तोलयतः	तोलयन्ति	तोल्यते	तोल्येते	तोल्यन्ते
ह्य.	अतोलयम्	अतोलयाव	अतोलयाम	अतोल्ये	अतोल्यावहि	अतोल्यामहि
	अतोलयः	अतोलयतम्	अतोलयत	अतोल्यथाः	अतोल्येथाम्	अतोल्यध्वम्
	अतोलयत्	अतोलयताम्	अतोलयन्	अतोल्यत	अतोल्येताम्	अतोल्यन्त
वि.	तोलयेयम्	तोलयेव	तोलयेम	तोल्येय	तोल्येवहि	तोल्येमहि
	तोलयेः	तोलयेतम्	तोलयेत	तोल्येथाः	तोल्येयाथाम्	तोल्येध्वम्
	तोलयेत्	तोलयेताम्	तोलयेयुः	तोल्येत	तोल्येयाताम्	तोल्येरन्
आ.	तोलयानि	तोलयाव	तोलयाम	तोल्यै	तोल्यावहै	तोल्यामहै
	तोलय	तोलयतम्	तोलयत	तोल्यस्व	तोल्येथाम्	तोल्यध्वम्
	तोलयतु	तोलयताम्	तोलयन्तु	तोल्यताम्	तोल्येताम्	तोल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ५५					
व.	भूषयामि	भूषयावः	भूषयामः	भूष्ये	भूष्यावहे	भूष्यामहे
	भूषयसि	भूषयथः	भूषयथ	भूष्यसे	भूष्येथे	भूष्यध्वे
	भूषयति	भूषयतः	भूषयन्ति	भूष्यते	भूष्येते	भूष्यन्ते
ह्य.	अभूषयम्	अभूषयाव	अभूषयाम	अभूष्ये	अभूष्यावहि	अभूष्यामहि
	अभूषयः	अभूषयतम्	अभूषयत	अभूष्यथाः	अभूष्येथाम्	अभूष्यध्वम्
	अभूषयत्	अभूषयताम्	अभूषयन्	अभूष्यत	अभूष्येताम्	अभूष्यन्त
वि.	भूषयेयम्	भूषयेव	भूषयेम	भूष्येय	भूष्येवहि	भूष्येमहि
	भूषयेः	भूषयेतम्	भूषयेत	भूष्येथाः	भूष्येयाथाम्	भूष्येध्वम्
	भूषयेत्	भूषयेताम्	भूषयेयुः	भूष्येत	भूष्येयाताम्	भूष्येरन्
आ.	भूषयानि	भूषयाव	भूषयाम	भूष्यै	भूष्यावहै	भूष्यामहै
	भूषय	भूषयतम्	भूषयत	भूष्यस्व	भूष्येथाम्	भूष्यध्वम्
	भूषयतु	भूषयताम्	भूषयन्तु	भूष्यताम्	भूष्येताम्	भूष्यन्ताम्
	धातु. ५६					
व.	ताडयामि	ताडयावः	ताडयामः	ताड्ये	ताड्यावहे	ताड्यामहे
	ताडयसि	ताडयथः	ताडयथ	ताड्यसे	ताड्येथे	ताड्यध्वे
	ताडयति	ताडयतः	ताडयन्ति	ताड्यते	ताड्येते	ताड्यन्ते
ह्य.	अताडयम्	अताडयाव	अताडयाम	अताड्ये	अताड्यावहि	अताड्यामहि
	अताडयः	अताडयतम्	अताडयत	अताड्यथाः	अताड्येथाम्	अताड्यध्वम्
	अताडयत्	अताडयताम्	अताडयन्	अताड्यत	अताड्येताम्	अताड्यन्त
वि.	ताडयेयम्	ताडयेव	ताडयेम	ताड्येय	ताड्येवहि	ताड्येमहि
	ताडयेः	ताडयेतम्	ताडयेत	ताड्येथाः	ताड्येयाथाम्	ताड्येध्वम्
	ताडयेत्	ताडयेताम्	ताडयेयुः	ताड्येत	ताड्येयाताम्	ताड्येरन्
आ.	ताडयानि	ताडयाव	ताडयाम	ताड्यै	ताड्यावहै	ताड्यामहै
	ताडय	ताडयतम्	ताडयत	ताड्यस्व	ताड्येथाम्	ताड्यध्वम्
	ताडयतु	ताडयताम्	ताडयन्तु	ताड्यताम्	ताड्येताम्	ताड्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ५७					
व.	पारयामि	पारयावः	पारयामः	पार्ये	पार्यावहे	पार्यामहे
	पारयसि	पारयथः	पारयथ	पार्यसे	पार्येथे	पार्यध्वे
	पारयति	पारयतः	पारयन्ति	पार्यते	पार्येते	पार्यन्ते
ह्य.	अपारयम्	अपारयाव	अपारयाम	अपार्ये	अपार्यावहि	अपार्यामहि
	अपारयः	अपारयतम्	अपारयत	अपार्यथाः	अपार्येथाम्	अपार्यध्वम्
	अपारयत्	अपारयताम्	अपारयन्	अपार्यत	अपार्येताम्	अपार्यन्त
वि.	पारयेयम्	पारयेव	पारयेम	पार्येय	पार्येवहि	पार्येमहि
	पारयेः	पारयेतम्	पारयेत	पार्येथाः	पार्येयाथाम्	पार्येध्वम्
	पारयेत्	पारयेताम्	पारयेयुः	पार्येत	पार्येयाताम्	पार्येरन्
आ.	पारयाणि	पारयाव	पारयाम	पार्यै	पार्यावहै	पार्यामहै
	पारय	पारयतम्	पारयत	पार्यस्व	पार्येथाम्	पार्यध्वम्
	पारयतु	पारयताम्	पारयन्तु	पार्यताम्	पार्येताम्	पार्यन्ताम्
	धातु. ५८					
व.	पालयामि	पालयावः	पालयामः	पाल्ये	पाल्यावहे	पाल्यामहे
	पालयसि	पालयथः	पालयथ	पाल्यसे	पाल्येथे	पाल्यध्वे
	पालयति	पालयतः	पालयन्ति	पाल्यते	पाल्येते	पाल्यन्ते
ह्य.	अपालयम्	अपालयाव	अपालयाम	अपाल्ये	अपाल्यावहि	अपाल्यामहि
	अपालयः	अपालयतम्	अपालयत	अपाल्यथाः	अपाल्येथाम्	अपाल्यध्वम्
	अपालयत्	अपालयताम्	अपालयन्	अपाल्यत	अपाल्येताम्	अपाल्यन्त
वि.	पालयेयम्	पालयेव	पालयेम	पाल्येय	पाल्येवहि	पाल्येमहि
	पालयेः	पालयेतम्	पालयेत	पाल्येथाः	पाल्येयाथाम्	पाल्येध्वम्
	पालयेत्	पालयेताम्	पालयेयुः	पाल्येत	पाल्येयाताम्	पाल्येरन्
आ.	पालयानि	पालयाव	पालयाम	पाल्यै	पाल्यावहै	पाल्यामहै
	पालय	पालयतम्	पालयत	पाल्यस्व	पाल्येथाम्	पाल्यध्वम्
	पालयतु	पालयताम्	पालयन्तु	पाल्यताम्	पाल्येताम्	पाल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ५९					
व.	भक्षयामि	भक्षयावः	भक्षयामः	भक्ष्ये	भक्ष्यावहे	भक्ष्यामहे
	भक्षयसि	भक्षयथः	भक्षयथ	भक्ष्यसे	भक्ष्येथे	भक्ष्यध्वे
	भक्षयति	भक्षयतः	भक्षयन्ति	भक्ष्यते	भक्ष्येते	भक्ष्यन्ते
ह्य.	अभक्षयम्	अभक्षयाव	अभक्षयाम	अभक्ष्ये	अभक्ष्यावहि	अभक्ष्यामहि
	अभक्षयः	अभक्षयतम्	अभक्षयत	अभक्ष्यथाः	अभक्ष्येथाम्	अभक्ष्यध्वम्
	अभक्षयत्	अभक्षयताम्	अभक्षयन्	अभक्ष्यत	अभक्ष्येताम्	अभक्ष्यन्त
वि.	भक्षयेयम्	भक्षयेव	भक्षयेम	भक्ष्येय	भक्ष्येवहि	भक्ष्येमहि
	भक्षयेः	भक्षयेतम्	भक्षयेत	भक्ष्येथाः	भक्ष्येयाथाम्	भक्ष्येध्वम्
	भक्षयेत्	भक्षयेताम्	भक्षयेयुः	भक्ष्येत	भक्ष्येयाताम्	भक्ष्येरन्
आ.	भक्षयाणि	भक्षयाव	भक्षयाम	भक्ष्यै	भक्ष्यावहै	भक्ष्यामहै
	भक्षय	भक्षयतम्	भक्षयत	भक्ष्यस्व	भक्ष्येथाम्	भक्ष्यध्वम्
	भक्षयतु	भक्षयताम्	भक्षयन्तु	भक्ष्यताम्	भक्ष्येताम्	भक्ष्यन्ताम्
	धातु. ६०					
व.	कथयामि	कथयावः	कथयामः	कथ्ये	कथ्यावहे	कथ्यामहे
	कथयसि	कथयथः	कथयथ	कथ्यसे	कथ्येथे	कथ्यध्वे
	कथयति	कथयतः	कथयन्ति	कथ्यते	कथ्येते	कथ्यन्ते
ह्य.	अकथयम्	अकथयाव	अकथयाम	अकथ्ये	अकथ्यावहि	अकथ्यामहि
	अकथयः	अकथयतम्	अकथयत	अकथ्यथाः	अकथ्येथाम्	अकथ्यध्वम्
	अकथयत्	अकथयताम्	अकथयन्	अकथ्यत	अकथ्येताम्	अकथ्यन्त
वि.	कथयेयम्	कथयेव	कथयेम	कथ्येय	कथ्येवहि	कथ्येमहि
	कथयेः	कथयेतम्	कथयेत	कथ्येथाः	कथ्येयाथाम्	कथ्येध्वम्
	कथयेत्	कथयेताम्	कथयेयुः	कथ्येत	कथ्येयाताम्	कथ्येरन्
आ.	कथयानि	कथयाव	कथयाम	कथ्यै	कथ्यावहै	कथ्यामहै
	कथय	कथयतम्	कथयत	कथ्यस्व	कथ्येथाम्	कथ्यध्वम्
	कथयतु	कथयताम्	कथयन्तु	कथ्यताम्	कथ्येताम्	कथ्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६१					
व.	गणयामि	गणयावः	गणयामः	गण्ये	गण्यावहे	गण्यामहे
	गणयसि	गणयथः	गणयथ	गण्यसे	गण्येथे	गण्यध्वे
	गणयति	गणयतः	गणयन्ति	गण्यते	गण्येते	गण्यन्ते
ह्य.	अगणयम्	अगणयाव	अगणयाम	अगण्ये	अगण्यावहि	अगण्यामहि
	अगणयः	अगणयतम्	अगणयत	अगण्यथाः	अगण्येथाम्	अगण्यध्वम्
	अगणयत्	अगणयताम्	अगणयन्	अगण्यत	अगण्येताम्	अगण्यन्त
वि.	गणयेयम्	गणयेव	गणयेम	गण्येय	गण्येवहि	गण्येमहि
	गणयेः	गणयेतम्	गणयेत	गण्येथाः	गण्येयाथाम्	गण्येध्वम्
	गणयेत्	गणयेताम्	गणयेयुः	गण्येत	गण्येयाताम्	गण्येरन्
आ.	गणयानि	गणयाव	गणयाम	गण्यै	गण्यावहै	गण्यामहै
	गणय	गणयतम्	गणयत	गण्यस्व	गण्येथाम्	गण्यध्वम्
	गणयतु	गणयताम्	गणयन्तु	गण्यताम्	गण्येताम्	गण्यन्ताम्
	धातु. ६२					
व.	रचयामि	रचयावः	रचयामः	रच्ये	रच्यावहे	रच्यामहे
	रचयसि	रचयथः	रचयथ	रच्यसे	रच्येथे	रच्यध्वे
	रचयति	रचयतः	रचयन्ति	रच्यते	रच्येते	रच्यन्ते
ह्य.	अरचयम्	अरचयाव	अरचयाम	अरच्ये	अरच्यावहि	अरच्यामहि
	अरचयः	अरचयतम्	अरचयत	अरच्यथाः	अरच्येथाम्	अरच्यध्वम्
	अरचयत्	अरचयताम्	अरचयन्	अरच्यत	अरच्येताम्	अरच्यन्त
वि.	रचयेयम्	रचयेव	रचयेम	रच्येय	रच्येवहि	रच्येमहि
	रचयेः	रचयेतम्	रचयेत	रच्येथाः	रच्येयाथाम्	रच्येध्वम्
	रचयेत्	रचयेताम्	रचयेयुः	रच्येत	रच्येयाताम्	रच्येरन्
आ.	रचयानि	रचयाव	रचयाम	रच्यै	रच्यावहै	रच्यामहै
	रचय	रचयतम्	रचयत	रच्यस्व	रच्येथाम्	रच्यध्वम्
	रचयतु	रचयताम्	रचयन्तु	रच्यताम्	रच्येताम्	रच्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६३					
व.	स्पृहयामि	स्पृहयावः	स्पृहयामः	स्पृह्ये	स्पृह्यावहे	स्पृह्यामहे
	स्पृहयसि	स्पृहयथः	स्पृहयथ	स्पृह्यसे	स्पृह्येथे	स्पृह्यध्वे
	स्पृहयति	स्पृहयतः	स्पृहयन्ति	स्पृह्यते	स्पृह्येते	स्पृह्यन्ते
ह्य.	अस्पृहयम्	अस्पृहयाव	अस्पृहयाम	अस्पृह्ये	अस्पृह्यावहि	अस्पृह्यामहि
	अस्पृहयः	अस्पृहयतम्	अस्पृहयत	अस्पृह्यथाः	अस्पृह्येथाम्	अस्पृह्यध्वम्
	अस्पृहयत्	अस्पृहयताम्	अस्पृहयन्	अस्पृह्यत	अस्पृह्येताम्	अस्पृह्यन्त
वि.	स्पृहयेयम्	स्पृहयेव	स्पृहयेम	स्पृह्येय	स्पृह्येवहि	स्पृह्येमहि
	स्पृहयेः	स्पृहयेतम्	स्पृहयेत	स्पृह्येथाः	स्पृह्येयाथाम्	स्पृह्येध्वम्
	स्पृहयेत्	स्पृहयेताम्	स्पृहयेयुः	स्पृह्येत	स्पृह्येयाताम्	स्पृह्येरन्
आ.	स्पृहयाणि	स्पृहयाव	स्पृहयाम	स्पृह्यै	स्पृह्यावहै	स्पृह्यामहै
	स्पृहय	स्पृहयतम्	स्पृहयत	स्पृह्यस्व	स्पृह्येथाम्	स्पृह्यध्वम्
	स्पृहयतु	स्पृहयताम्	स्पृहयन्तु	स्पृह्यताम्	स्पृह्येताम्	स्पृह्यन्ताम्
	धातु. ६४					
व.	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः	गम्ये	गम्यावहे	गम्यामहे
	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ	गम्यसे	गम्येथे	गम्यध्वे
	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति	गम्यते	गम्येते	गम्यन्ते
ह्य.	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम	अगम्ये	अगम्यावहि	अगम्यामहि
	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत	अगम्यथाः	अगम्येथाम्	अगम्यध्वम्
	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्	अगम्यत	अगम्येताम्	अगम्यन्त
वि.	गच्छेयम्	गच्छेव	गच्छेम	गम्येय	गम्येवहि	गम्येमहि
	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत	गम्येथाः	गम्येयाथाम्	गम्येध्वम्
	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः	गम्येत	गम्येयाताम्	गम्येरन्
आ.	गच्छानि	गच्छाव	गच्छाम	गम्यै	गम्यावहै	गम्यामहै
	गच्छ	गच्छतम्	गच्छत	गम्यस्व	गम्येथाम्	गम्यध्वम्
	गच्छतु	गच्छताम्	गच्छन्तु	गम्यताम्	गम्येताम्	गम्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६५					
व.	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः	दृश्ये	दृश्यावहे	दृश्यामहे
	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ	दृश्यसे	दृश्येथे	दृश्यध्वे
	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति	दृश्यते	दृश्येते	दृश्यन्ते
ह्य.	अपश्यम्	अपश्याव	अपश्याम	अदृश्ये	अदृश्यावहि	अदृश्यामहि
	अपश्यः	अपश्यतम्	अपश्यत	अदृश्यथाः	अदृश्येथाम्	अदृश्यध्वम्
	अपश्यत्	अपश्यताम्	अपश्यन्	अदृश्यत	अदृश्येताम्	अदृश्यन्त
वि.	पश्येयम्	पश्येव	पश्येम	दृश्येय	दृश्येवहि	दृश्येमहि
	पश्येः	पश्येतम्	पश्येत	दृश्येथाः	दृश्येयाथाम्	दृश्येध्वम्
	पश्येत्	पश्येताम्	पश्येयुः	दृश्येत	दृश्येयाताम्	दृश्येरन्
आ.	पश्यानि	पश्याव	पश्याम	दृश्यै	दृश्यावहै	दृश्यामहै
	पश्य	पश्यतम्	पश्यत	दृश्यस्व	दृश्येथाम्	दृश्यध्वम्
	पश्यतु	पश्यताम्	पश्यन्तु	दृश्यताम्	दृश्येताम्	दृश्यन्ताम्
	धातु. ६६					
व.	तिष्ठामि	तिष्ठावः	तिष्ठामः	स्थीये	स्थीयावहे	स्थीयामहे
	तिष्ठसि	तिष्ठथः	तिष्ठथ	स्थीयसे	स्थीयेथे	स्थीयध्वे
	तिष्ठति	तिष्ठतः	तिष्ठन्ति	स्थीयते	स्थीयेते	स्थीयन्ते
ह्य.	अतिष्ठम्	अतिष्ठाव	अतिष्ठाम	अस्थीये	अस्थीयावहि	अस्थीयामहि
	अतिष्ठः	अतिष्ठतम्	अतिष्ठत	अस्थीयथाः	अस्थीयेथाम्	अस्थीयध्वम्
	अतिष्ठत्	अतिष्ठताम्	अतिष्ठन्	अस्थीयत	अस्थीयेताम्	अस्थीयन्त
वि.	तिष्ठेयम्	तिष्ठेव	तिष्ठेम	स्थीयेय	स्थीयेवहि	स्थीयेमहि
	तिष्ठेः	तिष्ठेतम्	तिष्ठेत	स्थीयेथाः	स्थीयेयाथाम्	स्थीयेध्वम्
	तिष्ठेत्	तिष्ठेताम्	तिष्ठेयुः	स्थीयेत	स्थीयेयाताम्	स्थीयेरन्
आ.	तिष्ठानि	तिष्ठाव	तिष्ठाम	स्थीयै	स्थीयावहै	स्थीयामहै
	तिष्ठ	तिष्ठतम्	तिष्ठत	स्थीयस्व	स्थीयेथाम्	स्थीयध्वम्
	तिष्ठतु	तिष्ठताम्	तिष्ठन्तु	स्थीयताम्	स्थीयेताम्	स्थीयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६७					
व.	यच्छामि	यच्छावः	यच्छामः	दीये	दीयावहे	दीयामहे
	यच्छसि	यच्छथः	यच्छथ	दीयसे	दीयेथे	दीयध्वे
	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति	दीयते	दीयेते	दीयन्ते
ह्य.	अयच्छम्	अयच्छाव	अयच्छाम	अदीये	अदीयावहि	अदीयामहि
	अयच्छः	अयच्छतम्	अयच्छत	अदीयथाः	अदीयेथाम्	अदीयध्वम्
	अयच्छत्	अयच्छताम्	अयच्छन्	अदीयत	अदीयेताम्	अदीयन्त
वि.	यच्छेयम्	यच्छेव	यच्छेम	दीयेय	दीयेवहि	दीयेमहि
	यच्छेः	यच्छेतम्	यच्छेत	दीयेथाः	दीयेयाथाम्	दीयेध्वम्
	यच्छेत्	यच्छेताम्	यच्छेयुः	दीयेत	दीयेयाताम्	दीयेरन्
आ.	यच्छानि	यच्छाव	यच्छाम	दीयै	दीयावहै	दीयामहै
	यच्छ	यच्छतम्	यच्छत	दीयस्व	दीयेथाम्	दीयध्वम्
	यच्छतु	यच्छताम्	यच्छन्तु	दीयताम्	दीयेताम्	दीयन्ताम्
	धातु. ६८					
व.	पिबामि	पिबावः	पिबामः	पीये	पीयावहे	पीयामहे
	पिबसि	पिबथः	पिबथ	पीयसे	पीयेथे	पीयध्वे
	पिबति	पिबतः	पिबन्ति	पीयते	पीयेते	पीयन्ते
ह्य.	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम	अपीये	अपीयावहि	अपीयामहि
	अपिबः	अपिबतम्	अपिबत	अपीयथाः	अपीयेथाम्	अपीयध्वम्
	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्	अपीयत	अपीयेताम्	अपीयन्त
वि.	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम	पीयेय	पीयेवहि	पीयेमहि
	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत	पीयेथाः	पीयेयाथाम्	पीयेध्वम्
	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः	पीयेत	पीयेयाताम्	पीयेरन्
आ.	पिबानि	पिबाव	पिबाम	पीयै	पीयावहै	पीयामहै
	पिब	पिबतम्	पिबत	पीयस्व	पीयेथाम्	पीयध्वम्
	पिबतु	पिबताम्	पिबन्तु	पीयताम्	पीयेताम्	पीयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६९					
व.	माद्यामि	माद्यावः	माद्यामः	मद्ये	मद्यावहे	मद्यामहे
	माद्यसि	माद्यथः	माद्यथ	मद्यसे	मद्येथे	मद्यध्वे
	माद्यति	माद्यतः	माद्यन्ति	मद्यते	मद्येते	मद्यन्ते
ह्य.	अमाद्यम्	अमाद्याव	अमाद्याम	अमद्ये	अमद्यावहि	अमद्यामहि
	अमाद्यः	अमाद्यतम्	अमाद्यत	अमद्यथाः	अमद्येथाम्	अमद्यध्वम्
	अमाद्यत्	अमाद्यताम्	अमाद्यन्	अमद्यत	अमद्येताम्	अमद्यन्त
वि.	माद्येयम्	माद्येव	माद्येम	मद्येय	मद्येवहि	मद्येमहि
	माद्येः	माद्येतम्	माद्येत	मद्येथाः	मद्येयाथाम्	मद्येध्वम्
	माद्येत्	माद्येताम्	माद्येयुः	मद्येत	मद्येयाताम्	मद्येरन्
आ.	माद्यानि	माद्याव	माद्याम	मद्यै	मद्यावहै	मद्यामहै
	माद्य	माद्यतम्	माद्यत	मद्यस्व	मद्येथाम्	मद्यध्वम्
	माद्यतु	माद्यताम्	माद्यन्तु	मद्यताम्	मद्येताम्	मद्यन्ताम्
	धातु. ७०					
व.	श्राम्यामि	श्राम्यावः	श्राम्यामः	श्रम्ये	श्रम्यावहे	श्रम्यामहे
	श्राम्यसि	श्राम्यथः	श्राम्यथ	श्रम्यसे	श्रम्येथे	श्रम्यध्वे
	श्राम्यति	श्राम्यतः	श्राम्यन्ति	श्रम्यते	श्रम्येते	श्रम्यन्ते
ह्य.	अश्राम्यम्	अश्राम्याव	अश्राम्याम	अश्रम्ये	अश्रम्यावहि	अश्रम्यामहि
	अश्राम्यः	अश्राम्यतम्	अश्राम्यत	अश्रम्यथाः	अश्रम्येथाम्	अश्रम्यध्वम्
	अश्राम्यत्	अश्राम्यताम्	अश्राम्यन्	अश्रम्यत	अश्रम्येताम्	अश्रम्यन्त
वि.	श्राम्येयम्	श्राम्येव	श्राम्येम	श्रम्येय	श्रम्येवहि	श्रम्येमहि
	श्राम्येः	श्राम्येतम्	श्राम्येत	श्रम्येथाः	श्रम्येयाथाम्	श्रम्येध्वम्
	श्राम्येत्	श्राम्येताम्	श्राम्येयुः	श्रम्येत	श्रम्येयाताम्	श्रम्येरन्
आ.	श्राम्याणि	श्राम्याव	श्राम्याम	श्रम्यै	श्रम्यावहै	श्रम्यामहै
	श्राम्य	श्राम्यतम्	श्राम्यत	श्रम्यस्व	श्रम्येथाम्	श्रम्यध्वम्
	श्राम्यतु	श्राम्यताम्	श्राम्यन्तु	श्रम्यताम्	श्रम्येताम्	श्रम्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ७१					
व.	शाम्यामि	शाम्यावः	शाम्यामः	शम्ये	शम्यावहे	शम्यामहे
	शाम्यसि	शाम्यथः	शाम्यथ	शम्यसे	शम्येथे	शम्यध्वे
	शाम्यति	शाम्यतः	शाम्यन्ति	शम्यते	शम्येते	शम्यन्ते
ह्य.	अशाम्यम्	अशाम्याव	अशाम्याम	अशम्ये	अशम्यावहि	अशम्यामहि
	अशाम्यः	अशाम्यतम्	अशाम्यत	अशम्यथाः	अशम्येथाम्	अशम्यध्वम्
	अशाम्यत्	अशाम्यताम्	अशाम्यन्	अशम्यत	अशम्येताम्	अशम्यन्त
वि.	शाम्येयम्	शाम्येव	शाम्येम	शम्येय	शम्येवहि	शम्येमहि
	शाम्येः	शाम्येतम्	शाम्येत	शम्येथाः	शम्येयाथाम्	शम्येध्वम्
	शाम्येत्	शाम्येताम्	शाम्येयुः	शम्येत	शम्येयाताम्	शम्येरन्
आ.	शाम्यानि	शाम्याव	शाम्याम	शम्यै	शम्यावहै	शम्यामहै
	शाम्य	शाम्यतम्	शाम्यत	शम्यस्व	शम्येथाम्	शम्यध्वम्
	शाम्यतु	शाम्यताम्	शाम्यन्तु	शम्यताम्	शम्येताम्	शम्यन्ताम्
	धातु. ७२					
व.	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः	इष्ये	इष्यावहे	इष्यामहे
	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ	इष्यसे	इष्येथे	इष्यध्वे
	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति	इष्यते	इष्येते	इष्यन्ते
ह्य.	ऐच्छम्	ऐच्छाव	ऐच्छाम	ऐष्ये	ऐष्यावहि	ऐष्यामहि
	ऐच्छः	ऐच्छतम्	ऐच्छत	ऐष्यथाः	ऐष्येथाम्	ऐष्यध्वम्
	ऐच्छत्	ऐच्छताम्	ऐच्छन्	ऐष्यत	ऐष्येताम्	ऐष्यन्त
वि.	इच्छेयम्	इच्छेव	इच्छेम	इष्येय	इष्येवहि	इष्येमहि
	इच्छेः	इच्छेतम्	इच्छेत	इष्येथाः	इष्येयाथाम्	इष्येध्वम्
	इच्छेत्	इच्छेताम्	इच्छेयुः	इष्येत	इष्येयाताम्	इष्येरन्
आ.	इच्छानि	इच्छाव	इच्छाम	इष्यै	इष्यावहै	इष्यामहै
	इच्छ	इच्छतम्	इच्छत	इष्यस्व	इष्येथाम्	इष्यध्वम्
	इच्छतु	इच्छताम्	इच्छन्तु	इष्यताम्	इष्येताम्	इष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ७३					
व.	पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः	पृच्छ्ये	पृच्छ्यावहे	पृच्छ्यामहे
	पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ	पृच्छ्यसे	पृच्छ्येथे	पृच्छ्यध्वे
	पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति	पृच्छ्यते	पृच्छ्येते	पृच्छ्यन्ते
ह्य.	अपृच्छम्	अपृच्छाव	अपृच्छाम	अपृच्छ्ये	अपृच्छ्यावहि	अपृच्छ्यामहि
	अपृच्छः	अपृच्छतम्	अपृच्छत	अपृच्छ्यथाः	अपृच्छ्येथाम्	अपृच्छ्यध्वम्
	अपृच्छत्	अपृच्छताम्	अपृच्छन्	अपृच्छ्यत	अपृच्छ्येताम्	अपृच्छ्यन्त
वि.	पृच्छेयम्	पृच्छेव	पृच्छेम	पृच्छ्येय	पृच्छ्येवहि	पृच्छ्येमहि
	पृच्छेः	पृच्छेतम्	पृच्छेत	पृच्छ्येथाः	पृच्छ्येयाथाम्	पृच्छ्येध्वम्
	पृच्छेत्	पृच्छेताम्	पृच्छेयुः	पृच्छ्येत	पृच्छ्येयाताम्	पृच्छ्येरन्
आ.	पृच्छानि	पृच्छाव	पृच्छाम	पृच्छ्यै	पृच्छ्यावहै	पृच्छ्यामहै
	पृच्छ	पृच्छतम्	पृच्छत	पृच्छ्यस्व	पृच्छ्येथाम्	पृच्छ्यध्वम्
	पृच्छतु	पृच्छताम्	पृच्छन्तु	पृच्छ्यताम्	पृच्छ्येताम्	पृच्छ्यन्ताम्
	धातु. ७४					
व.	अस्मि	स्वः	स्मः	भूये	भूयावहे	भूयामहे
	असि	स्थः	स्थ	भूयसे	भूयेथे	भूयध्वे
	अस्ति	स्तः	सन्ति	भूयते	भूयेते	भूयन्ते
ह्य.	आसम्	आस्व	आस्म	अभूये	अभूयावहि	अभूयामहि
	आसीः	आस्तम्	आस्त	अभूयथाः	अभूयेथाम्	अभूयध्वम्
	आसीत्	आस्ताम्	आसन्	अभूयत	अभूयेताम्	अभूयन्त
वि.	स्याम्	स्याव	स्याम	भूयेय	भूयेवहि	भूयेमहि
	स्याः	स्यातम्	स्यात	भूयेथाः	भूयेयाथाम्	भूयेध्वम्
	स्यात्	स्याताम्	स्युः	भूयेत	भूयेयाताम्	भूयेरन्
आ.	असानि	असाव	असाम	भूयै	भूयावहै	भूयामहै
	एधि	स्तम्	स्त	भूयस्व	भूयेथाम्	भूयध्वम्
	अस्तु	स्ताम्	सन्तु	भूयताम्	भूयेताम्	भूयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ७५					
व.	वन्दे	वन्दावहे	वन्दामहे	वन्द्ये	वन्द्यावहे	वन्द्यामहे
	वन्दसे	वन्देथे	वन्दध्वे	वन्द्यसे	वन्द्येथे	वन्द्यध्वे
	वन्दते	वन्देते	वन्दन्ते	वन्द्यते	वन्द्येते	वन्द्यन्ते
ह्य.	अवन्दे	अवन्दावहि	अवन्दामहि	अवन्द्ये	अवन्द्यावहि	अवन्द्यामहि
	अवन्दथाः	अवन्देथाम्	अवन्दध्वम्	अवन्द्यथाः	अवन्द्येथाम्	अवन्द्यध्वम्
	अवन्दत	अवन्देताम्	अवन्दन्त	अवन्द्यत	अवन्द्येताम्	अवन्द्यन्त
वि.	वन्देय	वन्देवहि	वन्देमहि	वन्द्येय	वन्द्येवहि	वन्द्येमहि
	वन्देथाः	वन्देयाथाम्	वन्देध्वम्	वन्द्येथाः	वन्द्येयाथाम्	वन्द्येध्वम्
	वन्देत	वन्देयाताम्	वन्देरन्	वन्द्येत	वन्द्येयाताम्	वन्द्येरन्
आ.	वन्दै	वन्दावहै	वन्दामहै	वन्द्यै	वन्द्यावहै	वन्द्यामहै
	वन्दस्व	वन्देथाम्	वन्दध्वम्	वन्द्यस्व	वन्द्येथाम्	वन्द्यध्वम्
	ल्दताम्	वन्देताम्	वन्दन्ताम्	वन्द्यताम्	वन्द्येताम्	वन्द्यन्ताम्
	धातु. ७६					
व.	वर्धे	वर्धावहे	वर्धामहेः	वृध्ये	वृध्यावहे	वृध्यामहे
	वर्धसे	वर्धेथे	वर्धध्वे	वृध्यसे	वृध्येथे	वृध्यध्वे
	वर्धते	वर्धेते	वर्धन्ते	वृध्यते	वृध्येते	वृध्यन्ते
ह्य.	अवर्धे	अवर्धावहि	अवर्धामहि	अवृध्ये	अवृध्यावहि	अवृध्यामहि
	अवर्धथाः	अवर्धेथाम्	अवर्धध्वम्	अवृध्यथाः	अवृध्येथाम्	अवृध्यध्वम्
	अवर्धत	अवर्धेताम्	अवर्धन्त	अवृध्यत	अवृध्येताम्	अवृध्यन्त
वि.	वर्धेय	वर्धेवहि	वर्धेमहि	वृध्येय	वृध्येवहि	वृध्येमहि
	वर्धेथाः	वर्धेयाथाम्	वर्धेध्वम्	वृध्येथाः	वृध्येयाथाम्	वृध्येध्वम्
	वर्धेत	वर्धेयाताम्	वर्धेरन्	वृध्येत	वृध्येयाताम्	वृध्येरन्
आ.	वर्धै	वर्धावहै	वर्धामहै	वृध्यै	वृध्यावहै	वृध्यामहै
	वर्धस्व	वर्धेथाम्	वर्धध्वम्	वृध्यस्व	वृध्येथाम्	वृध्यध्वम्
	वर्धताम्	वर्धेताम्	वर्धन्ताम्	वृध्यताम्	वृध्येताम्	वृध्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्तरि		
	धातु. ७७					
व.	पचामि	पचावः	पचामः	पचे	पचावहे	पचामहे
	पचसि	पचथः	पचथ	पचसे	पचेथे	पचध्वे
	पचति	पचतः	पचन्ति	पचते	पचेते	पचन्ते
ह्य.	अपचम्	अपचाव	अपचाम	अपचे	अपचावहि	अपचामहि
	अपचः	अपचतम्	अपचत	अपचथाः	अपचेथाम्	अपचध्वम्
	अपचत्	अपचताम्	अपचन्	अपचत	अपचेताम्	अपचन्त
वि.	पचेयम्	पचेव	पचेम	पचेय	पचेवहि	पचेमहि
	पचेः	पचेतम्	पचेत	पचेथाः	पचेयाथाम्	पचेध्वम्
	पचेत्	पचेताम्	पचेयुः	पचेत	पचेयाताम्	पचेरन्
आ.	पचानि	पचाव	पचाम	पचै	पचावहै	पचामहै
	पच	पचतम्	पचत	पचस्व	पचेथाम्	पचध्वम्
	पचतु	पचताम्	पचन्तु	पचताम्	पचेताम्	पचन्ताम्
	धातु. ७८					
व.	हरामि	हरावः	हरामः	हरे	हरावहे	हरामहे
	हरसि	हरथः	हरथ	हरसे	हरेथे	हरध्वे
	हरति	हरतः	हरन्ति	हरते	हरेते	हरन्ते
ह्य.	अहरम्	अहराव	अहराम	अहरे	अहरावहि	अहरामहि
	अहरः	अहरतम्	अहरत	अहरथाः	अहरेथाम्	अहरध्वम्
	अहरत्	अहरताम्	अहरन्	अहरत	अहरेताम्	अहरन्त
वि.	हरेयम्	हरेव	हरेम	हरेय	हरेवहि	हरेमहि
	हरेः	हरेतम्	हरेत	हरेथाः	हरेयाथाम्	हरेध्वम्
	हरेत्	हरेताम्	हरेयुः	हरेत	हरेयाताम्	हरेरन्
आ.	हराणि	हराव	हराम	हरै	हरावहै	हरामहै
	हर	हरतम्	हरत	हरस्व	हरेथाम्	हरध्वम्
	हरतु	हरताम्	हरन्तु	हरताम्	हरेताम्	हरन्ताम्

कर्मणि

व.	पच्ये	पच्यावहे	पच्यामहे
	पच्यसे	पच्येथे	पच्यध्वे
	पच्यते	पच्येते	पच्यन्ते
ह्य.	अपच्ये	अपच्यावहि	अपच्यामहि
	अपच्यथाः	अपच्येथाम्	अपच्यध्वम्
	अपच्यत	अपच्येताम्	अपच्यन्त
वि.	पच्येय	पच्येवहि	पच्येमहि
	पच्येथाः	पच्येयाथाम्	पच्येध्वम्
	पच्येत	पच्येयाताम्	पच्येरन्
आ.	पच्यै	पच्यावहै	पच्यामहै
	पच्यस्व	पच्येथाम्	पच्यध्वम्
	पच्यताम्	पच्येताम्	पच्यन्ताम्

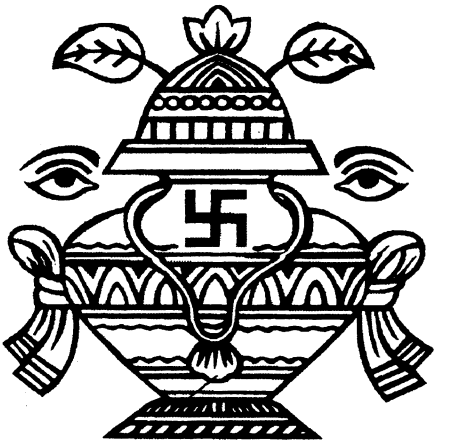

व.	ह्रिये	ह्रियावहे	ह्रियामहे
	ह्रियसे	ह्रियेथे	ह्रियध्वे
	ह्रियते	ह्रियेते	ह्रियन्ते
ह्य.	अह्रिये	अह्रियावहि	अह्रियामहि
	अह्रियथाः	अह्रियेथाम्	अह्रियध्वम्
	अह्रियत	अह्रियेताम्	अह्रियन्त
वि.	ह्रियेय	ह्रियेवहि	ह्रियेमहि
	ह्रियेथाः	ह्रियेयाथाम्	ह्रियेध्वम्
	ह्रियेत	ह्रियेयाताम्	ह्रियेरन्
आ.	ह्रियै	ह्रियावहै	ह्रियामहै
	ह्रियस्व	ह्रियेथाम्	ह्रियध्वम्
	ह्रियताम्	ह्रियेताम्	ह्रियन्ताम्

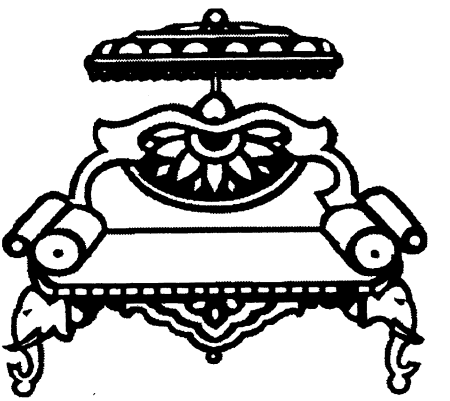

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ७६					
व.	डये	डयावहे	डयामहे	डीये	डीयावहे	डीयामहे
	डयसे	डयेथे	डयध्वे	डीयसे	डीयेथे	डीयध्वे
	डयते	डयेते	डयन्ते	डीयते	डीयेते	डीयन्ते
ह्य.	अडये	अडयावहि	अडयामहि	अडीये	अडीयावहि	अडीयामहि
	अडयथाः	अडयेथाम्	अडयध्वम्	अडीयथाः	अडीयेथाम्	अडीयध्वम्
	अडयत	अडयेताम्	अडयन्त	अडीयत	अडीयेताम्	अडीयन्त
वि.	डयेय	डयेवहि	डयेमहि	डीयेय	डीयेवहि	डीयेमहि
	डयेथाः	डयेयाथाम्	डयेध्वम्	डीयेथाः	डीयेयाथाम्	डीयेध्वम्
	डयेत	डयेयाताम्	डयेरन्	डीयेत	डीयेयाताम्	डीयेरन्
आ.	डयै	डयावहै	डयामहै	डीयै	डीयावहै	डीयामहै
	डयस्व	डयेथाम्	डयध्वम्	डीयस्व	डीयेथाम्	डीयध्वम्
	डयताम्	डयेताम्	डयन्ताम्	डीयताम्	डीयेताम्	डीयन्ताम्
	धातु. ८०					
व.	भाषे	भाषावहे	भाषामहेः	भाष्ये	भाष्यावहे	भाष्यामहे
	भाषसे	भाषेथे	भाषध्वे	भाष्यसे	भाष्येथे	भाष्यध्वे
	भाषते	भाषेते	भाषन्ते	भाष्यते	भाष्येते	भाष्यन्ते
ह्य.	अभाषे	अभाषावहि	अभाषामहि	अभाष्ये	अभाष्यावहि	अभाष्यामहि
	अभाषथाः	अभाषेथाम्	अभाषध्वम्	अभाष्यथाः	अभाष्येथाम्	अभाष्यध्वम्
	अभाषत	अभाषेताम्	अभाषन्त	अभाष्यत	अभाष्येताम्	अभाष्यन्त
वि.	भाषेय	भाषेवहि	भाषेमहि	भाष्येय	भाष्येवहि	भाष्येमहि
	भाषेथाः	भाषेयाथाम्	भाषेध्वम्	भाष्येथाः	भाष्येयाथाम्	भाष्येध्वम्
	भाषेत	भाषेयाताम्	भाषेरन्	भाष्येत	भाष्येयाताम्	भाष्येरन्
आ.	भाषै	भाषावहै	भाषामहै	भाष्यै	भाष्यावहै	भाष्यामहै
	भाषस्व	भाषेथाम्	भाषध्वम्	भाष्यस्व	भाष्येथाम्	भाष्यध्वम्
	भाषताम्	भाषेताम्	भाषन्ताम्	भाष्यताम्	भाष्येताम्	भाष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
धातु. ८१						
व.	रमे	रमावहे	रमामहे	रम्ये	रम्यावहे	रम्यामहे
	रमसे	रमेथे	रमध्वे	रम्यसे	रम्येथे	रम्यध्वे
	रमते	रमेते	रमन्ते	रम्यते	रम्येते	रम्यन्ते
ह्य.	अरमे	अरमावहि	अरमामहि	अरम्ये	अरम्यावहि	अरम्यामहि
	अरमथाः	अरमेथाम्	अरमध्वम्	अरम्यथाः	अरम्येथाम्	अरम्यध्वम्
	अरमत	अरमेताम्	अरमन्त	अरम्यत	अरम्येताम्	अरम्यन्त
वि.	रमेय	रमेवहि	रमेमहि	रम्येय	रम्येवहि	रम्येमहि
	रमेथाः	रमेयाथाम्	रमेध्वम्	रम्येथाः	रम्येयाथाम्	रम्येध्वम्
	रमेत	रमेयाताम्	रमेरन्	रम्येत	रम्येयाताम्	रम्येरन्
आ.	रमै	रमावहै	रमामहै	रम्यै	रम्यावहै	रम्यामहै
	रमस्व	रमेथाम्	रमध्वम्	रम्यस्व	रम्येथाम्	रम्यध्वम्
	रमताम्	रमेताम्	रमन्ताम्	रम्यताम्	रम्येताम्	रम्यन्ताम्
धातु. ८२						
व.	लभे	लभावहे	लभामहे	लभ्ये	लभ्यावहे	लभ्यामहे
	लभसे	लभेथे	लभध्वे	लभ्यसे	लभ्येथे	लभ्यध्वे
	लभते	लभेते	लभन्ते	लभ्यते	लभ्येते	लभ्यन्ते
ह्य.	अलभे	अलभावहि	अलभामहि	अलभ्ये	अलभ्यावहि	अलभ्यामहि
	अलभथाः	अलभेथाम्	अलभध्वम्	अलभ्यथाः	अलभ्येथाम्	अलभ्यध्वम्
	अलभत	अलभेताम्	अलभन्त	अलभ्यत	अलभ्येताम्	अलभ्यन्त
वि.	लभेय	लभेवहि	लभेमहि	लभ्येय	लभ्येवहि	लभ्येमहि
	लभेथाः	लभेयाथाम्	लभेध्वम्	लभ्येथाः	लभ्येयाथाम्	लभ्येध्वम्
	लभेत	लभेयाताम्	लभेरन्	लभ्येत	लभ्येयाताम्	लभ्येरन्
आ.	लभै	लभावहै	लभामहै	लभ्यै	लभ्यावहै	लभ्यामहै
	लभस्व	लभेथाम्	लभध्वम्	लभ्यस्व	लभ्येथाम्	लभ्यध्वम्
	लभताम्	लभेताम्	लभन्ताम्	लभ्यताम्	लभ्येताम्	लभ्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ८३					
व.	वर्ते	वर्तावहे	वर्तामहे	वृत्ये	वृत्यावहे	वृत्यामहे
	वर्तसे	वर्तेथे	वर्तध्वे	वृत्यसे	वृत्येथे	वृत्यध्वे
	वर्तते	वर्तेते	वर्तन्ते	वृत्यते	वृत्येते	वृत्यन्ते
ह्य.	अवर्ते	अवर्तावहि	अवर्तामहि	अवृत्ये	अवृत्यावहि	अवृत्यामहि
	अवर्तथाः	अवर्तेथाम्	अवर्तध्वम्	अवृत्यथाः	अवृत्येथाम्	अवृत्यध्वम्
	अवर्तत	अवर्तेताम्	अवर्तन्त	अवृत्यत	अवृत्येताम्	अवृत्यन्त
वि.	वर्तेय	वर्तेवहि	वर्तेमहि	वृत्येय	वृत्येवहि	वृत्येमहि
	वर्तेथाः	वर्तेयाथाम्	वर्तेध्वम्	वृत्येथाः	वृत्येयाथाम्	वृत्येध्वम्
	वर्तेत	वर्तेयाताम्	वर्तेरन्	वृत्येत	वृत्येयाताम्	वृत्येरन्
आ.	वर्तै	वर्तावहै	वर्तामहै	वृत्यै	वृत्यावहै	वृत्यामहै
	वर्तस्व	वर्तेथाम्	वर्तध्वम्	वृत्यस्व	वृत्येथाम्	वृत्यध्वम्
	वर्तताम्	वर्तेताम्	वर्तन्ताम्	वृत्यताम्	वृत्येताम्	वृत्यन्ताम्
	धातु. ८४					
व.	शोभे	शोभावहे	शोभामहे	शुभ्ये	शुभ्यावहे	शुभ्यामहे
	शोभसे	शोभेथे	शोभध्वे	शुभ्यसे	शुभ्येथे	शुभ्यध्वे
	शोभते	शोभेते	शोभन्ते	शुभ्यते	शुभ्येते	शुभ्यन्ते
ह्य.	अशोभे	अशोभावहि	अशोभामहि	अशुभ्ये	अशुभ्यावहि	अशुभ्यामहि
	अशोभथाः	अशोभेथाम्	अशोभध्वम्	अशुभ्यथाः	अशुभ्येथाम्	अशुभ्यध्वम्
	अशोभत	अशोभेताम्	अशोभन्त	अशुभ्यत	अशुभ्येताम्	अशुभ्यन्त
वि.	शोभेय	शोभेवहि	शोभेमहि	शुभ्येय	शुभ्येवहि	शुभ्येमहि
	शोभेथाः	शोभेयाथाम्	शोभेध्वम्	शुभ्येथाः	शुभ्येयाथाम्	शुभ्येध्वम्
	शोभेत	शोभेयाताम्	शोभेरन्	शुभ्येत	शुभ्येयाताम्	शुभ्येरन्
आ.	शोभै	शोभावहै	शोभामहै	शुभ्यै	शुभ्यावहै	शुभ्यामहै
	शोभस्व	शोभेथाम्	शोभध्वम्	शुभ्यस्व	शुभ्येथाम्	शुभ्यध्वम्
	शोभताम्	शोभेताम्	शोभन्ताम्	शुभ्यताम्	शुभ्येताम्	शुभ्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ८५					
व.	सेवे	सेवावहे	सेवामहे	सेव्ये	सेव्यावहे	सेव्यामहे
	सेवसे	सेवेथे	सेवध्वे	सेव्यसे	सेव्येथे	सेव्यध्वे
	सेवते	सेवेते	सेवन्ते	सेव्यते	सेव्येते	सेव्यन्ते
ह्य.	असेवे	असेवावहि	असेवामहि	असेव्ये	असेव्यावहि	असेव्यामहि
	असेवथाः	असेवेथाम्	असेवध्वम्	असेव्यथाः	असेव्येथाम्	असेव्यध्वम्
	असेवत	असेवेताम्	असेवन्त	असेव्यत	असेव्येताम्	असेव्यन्त
वि.	सेवेय	सेवेवहि	सेवेमहि	सेव्येय	सेव्येवहि	सेव्येमहि
	सेवेथाः	सेवेयाथाम्	सेवेध्वम्	सेव्येथाः	सेव्येयाथाम्	सेव्येध्वम्
	सेवेत	सेवेयाताम्	सेवेरन्	सेव्येत	सेव्येयाताम्	सेव्येरन्
आ.	सेवै	सेवावहै	सेवामहै	सेव्यै	सेव्यावहै	सेव्यामहै
	सेवस्व	सेवेथाम्	सेवध्वम्	सेव्यस्व	सेव्येथाम्	सेव्यध्वम्
	सेवताम्	सेवेताम्	सेवन्ताम्	सेव्यताम्	सेव्येताम्	सेव्यन्ताम्
	धातु. ८६					
व.	स्वादे	स्वादावहे	स्वादामहे	स्वाद्ये	स्वाद्यावहे	स्वाद्यामहे
	स्वादसे	स्वादेथे	स्वादध्वे	स्वाद्यसे	स्वाद्येथे	स्वाद्यध्वे
	स्वादते	स्वादेते	स्वादन्ते	स्वाद्यते	स्वाद्येते	स्वाद्यन्ते
ह्य.	अस्वादे	अस्वादावहि	अस्वादामहि	अस्वाद्ये	अस्वाद्यावहि	अस्वाद्यामहि
	अस्वादथाः	अस्वादेथाम्	अस्वादध्वम्	अस्वाद्यथाः	अस्वाद्येथाम्	अस्वाद्यध्वम्
	अस्वादत	अस्वादेताम्	अस्वादन्त	अस्वाद्यत	अस्वाद्येताम्	अस्वाद्यन्त
वि.	स्वादेय	स्वादेवहि	स्वादेमहि	स्वाद्येय	स्वाद्येवहि	स्वाद्येमहि
	स्वादेथाः	स्वादेयाथाम्	स्वादेध्वम्	स्वाद्येथाः	स्वाद्येयाथाम्	स्वाद्येध्वम्
	स्वादेत	स्वादेयाताम्	स्वादेरन्	स्वाद्येत	स्वाद्येयाताम्	स्वाद्येरन्
आ.	स्वादै	स्वादावहै	स्वादामहै	स्वाद्यै	स्वाद्यावहै	स्वाद्यामहै
	स्वादस्व	स्वादेथाम्	स्वादध्वम्	स्वाद्यस्व	स्वाद्येथाम्	स्वाद्यध्वम्
	स्वादताम्	स्वादेताम्	स्वादन्ताम्	स्वाद्यताम्	स्वाद्येताम्	स्वाद्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्तरि		
	धातु. ८७					
व.	नयामि	नयावः	नयामः	नये	नयावहे	नयामहे
	नयसि	नयथः	नयथ	नयसे	नयेथे	नयध्वे
	नयति	नयतः	नयन्ति	नयते	नयेते	नयन्ते
ह्य.	अनयम्	अनयाव	अनयाम	अनये	अनयावहि	अनयामहि
	अनयः	अनयतम्	अनयत	अनयथाः	अनयेथाम्	अनयध्वम्
	अनयत्	अनयताम्	अनयन्	अनयत	अनयेताम्	अनयन्त
वि.	नयेयम्	नयेव	नयेम	नयेय	नयेवहि	नयेमहि
	नयेः	नयेतम्	नयेत	नयेथाः	नयेयाथाम्	नयेध्वम्
	नयेत्	नयेताम्	नयेयुः	नयेत	नयेयाताम्	नयेरन्
आ.	नयानि	नयाव	नयाम	नयै	नयावहै	नयामहै
	नय	नयतम्	नयत	नयस्व	नयेथाम्	नयध्वम्
	नयतु	नयताम्	नयन्तु	नयताम्	नयेताम्	नयन्ताम्
	धातु. ८८					
व.	याचामि	याचावः	याचामः	याचे	याचावहे	याचामहे
	याचसि	याचथः	याचथ	याचसे	याचेथे	याचध्वे
	याचति	याचतः	याचन्ति	याचते	याचेते	याचन्ते
ह्य.	अयाचम्	अयाचाव	अयाचाम	अयाचे	अयाचावहि	अयाचामहि
	अयाचः	अयाचतम्	अयाचत	अयाचथाः	अयाचेथाम्	अयाचध्वम्
	अयाचत्	अयाचताम्	अयाचन्	अयाचत	अयाचेताम्	अयाचन्त
वि.	याचेयम्	याचेव	याचेम	याचेय	योचेवहि	याचेमहि
	याचेः	याचेतम्	याचेत	याचेथाः	याचेयाथाम्	याचध्वम्
	याचेत्	याचेताम्	याचेयुः	याचेत	याचेयाताम्	याचेरन्
आ.	याचानि	याचाव	याचाम	याचै	याचावहै	याचामहै
	याच	याचतम्	याचत	याचस्व	याचेथाम्	याचध्वम्
	याचतु	याचताम्	याचन्तु	याचताम्	याचेताम्	याचन्ताम्

	कर्मणि			कर्तरि		
				धातु. ८९		
व.	नीये	नीयावहे	नीयामहे	राजामि	राजावः	राजामः
	नीयसे	नीयेथे	नीयध्वे	राजसि	राजथः	राजथ
	नीयते	नीयेते	नीयन्ते	राजति	राजतः	राजन्ति
ह्य.	अनीये	अनीयावहि	अनीयामहि	अराजम्	अराजाव	अराजाम
	अनीयथाः	अनीयेथाम्	अनीयध्वम्	अराजः	अराजतम्	अराजत
	अनीयत	अनीयेताम्	अनीयन्त	अराजत्	अराजताम्	अराजन्
वि.	नीयेय	नीयेवहि	नीयेमहि	राजेयम्	राजेव	राजेम
	नीयेथाः	नीयेयाथाम्	नीयेध्वम्	राजेः	राजेतम्	राजेत
	नीयेत	नीयेयाताम्	नीयेरन्	राजेत्	राजेताम्	राजेयुः
आ.	नीयै	नीयावहै	नीयामहै	राजानि	राजाव	राजाम
	नीयस्व	नीयेथाम्	नीयध्वम्	राज	राजतम्	राजत
	नीयताम्	नीयेताम्	नीयन्ताम्	राजतु	राजताम्	राजन्तु
				धातु. ९०		
व.	याच्ये	याच्यावहे	याच्यामहे	वहामि	वहावः	वहामः
	याच्यसे	याच्येथे	याच्यध्वे	वहसि	वहथः	वहथ
	याच्यते	याच्येते	याच्यन्ते	वहति	वहतः	वहन्ति
ह्य.	अयाच्ये	अयाच्यावहि	अयाच्यामहि	अवहम्	अवहाव	अवहाम
	अयाच्यथाः	अयाच्येथाम्	अयाच्यध्वम्	अवहः	अवहतम्	अवहत
	अयाच्यत	अयाच्येताम्	अयाच्यन्त	अवहत्	अवहताम्	अवहन्
वि.	याच्येय	याच्येवहि	याच्येमहि	वहेयम्	वहेव	वहेम
	याच्येथाः	याच्येयाथाम्	याच्येध्वम्	वहेः	वहेतम्	वहेत
	याच्येत	याच्येयाताम्	याच्येरन्	वहेत्	वहेताम्	वहेयुः
आ.	याच्यै	याच्यावहै	याच्यामहै	वहानि	वहाव	वहाम
	याच्यस्व	याच्येथाम्	याच्यध्वम्	वह	वहतम्	वहत
	याच्यताम्	याच्येताम्	याच्यन्ताम्	वहतु	वहताम्	वहन्तु

	कर्तरि			कर्मणि		
व.	राजे	राजावहे	राजामहेः	राज्ये	राज्यावहे	राज्यामहे
	राजसे	राजेथे	राजध्वे	राज्यसे	राज्येथे	राज्यध्वे
	राजते	राज़ेते	राजन्ते	राज्यते	राज्येते	राज्यन्ते
ह्य.	अराजे	अराजावहि	अराजामहि	अराज्ये	अराज्यावहि	अराज्यामहि
	अराजथाः	अराजेथाम्	अराजध्वम्	अराज्यथाः	अराज्येथाम्	अराज्यध्वम्
	अराजत	अराजेताम्	अराजन्त	अराज्यत	अराज्येताम्	अराज्यन्त
वि.	राजेय	राजेवहि	राजेमहि	राज्येय	राज्येवहि	राज्येमहि
	राजेथाः	राजेयाथाम्	राजेध्वम्	राज्येथाः	राज्येयाथाम्	राज्येध्वम्
	राजेत	राजेयाताम्	राजेरन्	राज्येत	राज्येयाताम्	राज्येरन्
आ.	राजै	राजावहै	राजामहै	राज्यै	राज्यावहै	राज्यामहै
	राजस्व	राजेथाम्	राजध्वम्	राज्यस्व	राज्येथाम्	राज्यध्वम्
	राजताम्	राजेताम्	राजन्ताम्	राज्यताम्	राज्येताम्	राज्यन्ताम्
व.	वहे	वहावहे	वहामहे	उह्ये	उह्यावहे	उह्यामहे
	वहसे	वहेथे	वहध्वे	उह्यसे	उह्येथे	उह्यध्वे
	वहते	वहेते	वहन्ते	उह्यते	उह्येते	उह्यन्ते
ह्य.	अवहे	अवहावहि	अवहामहि	औह्ये	औह्यावहि	औह्यामहि
	अवहथाः	अवहेथाम्	अवहध्वम्	औह्यथाः	औह्येथाम्	औह्यध्वम्
	अवहत	अवहेताम्	अवहन्त	औह्यत	औह्येताम्	औह्यन्त
वि.	वहेय	वहेवहि	वहेमहि	उह्येय	उह्येवहि	उह्येमहि
	वहेथाः	वहेयाथाम्	वहेध्वम्	उह्येथाः	उह्येयाथाम्	उह्येध्वम्
	वहेत	वहेयाताम्	वहेरन्	उह्येत	उह्येयाताम्	उह्येरन्
आ.	वहै	वहावहै	वहामहै	उह्यै	उह्यावहै	उह्यामहै
	वहस्व	वहेथाम्	वहध्वम्	उह्यस्व	उह्येथाम्	उह्यध्वम्
	वहताम्	वहेताम्	वहन्ताम्	उह्यताम्	उह्येताम्	उह्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. ६१

व.	मुञ्चामि	मुञ्चावः	मुञ्चामः	मुञ्चे	मुञ्चावहे	मुञ्चामहे
	मुञ्चसि	मुञ्चथः	मुञ्चथ	मुञ्चसे	मुञ्चेथे	मुञ्चध्वे
	मुञ्चति	मुञ्चतः	मुञ्चन्ति	मुञ्चते	मुञ्चेते	मुञ्चन्ते
ह्य.	अमुञ्चम्	अमुञ्चाव	अमुञ्चाम	अमुञ्चे	अमुञ्चावहि	अमुञ्चामहि
	अमुञ्चः	अमुञ्चतम्	अमुञ्चत	अमुञ्चथाः	अमुञ्चेथाम्	अमुञ्चध्वम्
	अमुञ्चत्	अमुञ्चताम्	अमुञ्चन्	अमुञ्चत	अमुञ्चेताम्	अमुञ्चन्त
वि.	मुञ्चेयम्	मुञ्चेव	मुञ्चेम	मुञ्चेय	मुञ्चेवहि	मुञ्चेमहि
	मुञ्चेः	मुञ्चेतम्	मुञ्चेत	मुञ्चेथाः	मुञ्चेयाथाम्	मुञ्चेध्वम्
	मुञ्चेत्	मुञ्चेताम्	मुञ्चेयुः	मुञ्चेत	मुञ्चेयाताम्	मुञ्चेरन्
आ.	मुञ्चानि	मुञ्चाव	मुञ्चाम	मुञ्चै	मुञ्चावहै	मुञ्चामहै
	मुञ्च	मुञ्चतम्	मुञ्चत	मुञ्चस्व	मुञ्चेथाम्	मुञ्चध्वम्
	मुञ्चतु	मुञ्चताम्	मुञ्चन्तु	मुञ्चताम्	मुञ्चेताम्	मुञ्चन्ताम्

कर्तरि

धातु. ६२

व.	सिञ्चामि	सिञ्चावः	सिञ्चामः	सिञ्चे	सिञ्चावहे	सिञ्चामहे
	सिञ्चसि	सिञ्चथः	सिञ्चथ	सिञ्चसे	सिञ्चेथे	सिञ्चध्वे
	सिञ्चति	सिञ्चतः	सिञ्चन्ति	सिञ्चते	सिञ्चेते	सिञ्चन्ते
ह्य.	असिञ्चम्	असिञ्चाव	असिञ्चाम	असिञ्चे	असिञ्चावहि	असिञ्चामहि
	असिञ्चः	असिञ्चतम्	असिञ्चत	असिञ्चथाः	असिञ्चेथाम्	असिञ्चध्वम्
	असिञ्चत्	असिञ्चताम्	असिञ्चन्	असिञ्चत	असिञ्चेताम्	असिञ्चन्त
वि.	सिञ्चेयम्	सिञ्चेव	सिञ्चेम	सिञ्चेय	सिञ्चेवहि	सिञ्चेमहि
	सिञ्चेः	सिञ्चेतम्	सिञ्चेत	सिञ्चेथाः	सिञ्चेयाथाम्	सिञ्चेध्वम्
	सिञ्चेत्	सिञ्चेताम्	सिञ्चेयुः	सिञ्चेत	सिञ्चेयाताम्	सिञ्चेरन्
आ.	सिञ्चानि	सिञ्चाव	सिञ्चाम	सिञ्चै	सिञ्चावहै	सिञ्चामहै
	सिञ्च	सिञ्चतम्	सिञ्चत	सिञ्चस्व	सिञ्चेथाम्	सिञ्चध्वम्
	सिञ्चतु	सिञ्चताम्	सिञ्चन्तु	सिञ्चताम्	सिञ्चेताम्	सिञ्चन्ताम्

	कर्मणि			कर्तरि		
				धातु. ६३		
व.	मुच्ये	मुच्यावहे	मुच्यामहे	जाये	जायावहे	जायामहे
	मुच्यसे	मुच्येथे	मुच्यध्वे	जायसे	जायेथे	जायध्वे
	मुच्यते	मुच्येते	मुच्यन्ते	जायते	जायेते	जायन्ते
ह्य.	अमुच्ये	अमुच्यावहि	अमुच्यामहि	अजाये	अजायावहि	अजायामहि
	अमुच्यथाः	अमुच्येथाम्	अमुच्यध्वम्	अजायथाः	अजायेथाम्	अजायध्वम्
	अमुच्यत	अमुच्येताम्	अमुच्यन्त	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त
वि.	मुच्येय	मुच्येवहि	मुच्येमहि	जायेय	जायेवहि	जायेमहि
	मुच्येथाः	मुच्येयाथाम्	मुच्येध्वम्	जायेथाः	जायेयाथाम्	जायेध्वम्
	मुच्येत	मुच्येयाताम्	मुच्येरन्	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्
आ.	मुच्यै	मुच्यावहै	मुच्यामहै	जायै	जायावहै	जायामहै
	मुच्यस्व	मुच्येथाम्	मुच्यध्वम्	जायस्व	जायेथाम्	जायध्वम्
	मुच्यताम्	मुच्येताम्	मुच्यन्ताम्	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्

व.	सिच्ये	सिच्यावहे	सिच्यामहे
	सिच्यसे	सिच्येथे	सिच्यध्वे
	सिच्यते	सिच्येते	सिच्यन्ते
ह्य.	असिच्ये	असिच्यावहि	असिच्यामहि
	असिच्यथाः	असिच्येथाम्	असिच्यध्वम्
	असिच्यत	असिच्येताम्	असिच्यन्त
वि.	सिच्येय	सिच्येवहि	सिच्येमहि
	सिच्येथाः	सिच्येयाथाम्	सिच्येध्वम्
	सिच्येत	सिच्येयाताम्	सिच्येरन्
आ.	सिच्यै	सिच्यावहै	सिच्यामहै
	सिच्यस्व	सिच्येथाम्	सिच्यध्वम्
	सिच्यताम्	सिच्येताम्	सिच्यन्ताम्

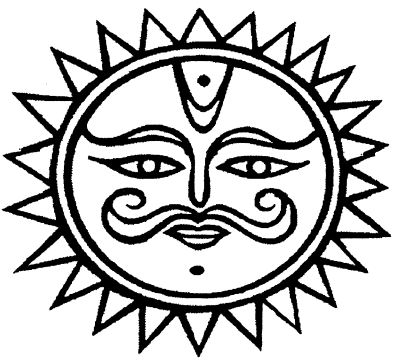

	कर्तरि			कर्मणि		
व.	जाये	जायावहे	जायामहे	जन्ये	जन्यावहे	जन्यामहे
	जायसे	जायेथे	जायध्वे	जन्यसे	जन्येथे	जन्यध्वे
	जायते	जायेते	जायन्ते	जन्यते	जन्येते	जन्यन्ते
ह्य.	अजाये	अजायावहि	अजायामहि	अजन्ये	अजन्यावहि	अजन्यामहि
	अजायथाः	अजायेथाम्	अजायध्वम्	अजन्यथाः	अजन्येथाम्	अजन्यध्वम्
	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त	अजन्यत	अजन्येताम्	अजन्यन्त
वि.	जायेय	जायेवहि	जायेमहि	जन्येय	जन्येवहि	जन्येमहि
	जायेथाः	जायेयाथाम्	जायेध्वम्	जन्येथाः	जन्येयाथाम्	जन्येध्वम्
	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्	जन्येत	जन्येयाताम्	जन्येरन्
आ.	जायै	जायावहै	जायामहै	जन्यै	जन्यावहै	जन्यामहै
	जायस्व	जायेथाम्	जायध्वम्	जन्यस्व	जन्येथाम्	जन्यध्वम्
	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्	जन्यताम्	जन्येताम्	जन्यन्ताम्

धातु. ६४

व.	युध्ये	युध्यावहे	युध्यामहे	युध्ये	युध्यावहे	युध्यामहे
	युध्यसे	युध्येथे	युध्यध्वे	युध्यसे	युध्येथे	युध्यध्वे
	युध्यते	युध्येते	युध्यन्ते	युध्यते	युध्येते	युध्यन्ते
ह्य.	अयुध्ये	अयुध्यावहि	अयुध्यामहि	अयुध्ये	अयुध्यावहि	अयुध्यामहि
	अयुध्यथाः	अयुध्येथाम्	अयुध्यध्वम्	अयुध्यथाः	अयुध्येथाम्	अयुध्यध्वम्
	अयुध्यत	अयुध्येताम्	अयुध्यन्त	अयुध्यत	अयुध्येताम्	अयुध्यन्त
वि.	युध्येय	युध्येवहि	युध्येमहि	युध्येय	युध्येवहि	युध्येमहि
	युध्येथाः	युध्येयाथाम्	युध्येध्वम्	युध्येथाः	युध्येयाथाम्	युध्येध्वम्
	युध्येत	युध्येयाताम्	युध्येरन्	युध्येत	युध्येयाताम्	युध्येरन्
आ.	युध्यै	युध्यावहै	युध्यामहै	युध्यै	युध्यावहै	युध्यामहै
	युध्यस्व	युध्येथाम्	युध्यध्वम्	युध्यस्व	युध्येथाम्	युध्यध्वम्
	युध्यताम्	युध्येताम्	युध्यन्ताम्	युध्यताम्	युध्येताम्	युध्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६५					
व.	अर्थये	अर्थयावहे	अर्थयामहे	अर्थ्ये	अर्थ्यावहे	अर्थ्यामहे
	अर्थयसे	अर्थयेथे	अर्थयध्वे	अर्थ्यसे	अर्थ्येथे	अर्थ्यध्वे
	अर्थयते	अर्थयेते	अर्थयन्ते	अर्थ्यते	अर्थ्येते	अर्थ्यन्ते
ह्य.	आर्थये	आर्थयावहि	आर्थयामहि	आर्थ्ये	आर्थ्यावहि	आर्थ्यामहि
	आर्थयथाः	आर्थयेथाम्	आर्थयध्वम्	आर्थ्यथाः	आर्थ्येथाम्	आर्थ्यध्वम्
	आर्थयत	आर्थयेताम्	आर्थयन्त	आर्थ्यत	आर्थ्येताम्	आर्थ्यन्त
वि.	अर्थयेय	अर्थयेवहि	अर्थयेमहि	अर्थ्येय	अर्थ्येवहि	अर्थ्येमहि
	अर्थयेथाः	अर्थयेयाथाम्	अर्थयेध्वम्	अर्थ्येथाः	अर्थ्येयाथाम्	अर्थ्येध्वम्
	अर्थयेत	अर्थयेयाताम्	अर्थयेरन्	अर्थ्येत	अर्थ्येयाताम्	अर्थ्येरन्
आ.	अर्थयै	अर्थयावहै	अर्थयामहै	अर्थ्यै	अर्थ्यावहै	अर्थ्यामहै
	अर्थयस्व	अर्थयेथाम्	अर्थयध्वम्	अर्थ्यस्व	अर्थ्येथाम्	अर्थ्यध्वम्
	अर्थयताम्	अर्थयेताम्	अर्थयन्ताम्	अर्थ्यताम्	अर्थ्येताम्	अर्थ्यन्ताम्
	धातु. ६६					
व.	अनुभवामि	अनुभवावः	अनुभवामः	अनुभूये	अनुभूयावहे	अनुभूयामहे
	अनुभवसि	अनुभवथः	अनुभवथ	अनुभूयसे	अनुभूयेथे	अनुभूयध्वे
	अनुभवति	अनुभवतः	अनुभवन्ति	अनुभूयते	अनुभूयेते	अनुभूयन्ते
ह्य.	अन्वभवम्	अन्वभवाव	अन्वभवाम	अन्वभूये	अन्वभूयावहि	अन्वभूयामहि
	अन्वभवः	अन्वभवतम्	अन्वभवत	अन्वभूयथाः	अन्वभूयेथाम्	अन्वभूयध्वम्
	अन्वभवत्	अन्वभवताम्	अन्वभवन्	अन्वभूयत	अन्वभूयेताम्	अन्वभूयन्त
वि.	अनुभवेयम्	अनुभवेव	अनुभवेम	अनुभूयेय	अनुभूयेवहि	अनुभूयेमहि
	अनुभवेः	अनुभवेतम्	अनुभवेत	अनुभूयेथाः	अनुभूयेयाथाम्	अनुभूयेध्वम्
	अनुभवेत्	अनुभवेताम्	अनुभवेयुः	अनुभूयेत	अनुभूयेयाताम्	अनुभूयेरन्
आ.	अनुभवानि	अनुभवाव	अनुभवाम	अनुभूयै	अनुभूयावहै	अनुभूयामहै
	अनुभव	अनुभवतम्	अनुभवत	अनुभूयस्व	अनुभूयेथाम्	अनुभूयध्वम्
	अनुभवतु	अनुभवताम्	अनुभवन्तु	अनुभूयताम्	अनुभूयेताम्	अनुभूयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ६७					
व.	अनुरूध्ये	अनुरूध्यावहे	अनुरूध्यामहे	अनुरूध्ये	अनुरूध्यावहे	अनुरूध्यामहे
	अनुरूध्यसे	अनुरूध्येथे	अनुरूध्यध्वे	अनुरूध्यसे	अनुरूध्येथे	अनुरूध्यध्वे
	अनुरूध्यते	अनुरूध्येते	अनुरूध्यन्ते	अनुरूध्यते	अनुरूध्येते	अनुरूध्यन्ते
ह्य.	अन्वरूध्ये	अन्वरूध्यावहि	अन्वरूध्यामहि	अन्वरूध्ये	अन्वरूध्यावहि	अन्वरूध्यामहि
	अन्वरूध्यथाः	अन्वरूध्येथाम्	अन्वरूध्यध्वम्	अन्वरूध्यथाः	अन्वरूध्येथाम्	अन्वरूध्यध्वम्
	अन्वरूध्यत	अन्वरूध्येताम्	अन्वरूध्यन्त	अन्वरूध्यत	अन्वरूध्येताम्	अन्वरूध्यन्त
वि.	अनुरूध्येय	अनुरूध्येवहि	अनुरूध्येमहि	अनुरूध्येय	अनुरूध्येवहि	अनुरूध्येमहि
	अनुरूध्येथाः	अनुरूध्येयाथाम्	अनुरूध्येध्वम्	अनुरूध्येथाः	अनुरूध्येयाथाम्	अनुरूध्येध्वम्
	अनुरूध्येत	अनुरूध्येयाताम्	अनुरूध्येरन्	अनुरूध्येत	अनुरूध्येयाताम्	अनुरूध्येरन्
आ.	अनुरूध्यै	अनुरूध्यावहै	अनुरूध्यामहै	अनुरूध्यै	अनुरूध्यावहै	अनुरूध्यामहै
	अनुरूध्यस्व	अनुरूध्येथाम्	अनुरूध्यध्वम्	अनुरूध्यस्व	अनुरूध्येथाम्	अनुरूध्यध्वम्
	अनुरूध्यताम्	अनुरूध्येताम्	अनुरूध्यन्ताम्	अनुरूध्यताम्	अनुरूध्येताम्	अनुरूध्यन्ताम्
	धातु. ६८					
व.	आगच्छामि	आगच्छावः	आगच्छामः	आगम्ये	आगम्यावहे	आगम्यामहे
	आगच्छसि	आगच्छथः	आगच्छथ	आगम्यसे	आगम्येथे	आगम्यध्वे
	आगच्छति	आगच्छतः	आगच्छन्ति	आगम्यते	आगम्येते	आगम्यन्ते
ह्य.	आगच्छम्	आगच्छाव	आगच्छाम	आगम्ये	आगम्यावहि	आगम्यामहि
	आगच्छः	आगच्छतम्	आगच्छत	आगम्यथाः	आगम्येथाम्	आगम्यध्वम्
	आगच्छत्	आगच्छताम्	आगच्छन्	आगम्यत	आगम्येताम्	आगम्यन्त
वि.	आगच्छेयम्	आगच्छेव	आगच्छेम	आगम्येय	आगम्येवहि	आगम्येमहि
	आगच्छेः	आगच्छेतम्	आगच्छेत	आगम्येथाः	आगम्येयाथाम्	आगम्येध्वम्
	आगच्छेत्	आगच्छेताम्	आगच्छेयुः	आगम्येत	आगम्येयाताम्	आगम्येरन्
आ.	आगच्छानि	आगच्छाव	आगच्छाम	आगम्यै	आगम्यावहै	आगम्यामहै
	आगच्छ	आगच्छतम्	आगच्छत	आगम्यस्व	आगम्येथाम्	आगम्यध्वम्
	आगच्छतु	आगच्छताम्	आगच्छन्तु	आगम्यताम्	आगम्येताम्	आगम्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ९९					
व.	ईक्षे	ईक्षावहे	ईक्षामहे	ईक्ष्ये	ईक्ष्यावहे	ईक्ष्यामहे
	ईक्षसे	ईक्षेथे	ईक्षध्वे	ईक्ष्यसे	ईक्ष्येथे	ईक्ष्यध्वे
	ईक्षते	ईक्षेते	ईक्षन्ते	ईक्ष्यते	ईक्ष्येते	ईक्ष्यन्ते
ह्य.	ऐक्षे	ऐक्षावहि	ऐक्षामहि	ऐक्ष्ये	ऐक्ष्यावहि	ऐक्ष्यामहि
	ऐक्षथाः	ऐक्षेथाम्	ऐक्षध्वम्	ऐक्ष्यथाः	ऐक्ष्येथाम्	ऐक्ष्यध्वम्
	ऐक्षत	ऐक्षेताम्	ऐक्षन्त	ऐक्ष्यत	ऐक्ष्येताम्	ऐक्ष्यन्त
वि.	ईक्षेय	ईक्षेवहि	ईक्षेमहि	ईक्ष्येय	ईक्ष्येवहि	ईक्ष्येमहि
	ईक्षेथाः	ईक्षेयाथाम्	ईक्षेध्वम्	ईक्ष्येथाः	ईक्ष्येयाथाम्	ईक्ष्येध्वम्
	ईक्षेत	ईक्षेयाताम्	ईक्षेरन्	ईक्ष्येत	ईक्ष्येयाताम्	ईक्ष्येरन्
आ.	ईक्षै	ईक्षावहै	ईक्षामहै	ईक्ष्यै	ईक्ष्यावहै	ईक्ष्यामहै
	ईक्षस्व	ईक्षेथाम्	ईक्षध्वम्	ईक्ष्यस्व	ईक्ष्येथाम्	ईक्ष्यध्वम्
	ईक्षताम्	ईक्षेताम्	ईक्षन्ताम्	ईक्ष्यताम्	ईक्ष्येताम्	ईक्ष्यन्ताम्
	धातु. १००					
व.	निरीक्षे	निरीक्षावहे	निरीक्षामहे	निरीक्ष्ये	निरीक्ष्यावहे	निरीक्ष्यामहे
	निरीक्षसे	निरीक्षेथे	निरीक्षध्वे	निरीक्ष्यसे	निरीक्ष्येथे	निरीक्ष्यध्वे
	निरीक्षते	निरीक्षेते	निरीक्षन्ते	निरीक्ष्यते	निरीक्ष्येते	निरीक्ष्यन्ते
ह्य.	निरैक्षे	निरैक्षावहि	निरैक्षामहि	निरैक्ष्ये	निरैक्ष्यावहि	निरैक्ष्यामहि
	निरैक्षथाः	निरैक्षेथाम्	निरैक्षध्वम्	निरैक्ष्यथाः	निरैक्ष्येथाम्	निरैक्ष्यध्वम्
	निरैक्षत	निरैक्षेताम्	निरैक्षन्त	निरैक्ष्यत	निरैक्ष्येताम्	निरैक्ष्यन्त
वि.	निरीक्षेय	निरीक्षेवहि	निरीक्षेमहि	निरीक्ष्येय	निरीक्ष्येवहि	निरीक्ष्येमहि
	निरीक्षेथाः	निरीक्षेयाथाम्	निरीक्षेध्वम्	निरीक्ष्येथाः	निरीक्ष्येयाथाम्	निरीक्ष्येध्वम्
	निरीक्षेत	निरीक्षेयाताम्	निरीक्षेरन्	निरीक्ष्येत	निरीक्ष्येयाताम्	निरीक्ष्येरन्
आ.	निरीक्षै	निरीक्षावहै	निरीक्षामहै	निरीक्ष्यै	निरीक्ष्यावहै	निरीक्ष्यामहै
	निरीक्षस्व	निरीक्षेथाम्	निरीक्षध्वम्	निरीक्ष्यस्व	निरीक्ष्येथाम्	निरीक्ष्यध्वम्
	निरीक्षताम्	निरीक्षेताम्	निरीक्षन्ताम्	निरीक्ष्यताम्	निरीक्ष्येताम्	निरीक्ष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १०१					
व.	पराजये	पराजयावहे	पराजयामहे	पराजीये	पराजीयावहे	पराजीयामहे
	पराजयसे	पराजयेथे	पराजयध्वे	पराजीयसे	पराजीयेथे	पराजीयध्वे
	पराजयते	पराजयेते	पराजयन्ते	पराजीयते	पराजीयेते	पराजीयन्ते
ह्य.	पराजये	पराजयावहि	पराजयामहि	पराजीये	पराजीयावहि	पराजीयामहि
	पराजयथाः	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	पराजीयथाः	पराजीयेथाम्	पराजीयध्वम्
	पराजयत	पराजयेताम्	पराजयन्त	पराजीयत	पराजीयेताम्	पराजीयन्त
वि.	पराजयेय	पराजयेवहि	पराजयेमहि	पराजीयेय	पराजीयेवहि	पराजीयेमहि
	पराजयेथाः	पराजयेयाथाम्	पराजयेध्वम्	पराजीयेथाः	पराजीयेयाथाम्	पराजीयेध्वम्
	पराजयेत	पराजयेयाताम्	पराजयेरन्	पराजीयेत	पराजीयेयाताम्	पराजीयेरन्
आ.	पराजयै	पराजयावहै	पराजयामहै	पराजीयै	पराजीयावहै	पराजीयामहै
	पराजयस्व	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	पराजीयस्व	पराजीयेथाम्	पराजीयध्वम्
	पराजयताम्	पराजयेताम्	पराजयन्ताम्	पराजीयताम्	पराजीयेताम्	पराजीयन्ताम्
	धातु. १०२					
व.	प्रभवामि	प्रभवावः	प्रभवामः	प्रभूये	प्रभूयावहे	प्रभूयामहे
	प्रभवसि	प्रभवथः	प्रभवथ	प्रभूयसे	प्रभूयेथे	प्रभूयध्वे
	प्रभवति	प्रभवतः	प्रभवन्ति	प्रभूयते	प्रभूयेते	प्रभूयन्ते
ह्य.	प्राभवम्	प्राभवाव	प्राभवाम	प्राभूये	प्राभूयावहि	प्राभूयामहि
	प्राभवः	प्राभवतम्	प्राभवत	प्राभूयथाः	प्राभूयेथाम्	प्राभूयध्वम्
	प्राभवत्	प्राभवताम्	प्राभवन्	प्राभूयत	प्राभूयेताम्	प्राभूयन्त
वि.	प्रभवेयम्	प्रभवेव	प्रभवेम	प्रभूयेय	प्रभूयेवहि	प्रभूयेमहि
	प्रभवेः	प्रभवेतम्	प्रभवेत	प्रभूयेथाः	प्रभूयेयाथाम्	प्रभूयेध्वम्
	प्रभवेत्	प्रभवेताम्	प्रभवेयुः	प्रभूयेत	प्रभूयेयाताम्	प्रभूयेरन्
आ.	प्रभवानि	प्रभवाव	प्रभवाम	प्रभूयै	प्रभूयावहै	प्रभूयामहै
	प्रभव	प्रभवतम्	प्रभवत	प्रभूयस्व	प्रभूयेथाम्	प्रभूयध्वम्
	प्रभवतु	प्रभवताम्	प्रभवन्तु	प्रभूयताम्	प्रभूयेताम्	प्रभूयन्ताम्

कर्तरि

धातु. १०२

व.	परिहरामि	परिहरावः	परिहरामः	परिहरे	परिहरावहे	परिहरामहे
	परिहरसि	परिहरथः	परिहरथ	परिहरसे	परिहरेथे	परिहरध्वे
	परिहरति	परिहरतः	परिहरन्ति	परिहरते	परिहरेते	परिहरन्ते
ह्य.	पर्यहरम्	पर्यहराव	पर्यहराम	पर्यहरे	पर्यहरावहि	पर्यहरामहि
	पर्यहरः	पर्यहरतम्	पर्यहरत	पर्यहरथाः	पर्यहरेथाम्	पर्यहरध्वम्
	पर्यहरत्	पर्यहरताम्	पर्यहरन्	पर्यहरत	पर्यहरेताम्	पर्यहरन्त
वि.	परिहरेयम्	परिहरेव	परिहरेम	परिहरेय	परिहरेवहि	परिहरेमहि
	परिहरेः	परिहरेतम्	परिहरेत	परिहरेथाः	परिहरेयाथाम्	परिहरेध्वम्
	परिहरेत्	परिहरेताम्	परिहरेयुः	परिहरेत	परिहरेयाताम्	परिहरेरन्
आ.	परिहराणि	परिहराव	परिहराम	परिहरै	परिहरावहै	परिहरामहै
	परिहर	परिहरतम्	परिहरत	परिहरस्व	परिहरेथाम्	परिहरध्वम्
	परिहरतु	परिहरताम्	परिहरन्तु	परिहरताम्	परिहरेताम्	परिहरन्ताम्

कर्तरि

धातु. १०४

व.	प्रजाये	प्रजायावहे	प्रजायामहे	प्रजाये	प्रजायावहे	प्रजायामहे
	प्रजायसे	प्रजायेथे	प्रजायध्वे	प्रजायसे	प्रजायेथे	प्रजायध्वे
	प्रजायते	प्रजायेते	प्रजायन्ते	प्रजायते	प्रजायेते	प्रजायन्ते
ह्य.	प्राजाये	प्राजायावहि	प्राजायामहि	प्राजाये	प्राजायावहि	प्राजायामहि
	प्राजायथाः	प्राजायेथाम्	प्राजायध्वम्	प्राजायथाः	प्राजायेथाम्	प्राजायध्वम्
	प्राजायत	प्राजायेताम्	प्राजायन्त	प्राजायत	प्राजायेताम्	प्राजायन्त
वि.	प्रजायेय	प्रजायेवहि	प्रजायेमहि	प्रजायेय	प्रजायेवहि	प्रजायेमहि
	प्रजायेथाः	प्रजायेयाथाम्	प्रजायेध्वम्	प्रजायेथाः	प्रजायेयाथाम्	प्रजायेध्वम्
	प्रजायेत	प्रजायेयाताम्	प्रजायेरन्	प्रजायेत	प्रजायेयाताम्	प्रजायेरन्
आ.	प्रजायै	प्रजायावहै	प्रजायामहै	प्रजायै	प्रजायावहै	प्रजायामहै
	प्रजायस्व	प्रजायेथाम्	प्रजायध्वम्	प्रजायस्व	प्रजायेथाम्	प्रजायध्वम्
	प्रजायताम्	प्रजायेताम्	प्रजायन्ताम्	प्रजायताम्	प्रजायेताम्	प्रजायन्ताम्

कर्मणि

कर्मणि

व.	परिह्रिये	परिह्रियावहे	परिह्रियामहे
	परिह्रियसे	परिह्रियेथे	परिह्रियध्वे
	परिह्रियते	परिह्रियेते	परिह्रियन्ते
ह्य.	पर्यह्रिये	पर्यह्रियावहि	पर्यह्रियामहि
	पर्यह्रियथाः	पर्यह्रियेथाम्	पर्यह्रियध्वम्
	पर्यह्रियत	पर्यह्रियेताम्	पर्यह्रियन्त
वि.	परिह्रियेय	परिह्रियेवहि	परिह्रियेमहि
	परिह्रियेथाः	परिह्रियेयाथाम्	परिह्रियेध्वम्
	परिह्रियेत	परिह्रियेयाताम्	परिह्रियेरन्
आ.	परिह्रियै	परिह्रियावहै	परिह्रियामहै
	परिह्रियस्व	परिह्रियेथाम्	परिह्रियध्वम्
	परिह्रियताम्	परिह्रियेताम्	परिह्रियन्ताम्

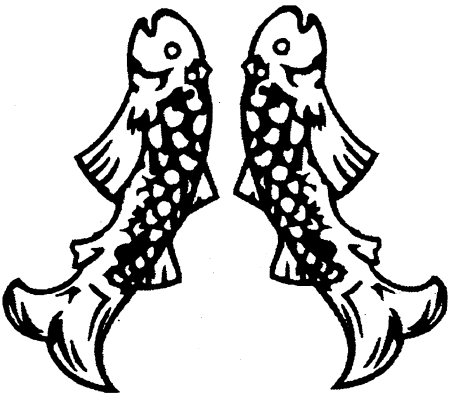

व.	प्रजन्ये	प्रजन्यावहे	प्रजन्यामहे
	प्रजन्यसे	प्रजन्येथे	प्रजन्यध्वे
	प्रजन्यते	प्रजन्येते	प्रजन्यन्ते
ह्य.	प्राजन्ये	प्राजन्यावहि	प्राजन्यामहि
	प्राजन्यथाः	प्राजन्येथाम्	प्राजन्यध्वम्
	प्राजन्यत	प्राजन्येताम्	प्राजन्यन्त
वि.	प्रजन्येय	प्रजन्येवहि	प्रजन्येमहि
	प्रजन्येथाः	प्रजन्येयाथाम्	प्रजन्येध्वम्
	प्रजन्येत	प्रजन्येयाताम्	प्रजन्येरन्
आ.	प्रजन्यै	प्रजन्यावहै	प्रजन्यामहै
	प्रजन्यस्व	प्रजन्येथाम्	प्रजन्यध्वम्
	प्रजन्यताम्	प्रजन्येताम्	प्रजन्यन्ताम्

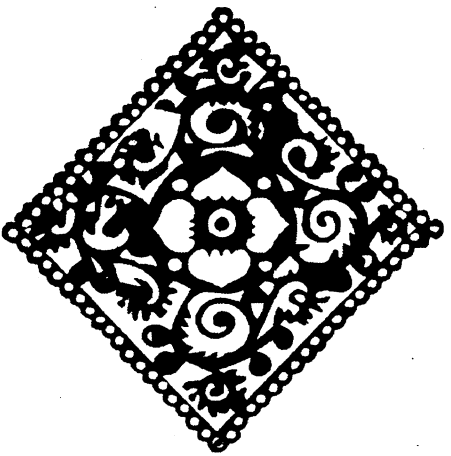

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १०५					
व.	प्रयच्छामि	प्रयच्छावः	प्रयच्छामः	प्रदीये	प्रदीयावहे	प्रदीयामहे
	प्रयच्छसि	प्रयच्छथः	प्रयच्छथ	प्रदीयसे	प्रदीयेथे	प्रदीयध्वे
	प्रयच्छति	प्रयच्छतः	प्रयच्छन्ति	प्रदीयते	प्रदीयेते	प्रदीयन्ते
ह्य.	प्रायच्छम्	प्रायच्छाव	प्रायच्छाम	प्रादीये	प्रादीयावहि	प्रादीयामहि
	प्रायच्छः	प्रायच्छतम्	प्रायच्छत	प्रादीयथाः	प्रादीयेथाम्	प्रादीयध्वम्
	प्रायच्छत्	प्रायच्छताम्	प्रायच्छन्	प्रादीयत	प्रादीयेताम्	प्रादीयन्त
वि.	प्रयच्छेयम्	प्रयच्छेव	प्रयच्छेम	प्रदीयेय	प्रदीयेवहि	प्रदीयेमहि
	प्रयच्छेः	प्रयच्छेतम्	प्रयच्छेत	प्रदीयेथाः	प्रदीयेयाथाम्	प्रदीयेध्वम्
	प्रयच्छेत्	प्रयच्छेताम्	प्रयच्छेयुः	प्रदीयेत	प्रदीयेयाताम्	प्रदीयेरन्
आ.	प्रयच्छानि	प्रयच्छाव	प्रयच्छाम	प्रदीयै	प्रदीयावहै	प्रदीयामहै
	प्रयच्छ	प्रयच्छतम्	प्रयच्छत	प्रदीयस्व	प्रदीयेथाम्	प्रदीयध्वम्
	प्रयच्छतु	प्रयच्छताम्	प्रयच्छन्तु	प्रदीयताम्	प्रदीयेताम्	प्रदीयन्ताम्
	धातु. १०६					
व.	प्रतिष्ठे	प्रतिष्ठावहे	प्रतिष्ठामहे	प्रस्थीये	प्रस्थीयावहे	प्रस्थीयामहे
	प्रतिष्ठसे	प्रतिष्ठेथे	प्रतिष्ठध्वे	प्रस्थीयसे	प्रस्थीयेथे	प्रस्थीयध्वे
	प्रतिष्ठते	प्रतिष्ठेते	प्रतिष्ठन्ते	प्रस्थीयते	प्रस्थीयेते	प्रस्थीयन्ते
ह्य.	प्रातिष्ठे	प्रातिष्ठावहि	प्रातिष्ठामहि	प्रास्थीये	प्रास्थीयावहि	प्रास्थीयामहि
	प्रातिष्ठथाः	प्रातिष्ठेथाम्	प्रातिष्ठध्वम्	प्रास्थीयथाः	प्रास्थीयेथाम्	प्रास्थीयध्वम्
	प्रातिष्ठत	प्रातिष्ठेताम्	प्रातिष्ठन्त	प्रास्थीयत	प्रास्थीयेताम्	प्रास्थीयन्त
वि.	प्रतिष्ठेय	प्रतिष्ठेवहि	प्रतिष्ठेमहि	प्रस्थीयेय	प्रस्थीयेवहि	प्रस्थीयेमहि
	प्रतिष्ठेथाः	प्रतिष्ठेयाथाम्	प्रतिष्ठेध्वम्	प्रस्थीयेथाः	प्रस्थीयेयाथाम्	प्रस्थीयेध्वम्
	प्रतिष्ठेत	प्रतिष्ठेयाताम्	प्रतिष्ठेरन्	प्रस्थीयेत	प्रस्थीयेयाताम्	प्रस्थीयेरन्
आ.	प्रतिष्ठै	प्रतिष्ठावहै	प्रतिष्ठामहै	प्रस्थीयै	प्रस्थीयावहै	प्रस्थीयामहै
	प्रतिष्ठस्व	प्रतिष्ठेथाम्	प्रतिष्ठध्वम्	प्रस्थीयस्व	प्रस्थीयेथाम्	प्रस्थीयध्वम्
	प्रतिष्ठताम्	प्रतिष्ठेताम्	प्रतिष्ठन्ताम्	प्रस्थीयताम्	प्रस्थीयेताम्	प्रस्थीयन्ताम्

कर्तरि

धातु. १०७

व.	विरमामि	विरमावः	विरमामः
	विरमसि	विरमथः	विरमथ
	विरमति	विरमतः	विरमन्ति
ह्य.	व्यरमम्	व्यरमाव	व्यरमाम
	व्यरमः	व्यरमतम्	व्यरमत
	व्यरमत्	व्यरमताम्	व्यरमन्
वि.	विरमेयम्	विरमेव	विरमेम
	विरमेः	विरमेतम्	विरमेत
	विरमेत्	विरमेताम्	विरमेयुः
आ.	विरमाणि	विरमाव	विरमाम
	विरम	विरमतम्	विरमत
	विरमतु	विरमताम्	विरमन्तु

कर्मणि

	विरम्ये	विरम्यावहे	विरम्यामहे
	विरम्यसे	विरम्येथे	विरम्यध्वे
	विरम्यते	विरम्येते	विरम्यन्ते
	व्यरम्ये	व्यरम्यावहि	व्यरम्यामहि
	व्यरम्यथाः	व्यरम्येथाम्	व्यरम्यध्वम्
	व्यरम्यत	व्यरम्येताम्	व्यरम्यन्त
	विरम्येय	विरम्येवहि	विरम्येमहि
	विरम्येथाः	विरम्येयाथाम्	विरम्येध्वम्
	विरम्येत	विरम्येयाताम्	विरम्येरन्
	विरम्यै	विरम्यावहै	विरम्यामहै
	विरम्यस्व	विरम्येथाम्	विरम्यध्वम्
	विरम्यताम्	विरम्येताम्	विरम्यन्ताम्

धातु. १०८ कर्तरि

व.	विहरामि	विहरावः	विहरामः
	विहरसि	विहरथः	विहरथ
	विहरति	विहरतः	विहरन्ति
ह्य.	व्यहरम्	व्यहराव	व्यहराम
	व्यहरः	व्यहरतम्	व्यहरत
	व्यहरत्	व्यहरताम्	व्यहरन्
वि.	विहरेयम्	विहरेव	विहरेम
	विहरेः	विहरेतम्	विहरेत
	विहरेत्	विहरेताम्	विहरेयुः
आ.	विहराणि	विहराव	विहराम
	विहर	विहरतम्	विहरत
	विहरतु	विहरताम्	विहरन्तु

कर्तरि

	विहरे	विहरावहे	विहरामहे
	विहरसे	विहरेथे	विहरध्वे
	विहरते	विहरेते	विहरन्ते
	व्यहरे	व्यहरावहि	व्यहरामहि
	व्यहरथाः	व्यहरेथाम्	व्यहरध्वम्
	व्यहरत	व्यहरेताम्	व्यहरन्त
	विहरेय	विहरेवहि	विहरेमहि
	विहरेथाः	विहरेयाथाम्	विहरेध्वम्
	विहरेत	विहरेयाताम्	विहरेरन्
	विहरै	विहरावहै	विहरामहै
	विहरस्व	विहरेथाम्	विहरध्वम्
	विहरताम्	विहरेताम्	विहरन्ताम्

कर्तरि

धातु. १०६

व.	विजये	विजयावहे	विजयामहे
	विजयसे	विजयेथे	विजयध्वे
	विजयते	विजयेते	विजयन्ते
ह्य.	व्यजये	व्यजयावहि	व्यजयामहि
	व्यजयथाः	व्यजयेथाम्	व्यजयध्वम्
	व्यजयत	व्यजयेताम्	व्यजयन्त
वि.	विजयेय	विजयेवहि	विजयेमहि
	विजयेथाः	विजयेयाथाम्	विजयेध्वम्
	विजयेत	विजयेयाताम्	विजयेरन्
आ.	विजयै	विजयावहै	विजयामहै
	विजयस्व	विजयेथाम्	विजयध्वम्
	विजयताम्	विजयेताम्	विजयन्ताम्

कर्मणि

व.	विजीये	विजीयावहे	विजीयामहे
	विजीयसे	विजीयेथे	विजीयध्वे
	विजीयते	विजीयेते	विजीयन्ते
ह्य.	व्यजीये	व्यजीयावहि	व्यजीयामहि
	व्यजीयथाः	व्यजीयेथाम्	व्यजीयध्वम्
	व्यजीयत	व्यजीयेताम्	व्यजीयन्त
वि.	विजीयेय	विजीयेवहि	विजीयेमहि
	विजीयेथाः	विजीयेयाथाम्	विजीयेध्वम्
	विजीयेत	विजीयेयाताम्	विजीयेरन्
आ.	विजीयै	विजीयावहै	विजीयामहै
	विजीयस्व	विजीयेथाम्	विजीयध्वम्
	विजीयताम्	विजीयेताम्	विजीयन्ताम्

कर्मणि

व.	विह्रिये	विह्रियावहे	विह्रियामहे
	विह्रियसे	विह्रियेथे	विह्रियध्वे
	विह्रियते	विह्रियेते	विह्रियन्ते
ह्य.	व्यह्रिये	व्यह्रियावहि	व्यह्रियामहि
	व्यह्रियथाः	व्यह्रियेथाम्	व्यह्रियध्वम्
	व्यह्रियत	व्यह्रियेताम्	व्यह्रियन्त
वि.	विह्रियेय	विह्रियेवहि	विह्रियेमहि
	विह्रियेथाः	विह्रियेयाथाम्	विह्रियेध्वम्
	विह्रियेत	विह्रियेयाताम्	विह्रियेरन्
आ.	विह्रियै	विह्रियावहै	विह्रियामहै
	विह्रियस्व	विह्रियेथाम्	विह्रियध्वम्
	विह्रियताम्	विह्रियेताम्	विह्रियन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ११०					
व.	सिध्यामि	सिध्यावः	सिध्यामः	सिध्ये	सिध्यावहे	सिध्यामहे
	सिध्यसि	सिध्यथः	सिध्यथ	सिध्यसे	सिध्येथे	सिध्यध्वे
	सिध्यति	सिध्यतः	सिध्यन्ति	सिध्यते	सिध्येते	सिध्यन्ते
ह्य.	असिध्यम्	असिध्याव	असिध्याम	असिध्ये	असिध्यावहि	असिध्यामहि
	असिध्यः	असिध्यतम्	असिध्यत	असिध्यथाः	असिध्येथाम्	असिध्यध्वम्
	असिध्यत्	असिध्यताम्	असिध्यन्	असिध्यत	असिध्येताम्	असिध्यन्त
वि.	सिध्येयम्	सिध्येव	सिध्येम	सिध्येय	सिध्येवहि	सिध्येमहि
	सिध्येः	सिध्येतम्	सिध्येत	सिध्येथाः	सिध्येयाथाम्	सिध्येध्वम्
	सिध्येत्	सिध्येताम्	सिध्येयुः	सिध्येत	सिध्येयाताम्	सिध्येरन्
आ.	सिध्यानि	सिध्याव	सिध्याम	सिध्यै	सिध्यावहै	सिध्यामहै
	सिध्य	सिध्यतम्	सिध्यत	सिध्यस्व	सिध्येथाम्	सिध्यध्वम्
	सिध्यतु	सिध्यताम्	सिध्यन्तु	सिध्यताम्	सिध्येताम्	सिध्यन्ताम्
	धातु. १११					
व.	प्रकाशे	प्रकाशावहे	प्रकाशामहे	प्रकाश्ये	प्रकाश्यावहे	प्रकाश्यामहे
	प्रकाशसे	प्रकाशेथे	प्रकाशध्वे	प्रकाश्यसे	प्रकाश्येथे	प्रकाश्यध्वे
	प्रकाशते	प्रकाशेते	प्रकाशन्ते	प्रकाश्यते	प्रकाश्येते	प्रकाश्यन्ते
ह्य.	प्राकाशे	प्राकाशावहि	प्राकाशामहि	प्राकाश्ये	प्राकाश्यावहि	प्राकाश्यामहि
	प्राकाशथाः	प्राकाशेथाम्	प्राकाशध्वम्	प्राकाश्यथाः	प्राकाश्येथाम्	प्राकाश्यध्वम्
	प्राकाशत	प्राकाशेताम्	प्राकाशन्त	प्राकाश्यत	प्राकाश्येताम्	प्राकाश्यन्त
वि.	प्रकाशेय	प्रकाशेवहि	प्रकाशेमहि	प्रकाश्येय	प्रकाश्येवहि	प्रकाश्येमहि
	प्रकाशेथाः	प्रकाशेयाथाम्	प्रकाशेध्वम्	प्रकाश्येथाः	प्रकाश्येयाथाम्	प्रकाश्येध्वम्
	प्रकाशेत	प्रकाशेयाताम्	प्रकाशेरन्	प्रकाश्येत	प्रकाश्येयाताम्	प्रकाश्येरन्
आ.	प्रकाशै	प्रकाशावहै	प्रकाशामहै	प्रकाश्यै	प्रकाश्यावहै	प्रकाश्यामहै
	प्रकाशस्व	प्रकाशेथाम्	प्रकाशध्वम्	प्रकाश्यस्व	प्रकाश्येथाम्	प्रकाश्यध्वम्
	प्रकाशताम्	प्रकाशेताम्	प्रकाशन्ताम्	प्रकाश्यताम्	प्रकाश्येताम्	प्रकाश्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्तरि		
	धातु. ११२					
व.	दिशामि	दिशावः	दिशामः	दिशे	दिशावहे	दिशामहे
	दिशसि	दिशथः	दिशथ	दिशसे	दिशेथे	दिशध्वे
	दिशति	दिशतः	दिशन्ति	दिशते	दिशेते	दिशन्ते
ह्य.	अदिशम्	अदिशाव	अदिशाम	अदिशे	अदिशावहि	अदिशामहि
	अदिशः	अदिशतम्	अदिशत	अदिशथाः	अदिशेथाम्	अदिशध्वम्
	अदिशत्	अदिशताम्	अदिशन्	अदिशत	अदिशेताम्	अदिशन्त
वि.	दिशेयम्	दिशेव	दिशेम	दिशेय	दिशेवहि	दिशेमहि
	दिशेः	दिशेतम्	दिशेत	दिशेथाः	दिशेयाथाम्	दिशेध्वम्
	दिशेत्	दिशेताम्	दिशेयुः	दिशेत	दिशेयाताम्	दिशेरन्
आ.	दिशानि	दिशाव	दिशाम	दिशै	दिशावहै	दिशामहै
	दिश	दिशतम्	दिशत	दिशस्व	दिशेथाम्	दिशध्वम्
	दिशतु	दिशताम्	दिशन्तु	दिशताम्	दिशेताम्	दिशन्ताम्
	धातु. ११३					
व.	उपदिशामि	उपदिशावः	उपदिशामः	उपदिशे	उपदिशावहे	उपदिशामहे
	उपदिशसि	उपदिशथः	उपदिशथ	उपदिशसे	उपदिशेथे	उपदिशध्वे
	उपदिशति	उपदिशतः	उपदिशन्ति	उपदिशते	उपदिशेते	उपदिशन्ते
ह्य.	उपादिशम्	उपादिशाव	उपादिशाम	उपादिशे	उपादिशावहि	उपादिशामहि
	उपादिशः	उपादिशतम्	उपादिशत	उपादिशथाः	उपादिशेथाम्	उपादिशध्वम्
	उपादिशत्	उपादिशताम्	उपादिशन्	उपादिशत	उपादिशेताम्	उपादिशन्त
वि.	उपदिशेयम्	उपदिशेव	उपदिशेम	उपदिशेय	उपदिशेवहि	उपदिशेमहि
	उपदिशेः	उपदिशेतम्	उपदिशेत	उपदिशेथाः	उपदिशेयाथाम्	उपदिशेध्वम्
	उपदिशेत्	उपदिशेताम्	उपदिशेयुः	उपदिशेत	उपदिशेयाताम्	उपदिशेरन्
आ.	उपदिशानि	उपदिशाव	उपदिशाम	उपदिशै	उपदिशावहै	उपदिशामहै
	उपदिश	उपदिशतम्	उपदिशत	उपदिशस्व	उपदिशेथाम्	उपदिशध्वम्
	उपदिशतु	उपदिशताम्	उपदिशन्तु	उपदिशताम्	उपदिशेताम्	उपदिशन्ताम्

	कर्मणि			कर्तरि		
				धातु. ११४		
व.	दिश्ये	दिश्यावहे	दिश्यामहे	आदिशामि	आदिशावः	आदिशामः
	दिश्यसे	दिश्येथे	दिश्यध्वे	आदिशसि	आदिशथः	आदिशथ
	दिश्यते	दिश्येते	दिश्यन्ते	आदिशति	आदिशतः	आदिशन्ति
ह्य.	अदिश्ये	अदिश्यावहि	अदिश्यामहि	आदिशम्	आदिशाव	आदिशाम
	अदिश्यथाः	अदिश्येथाम्	अदिश्यध्वम्	आदिशः	आदिशतम्	आदिशत
	अदिश्यत	अदिश्येताम्	अदिश्यन्त	आदिशत्	आदिशताम्	आदिशन्
वि.	दिश्येय	दिश्येवहि	दिश्येमहि	आदिशेयम्	आदिशेव	आदिशेम
	दिश्येथाः	दिश्येयाथाम्	दिश्येध्वम्	आदिशेः	आदिशेतम्	आदिशेत
	दिश्येत	दिश्येयाताम्	दिश्येरन्	आदिशेत्	आदिशेताम्	आदिशेयुः
आ.	दिश्यै	दिश्यावहै	दिश्यामहै	आदिशानि	आदिशाव	आदिशाम
	दिश्यस्व	दिश्येथाम्	दिश्यध्वम्	आदिश	आदिशतम्	आदिशत
	दिश्यताम्	दिश्येताम्	दिश्न्ताम्	आदिशतु	आदिशताम्	आदिशन्तु

व.	उपदिश्ये	उपदिश्यावहे	उपदिश्यामहे
	उपदिश्यसे	उपदिश्येथे	उपदिश्यध्वे
	उपदिश्यते	उपदिश्येते	उपदिश्यन्ते
ह्य.	उपादिश्ये	उपादिश्यावहि	उपादिश्यामहि
	उपादिश्यथाः	उपादिश्येथाम्	उपादिश्यध्वम्
	उपादिश्यत	उपादिश्येताम्	उपादिश्यन्त
वि.	उपदिश्येय	उपदिश्येवहि	उपदिश्येमहि
	उपदिश्येथाः	उपदिश्येयाथाम्	उपदिश्येध्वम्
	उपदिश्येत	उपदिश्येयाताम्	उपदिश्येरन्
आ.	उपदिश्यै	उपदिश्यावहै	उपदिश्यामहै
	उपदिश्यस्व	उपदिश्येथाम्	उपदिश्यध्वम्
	उपदिश्यताम्	उपदिश्येताम्	उपदिश्यन्ताम्

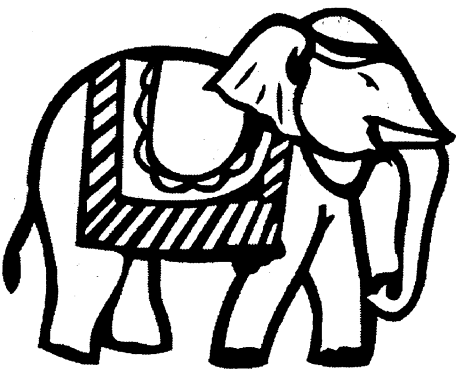

	कर्तरि			कर्मणि		
व.	आदिशे	आदिशावहे	आदिशामहे	आदिश्ये	आदिश्यावहे	आदिश्यामहे
	आदिशसे	आदिशेथे	आदिशध्वे	आदिश्यसे	आदिश्येथे	आदिश्यध्वे
	आदिशते	आदिशेते	आदिशन्ते	आदिश्यते	आदिश्येते	आदिश्यन्ते
ह्य.	आदिशे	आदिशावहि	आदिशामहि	आदिश्ये	आदिश्यावहि	आदिश्यामहि
	आदिशथाः	आदिशेथाम्	आदिशध्वम्	आदिश्यथाः	आदिश्येथाम्	आदिश्यध्वम्
	आदिशत	आदिशेताम्	आदिशन्त	आदिश्यत	आदिश्येताम्	आदिश्यन्त
वि.	आदिशेय	आदिशेवहि	आदिशेमहि	आदिश्येय	आदिश्येवहि	आदिश्येमहि
	आदिशेथाः	आदिशेयाथाम्	आदिशेध्वम्	आदिश्येथाः	आदिश्येयाथाम्	आदिश्येध्वम्
	आदिशेत	आदिशेयाताम्	आदिशेरन्	आदिश्येत	आदिश्येयाताम्	आदिश्येरन्
आ.	आदिशै	आदिशावहै	आदिशामहै	आदिश्यै	आदिश्यावहै	आदिश्यामहै
	आदिशस्व	आदिशेथाम्	आदिशध्वम्	आदिश्यस्व	आदिश्येथाम्	आदिश्यध्वम्
	आदिशताम्	आदिशेताम्	आदिशन्ताम्	आदिश्यताम्	आदिश्येताम्	आदिश्यन्ताम्

धातु. ११५

व.	अभिभवामि	अभिभवावः	अभिभवामः	अभिभूये	अभिभूयावहे	अभिभूयामहे
	अभिभवसि	अभिभवथः	अभिभवथ	अभिभूयसे	अभिभूयेथे	अभिभूयध्वे
	अभिभवति	अभिभवतः	अभिभवन्ति	अभिभूयते	अभिभूयेते	अभिभूयन्ते
ह्य.	अभ्यभवम्	अभ्यभवाव	अभ्यभवाम	अभ्यभूये	अभ्यभूयावहि	अभ्यभूयामहि
	अभ्यभवः	अभ्यभवतम्	अभ्यभवत	अभ्यभूयथाः	अभ्यभूयेथाम्	अभ्यभूयध्वम्
	अभ्यभवत्	अभ्यभवताम्	अभ्यभवन्	अभ्यभूयत	अभ्यभूयेताम्	अभ्यभूयन्त
वि.	अभिभवेयम्	अभिभवेव	अभिभवेम	अभिभूयेय	अभिभूयेवहि	अभिभूयेमहि
	अभिभवेः	अभिभवेतम्	अभिभवेत	अभिभूयेथाः	अभिभूयेयाथाम्	अभिभूयेध्वम्
	अभिभवेत्	अभिभवताम्	अभिभवेयुः	अभिभूयेत	अभिभूयेयाताम्	अभिभूयेरन्
आ.	अभिभवानि	अभिभवाव	अभिभवाम	अभिभूयै	अभिभूयावहै	अभिभूयामहै
	अभिभव	अभिभवतम्	अभिभवत	अभिभूयस्व	अभिभूयेथाम्	अभिभूयध्वम्
	अभिभवतु	अभिभवताम्	अभिभवन्तु	अभिभूयताम्	अभिभूयेताम्	अभिभूयन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ११६					
व.	ऋध्यामि	ऋध्यावः	ऋध्यामः	ऋध्ये	ऋध्यावहे	ऋध्यामहे
	ऋध्यसि	ऋध्यथः	ऋध्यथ	ऋध्यसे	ऋध्येथे	ऋध्यध्वे
	ऋध्यति	ऋध्यतः	ऋध्यन्ति	ऋध्यते	ऋध्येते	ऋध्यन्ते
ह्य.	आर्ध्यम्	आर्ध्याव	आर्ध्याम	आर्ध्ये	आर्ध्यावहि	आर्ध्यामहि
	आर्ध्यः	आर्ध्यतम्	आर्ध्यत	आर्ध्यथाः	आर्ध्येथाम्	आर्ध्यध्वम्
	आर्ध्यत्	आर्ध्यताम्	आर्ध्यन्	आर्ध्यत	आर्ध्येताम्	आर्ध्यन्त
वि.	ऋध्येयम्	ऋध्येव	ऋध्येम	ऋध्येय	ऋध्येवहि	ऋध्येमहि
	ऋध्येः	ऋध्येतम्	ऋध्येत	ऋध्येथाः	ऋध्येयाथाम्	ऋध्येध्वम्
	ऋध्येत्	ऋध्येताम्	ऋध्येयुः	ऋध्येत	ऋध्येयाताम्	ऋध्येरन्
आ.	ऋध्यानि	ऋध्याव	ऋध्याम	ऋध्यै	ऋध्यावहै	ऋध्यामहै
	ऋध्य	ऋध्यतम्	ऋध्यत	ऋध्यस्व	ऋध्येथाम्	ऋध्यध्वम्
	ऋध्यतु	ऋध्यताम्	ऋध्यन्तु	ऋध्यताम्	ऋध्येताम्	ऋध्यन्ताम्
	धातु. ११७					
व.	समृध्यामि	समृध्यावः	समृध्यामः	समृध्ये	समृध्यावहे	समृध्यामहे
	समृध्यसि	समृध्यथः	समृध्यथ	समृध्यसे	समृध्येथे	समृध्यध्वे
	समृध्यति	समृध्यतः	समृध्यन्ति	समृध्यते	समृध्येते	समृध्यन्ते
ह्य.	समार्ध्यम्	समार्ध्याव	समार्ध्याम	समार्ध्ये	समार्ध्यावहि	समार्ध्यामहि
	समार्ध्यः	समार्ध्यतम्	समार्ध्यत	समार्ध्यथाः	समार्ध्येथाम्	समार्ध्यध्वम्
	समार्ध्यत्	समार्ध्यताम्	समार्ध्यन्	समार्ध्यत	समार्ध्येताम्	समार्ध्यन्त
वि.	समृध्येयम्	समृध्येव	समृध्येम	समृध्येय	समृध्येवहि	समृध्येमहि
	समृध्येः	समृध्येतम्	समृध्येत	समृध्येथाः	समृध्येयाथाम्	समृध्येध्वम्
	समृध्येत्	समृध्येताम्	समृध्येयुः	समृध्येत	समृध्येयाताम्	समृध्येरन्
आ.	समृध्यानि	समृध्याव	समृध्याम	समृध्यै	समृध्यावहै	समृध्यामहै
	समृध्य	समृध्यतम्	समृध्यत	समृध्यस्व	समृध्येथाम्	समृध्यध्वम्
	समृध्यतु	समृध्यताम्	समृध्यन्तु	समृध्यताम्	समृध्येताम्	समृध्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. ११८					
व.	निपतामि	निपतावः	निपतामः	निपत्ये	निपत्यावहे	निपत्यामहे
	निपतसि	निपतथः	निपतथ	निपत्यसे	निपत्येथे	निपत्यध्वे
	निपतति	निपततः	निपतन्ति	निपत्यते	निपत्येते	निपत्यन्ते
ह्य.	न्यपतम्	न्यपताव	न्यपताम	न्यपत्ये	न्यपत्यावहि	न्यपत्यामहि
	न्यपतः	न्यपततम्	न्यपतत	न्यपत्यथाः	न्यपत्येथाम्	न्यपत्यध्वम्
	न्यपतत्	न्यपतताम्	न्यपतन्	न्यपत्यत	न्यपत्येताम्	न्यपत्यन्त
वि.	निपतेयम्	निपतेव	निपतेम	निपत्येय	निपत्येवहि	निपत्येमहि
	निपतेः	निपतेतम्	निपतेत	निपत्येथाः	निपत्येयाथाम्	निपत्येध्वम्
	निपतेत्	निपतेताम्	निपतेयुः	निपत्येत	निपत्येयाताम्	निपत्येरन्
आ.	निपतानि	निपताव	निपताम	निपत्यै	निपत्यावहै	निपत्यामहै
	निपत	निपततम्	निपतत	निपत्यस्व	निपत्येथाम्	निपत्यध्वम्
	निपततु	निपतताम्	निपतन्तु	निपत्यताम्	निपत्येताम्	निपत्यन्ताम्
	धातु. ११९					
व.	रोहामि	रोहावः	रोहामः	रूह्ये	रूह्यावहे	रूह्यामहे
	रोहसि	रोहथः	रोहथ	रूह्यसे	रूह्येथे	रूह्यध्वे
	रोहति	रोहतः	रोहन्ति	रूह्यते	रूह्येते	रूह्यन्ते
ह्य.	अरोहम्	अरोहाव	अरोहाम	अरूह्ये	अरूह्यावहि	अरूह्यामहि
	अरोहः	अरोहतम्	अरोहत	अरूह्यथाः	अरूह्येथाम्	अरूह्यध्वम्
	अरोहत्	अरोहताम्	अरोहन्	अरूह्यत	अरूह्येताम्	अरूह्यन्त
वि.	रोहेयम्	रोहेव	रोहेम	रूह्येय	रूह्येवहि	रूह्येमहि
	रोहेः	रोहेतम्	रोहेत	रूह्येथाः	रूह्येयाथाम्	रूह्येध्वम्
	रोहेत्	रोहेताम्	रोहेयुः	रूह्येत	रूह्येयाताम्	रूह्येरन्
आ.	रोहानि	रोहाव	रोहाम	रूह्यै	रूह्यावहै	रूह्यामहै
	रोह	रोहतम्	रोहत	रूह्यस्व	रूह्येथाम्	रूह्यध्वम्
	रोहतु	रोहताम्	रोहन्तु	रूह्यताम्	रूह्येताम्	रूह्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १२०

व.	आरोहामि	आरोहावः	आरोहामः	आरूह्ये	आरूह्यावहे	आरूह्यामहे
	आरोहसि	आरोहथः	आरोहथ	आरूह्यसे	आरूह्येथे	आरूह्यध्वे
	आरोहति	आरोहतः	आरोहन्ति	आरूह्यते	आरूह्येते	आरूह्यन्ते
ह्य.	आरोहम्	आरोहाव	आरोहाम	आरूह्ये	आरूह्यावहि	आरूह्यामहि
	आरोहः	आरोहतम्	आरोहत	आरूह्यथाः	आरूह्येथाम्	आरूह्यध्वम्
	आरोहत्	आरोहताम्	आरोहन्	आरूह्यत	आरूह्येताम्	आरूह्यन्त
वि.	आरोहेयम्	आरोहेव	आरोहेम	आरूह्येय	आरूह्येवहि	आरूह्येमहि
	आरोहेः	आरोहेतम्	आरोहेत	आरूह्येथाः	आरूह्येयाथाम्	आरूह्येध्वम्
	आरोहेत्	आरोहेताम्	आरोहेयुः	आरूह्येत	आरूह्येयाताम्	आरूह्येरन्
आ.	आरोहाणि	आरोहाव	आरोहाम	आरूह्यै	आरूह्यावहै	आरूह्यामहै
	आरोह	आरोहतम्	आरोहत	आरूह्यस्व	आरूह्येथाम्	आरूह्यध्वम्
	आरोहतु	आरोहताम्	आरोहन्तु	आरूह्यताम्	आरूह्येताम्	आरूह्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १२१

व.	आनयामि	आनयावः	आनयामः	आनये	आनयावहे	आनयामहे
	आनयसि	आनयथः	आनयथ	आनयसे	आनयेथे	आनयध्वे
	आनयति	आनयतः	आनयन्ति	आनयते	आनयेते	आनयन्ते
ह्य.	आनयम्	आनयाव	आनयाम	आनये	आनयावहि	आनयामहि
	आनयः	आनयतम्	आनयत	आनयथाः	आनयेथाम्	आनयध्वम्
	आनयत्	आनयताम्	आनयन्	आनयत	आनयेताम्	आनयन्त
वि.	आनयेयम्	आनयेव	आनयेम	आनयेय	आनयेवहि	आनयेमहि
	आनयेः	आनयेतम्	आनयेत	आनयेथाः	आनयेयाथाम्	आनयेध्वम्
	आनयेत्	आनयेताम्	आनयेयुः	आनयेत	आनयेयाताम्	आनयेरन्
आ.	आनयानि	आनयाव	आनयाम	आनयै	आनयावहै	आनयामहै
	आनय	आनयतम्	आनयत	आनयस्व	आनयेथाम्	आनयध्वम्
	आनयतु	आनयताम्	आनयन्तु	आनयताम्	आनयेताम्	आनयन्ताम्

कर्तरि

धातु. १२२

व.	उड्डये	उड्डयावहे	उड्डयामहे
	उड्डयसे	उड्डयेथे	उड्डयध्वे
	उड्डयते	उड्डयेते	उड्डयन्ते
ह्य.	उदड्डये	उदड्डयावहि	उदड्डयामहि
	उदड्डयथाः	उदड्डयेथाम्	उदड्डयध्वम्
	उदड्डयत	उदड्डयेताम्	उदड्डयन्त
वि.	उड्डयेय	उड्डयेवहि	उड्डयेमहि
	उड्डयेथाः	उड्डयेयाथाम्	उड्डयेध्वम्
	उड्डयेत	उड्डयेयाताम्	उड्डयेरन्
आ.	उड्डयै	उड्डयावहै	उड्डयामहै
	उड्डयस्व	उड्डयेथाम्	उड्डयध्वम्
	उड्डयताम्	उड्डयेताम्	उड्डयन्ताम्

कर्मणि

व.	उड्डीये	उड्डीयावहे	उड्डीयामहे
	उड्डीयसे	उड्डीयेथे	उड्डीयध्वे
	उड्डीयते	उड्डीयेते	उड्डीयन्ते
ह्य.	उदड्डीये	उदड्डीयावहि	उदड्डीयामहि
	उदड्डीयथाः	उदड्डीयेथाम्	उदड्डीयध्वम्
	उदड्डीयत	उदड्डीयेताम्	उदड्डीयन्त
वि.	उड्डीयेय	उड्डीयेवहि	उड्डीयेमहि
	उड्डीयेथाः	उड्डीयेयाथाम्	उड्डीयेध्वम्
	उड्डीयेत	उड्डीयेयाताम्	उड्डीयेरन्
आ.	उड्डीयै	उड्डीयावहै	उड्डीयामहै
	उड्डीयस्व	उड्डीयेथाम्	उड्डीयध्वम्
	उड्डीयताम्	उड्डीयेताम्	उड्डीयन्ताम्

कर्मणि

व.	आनीये	आनीयावहे	आनीयामहे
	आनीयसे	आनीयेथे	आनीयध्वे
	आनीयते	आनीयेते	आनीयन्ते
ह्य.	आनीये	आनीयावहि	आनीयामहि
	आनीयथाः	आनीयेथाम्	आनीयध्वम्
	आनीयत	आनीयेताम्	आनीयन्त
वि.	आनीयेय	आनीयेवहि	आनीयेमहि
	आनीयेथाः	आनीयेयाथाम्	आनीयेध्वम्
	आनीयेत	आनीयेयाताम्	आनीयेरन्
आ.	आनीयै	आनीयावहै	आनीयामहै
	आनीयस्व	आनीयेथाम्	आनीयध्वम्
	आनीयताम्	आनीयेताम्	आनीयन्ताम्

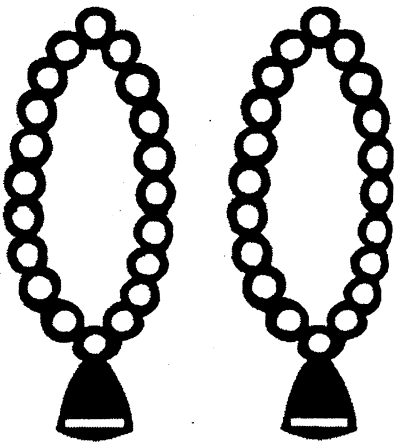

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १२३					
व.	मोदे	मोदावहे	मोदामहे	मुद्ये	मुद्यावहे	मुद्यामहे
	मोदसे	मोदेथे	मोदध्वे	मुद्यसे	मुद्येथे	मुद्यध्वे
	मोदते	मोदेते	मोदन्ते	मुद्यते	मुद्येते	मुद्यन्ते
ह्य.	अमोदे	अमोदावहि	अमोदामहि	अमुद्ये	अमुद्यावहि	अमुद्यामहि
	अमोदथाः	अमोदेथाम्	अमोदध्वम्	अमुद्यथाः	अमुद्येथाम्	अमुद्यध्वम्
	अमोदत	अमोदेताम्	अमोदन्त	अमुद्यत	अमुद्येताम्	अमुद्यन्त
वि.	मोदेय	मोदेवहि	मोदेमहि	मुद्येय	मुद्येवहि	मुद्येमहि
	मोदेथाः	मोदेयाथाम्	मोदेध्वम्	मुद्येथाः	मुद्येयाथाम्	मुद्येध्वम्
	मोदेत	मोदेयाताम्	मोदेरन्	मुद्येत	मुद्येयाताम्	मुद्येरन्
आ.	मोदै	मोदावहै	मोदामहै	मुद्यै	मुद्यावहै	मुद्यामहै
	मोदस्व	मोदेथाम्	मोदध्वम्	मुद्यस्व	मुद्येथाम्	मुद्यध्वम्
	मोदताम्	मोदेताम्	मोदन्ताम्	मुद्यताम्	मुद्येताम्	मुद्यन्ताम्
	धातु. १२४					
व.	विरचयामि	विरचयावः	विरचयामः	विरच्ये	विरच्यावहे	विरच्यामहे
	विरचयसि	विरचयथः	विरचयथ	विरच्यसे	विरच्येथे	विरच्यध्वे
	विरचयति	विरचयतः	विरचयन्ति	विरच्यते	विरच्येते	विरच्यन्ते
ह्य.	अविरचयम्	अविरचयाव	अविरचयाम	अविरच्ये	अविरच्यावहि	अविरच्यामहि
	अविरचयः	अविरचयतम्	अविरचयत	अविरच्यथाः	अविरच्येथाम्	अविरच्यध्वम्
	अविरचयत्	अविरचयताम्	अविरचयन्	अविरच्यत	अविरच्येताम्	अविरच्यन्त
वि.	विरचयेयम्	विरचयेव	विरचयेम	विरच्येय	विरच्येवहि	विरच्येमहि
	विरचयेः	विरचयेतम्	विरचयेत	विरच्येथाः	विरच्येयाथाम्	विरच्येध्वम्
	विरचयेत्	विरचयेताम्	विरचयेयुः	विरच्येत	विरच्येयाताम्	विरच्येरन्
आ.	विरचयानि	विरचयाव	विरचयाम	विरच्यै	विरच्यावहै	विरच्यामहै
	विरचय	विरचयतम्	विरचयत	विरच्यस्व	विरच्येथाम्	विरच्यध्वम्
	विरचयतु	विरचयताम्	विरचयन्तु	विरच्यताम्	विरच्येताम्	विरच्यन्ताम्

कर्तरि

कर्मणि

धातु. १२५

व.	अभिक्रुध्यामि	अभिक्रुध्यावः	अभिक्रुध्यामः	अभिक्रुध्ये	अभिक्रुध्यावहे	अभिक्रुध्यामहे
	अभिक्रुध्यसि	अभिक्रुध्यथः	अभिक्रुध्यथ	अभिक्रुध्यसे	अभिक्रुध्येथे	अभिक्रुध्यध्वे
	अभिक्रुध्यति	अभिक्रुध्यतः	अभिक्रुध्यन्ति	अभिक्रुध्यते	अभिक्रुध्येते	अभिक्रुध्यन्ते
ह्य.	अभ्यक्रुध्यम्	अभ्यक्रुध्याव	अभ्यक्रुध्याम	अभ्यक्रुध्ये	अभ्यक्रुध्यावहि	अभ्यक्रुध्यामहि
	अभ्यक्रुध्यः	अभ्यक्रुध्यतम्	अभ्यक्रुध्यत	अभ्यक्रुध्यथाः	अभ्यक्रुध्येथाम्	अभ्यक्रुध्यध्वम्
	अभ्यक्रुध्यत्	अभ्यक्रुध्यताम्	अभ्यक्रुध्यन्	अभ्यक्रुध्यत	अभ्यक्रुध्येताम्	अभ्यक्रुध्यन्त
वि.	अभिक्रुध्येयम्	अभिक्रुध्येव	अभिक्रुध्येम	अभिक्रुध्येय	अभिक्रुध्येवहि	अभिक्रुध्येमहि
	अभिक्रुध्येः	अभिक्रुध्येतम्	अभिक्रुध्येत	अभिक्रुध्येथाः	अभिक्रुध्येयाथाम्	अभिक्रुध्येध्वम्
	अभिक्रुध्येत्	अभिक्रुध्येताम्	अभिक्रुध्येयुः	अभिक्रुध्येत	अभिक्रुध्येयाताम्	अभिक्रुध्येरन्
आ.	अभिक्रुध्यानि	अभिक्रुध्याव	अभिक्रुध्याम	अभिक्रुध्यै	अभिक्रुध्यावहै	अभिक्रुध्यामहै
	अभिक्रुध्य	अभिक्रुध्यतम्	अभिक्रुध्यत	अभिक्रुध्यस्व	अभिक्रुध्येथाम्	अभिक्रुध्यध्वम्
	अभिक्रुध्यतु	अभिक्रुध्यताम्	अभिक्रुध्यन्तु	अभिक्रुध्यताम्	अभिक्रुध्येताम्	अभिक्रुध्यन्ताम्

धातु. १२६

व.	कम्पे	कम्पावहे	कम्पामहे	कम्प्ये	कम्प्यावहे	कम्प्यामहे
	कम्पसे	कम्पेथे	कम्पध्वे	कम्प्यसे	कम्प्येथे	कम्प्यध्वे
	कम्पते	कम्पेते	कम्पन्ते	कम्प्यते	कम्प्येते	कम्प्यन्ते
ह्य.	अकम्पे	अकम्पावहि	अकम्पामहि	अकम्प्ये	अकम्प्यावहि	अकम्प्यामहि
	अकम्पथाः	अकम्पेथाम्	अकम्पध्वम्	अकम्प्यथाः	अकम्प्येथाम्	अकम्प्यध्वम्
	अकम्पत	अकम्पेताम्	अकम्पन्त	अकम्प्यत	अकम्प्येताम्	अकम्प्यन्त
वि.	कम्पेय	कम्पेवहि	कम्पेमहि	कम्प्येय	कम्प्येवहि	कम्प्येमहि
	कम्पेथाः	कम्पेयाथाम्	कम्पेध्वम्	कम्प्येथाः	कम्प्येयाथाम्	कम्प्येध्वम्
	कम्पेत	कम्पेयाताम्	कम्पेरन्	कम्प्येत	कम्प्येयाताम्	कम्प्येरन्
आ.	कम्पै	कम्पावहै	कम्पामहै	कम्प्यै	कम्प्यावहै	कम्प्यामहै
	कम्पस्व	कम्पेथाम्	कम्पध्वम्	कम्प्यस्व	कम्प्येथाम्	कम्प्यध्वम्
	कम्पताम्	कम्पेताम्	कम्पन्ताम्	कम्प्यताम्	कम्प्येताम्	कम्प्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १२७					
व.	निवसामि	निवसावः	निवसामः	न्युष्ये	न्युष्यावहे	न्युष्यामहे
	निवससि	निवसथः	निवसथ	न्युष्यसे	न्युष्येथे	न्युष्यध्वे
	निवसति	निवसतः	निवसन्ति	न्युष्यते	न्युष्येते	न्युष्यन्ते
ह्यः	न्यवसम्	न्यवसाव	न्यवसाम	न्यौष्ये	न्यौष्यावहि	न्यौष्यामहि
	न्यवसः	न्यवसतम्	न्यवसत	न्यौष्यथाः	न्यौष्येथाम्	न्यौष्यध्वम्
	न्यवसत्	न्यवसताम्	न्यवसन्	न्यौष्यत	न्यौष्येताम्	न्यौष्यन्त
वि.	निवसेयम्	निवसेव	निवसेम	न्युष्येय	न्युष्येवहि	न्युष्येमहि
	निवसेः	निवसेतम्	निवसेत	न्युष्येथाः	न्युष्येयाथाम्	न्युष्येध्वम्
	निवसेत्	निवसेताम्	निवसेयुः	न्युष्येत	न्युष्येयाताम्	न्युष्येरन्
आ.	निवसानि	निवसाव	निवसाम	न्युष्यै	न्युष्यावहै	न्युष्यामहै
	निवस	निवसतम्	निवसत	न्युष्यस्व	न्युष्येथाम्	न्युष्यध्वम्
	निवसतु	निवसताम्	निवसन्तु	न्युष्यताम्	न्युष्येताम्	न्युष्यन्ताम्
	धातु. १२८					
व.	परित्यजामि	परित्यजावः	परित्यजामः	परित्यज्ये	परित्यज्यावहे	परित्यज्यामहे
	परित्यजसि	परित्यजथः	परित्यजथ	परित्यज्यसे	परित्यज्येथे	परित्यज्यध्वे
	परित्यजति	परित्यजतः	परित्यजन्ति	परित्यज्यते	परित्यज्येते	परित्यज्यन्ते
ह्यः	पर्यत्यजम्	पर्यत्यजाव	पर्यत्यजाम	पर्यत्यज्ये	पर्यत्यज्यावहि	पर्यत्यज्यामहि
	पर्यत्यजः	पर्यत्यजतम्	पर्यत्यजत	पर्यत्यज्यथाः	पर्यत्यज्येथाम्	पर्यत्यज्यध्वम्
	पर्यत्यजत्	पर्यत्यजताम्	पर्यत्यजन्	पर्यत्यज्यत	पर्यत्यज्येताम्	पर्यत्यज्यन्त
वि.	परित्यजेयम्	परित्यजेव	परित्यजेम	परित्यज्येय	परित्यज्येवहि	परित्यज्येमहि
	परित्यजेः	परित्यजेतम्	परित्यजेत	परित्यज्येथाः	परित्यज्येयाथाम्	परित्यज्येध्वम्
	परित्यजेत्	परित्यजेताम्	परित्यजेयुः	परित्यज्येत	परित्यज्येयाताम्	परित्यज्येरन्
आ.	परित्यजानि	परित्यजाव	परित्यजाम	परित्यज्यै	परित्यज्यावहै	परित्यज्यामहै
	परित्यज	परित्यजतम्	परित्यजत	परित्यज्यस्व	परित्यज्येथाम्	परित्यज्यध्वम्
	परित्यजतु	परित्यजताम्	परित्यजन्तु	परित्यज्यताम्	परित्यज्येताम्	परित्यज्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १२९

व.	वपामि	वपावः	वपामः	वपे	वपावहे	वपामहे
	वपसि	वपथः	वपथ	वपसे	वपेथे	वपध्वे
	वपति	वपतः	वपन्ति	वपते	वपेते	वपन्ते
ह्य.	अवपम्	अवपाव	अवपाम	अवपे	अवपावहि	अवपामहि
	अवपः	अवपतम्	अवपत	अवपथाः	अवपेथाम्	अवपध्वम्
	अवपत्	अवपताम्	अवपन्	अवपत	अवपेताम्	अवपन्त
वि.	वपेयम्	वपेव	वपेम	वपेय	वपेवहि	वपेमहि
	वपेः	वपेतम्	वपेत	वपेथाः	वपेयाथाम्	वपेध्वम्
	वपेत्	वपेताम्	वपेयुः	वपेत	वपेयाताम्	वपेरन्
आ.	वपानि	वपाव	वपाम	वपै	वपावहै	वपामहै
	वप	वपतम्	वपत	वपस्व	वपेथाम्	वपध्वम्
	वपतु	वपताम्	वपन्तु	वपताम्	वपेताम्	वपन्ताम्

कर्तरि

धातु. १३०

व.	विश्राम्यामि	विश्राम्यावः	विश्राम्यामः	विश्रम्ये	विश्रम्यावहे	विश्रम्यामहे
	विश्राम्यसि	विश्राम्यथः	विश्राम्यथ	विश्रम्यसे	विश्रम्येथे	विश्रम्यध्वे
	विश्राम्यति	विश्राम्यतः	विश्राम्यन्ति	विश्रम्यते	विश्रम्येते	विश्रम्यन्ते
ह्य.	व्यश्राम्यम्	व्यश्राम्याव	व्यश्राम्याम	व्यश्रम्ये	व्यश्रम्यावहि	व्यश्रम्यामहि
	व्यश्राम्यः	व्यश्राम्यतम्	व्यश्राम्यत	व्यश्रम्यथाः	व्यश्रम्येथाम्	व्यश्रम्यध्वम्
	व्यश्राम्यत्	व्यश्राम्यताम्	व्यश्राम्यन्	व्यश्रम्यत	व्यश्रम्येताम्	व्यश्रम्यन्त
वि.	विश्राम्येयम्	विश्राम्येव	विश्राम्येम	विश्रम्येय	विश्रम्येवहि	विश्रम्येमहि
	विश्राम्येः	विश्राम्येतम्	विश्राम्येत	विश्रम्येथाः	विश्रम्येयाथाम्	विश्रम्येध्वम्
	विश्राम्येत्	विश्राम्येताम्	विश्राम्येयुः	विश्रम्येत	विश्रम्येयाताम्	विश्रम्येरन्
आ.	विश्राम्याणि	विश्राम्याव	विश्राम्याम	विश्रम्यै	विश्राम्यावहै	विश्रम्यामहै
	विश्राम्य	विश्राम्यतम्	विश्राम्यत	विश्रम्यस्व	विश्रम्येथाम्	विश्रम्यध्वम्
	विश्राम्यतु	विश्राम्यताम्	विश्राम्यन्तु	विश्रम्यताम्	विश्रम्येताम्	विश्रम्यन्ताम्

कर्मणि

व.	उप्ये	उप्यावहे	उप्यामहे
	उप्यसे	उप्येथे	उप्यध्वे
	उप्यते	उप्येते	उप्यन्ते
ह्य.	औप्ये	औप्यावहि	औप्यामहि
	औप्यथाः	औप्येथाम्	औप्यध्वम्
	औप्यत	औप्येताम्	औप्यन्त
वि.	उप्येय	उप्येवहि	उप्येमहि
	उप्येथाः	उप्येयाथाम्	उप्येध्वम्
	उप्येत	उप्येयाताम्	उप्येरन्
आ.	उप्यै	उप्यावहै	उप्यामहै
	उप्यस्व	उप्येथाम्	उप्यध्वम्
	उप्यताम्	उप्येताम्	उप्यन्ताम्

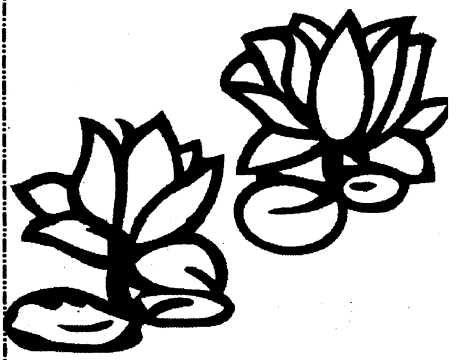

धातु. १३१ **कर्तरि**

व.	गर्जामि	गर्जावः	गर्जामः
	गर्जसि	गर्जथः	गर्जथ
	गर्जति	गर्जतः	गर्जन्ति
ह्य.	अगर्जम्	अगर्जाव	अगर्जाम
	अगर्जः	अगर्जतम्	अगर्जत
	अगर्जत्	अगर्जताम्	अगर्जन्
वि.	गर्जेयम्	गर्जेव	गर्जेम
	गर्जेः	गर्जेतम्	गर्जेत
	गर्जेत्	गर्जेताम्	गर्जेयुः
आ.	गर्जानि	गर्जाव	गर्जाम
	गर्ज	गर्जतम्	गर्जत
	गर्जतु	गर्जताम्	गर्जन्तु

कर्मणि

गर्ज्ये	गर्ज्यावहे	गर्ज्यामहे
गर्ज्यसे	गर्ज्येथे	गर्ज्यध्वे
गर्ज्यते	गर्ज्येते	गर्ज्यन्ते
अगर्ज्ये	अगर्ज्यावहि	अगर्ज्यामहि
अगर्ज्यथाः	अगर्ज्येथाम्	अगर्ज्यध्वम्
अगर्ज्यत	अगर्ज्येताम्	अगर्ज्यन्त
गर्ज्येय	गर्ज्येवहि	गर्ज्येमहि
गर्ज्येथाः	गर्ज्येयाथाम्	गर्ज्येध्वम्
गर्ज्येत	गर्ज्येयाताम्	गर्ज्येरन्
गर्ज्यै	गर्ज्यावहै	गर्ज्यामहै
गर्ज्यस्व	गर्ज्येथाम्	गर्ज्यध्वम्
गर्ज्यताम्	गर्ज्येताम्	गर्ज्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १३२					
व.	गर्जयामि	गर्जयावः	गर्जयामः	गर्ज्ये	गर्ज्यावहे	गर्ज्यामहे
	गर्जयसि	गर्जयथः	गर्जयथ	गर्ज्यसे	गर्ज्येथे	गर्ज्यध्वे
	गर्जयति	गर्जयतः	गर्जयन्ति	गर्ज्यते	गर्ज्येते	गर्ज्यन्ते
ह्य.	अगर्जयम्	अगर्जयाव	अगर्जयाम	अगर्ज्ये	अगर्ज्यावहि	अगर्ज्यामहि
	अगर्जयः	अगर्जयतम्	अगर्जयत	अगर्ज्यथाः	अगर्ज्येथाम्	अगर्ज्यध्वम्
	अगर्जयत्	अगर्जयताम्	अगर्जयन्	अगर्ज्यत	अगर्ज्येताम्	अगर्ज्यन्त
वि.	गर्जयेयम्	गर्जयेव	गर्जयेम	गर्ज्येय	गर्ज्येवहि	गर्ज्येमहि
	गर्जयेः	गर्जयेतम्	गर्जयेत	गर्ज्येथाः	गर्ज्येयाथाम्	गर्ज्येध्वम्
	गर्जयेत्	गर्जयेताम्	गर्जयेयुः	गर्ज्येत	गर्ज्येयाताम्	गर्ज्येरन्
आ.	गर्जयानि	गर्जयाव	गर्जायम	गर्ज्यै	गर्ज्यावहै	गर्ज्यामहै
	गर्जय	गर्जयतम्	गर्जयत	गर्ज्यस्व	गर्ज्येथाम्	गर्ज्यध्वम्
	गर्जयतु	गर्जयताम्	गर्जयन्तु	गर्ज्यताम्	गर्ज्येताम्	गर्ज्यन्ताम्
	धातु. १३३					
व.	द्योते	द्योतावहे	द्योतामहे	द्युत्ये	द्युत्यावहे	द्युत्यामहे
	द्योतसे	द्योतेथे	द्योतध्वे	द्युत्यसे	द्युत्येथे	द्युत्यध्वे
	द्योतते	द्योतेते	द्योतन्ते	द्युत्यते	द्युत्येते	द्युत्यन्ते
ह्य.	अद्योते	अद्योतावहि	अद्योतामहि	अद्युत्ये	अद्युत्यावहि	अद्युत्यामहि
	अद्योतथाः	अद्योतेथाम्	अद्योतध्वम्	अद्युत्यथाः	अद्युत्येथाम्	अद्युत्यध्वम्
	अद्योतत	अद्योतेताम्	अद्योतन्त	अद्युत्यत	अद्युत्येताम्	अद्युत्यन्त
वि.	द्योतेय	द्योतेवहि	द्योतेमहि	द्युत्येय	द्युत्येवहि	द्युत्येमहि
	द्योतेथाः	द्योतेयाथाम्	द्योतेध्वम्	द्युत्येथाः	द्युत्येयाथाम्	द्युत्येध्वम्
	द्योतेत	द्योतेयाताम्	द्योतेरन्	द्युत्येत	द्युत्येयाताम्	द्युत्येरन्
आ.	द्योतै	द्योतावहै	द्योतामहै	द्युत्यै	द्युत्यावहै	द्युत्यामहै
	द्योतस्व	द्योतेथाम्	द्योतध्वम्	द्युत्यस्व	द्युत्येथाम्	द्युत्यध्वम्
	द्योतताम्	द्योतेताम्	द्योतन्ताम्	द्युत्यताम्	द्युत्येताम्	द्युत्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १३४					
व.	विद्योते	विद्योतावहे	विद्योतामहे	विद्युत्ये	विद्युत्यावहे	विद्युत्यामहे
	विद्योतसे	विद्योतेथे	विद्योतध्वे	विद्युत्यसे	विद्युत्येथे	विद्युत्यध्वे
	विद्योतते	विद्योतेते	विद्योतन्ते	विद्युत्यते	विद्युत्येते	विद्युत्यन्ते
ह्य.	व्यद्योते	व्यद्योतावहि	व्यद्योतामहि	व्यद्युत्ये	व्यद्युत्यावहि	व्यद्युत्यामहि
	व्यद्योतथाः	व्यद्योतेथाम्	व्यद्योतध्वम्	व्यद्युत्यथाः	व्यद्युत्येथाम्	व्यद्युत्यध्वम्
	व्यद्योतत	व्यद्योतेताम्	व्यद्योतन्त	व्यद्युत्यत	व्यद्युत्येताम्	व्यद्युत्यन्त
वि.	विद्योतेय	विद्योतेवहि	विद्योतेमहि	विद्युत्येय	विद्युत्येवहि	विद्युत्येमहि
	विद्योतेथाः	विद्योतेयाथाम्	विद्योतेध्वम्	विद्युत्येथाः	विद्युत्येयाथाम्	विद्युत्येध्वम्
	विद्योतेत	विद्योतेयाताम्	विद्योतेरन्	विद्युत्येत	विद्युत्येयाताम्	विद्युत्येरन्
आ.	विद्योतै	विद्योतावहै	विद्योतामहै	विद्युत्यै	विद्युत्यावहै	विद्युत्यामहै
	विद्योतस्व	विद्योतेथाम्	विद्योतध्वम्	विद्युत्यस्व	विद्युत्येथाम्	विद्युत्यध्वम्
	विद्योतताम्	विद्योतेताम्	विद्योतन्ताम्	विद्युत्यताम्	विद्युत्येताम्	विद्युत्यन्ताम्
	धातु. १३५					
ल.	द्रुह्यामि	द्रुह्यावः	द्रुह्यामः	द्रुह्ये	द्रुह्यावहे	द्रुह्यामहे
	द्रुह्यसि	द्रुह्यथः	द्रुह्यथ	द्रुह्यसे	द्रुह्येथे	द्रुह्यध्वे
	द्रुह्यति	द्रुह्यतः	द्रुह्यन्ति	द्रुह्यते	द्रुह्येते	द्रुह्यन्ते
ङ.	अद्रुह्यम्	अद्रुह्याव	अद्रुह्याम	अद्रुह्ये	अद्रुह्यावहि	अद्रुह्यामहि
	अद्रुह्यः	अद्रुह्यतम्	अद्रुह्यत	अद्रुह्यथाः	अद्रुह्येथाम्	अद्रुह्यध्वम्
	अद्रुह्यत्	अद्रुह्यताम्	अद्रुह्यन्	अद्रुह्यत	अद्रुह्येताम्	अद्रुह्यन्त
वे.	द्रुह्येयम्	द्रुह्येव	द्रुह्येम	द्रुह्येय	द्रुह्येवहि	द्रुह्येमहि
	द्रुह्येः	द्रुह्येतम्	द्रुह्येत	द्रुह्येथाः	द्रुह्येयाथाम्	द्रुह्येध्वम्
	द्रुह्येत्	द्रुह्येताम्	द्रुह्येयुः	द्रुह्येत	द्रुह्येयाताम्	द्रुह्येरन्
लो.	द्रुह्याणि	द्रुह्याव	द्रुह्याम	द्रुह्यै	द्रुह्यावहै	द्रुह्यामहै
	द्रुह्य	द्रुह्यतम्	द्रुह्यत	द्रुह्यस्व	द्रुह्येथाम्	द्रुह्यध्वम्
	द्रुह्यतु	द्रुह्यताम्	द्रुह्यन्तु	द्रुह्यताम्	द्रुह्येताम्	द्रुह्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १३६					
व.	अभिद्रुह्यामि	अभिद्रुह्यावः	अभिद्रुह्यामः	अभिद्रुह्ये	अभिद्रुह्यावहे	अभिद्रुह्यामहे
	अभिद्रुह्यसि	अभिद्रुह्यथः	अभिद्रुह्यथ	अभिद्रुह्यसे	अभिद्रुह्येथे	अभिद्रुह्यध्वे
	अभिद्रुह्यति	अभिद्रुह्यतः	अभिद्रुह्यन्ति	अभिद्रुह्यते	अभिद्रुह्येते	अभिद्रुह्यन्ते
ह्य.	अभ्यद्रुह्यम्	अभ्यद्रुह्याव	अभ्यद्रुह्याम	अभ्यद्रुह्ये	अभ्यद्रुह्यावहि	अभ्यद्रुह्यामहि
	अभ्यद्रुह्यः	अभ्यद्रुह्यतम्	अभ्यद्रुह्यत	अभ्यद्रुह्यथाः	अभ्यद्रुह्येथाम्	अभ्यद्रुह्यध्वम्
	अभ्यद्रुह्यत्	अभ्यद्रुह्यताम्	अभ्यद्रुह्यन्	अभ्यद्रुह्यत	अभ्यद्रुह्येताम्	अभ्यद्रुह्यन्त
वि.	अभिद्रुह्येयम्	अभिद्रुह्येव	अभिद्रुह्येम	अभिद्रुह्येय	अभिद्रुह्येवहि	अभिद्रुह्येमहि
	अभिद्रुह्येः	अभिद्रुह्येतम्	अभिद्रुह्येत	अभिद्रुह्येथाः	अभिद्रुह्येथाम्	अभिद्रुह्येध्वम्
	अभिद्रुह्येत्	अभिद्रुह्येताम्	अभिद्रुह्येयुः	अभिद्रुह्येत	अभिद्रुह्येताम्	अभिद्रुह्येरन्
आ.	अभिद्रुह्याणि	अभिद्रुह्याव	अभिद्रुह्याम	अभिद्रुह्यै	अभिद्रुह्यावहै	अभिद्रुह्यामहै
	अभिद्रुह्य	अभिद्रुह्यतम्	अभिद्रुह्यत	अभिद्रुह्यस्व	अभिद्रुह्येथाम्	अभिद्रुह्यध्वम्
	अभिद्रुह्यतु	अभिद्रुह्यताम्	अभिद्रुह्यन्तु	अभिद्रुह्यताम्	अभिद्रुह्येताम्	अभिद्रुह्यन्ताम्
	धातु. १३७					
व.	रोचे	रोचावहे	रोचामहे	रूच्ये	रूच्यावहे	रूच्यामहे
	रोचसे	रोचेथे	रोचध्वे	रूच्यसे	रूच्येथे	रूच्यध्वे
	रोचते	रोचेते	रोचन्ते	रूच्यते	रूच्येते	रूच्यन्ते
ह्य.	अरोचे	अरोचावहि	अरोचामहि	अरूच्ये	अरूच्यावहि	अरूच्यामहि
	अरोचथाः	अरोचेथाम्	अरोचध्वम्	अरूच्यथाः	अरूच्येथाम्	अरूच्यध्वम्
	अरोचत	अरोचेताम्	अरोचन्त	अरूच्यत	अरूच्येताम्	अरूच्यन्त
वि.	रोचेय	रोचेवहि	रोचमहि	रूच्येय	रूच्येवहि	रूच्येमहि
	रोचेथाः	रोचेयाथाम्	रोचेध्वम्	रूच्येथाः	रूच्येयाथाम्	रूच्येध्वम्
	रोचेत	रोचेयाताम्	रोचेरन्	रूच्येत	रूच्येयाताम्	रूच्येरन्
आ.	रोचै	रोचावहै	रोचामहै	रूच्यै	रूच्यावहै	रूच्यामहै
	रोचस्व	रोचेथाम्	रोचध्वम्	रूच्यस्व	रूच्येथाम्	रूच्यध्वम्
	रोचताम्	रोचेताम्	रोचन्ताम्	रूच्यताम्	रूच्येताम्	रूच्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्तरि		
	धातु. १३८					
व.	श्रयामि	श्रयावः	श्रयामः	श्रये	श्रयावहे	श्रयामहे
	श्रयसि	श्रयथः	श्रयथ	श्रयसे	श्रयेथे	श्रयध्वे
	श्रयति	श्रयतः	श्रयन्ति	श्रयते	श्रयेते	श्रयन्ते
ह्य.	अश्रयम्	अश्रयाव	अश्रयाम	अश्रये	अश्रयावहि	अश्रयामहि
	अश्रयः	अश्रयतम्	अश्रयत	अश्रयथाः	अश्रयेथाम्	अश्रयध्वम्
	अश्रयत्	अश्रयताम्	अश्रयन्	अश्रयत	अश्रयेताम्	अश्रयन्त
वि.	श्रयेयम्	श्रयेव	श्रयेम	श्रयेय	श्रयेवहि	श्रयेमहि
	श्रयेः	श्रयेतम्	श्रयेत	श्रयेथाः	श्रयेयाथाम्	श्रयेध्वम्
	श्रयेत्	श्रयेताम्	श्रयेयुः	श्रयेत	श्रयेयाताम्	श्रयेरन्
आ.	श्रयाणि	श्रयाव	श्रयाम	श्रयै	श्रयावहै	श्रयामहै
	श्रय	श्रयतम्	श्रयत	श्रयस्व	श्रयेथाम्	श्रयध्वम्
	श्रयतु	श्रयताम्	श्रयन्तु	श्रयताम्	श्रयेताम्	श्रयन्ताम्
	धातु. १३९					
व.	आश्रयामि	आश्रयावः	आश्रयामः	आश्रये	आश्रयावहे	आश्रयामहे
	आश्रयसि	आश्रयथः	आश्रयथ	आश्रयसे	आश्रयेथे	आश्रयध्वे
	आश्रयति	आश्रयतः	आश्रयन्ति	आश्रयते	आश्रयेते	आश्रयन्ते
ह्य.	आश्रयम्	आश्रयाव	आश्रयाम	आश्रये	आश्रयावहि	आश्रयामहि
	आश्रयः	आश्रयतम्	आश्रयत	आश्रयथाः	आश्रयेथाम्	आश्रयध्वम्
	आश्रयत्	आश्रयताम्	आश्रयन्	आश्रयत	आश्रयेताम्	आश्रयन्त
वि.	आश्रयेयम्	आश्रयेव	आश्रयेम	आश्रयेय	आश्रयेवहि	आश्रयेमहि
	आश्रयेः	आश्रयेतम्	आश्रयेत	आश्रयेथाः	आश्रयेयाथाम्	आश्रयेध्वम्
	आश्रयेत्	आश्रयेताम्	आश्रयेयुः	आश्रयेत	आश्रयेयाताम्	आश्रयेरन्
आ.	आश्रयाणि	आश्रयाव	आश्रयाम	आश्रयै	आश्रयावहै	आश्रयामहै
	आश्रय	आश्रयतम्	आश्रयत	आश्रयस्व	आश्रयेथाम्	आश्रयध्वम्
	आश्रयतु	आश्रयताम्	आश्रयन्तु	आश्रयताम्	आश्रयेताम्	आश्रयन्ताम्

कर्मणि

व.	श्रीये	श्रीयावहे	श्रीयामहे
	श्रीयसे	श्रीयेथे	श्रीयध्वे
	श्रीयते	श्रीयेते	श्रीयन्ते
ह्य.	अश्रीये	अश्रीयावहि	अश्रीयामहि
	अश्रीथाः	अश्रीयेथाम्	अश्रीयध्वम्
	अश्रीयत	अश्रीयेताम्	अश्रीयन्त
वि.	श्रीयेय	श्रीयेवहि	श्रीयेमहि
	श्रीयेथाः	श्रीयेयाथाम्	श्रीयेध्वम्
	श्रीयेत	श्रीयेयाताम्	श्रीयेरन्
आ.	श्रीयै	श्रीयावहै	श्रीयामहै
	श्रीयस्व	श्रीयेथाम्	श्रीयध्वम्
	श्रीयताम्	श्रीयेताम्	श्रीयन्ताम्

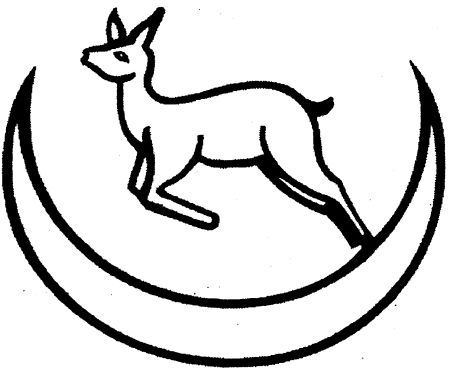

व.	आश्रीये	आश्रीयावहे	आश्रीयामहे
	आश्रीयसे	आश्रीयेथे	आश्रीयध्वे
	आश्रीयते	आश्रीयेते	आश्रीयन्ते
ह्य.	आश्रीये	आश्रीयावहि	आश्रीयामहि
	आश्रीयथाः	आश्रीयेथाम्	आश्रीयध्वम्
	आश्रीयत	आश्रीयेताम्	आश्रीयन्त
वि.	आश्रीयेय	आश्रीयेवहि	आश्रीयेमहि
	आश्रीयेथाः	आश्रीयेयाथाम्	आश्रीयेध्वम्
	आश्रीयेत	आश्रीयेयाताम्	आश्रीयेरन्
आ.	आश्रीयै	आश्रीयावहै	आश्रीयामहै
	आश्रीयस्व	आश्रीयेथाम्	आश्रीयध्वम्
	आश्रीयताम्	आश्रीयेताम्	आश्रीयन्ताम्

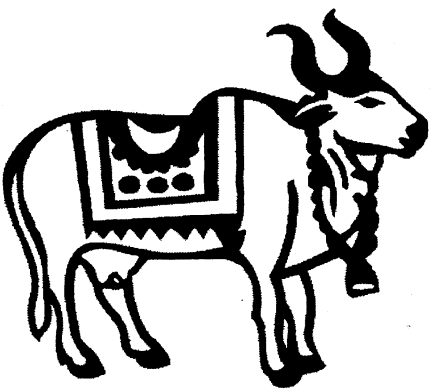

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १४०					
व.	परीक्षे	परीक्षावहे	परीक्षामहे	परीक्ष्ये	परीक्ष्यावहे	परीक्ष्यामहे
	परीक्षसे	परीक्षेथे	परीक्षध्वे	परीक्ष्यसे	परीक्ष्येथे	परीक्ष्यध्वे
	परीक्षते	परीक्षेते	परीक्षन्ते	परीक्ष्यते	परीक्ष्येते	परीक्ष्यन्ते
ह्य.	पर्यैक्षे	पर्यैक्षावहि	पर्यैक्षामहि	पर्यैक्ष्ये	पर्यैक्ष्यावहि	पर्यैक्ष्यामहि
	पर्यैक्षथाः	पर्यैक्षेथाम्	पर्यैक्षध्वम्	पर्यैक्ष्यथाः	पर्यैक्ष्येथाम्	पर्यैक्ष्यध्वम्
	पर्यैक्षत	पर्यैक्षेताम्	पर्यैक्षन्त	पर्यैक्ष्यत	पर्यैक्ष्येताम्	पर्यैक्ष्यन्त
वि.	परीक्षेय	परीक्षेवहि	परीक्षेमहि	परीक्ष्येय	परीक्ष्येवहि	परीक्ष्येमहि
	परीक्षेथाः	परीक्षेयाथाम्	परीक्षेध्वम्	परीक्ष्येथाः	परीक्ष्येयाथाम्	परीक्ष्येध्वम्
	परीक्षेत	परीक्षेयाताम्	परीक्षेरन्	परीक्ष्येत	परीक्ष्येयाताम्	परीक्ष्येरन्
आ.	परीक्षै	परीक्षावहै	परीक्षामहै	परीक्ष्यै	परीक्ष्यावहै	परीक्ष्यामहै
	परीक्षस्व	परीक्षेथाम्	परीक्षध्वम्	परीक्ष्यस्व	परीक्ष्येथाम्	परीक्ष्यध्वम्
	परीक्षताम्	परीक्षेताम्	परीक्षन्ताम्	परीक्ष्यताम्	परीक्ष्येताम्	परीक्ष्यन्ताम्
	धातु. १४१					
व.	यते	यतावहे	यतामहे	यत्ये	यत्यावहे	यत्यामहे
	यतसे	यतेथे	यतध्वे	यत्यसे	यत्येथे	यत्यध्वे
	यतते	यतेते	यतन्ते	यत्यते	यत्येते	यत्यन्ते
ह्य.	अयते	अयतावहि	अयतामहि	अयत्ये	अयत्यावहि	अयत्यामहि
	अयतथाः	अयतेथाम्	अयतध्वम्	अयत्यथाः	अयत्येथाम्	अयत्यध्वम्
	अयतत	अयतेताम्	अयतन्त	अयत्यत	अयत्येताम्	अयत्यन्त
वि.	यतेय	यतेवहि	यतेमहि	यत्येय	यत्येवहि	यत्येमहि
	यतेथाः	यतेयाथाम्	यतेध्वम्	यत्येथाः	यत्येयाथाम्	यत्येध्वम्
	यतेत	यतेयाताम्	यतेरन्	यत्येत	यत्येयाताम्	यत्येरन्
आ.	यतै	यतावहै	यतामहै	यत्यै	यत्यावहै	यत्यामहै
	यतस्व	यतेथाम्	यतध्वम्	यत्यस्व	यत्येथाम्	यत्यध्वम्
	यतताम्	यतेताम्	यतन्ताम्	यत्यताम्	यत्येताम्	यत्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १४२					
व.	प्रयते	प्रयतावहे	प्रयतामहे	प्रयत्ये	प्रयत्यावहे	प्रयत्यामहे
	प्रयतसे	प्रयतेथे	प्रयतध्वे	प्रयत्यसे	प्रयत्येथे	प्रयत्यध्वे
	प्रयतते	प्रयतेते	प्रयतन्ते	प्रयत्यते	प्रयत्येते	प्रयत्यन्ते
ह्य.	प्रायते	प्रायतावहि	प्रायतामहि	प्रायत्ये	प्रायत्यावहि	प्रायत्यामहि
	प्रायतथाः	प्रायतेथाम्	प्रायतध्वम्	प्रायत्यथाः	प्रायत्येथाम्	प्रायत्यध्वम्
	प्रायतत	प्रायतेताम्	प्रायतन्त	प्रायत्यत	प्रायत्येताम्	प्रायत्यन्त
वि.	प्रयतेय	प्रयतेवहि	प्रयतेमहि	प्रयत्येय	प्रयत्येवहि	प्रयत्येमहि
	प्रयतेथाः	प्रयतेयाथाम्	प्रयतेध्वम्	प्रयत्येथाः	प्रयत्येयाथाम्	प्रयत्येध्वम्
	प्रयतेत	प्रयतेयाताम्	प्रयतेरन्	प्रयत्येत	प्रयत्येयाताम्	प्रयत्येरन्
आ.	प्रयतै	प्रयतावहै	प्रयतामहै	प्रयत्यै	प्रयत्यावहै	प्रयत्यामहै
	प्रयतस्व	प्रयतेथाम्	प्रयतध्वम्	प्रयत्यस्व	प्रयत्येथाम्	प्रयत्यध्वम्
	प्रयतताम्	प्रयतेताम्	प्रयतन्ताम्	प्रयत्यताम्	प्रयत्येताम्	प्रयत्यन्ताम्
	धातु. १४३					
व.	क्षालयामि	क्षालयावः	क्षालयामः	क्षाल्ये	क्षाल्यावहे	क्षाल्यामहे
	क्षालयसि	क्षालयथः	क्षालयथ	क्षाल्यसे	क्षाल्येथे	क्षाल्यध्वे
	क्षालयति	क्षालयतः	क्षालयन्ति	क्षाल्यते	क्षाल्येते	क्षाल्यन्ते
ह्य.	अक्षालयम्	अक्षालयाव	अक्षालयाम	अक्षाल्ये	अक्षाल्यावहि	अक्षाल्यामहि
	अक्षालयः	अक्षालयतम्	अक्षालयत	अक्षाल्यथाः	अक्षाल्येथाम्	अक्षाल्यध्वम्
	अक्षालयत्	अक्षालयताम्	अक्षालयन्	अक्षाल्यत	अक्षाल्येताम्	अक्षाल्यन्त
वि.	क्षालयेयम्	क्षालयेव	क्षालयेम	क्षाल्येय	क्षाल्येवहि	क्षाल्येमहि
	क्षालयेः	क्षालयेतम्	क्षालयेत	क्षाल्येथाः	क्षाल्येयाथाम्	क्षाल्येध्वम्
	क्षालयेत्	क्षालयेताम्	क्षालयेयुः	क्षाल्येत	क्षाल्येयाताम्	क्षाल्येरन्
आ.	क्षालयाणि	क्षालयाव	क्षालयाम	क्षाल्यै	क्षाल्यावहै	क्षाल्यामहै
	क्षालय	क्षालयतम्	क्षालयत	क्षाल्यस्व	क्षाल्येथाम्	क्षाल्यध्वम्
	क्षालयतु	क्षालयताम्	क्षालयन्तु	क्षाल्यताम्	क्षाल्येताम्	क्षाल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १४४					
व.	शुष्यामि	शुष्यावः	शुष्यामः	शुष्ये	शुष्यावहे	शुष्यामहे
	शुष्यसि	शुष्यथः	शुष्यथ	शुष्यसे	शुष्येथे	शुष्यध्वे
	शुष्यति	शुष्यतः	शुष्यन्ति	शुष्यते	शुष्येते	शुष्यन्ते
ह्य.	अशुष्यम्	अशुष्याव	अशुष्याम	अशुष्ये	अशुष्यावहि	अशुष्यामहि
	अशुष्यः	अशुष्यतम्	अशुष्यत	अशुष्यथाः	अशुष्येथाम्	अशुष्यध्वम्
	अशुष्यत्	अशुष्यताम्	अशुष्यन्	अशुष्यत	अशुष्येताम्	अशुष्यन्त
वि.	शुष्येयम्	शुष्येव	शुष्येम	शुष्येय	शुष्येवहि	शुष्येमहि
	शुष्येः	शुष्येतम्	शुष्येत	शुष्येथाः	शुष्येयाथाम्	शुष्येध्वम्
	शुष्येत्	शुष्येताम्	शुष्येयुः	शुष्येत	शुष्येयाताम्	शुष्येरन्
आ.	शुष्याणि	शुष्याव	शुष्याम	शुष्यै	शुष्यावहै	शुष्यामहै
	शुष्य	शुष्यतम्	शुष्यत	शुष्यस्व	शुष्येथाम्	शुष्यध्वम्
	शुष्यतु	शुष्यताम्	शुष्यन्तु	शुष्यताम्	शुष्येताम्	शुष्यन्ताम्
	धातु. १४५					
व.	तृप्यामि	तृप्यावः	तृप्यामः	तृप्ये	तृप्यावहे	तृप्यामहे
	तृप्यसि	तृप्यथः	तृप्यथ	तृप्यसे	तृप्येथे	तृप्यध्वे
	तृप्यति	तृप्यतः	तृप्यन्ति	तृप्यते	तृप्येते	तृप्यन्ते
ह्य.	अतृप्यम्	अतृप्याव	अतृप्याम	अतृप्ये	अतृप्यावहि	अतृप्यामहि
	अतृप्यः	अतृप्यतम्	अतृप्यत	अतृप्यथाः	अतृप्येथाम्	अतृप्यध्वम्
	अतृप्यत्	अतृप्यताम्	अतृप्यन्	अतृप्यत	अतृप्येताम्	अतृप्यन्त
वि.	तृप्येयम्	तृप्येव	तृप्येम	तृप्येय	तृप्येवहि	तृप्येमहि
	तृप्येः	तृप्येतम्	तृप्येत	तृप्येथाः	तृप्येयाथाम्	तृप्येध्वम्
	तृप्येत्	तृप्येताम्	तृप्येयुः	तृप्येत	तृप्येयाताम्	तृप्येरन्
आ.	तृप्याणि	तृप्याव	तृप्याम	तृप्यै	तृप्यावहै	तृप्यामहै
	तृप्य	तृप्यतम्	तृप्यत	तृप्यस्व	तृप्येथाम्	तृप्यध्वम्
	तृप्यतु	तृप्यताम्	तृप्यन्तु	तृप्यताम्	तृप्येताम्	तृप्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १४६					
व.	ध्यायामि	ध्यायावः	ध्यायामः	ध्याये	ध्यायावहे	ध्यायामहे
	ध्यायसि	ध्यायथः	ध्यायथ	ध्यायसे	ध्यायेथे	ध्यायध्वे
	ध्यायति	ध्यायतः	ध्यायन्ति	ध्यायते	ध्यायेते	ध्यायन्ते
ह्य.	अध्यायम्	अध्यायाव	अध्यायाम	अध्याये	अध्यायावहि	अध्यायामहि
	अध्यायः	अध्यायतम्	अध्यायत	अध्यायथाः	अध्यायेथाम्	अध्यायध्वम्
	अध्यायत्	अध्यायताम्	अध्यायन्	अध्यायत	अध्यायेताम्	अध्यायन्त
वि.	ध्यायेयम्	ध्यायेव	ध्यायेम	ध्यायेय	ध्यायेवहि	ध्यायेमहि
	ध्यायेः	ध्यायेतम्	ध्यायेत	ध्यायेथाः	ध्यायेयाथाम्	ध्यायेध्वम्
	ध्यायेत्	ध्यायेताम्	ध्यायेयुः	ध्यायेत	ध्यायेयाताम्	ध्यायेरन्
आ.	ध्यायानि	ध्यायाव	ध्यायाम	ध्यायै	ध्यायावहै	ध्यायामहै
	ध्याय	ध्यायतम्	ध्यायत	ध्यायस्व	ध्यायेथाम्	ध्यायध्वम्
	ध्यायतु	ध्यायताम्	ध्यायन्तु	ध्यायताम्	ध्यायेताम्	ध्यायन्ताम्
	धातु. १४७					
व.	प्रसरामि	प्रसरावः	प्रसरामः	प्रस्रिये	प्रस्रियावहे	प्रस्रियामहे
	प्रसरसि	प्रसरथः	प्रसरथ	प्रस्रियसे	प्रस्रियेथे	प्रस्रियध्वे
	प्रसरति	प्रसरतः	प्रसरन्ति	प्रस्रियते	प्रस्रियेते	प्रस्रियन्ते
ह्य.	प्रासरम्	प्रासराव	प्रासराम	प्रास्रिये	प्रास्रियावहि	प्रास्रियामहि
	प्रासरः	प्रासरतम्	प्रासरत	प्रास्रियथाः	प्रास्रियेथाम्	प्रास्रियध्वम्
	प्रासरत्	प्रासरताम्	प्रासरन्	प्रास्रियत	प्रास्रियेताम्	प्रास्रियन्त
वि.	प्रसरेयम्	प्रसरेव	प्रसरेम	प्रस्रियेय	प्रस्रियेवहि	प्रस्रियेमहि
	प्रसरेः	प्रसरेतम्	प्रसरेत	प्रस्रियेथाः	प्रस्रियेयाथाम्	प्रस्रियेध्वम्
	प्रसरेत्	प्रसरेताम्	प्रसरेयुः	प्रस्रियेत	प्रस्रियेयाताम्	प्रस्रियेरन्
आ.	प्रसराणि	प्रसराव	प्रसराम	प्रस्रियै	प्रस्रियावहै	प्रस्रियामहै
	प्रसर	प्रसरतम्	प्रसरत	प्रस्रियस्व	प्रस्रियेथाम्	प्रस्रियध्वम्
	प्रसरतु	प्रसरताम्	प्रसरन्तु	प्रस्रियताम्	प्रस्रियेताम्	प्रस्रियन्ताम्

कर्तरि

धातु. १४८

व.	अपेक्षे	अपेक्षावहे	अपेक्षामहे
	अपेक्षसे	अपेक्षेथे	अपेक्षध्वे
	अपेक्षते	अपेक्षेते	अपेक्षन्ते
ह्य.	अपैक्षे	अपेक्षावहि	अपैक्षामहि
	अपेक्षथाः	अपैक्षेथाम्	अपेक्षध्वम्
	अपैक्षत	अपैक्षेताम्	अपैक्षन्त
वि.	अपेक्षेय	अपेक्षेवहि	अपेक्षेमहि
	अपेक्षेथाः	अपेक्षेयाथाम्	अपेक्षेध्वम्
	अपेक्षेत	अपेक्षेयाताम्	अपेक्षेरन्
आ.	अपेक्षै	अपेक्षावहै	अपेक्षामहै
	अपेक्षस्व	अपेक्षेथाम्	अपेक्षध्वम्
	अपेक्षताम्	अपेक्षेताम्	अपेक्षन्ताम्

धातु. १४९

व.	उपविशामि	उपविशावः	उपविशामः
	उपविशसि	उपविशथः	उपविशथ
	उपविशति	उपविशतः	उपविशन्ति
ह्य.	उपाविशम्	उपाविशाव	उपाविशाम
	उपाविशः	उपाविशतम्	उपाविशत
	उपाविशत्	उपाविशताम्	उपाविशन्
वि.	उपविशेयम्	उपविशेव	उपविशेम
	उपविशेः	उपविशेतम्	उपविशेत
	उपविशेत्	उपविशेताम्	उपविशेयुः
आ.	उपविशानि	उपविशाव	उपविशाम
	उपविश	उपविशतम्	उपविशत
	उपविशतु	उपविशताम्	उपविशन्तु

कर्मणि

	अपेक्ष्ये	अपेक्ष्यावहे	अपेक्ष्यामहे
	अपेक्ष्यसे	अपेक्ष्येथे	अपेक्ष्यध्वे
	अपेक्ष्यते	अपेक्ष्येते	अपेक्ष्यन्ते
	अपैक्ष्ये	अपैक्ष्यावहि	अपैक्ष्यामहि
	अपैक्ष्यथाः	अपैक्ष्येथाम्	अपैक्ष्यध्वम्
	अपैक्ष्यत	अपैक्ष्येताम्	अपैक्ष्यन्त
	अपेक्ष्येय	अपेक्ष्येवहि	अपेक्ष्येमहि
	अपेक्ष्येथाः	अपेक्ष्येयाथाम्	अपेक्ष्येध्वम्
	अपेक्ष्येत	अपेक्ष्येयाताम्	अपेक्ष्येरन्
	अपेक्ष्यै	अपेक्ष्यावहै	अपेक्ष्यामहै
	अपेक्ष्यस्व	अपेक्ष्येथाम्	अपेक्ष्यध्वम्
	अपेक्ष्यताम्	अपेक्ष्येताम्	अपेक्ष्यन्ताम्

	उपविश्ये	उपविश्यावहे	उपविश्यामहे
	उपविश्यसे	उपविश्येथे	उपविश्यध्वे
	उपविश्यते	उपविश्येते	उपविश्यन्ते
	उपाविश्ये	उपाविश्यावहि	उपाविश्यामहि
	उपाविश्यथाः	उपाविश्येथाम्	उपाविश्यध्वम्
	उपाविश्यत	उपाविश्येताम्	उपाविश्यन्त
	उपविश्येय	उपविश्येवहि	उपविश्येमहि
	उपविश्येथाः	उपविश्येयाथाम्	उपविश्येध्वम्
	उपविश्येत	उपविश्येयाताम्	उपविश्येरन्
	उपविश्यै	उपविश्यावहै	उपविश्यामहै
	उपविश्यस्व	उपविश्येथाम्	उपविश्यध्वम्
	उपविश्यताम्	उपविश्येताम्	उपविश्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १५०					
व	उद्गच्छानि	उद्गच्छाव	उद्गच्छामः	उद्गम्ये	उद्गम्यावहे	उद्गम्यामहे
	उद्गच्छसि	उद्गच्छथः	उद्गच्छथ	उद्गम्यसे	उद्गम्येथे	उद्गम्यध्वे
	उद्गच्छति	उद्गच्छतः	उद्गच्छन्ति	उद्गम्यते	उद्गम्येते	उद्गम्यन्ते
ह्य.	उदगच्छम्	उदगच्छाव	उदगच्छाम	उदगम्ये	उदगम्यावहि	उदगम्यामहि
	उदगच्छः	उदगच्छतम्	उदगच्छत	उदगम्यथाः	उदगम्येथाम्	उदगम्यध्वम्
	उदगच्छत्	उदगच्छताम्	उदगच्छन्	उदगम्यत	उदगम्येताम्	उदगम्यन्त
वि.	उद्गच्छेयम्	उद्गच्छेव	उद्गच्छेम	उद्गम्येय	उद्गम्येवहि	उद्गम्येमहि
	उद्गच्छेः	उद्गच्छेतम्	उद्गच्छेत	उद्गम्येथाः	उद्गम्येयाथाम्	उद्गम्येध्वम्
	उद्गच्छेत्	उद्गच्छेताम्	उद्गच्छेयुः	उद्गम्येत	उद्गम्येयाताम्	उद्गम्येरन्
आ.	उद्गच्छानि	उद्गच्छाव	उद्गच्छाम	उद्गम्यै	उद्गम्यावहै	उद्गम्यामहै
	उद्गच्छ	उद्गच्छतम्	उद्गच्छत	उद्गम्यस्व	उद्गम्येथाम्	उद्गम्यध्वम्
	उद्गच्छतु	उद्गच्छताम्	उद्गच्छन्तु	उद्गम्यताम्	उद्गम्येताम्	उद्गम्यन्ताम्
	धातु. १५१					
व.	कसामि	कसावः	कसामः	कस्ये	कस्यावहे	कस्यामहे
	कससि	कसथः	कसथ	कस्यसे	कस्येथे	कस्यध्वे
	कसति	कसतः	कसन्ति	कस्यते	कस्येते	कस्यन्ते
ह्य.	अकसम्	अकसाव	अकसाम	अकस्ये	अकस्यावहि	अकस्यामहि
	अकसः	अकसतम्	अकसत	अकस्यथाः	अकस्येथाम्	अकस्यध्वम्
	अकसत्	अकसताम्	अकसन्	अकस्यत	अकस्येताम्	अकस्यन्त
वि.	कसेयम्	कसेव	कसेम	कस्येय	कस्येवहि	कस्येमहि
	कसेः	कसेतम्	कसेत	कस्येथाः	कस्येयाथाम्	कस्येध्वम्
	कसेत्	कसेताम्	कसेयुः	कस्येत	कस्येयाताम्	कस्येरन्
आ.	कसानि	कसाव	कसाम	कस्यै	कस्यावहै	कस्यामहै
	कस	कसतम्	कसत	कस्यस्व	कस्येथाम्	कस्यध्वम्
	कसतु	कसताम्	कसन्तु	कस्यताम्	कस्येताम्	कस्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १५२					
व.	विकसामि	विकसावः	विकसामः	विकस्ये	विकस्यावहे	विकस्यामहे
	विकससि	विकसथः	विकसथ	विकस्यसे	विकस्येथे	विकस्यध्वे
	विकसति	विकसतः	विकसन्ति	विकस्यते	विकस्येते	विकस्यन्ते
ह्य.	व्यकसम्	व्यकसाव	व्यकसाम	व्यकस्ये	व्यकस्यावहि	व्यकस्यामहि
	व्यकसः	व्यकसतम्	व्यकसत	व्यकस्यथाः	व्यकस्येथाम्	व्यकस्यध्वम्
	व्यकसत्	व्यकसताम्	व्यकसन्	व्यकस्यत	व्यकस्येताम्	व्यकस्यन्त
वि.	विकसेयम्	विकसेव	विकसेम	विकस्येय	विकस्येवहि	विकस्येमहि
	विकसेः	विकसेतम्	विकसेत	विकस्येथाः	विकस्येयाथाम्	विकस्येध्वम्
	विकसेत्	विकसेताम्	विकसेयुः	विकस्येत	विकस्येयाताम्	विकस्येरन्
आ.	विकसानि	विकसाव	विकसाम	विकस्यै	विकस्यावहै	विकस्यामहै
	विकस	विकसतम्	विकसत	विकस्यस्व	विकस्येथाम्	विकस्यध्वम्
	विकसतु	विकसताम्	विकसन्तु	विकस्यताम्	विकस्येताम्	विकस्यन्ताम्
	धातु. १५३					
व.	गायामि	गायावः	गायामः	गीये	गीयावहे	गीयामहे
	गायसि	गायथः	गायथ	गीयसे	गीयेथे	गीयध्वे
	गायति	गायतः	गायन्ति	गीयते	गीयेते	गीयन्ते
ह्य.	अगायम्	अगायाव	अगायाम	अगीये	अगीयावहि	अगीयामहि
	अगायः	अगायतम्	अगायत	अगीयथाः	अगीयेथाम्	अगीयध्वम्
	अगायत्	अगायताम्	अगायन्	अगीयत	अगीयेताम्	अगीयन्त
वि.	गायेयम्	गायेव	गायेम	गीयेय	गीयेवहि	गीयेमहि
	गायेः	गायेतम्	गायेत	गीयेथाः	गीयेयाथाम्	गीयेध्वम्
	गायेत्	गायेताम्	गायेयुः	गीयेत	गीयेयाताम्	गीयेरन्
आ.	गायानि	गायाव	गायाम	गीयै	गीयावहै	गीयामहै
	गाय	गायतम्	गायत	गीयस्व	गीयेथाम्	गीयध्वम्
	गायतु	गायताम्	गायन्तु	गीयताम्	गीयेताम्	गीयन्ताम्

		कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १५४						
व.	द्रवामि	द्रवावः	द्रवामः		द्रूये	द्रूयावहे	द्रूयामहे
	द्रवसि	द्रवथः	द्रवथ		द्रूयसे	द्रूयेथे	द्रूयध्वे
	द्रवति	द्रवतः	द्रवन्ति		द्रूयते	द्रूयेते	द्रूयन्ते
ह्य.	अद्रवम्	अद्रवाव	अद्रवाम		अद्रूये	अद्रूयावहि	अद्रूयामहि
	अद्रवः	अद्रवतम्	अद्रवत		अद्रूयथाः	अद्रूयेथाम्	अद्रूयध्वम्
	अद्रवत्	अद्रवताम्	अद्रवन्		अद्रूयत	अद्रूयेताम्	अद्रूयन्त
वि.	द्रवेयम्	द्रवेव	द्रवेम		द्रूयेय	द्रूयेवहि	द्रूयेमहि
	द्रवेः	द्रवेतम्	द्रवेत		द्रूयेथाः	द्रूयेयाथाम्	द्रूयेध्वम्
	द्रवेत्	द्रवेताम्	द्रवेयुः		द्रूयेत	द्रूयेयाताम्	द्रूयेरन्
आ.	द्रवाणि	द्रवाव	द्रवाम		द्रूयै	द्रूयावहै	द्रूयामहै
	द्रव	द्रवतम्	द्रवत		द्रूयस्व	द्रूयेथाम्	द्रूयध्वम्
	द्रवतु	द्रवताम्	द्रवन्तु		द्रूयताम्	द्रूयेताम्	द्रूयन्ताम्
	धातु. १५५						
व.	रटामि	रटावः	रटामः		रट्ये	रट्यावहे	रट्यामहे
	रटसि	रटथः	रटथ		रट्यसे	रट्येथे	रट्यध्वे
	रटति	रटतः	रटन्ति		रट्यते	रट्येते	रट्यन्ते
ह्य.	अरटम्	अरटाव	अरटाम		अरट्ये	अरट्यावहि	अरट्यामहि
	अरटः	अरटतम्	अरटत		अरट्यथाः	अरट्येथाम्	अरट्यध्वम्
	अरटत्	अरटताम्	अरटन्		अरट्यत	अरट्येताम्	अरट्यन्त
वि.	रटेयम्	रटेव	रटेम		रट्येय	रट्येवहि	रट्येमहि
	रटेः	रटेतम्	रटेत		रट्येथाः	रट्येयाथाम्	रट्येध्वम्
	रटेत्	रटेताम्	रटेयुः		रट्येत	रट्येयाताम्	रट्येरन्
आ.	रटानि	रटाव	रटाम		रट्यै	रट्यावहै	रट्यामहै
	रट	रटतम्	रटत		रट्यस्व	रट्येथाम्	रट्यध्वम्
	रटतु	रटताम्	रटन्तु		रट्यताम्	रट्येताम्	रट्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १५६					
व.	विसंवदामि	विसंवदावः	विसंवदामः	विसमुद्ये	विसमुद्यावहे	विसमुद्यामहे
	विसंवदसि	विसंवदथः	विसंवदथ	विसमुद्यसे	विसमुद्येथे	विसमुद्यध्वे
	विसंवदति	विसंवदतः	विसंवदन्ति	विसमुद्यते	विसमुद्येते	विसमुद्यन्ते
ह्य.	विसमवदम्	विसमवदाव	विसमवदाम	विसमौद्ये	विसमौद्यावहि	विसमौद्यामहि
	विसमवदः	विसमवदतम्	विसमवदत	विसमौद्यथाः	विसमौद्येथाम्	विसमौद्यध्वम्
	विसमवदत्	विसमवदताम्	विसमवदन्	विसमौद्यत	विसमौद्येताम्	विसमौद्यन्त
वि.	विसंवदेयम्	विसंवदेव	विसंवदेम	विसमुद्येय	विसमुद्येवहि	विसमुद्येमहि
	विसंवदेः	विसंवदेतम्	विसंवदेत	विसमुद्येथाः	विसमुद्येयाथाम्	विसमुद्येध्वम्
	विसंवदेत्	विसंवदेताम्	विसंवदेयुः	विसमुद्येत	विसमुद्येयाताम्	विसमुद्येरन्
आ.	विसंवदानि	विसंवदाव	विसंवदाम	विसमुद्यै	विसमुद्यावहै	विसमुद्यामहै
	विसंवद	विसंवदतम्	विसंवदत	विसमुद्यस्व	विसमुद्येथाम्	विसमुद्यध्वम्
	विसंवदतु	विसंवदताम्	विसंवदन्तु	विसमुद्यताम्	विसमुद्येताम्	विसमुद्यन्ताम्
	धातु. १५७					
व.	आचरामि	आचरावः	आचरामः	आचर्ये	आचर्यावहे	आचर्यामहे
	आचरसि	आचरथः	आचरथ	आचर्यसे	आचर्येथे	आचर्यध्वे
	आचरति	आचरतः	आचरन्ति	आचर्यते	आचर्येते	आचर्यन्ते
ह्य.	आचरम्	आचराव	आचराम	आचर्ये	आचर्यावहि	आचर्यामहि
	आचरः	आचरतम्	आचरत	आचर्यथाः	आचर्येथाम्	आचर्यध्वम्
	आचरत्	आचरताम्	आचरन्	आचर्यत	आचर्येताम्	आचर्यन्त
वि.	आचरेयम्	आचरेव	आचरेम	आचर्येय	आचर्येवहि	आचर्येमहि
	आचरेः	आचरेतम्	आचरेत	आचर्येथाः	आचर्येयाथाम्	आचर्येध्वम्
	आचरेत्	आचरेताम्	आचरेयुः	आचर्येत	आचर्येयाताम्	आचर्येरन्
आ.	आचराणि	आचराव	आचराम	आचर्यै	आचर्यावहै	आचर्यामहै
	आचर	आचरतम्	आचरत	आचर्यस्व	आचर्येथाम्	आचर्यध्वम्
	आचरतु	आचरताम्	आचरन्तु	आचर्यताम्	आचर्येताम्	आचर्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १५८

व.	उद्धरामि	उद्धरावः	उद्धरामः		उद्धरे	उद्धरावहे	उद्धरामहे
	उद्धरसि	उद्धरथः	उद्धरथ		उद्धरसे	उद्धरेथे	उद्धरध्वे
	उद्धरति	उद्धरतः	उद्धरन्ति		उद्धरते	उद्धरेते	उद्धरन्ते
ह्य.	उदहरम्	उदहराव	उदहराम		उदहरे	उदहरावहि	उदहरामहि
	उदहरः	उदहरतम्	उदहरत		उदहरथाः	उदहरेथाम्	उदहरध्वम्
	उदहरत्	उदहरताम्	उदहरन्		उदहरत	उदहरेताम्	उदहरन्त
वि.	उद्धरेयम्	उद्धरेव	उद्धरेम		उद्धरेय	उद्धरेवहि	उद्धरेमहि
	उद्धरेः	उद्धरेतम्	उद्धरेत		उद्धरेथाः	उद्धरेयाथाम्	उद्धरेध्वम्
	उद्धरेत्	उद्धरेताम्	उद्धरेयुः		उद्धरेत	उद्धरेयाताम्	उद्धरेरन्
आ.	उद्धरानि	उद्धराव	उद्धराम		उद्धरै	उद्धरावहै	उद्धरामहै
	उद्धर	उद्धरतम्	उद्धरत		उद्धरस्व	उद्धरेथाम्	उद्धरध्वम्
	उद्धरतु	उद्धरताम्	उद्धरन्तु		उद्धरताम्	उद्धरेताम्	उद्धरन्ताम्

धातु. १५९ कर्तरि

कर्मणि

व.	तपामि	तपावः	तपामः		तप्ये	तप्यावहे	तप्यामहे
	तपसि	तपथः	तपथ		तप्यसे	तप्येथे	तप्यध्वे
	तपति	तपतः	तपन्ति		तप्यते	तप्येते	तप्यन्ते
ह्य.	अतपम्	अतपाव	अतपाम		अतप्ये	अतप्यावहि	अतप्यामहि
	अतपः	अतपतम्	अतपत		अतप्यथाः	अतप्येथाम्	अतप्यध्वम्
	अतपत्	अतपताम्	अतपन्		अतप्यत	अतप्येताम्	अतप्यन्त
वि.	तपेयम्	तपेव	तपेम		तप्येय	तप्येवहि	तप्येमहि
	तपेः	तपेतम्	तपेत		तप्येथाः	तप्येयाथाम्	तप्येध्वम्
	तपेत्	तपेताम्	तपेयुः		तप्येत	तप्येयाताम्	तप्येरन्
आ.	तपानि	तपाव	तपाम		तप्यै	तप्यावहै	तप्यामहै
	तप	तपतम्	तपत		तप्यस्व	तप्येथाम्	तप्यध्वम्
	तपतु	तपताम्	तपन्तु		तप्यताम्	तप्येताम्	तप्यन्ताम्

कर्मणि

व.	उद्धिये	उद्धियावहे	उद्धियामहे
	उद्धियसे	उद्धियेथे	उद्धियध्वे
	उद्धियते	उद्धियेते	उद्धियन्ते
ह्य.	उदह्रिये	उदह्रियावहि	उदह्रियामहि
	उदह्रियथाः	उदह्रियेथाम्	उदह्रियध्वम्
	उदह्रियत	उदह्रियेताम्	उदह्रियन्त
वि.	उद्धियेय	उद्धियेवहि	उद्धियेमहि
	उद्धियेथाः	उद्धियेयाथाम्	उद्धियेध्वम्
	उद्धियेत	उद्धियेयाताम्	उद्धियेरन्
आ.	उद्धियै	उद्धियावहै	उद्धियामहै
	उद्धियस्व	उद्धियेथाम्	उद्धियध्वम्
	उद्धियताम्	उद्धियेताम्	उद्धियन्ताम्

कर्मणि

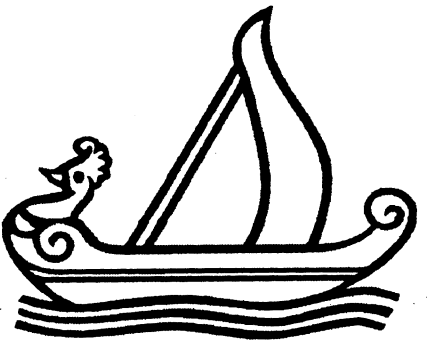

धातु. १६० कर्तरि

व.	मन्ये	मन्यावहे	मन्यामहे
	मन्यसे	मन्येथे	मन्यध्वे
	मन्यते	मन्येते	मन्यन्ते
ह्य.	अमन्ये	अमन्यावहि	अमन्यामहि
	अमन्यथाः	अमन्येथाम्	अमन्यध्वम्
	अमन्यत	अमन्येताम्	अमन्यन्त
वि.	मन्येय	मन्येवहि	मन्येमहि
	मन्येथाः	मन्येयाथाम्	मन्येध्वम्
	मन्येत	मन्येयाताम्	मन्येरन्
आ.	मन्यै	मन्यावहै	मन्यामहै
	मन्यस्व	मन्येथाम्	मन्यध्वम्
	मन्यताम्	मन्येताम्	मन्यन्ताम्

कर्मणि

मन्ये	मन्यावहे	मन्यामहे
मन्यसे	मन्येथे	मन्यध्वे
मन्यते	मन्येते	मन्यन्ते
अमन्ये	अमन्यावहि	अमन्यामहि
अमन्यथाः	अमन्येथाम्	अमन्यध्वम्
अमन्यत	अमन्येताम्	अमन्यन्त
मन्येय	मन्येवहि	मन्येमहि
मन्येथाः	मन्येयाथाम्	मन्येध्वम्
मन्येत	मन्येयाताम्	मन्येरन्
मन्यै	मन्यावहै	मन्यामहै
मन्यस्व	मन्येथाम्	मन्यध्वम्
मन्यताम्	मन्येताम्	मन्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १६१					
व.	मूलयामि	मूलयावः	मूलयामः	मूल्ये	मूल्यावहे	मूल्यामहे
	मूलयसि	मूलयथः	मूलयथ	मूल्यसे	मूल्येथे	मूल्यध्वे
	मूलयति	मूलयतः	मूलयन्ति	मूल्यते	मूल्येते	मूल्यन्ते
ह्य.	अमूलयम्	अमूलयाव	अमूलयाम	अमूल्ये	अमूल्यावहि	अमूल्यामहि
	अमूलयः	अमूलयतम्	अमूलयत	अमूल्यथाः	अमूल्येथाम्	अमूल्यध्वम्
	अमूलयत्	अमूलयताम्	अमूलयन्	अमूल्यत	अमूल्येताम्	अमूल्यन्त
वि.	मूलयेयम्	मूलयेव	मूलयेम	मूल्येय	मूल्येवहि	मूल्येमहि
	मूलयेः	मूलयेतम्	मूलयेत	मूल्येथाः	मूल्येयाथाम्	मूल्येध्वम्
	मूलयेत्	मूलयेताम्	मूलयेयुः	मूल्येत	मूल्येयाताम्	मूल्येरन्
आ.	मूलयानि	मूलयाव	मूलयाम	मूल्यै	मूल्यावहै	मूल्यामहै
	मूलय	मूलयतम्	मूलयत	मूल्यस्व	मूल्येथाम्	मूल्यध्वम्
	मूलयतु	मूलयताम्	मूलयन्तु	मूल्यताम्	मूल्येताम्	मूल्यन्ताम्
	धातु. १६२					
व.	उन्मूलयामि	उन्मूलयावः	उन्मूलयामः	उन्मूल्ये	उन्मूल्यावहे	उन्मूल्यामहे
	उन्मूलयसि	उन्मूलयथः	उन्मूलयथ	उन्मूल्यसे	उन्मूल्येथे	उन्मूल्यध्वे
	उन्मूलयति	उन्मूलयतः	उन्मूलयन्ति	उन्मूल्यते	उन्मूल्येते	उन्मूल्यन्ते
ह्य.	*उदमूलयम्*	*उदमूलयाव*	*उदमूलयाम*	उदमूल्ये	उदमूल्यावहि	उदमूल्यामहि
	उदमूलयः	उदमूलयतम्	उदमूलयत	उदमूल्यथाः	उदमूल्येथाम्	उदमूल्यध्वम्
	उदमूलयत्	उदमूलयताम्	उदमूलयन्	उदमूल्यत	उदमूल्येताम्	उदमूल्यन्त
वि.	उन्मूलयेयम्	उन्मूलयेव	उन्मूलयेम	उन्मूल्येय	उन्मूल्येवहि	उन्मूल्येमहि
	उन्मूलयेः	उन्मूलयेतम्	उन्मूलयेत	उन्मूल्येथाः	उन्मूल्येयाथाम्	उन्मूल्येध्वम्
	उन्मूलयेत्	उन्मूलयेताम्	उन्मूलयेयुः	उन्मूल्येत	उन्मूल्येयाताम्	उन्मूल्येरन्
आ.	उन्मूलयानि	उन्मूलयाव	उन्मूलयाम	उन्मूल्यै	उन्मूल्यावहै	उन्मूल्यामहै
	उन्मूलय	उन्मूलयतम्	उन्मूलयत	उन्मूल्यस्व	उन्मूल्येथाम्	उन्मूल्यध्वम्
	उन्मूलयतु	उन्मूलयताम्	उन्मूलयन्तु	उन्मूल्यताम्	उन्मूल्येताम्	उन्मूल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १६३					
व.	वर्जयामि	वर्जयावः	वर्जयामः	वर्ज्ये	वर्ज्यावहे	वर्ज्यामहे
	वर्जयसि	वर्जयथः	वर्जयथ	वर्ज्यसे	वर्ज्येथे	वर्ज्यध्वे
	वर्जयति	वर्जयतः	वर्जयन्ति	वर्ज्यते	वर्ज्येते	वर्ज्यन्ते
ह्य.	अवर्जयम्	अवर्जयाव	अवर्जयाम	अवर्ज्ये	अवर्ज्यावहि	अवर्ज्यामहि
	अवर्जयः	अवर्जयतम्	अवर्जयत	अवर्ज्यथाः	अवर्ज्येथाम्	अवर्ज्यध्वम्
	अवर्जयत्	अवर्जयताम्	अवर्जयन्	अवर्ज्यत	अवर्ज्येताम्	अवर्ज्यन्त
वि.	वर्जयेयम्	वर्जयेव	वर्जयेम	वर्ज्येय	वर्ज्येवहि	वर्ज्येमहि
	वर्जयेः	वर्जयेतम्	वर्जयेत	वर्ज्येथाः	वर्ज्येयाथाम्	वर्ज्येध्वम्
	वर्जयेत्	वर्जयेताम्	वर्जयेयुः	वर्ज्येत	वर्ज्येयाताम्	वर्ज्येरन्
आ.	वर्जयानि	वर्जयाव	वर्जयाम	वर्ज्यै	वर्ज्यावहै	वर्ज्यामहै
	वर्जय	वर्जयतम्	वर्जयत	वर्ज्यस्व	वर्ज्येथाम्	वर्ज्यध्वम्
	वर्जयतु	वर्जयताम्	वर्जयन्तु	वर्ज्यताम्	वर्ज्येताम्	वर्ज्यन्ताम्
	धातु. १६४					
व.	परिवर्जयामि	परिवर्जयावः	परिवर्जयामः	परिवर्ज्ये	परिवर्ज्यावहे	परिवर्ज्यामहे
	परिवर्जयसि	परिवर्जयथः	परिवर्जयथ	परिवर्ज्यसे	परिवर्ज्येथे	परिवर्ज्यध्वे
	परिवर्जयति	परिवर्जयतः	परिवर्जयन्ति	परिवर्ज्यते	परिवर्ज्येते	परिवर्ज्यन्ते
ह्य.	पर्यवर्जयम्	पर्यवर्जयाव	पर्यवर्जयाम	पर्यवर्ज्ये	पर्यवर्ज्यावहि	पर्यवर्ज्यामहि
	पर्यवर्जयः	पर्यवर्जयतम्	पर्यवर्जयत	पर्यवर्ज्यथाः	पर्यवर्ज्येथाम्	पर्यवर्ज्यध्वम्
	पर्यवर्जयत्	पर्यवर्जयताम्	पर्यवर्जयन्	पर्यवर्ज्यत	पर्यवर्ज्येताम्	पर्यवर्ज्यन्त
वि.	परिवर्जयेयम्	परिवर्जयेव	परिवर्जयेम	परिवर्ज्येय	परिवर्ज्येवहि	परिवर्ज्येमहि
	परिवर्जयेः	परिवर्जयेतम्	परिवर्जयेत	परिवर्ज्येथाः	परिवर्ज्येयाथाम्	परिवर्ज्येध्वम्
	परिवर्जयेत्	परिवर्जयेताम्	परिवर्जयेयुः	परिवर्ज्येत	परिवर्ज्येयाताम्	परिवर्ज्येरन्
आ.	परिवर्जयानि	परिवर्जयाव	परिवर्जयाम	परिवर्ज्यै	परिवर्ज्यावहै	परिवर्ज्यामहै
	परिवर्जय	परिवर्जयतम्	परिवर्जयत	परिवर्ज्यस्व	परिवर्ज्येथाम्	परिवर्ज्यध्वम्
	परिवर्जयतु	परिवर्जयताम्	परिवर्जयन्तु	परिवर्ज्यताम्	परिवर्ज्येताम्	परिवर्ज्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १६५					
व.	शिक्षे	शिक्षावहे	शिक्षामहे	शिक्ष्ये	शिक्ष्यावहे	शिक्ष्यामहे
	शिक्षसे	शिक्षेथे	शिक्षध्वे	शिक्ष्यसे	शिक्ष्येथे	शिक्ष्यध्वे
	शिक्षते	शिक्षेते	शिक्षन्ते	शिक्ष्यते	शिक्ष्येते	शिक्ष्यन्ते
ह्य.	अशिक्षे	अशिक्षावहि	अशिक्षामहि	अशिक्ष्ये	अशिक्ष्यावहि	अशिक्ष्यामहि
	अशिक्षथाः	अशिक्षेथाम्	अशिक्षध्वम्	अशिक्ष्यथाः	अशिक्ष्येथाम्	अशिक्ष्यध्वम्
	अशिक्षत	अशिक्षेताम्	अशिक्षन्त	अशिक्ष्यत	अशिक्ष्येताम्	अशिक्ष्यन्त
वि.	शिक्षेय	शिक्षेवहि	शिक्षेमहि	शिक्ष्येय	शिक्ष्येवहि	शिक्ष्येमहि
	शिक्षेथाः	शिक्षेयाथाम्	शिक्षेध्वम्	शिक्ष्येथाः	शिक्ष्येयाथाम्	शिक्ष्येध्वम्
	शिक्षेत	शिक्षेयाताम्	शिक्षेरन्	शिक्ष्येत	शिक्ष्येयाताम्	शिक्ष्येरन्
आ.	शिक्षै	शिक्षावहै	शिक्षामहै	शिक्ष्यै	शिक्ष्यावहै	शिक्ष्यामहै
	शिक्षस्व	शिक्षेथाम्	शिक्षध्वम्	शिक्ष्यस्व	शिक्ष्येथाम्	शिक्ष्यध्वम्
	शिक्षताम्	शिक्षेताम्	शिक्षन्ताम्	शिक्ष्यताम्	शिक्ष्येताम्	शिक्ष्यन्ताम्
	धातु. १६६					
व.	समीक्षे	समीक्षावहे	समीक्षामहे	समीक्ष्ये	समीक्ष्यावहे	समीक्ष्यामहे
	समीक्षसे	समीक्षेथे	समीक्षध्वे	समीक्ष्यसे	समीक्ष्येथे	समीक्ष्यध्वे
	समीक्षते	समीक्षेते	समीक्षन्ते	समीक्ष्यते	समीक्ष्येते	समीक्ष्यन्ते
ह्य.	समैक्षे	समैक्षावहि	समैक्षामहि	समैक्ष्ये	समैक्ष्यावहि	समैक्ष्यामहि
	समैक्षथाः	समैक्षेथाम्	समैक्षध्वम्	समैक्ष्यथाः	समैक्ष्येथाम्	समैक्ष्यध्वम्
	समैक्षत	समैक्षेताम्	समैक्षन्त	समैक्ष्यत	समैक्ष्येताम्	समैक्ष्यन्त
वि.	समीक्षेय	समीक्षेवहि	समीक्षेमहि	समीक्ष्येय	समीक्ष्येवहि	समीक्ष्येमहि
	समीक्षेथाः	समीक्षेयाथाम्	समीक्षेध्वम्	समीक्ष्येथाः	समीक्ष्येयाथाम्	समीक्ष्येध्वम्
	समीक्षेत	समीक्षेयाताम्	समीक्षेरन्	समीक्ष्येत	समीक्ष्येयाताम्	समीक्ष्येरन्
आ.	समीक्षै	समीक्षावहै	समीक्षामहै	समीक्ष्यै	समीक्ष्यावहै	समीक्ष्यामहै
	समीक्षस्व	समीक्षेथाम्	समीक्षध्वम्	समीक्ष्यस्व	समीक्ष्येथाम्	समीक्ष्यध्वम्
	समीक्षताम्	*समीक्षेताम्*	*समीक्षन्ताम्*	समीक्ष्यताम्	समीक्ष्येताम्	समीक्ष्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १६७

ल.	अर्पयामि	अर्पयावः	अर्पयामः	अर्प्ये	अर्प्यावहे	अर्प्यामहे
	अर्पयसि	अर्पयथः	अर्पयथ	अर्प्यसे	अर्प्येथे	अर्प्यध्वे
	अर्पयति	अर्पयतः	अर्पयन्ति	अर्प्यते	अर्प्येते	अर्प्यन्ते
ङ.	आर्पयम्	आर्पयाव	आर्पयाम	आर्प्ये	आर्प्यावहि	आर्प्यामहि
	आर्पयः	आर्पयतम्	आर्पयत	आर्प्यथाः	आर्प्येथाम्	आर्प्यध्वम्
	आर्पयत्	आर्पयताम्	आर्पयन्	आर्प्यत	आर्प्येताम्	आर्प्यन्त
वि.	अर्पयेयम्	अर्पयेव	अर्पयेम	अर्प्येय	अर्प्येवहि	अर्प्येमहि
	अर्पयेः	अर्पयेतम्	अर्पयेत	अर्प्येथाः	अर्प्येयाथाम्	अर्प्येध्वम्
	अर्पयेत्	अर्पयेताम्	अर्पयेयुः	अर्प्येत	अर्प्येयाताम्	अर्प्येरन्
आ.	अर्पयानि	अर्पयाव	अर्पयाम	अर्प्यै	अर्प्यावहै	अर्प्यामहै
	अर्पय	अर्पयतम्	अर्पयत	अर्प्यस्व	अर्प्येथाम्	अर्प्यध्वम्
	अर्पयतु	अर्पयताम्	अर्पयन्तु	अर्प्यताम्	अर्प्येताम्	अर्प्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १६८

ल.	भरामि	भरावः	भरामः	भरे	भरावहे	भरामहे
	भरसि	भरथः	भरथ	भरसे	भरेथे	भरध्वे
	भरति	भरतः	भरन्ति	भरते	भरेते	भरन्ते
ङ.	अभरम्	अभराव	अभराम	अभरे	अभरावहि	अभरामहि
	अभरः	अभरतम्	अभरत	अभरथाः	अभरेथाम्	अभरध्वम्
	अभरत्	अभरताम्	अभरन्	अभरत	अभरेताम्	अभरन्त
वि.	भरेयम्	भरेव	भरेम	भरेय	भरेवहि	भरेमहि
	भरेः	भरेतम्	भरेत	भरेथाः	भरेयाथाम्	भरेध्वम्
	भरेत्	भरेताम्	भरेयुः	भरेत	भरेयाताम्	भरेरन्
आ.	भराणि	भराव	भराम	भरै	भरावहै	भरामहै
	भर	भरतम्	भरत	भरस्व	भरेथाम्	भरध्वम्
	भरतु	भरताम्	भरन्तु	भरताम्	भरेताम्	भरन्ताम्

कर्तरि

धातु. १६९

व.	मृगये	मृगयावहे	मृगयामहे
	मृगयसे	मृगयेथे	मृगयध्वे
	मृगयते	मृगयेते	मृगयन्ते
ह्य.	अमृगये	अमृगयावहि	अमृगयामहि
	अमृगयथाः	अमृगयेथाम्	अमृगयध्वम्
	अमृगयत	अमृगयेताम्	अमृगयन्त
वि.	मृगयेय	मृगयेवहि	मृगयेमहि
	मृगयेथाः	मृगयेयाथाम्	मृगयेध्वम्
	मृगयेत	मृगयेयाताम्	मृगयेरन्
आ.	मृगयै	मृगयावहै	मृगयामहै
	मृगयस्व	मृगयेथाम्	मृगयध्वम्
	मृगयताम्	मृगयेताम्	मृगयन्ताम्

कर्मणि

	मृग्ये	मृग्यावहे	मृग्यामहे
	मृग्यसे	मृग्येथे	मृग्यध्वे
	मृग्यते	मृग्येते	मृग्यन्ते
	अमृग्ये	अमृग्यावहि	अमृग्यामहि
	अमृग्यथाः	अमृग्येथाम्	अमृग्यध्वम्
	अमृग्यत	अमृग्येताम्	अमृग्यन्त
	मृग्येय	मृग्येवहि	मृग्येमहि
	मृग्येथाः	मृग्येयाथाम्	मृग्येध्वम्
	मृग्येत	मृग्येयाताम्	मृग्येरन्
	मृग्यै	मृग्यावहै	मृग्यामहै
	मृग्यस्व	मृग्येथाम्	मृग्यध्वम्
	मृग्यताम्	मृग्येताम्	मृग्यन्ताम्

धातु. १६८ कर्मणि

व.	भ्रिये	भ्रियावहे	भ्रियामहे
	भ्रियसे	भ्रियेथे	भ्रियध्वे
	भ्रियते	भ्रियेते	भ्रियन्ते
ह्य.	अभ्रिये	अभ्रियावहि	अभ्रियामहि
	अभ्रियथाः	अभ्रियेथाम्	अभ्रियध्वम्
	अभ्रियत	अभ्रियेताम्	अभ्रियन्त
वि.	भ्रियेय	भ्रियेवहि	भ्रियेमहि
	भ्रियेथाः	भ्रियेयाथाम्	भ्रियेध्वम्
	भ्रियेत	भ्रियेयाताम्	भ्रियेरन्
आ.	भ्रियै	भ्रियावहै	भ्रियामहै
	भ्रियस्व	भ्रियेथाम्	भ्रियध्वम्
	भ्रियताम्	भ्रियेताम्	भ्रियन्ताम्

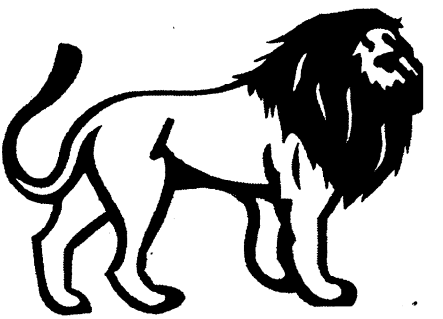

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १७०					
व.	क्षाम्यामि	क्षाम्यावः	क्षाम्यामः	क्षम्ये	क्षम्यावहे	क्षम्यामहे
	क्षाम्यसि	क्षाम्यथः	क्षाम्यथ	क्षम्यसे	क्षम्येथे	क्षम्यध्वे
	क्षाम्यति	क्षाम्यतः	क्षाम्यन्ति	क्षम्यते	क्षम्येते	क्षम्यन्ते
ह्य.	अक्षाम्यम्	अक्षाम्याव	अक्षाम्याम	अक्षम्ये	अक्षम्यावहि	अक्षम्यामहि
	अक्षाम्यः	अक्षाम्यतम्	अक्षाम्यत	अक्षम्यथाः	अक्षम्येथाम्	अक्षम्यध्वम्
	अक्षाम्यत्	अक्षाम्यताम्	अक्षाम्यन्	अक्षम्यत	अक्षम्येताम्	अक्षम्यन्त
वि.	क्षाम्येयम्	क्षाम्येव	क्षाम्येम	क्षम्येय	क्षम्येवहि	क्षम्येमहि
	क्षाम्येः	क्षाम्येतम्	क्षाम्येत	क्षम्येथाः	क्षम्येयाथाम्	क्षम्येध्वम्
	क्षाम्येत्	क्षाम्येताम्	क्षाम्येयुः	क्षम्येत	क्षम्येयाताम्	क्षम्येरन्
आ.	क्षाम्याणि	क्षाम्याव	क्षाम्याम	क्षम्यै	क्षम्यावहै	क्षम्यामहै
	क्षाम्य	क्षाम्यतम्	क्षाम्यत	क्षम्यस्व	क्षम्येथाम्	क्षम्यध्वम्
	क्षाम्यतु	क्षाम्यताम्	क्षाम्यन्तु	क्षम्यताम्	क्षम्येताम्	क्षम्यन्ताम्
	धातु. १७१					
व.	वाञ्छामि	वाञ्छावः	वाञ्छामः	वाञ्छ्ये	वाञ्छ्यावहे	वाञ्छ्यामहे
	वाञ्छसि	वाञ्छथः	वाञ्छथ	वाञ्छ्यसे	वाञ्छ्येथे	वाञ्छ्यध्वे
	वाञ्छति	वाञ्छतः	वाञ्छन्ति	वाञ्छ्यते	वाञ्छ्येते	वाञ्छ्यन्ते
ह्य.	अवाञ्छम्	अवाञ्छाव	अवाञ्छाम	अवाञ्छ्ये	अवाञ्छ्यावहि	अवाञ्छ्यामहि
	अवाञ्छः	अवाञ्छतम्	अवाञ्छत	अवाञ्छ्यथाः	अवाञ्छ्येथाम्	अवाञ्छ्यध्वम्
	अवाञ्छत्	अवाञ्छताम्	अवाञ्छन्	अवाञ्छ्यत	अवाञ्छ्येताम्	अवाञ्छ्यन्त
वि.	वाञ्छेयम्	वाञ्छेव	वाञ्छेम	वाञ्छ्येय	वाञ्छ्येवहि	वाञ्छ्येमहि
	वाञ्छेः	वाञ्छेतम्	वाञ्छेत	वाञ्छ्येथाः	वाञ्छ्येयाथाम्	वाञ्छ्येध्वम्
	वाञ्छेत्	वाञ्छेताम्	वाञ्छेयुः	वाञ्छ्येत	वाञ्छ्येयाताम्	वाञ्छ्येरन्
आ.	वाञ्छानि	वाञ्छाव	वाञ्छाम	वाञ्छ्यै	वाञ्छ्यावहै	वाञ्छ्यामहै
	वाञ्छ	वाञ्छतम्	वाञ्छत	वाञ्छ्यस्व	वाञ्छ्येथाम्	वाञ्छ्यध्वम्
	वाञ्छतु	वाञ्छताम्	वाञ्छन्तु	वाञ्छ्यताम्	वाञ्छ्येताम्	वाञ्छ्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. ७२

व.	ह्वयामि	ह्वयावः	ह्वयामः	ह्वये	ह्वयावहे	ह्वयामहे
	ह्वयसि	ह्वयथः	ह्वयथ	ह्वयसे	ह्वयेथे	ह्वयध्वे
	ह्वयति	ह्वयतः	ह्वयन्ति	ह्वयते	ह्वयेते	ह्वयन्ते
ह्य.	अह्वयम्	अह्वयाव	अह्वयाम	अह्वये	अह्वयावहि	अह्वयामहि
	अह्वयः	अह्वयतम्	अह्वयत	अह्वयथाः	अह्वयेथाम्	अह्वयध्वम्
	अह्वयत्	अह्वयताम्	अह्वयन्	अह्वयत	अह्वयेताम्	अह्वयन्त
वि.	ह्वयेयम्	ह्वयेव	ह्वयेम	ह्वयेय	ह्वयेवहि	ह्वयेमहि
	ह्वयेः	ह्वयेतम्	ह्वयेत	ह्वयेथाः	ह्वयेयाथाम्	ह्वयेध्वम्
	ह्वयेत्	ह्वयेताम्	ह्वयेयुः	ह्वयेत	ह्वयेयाताम्	ह्वयेरन्
आ.	ह्वयानि	ह्वयाव	ह्वयाम	ह्वयै	ह्वयावहै	ह्वयामहै
	ह्वय	ह्वयतम्	ह्वयत	ह्वयस्व	ह्वयेथाम्	ह्वयध्वम्
	ह्वयतु	ह्वयताम्	ह्वयन्तु	ह्वयताम्	ह्वयेताम्	ह्वयन्ताम्

धातु. ७३

व.	आह्वयामि	आह्वयावः	आह्वयामः	आह्वये	आह्वयावहे	आह्वयामहे
	आह्वयसि	आह्वयथः	आह्वयथ	आह्वयसे	आह्वयेथे	आह्वयध्वे
	आह्वयति	आह्वयतः	आह्वयन्ति	आह्वयते	आह्वयेते	आह्वयन्ते
ह्य.	आह्वयम्	आह्वयाव	आह्वयाम	आह्वये	आह्वयावहि	आह्वयामहि
	आह्वयः	आह्वयतम्	आह्वयत	आह्वयथाः	आह्वयेथाम्	आह्वयध्वम्
	आह्वयत्	आह्वयताम्	आह्वयन्	आह्वयत	आह्वयेताम्	आह्वयन्त
वि.	आह्वयेयम्	आह्वयेव	आह्वयेम	आह्वयेय	आह्वयेवहि	आह्वयेमहि
	आह्वयेः	आह्वयेतम्	आह्वयेत	आह्वयेथाः	आह्वयेयाथाम्	आह्वयेध्वम्
	आह्वयेत्	आह्वयेताम्	आह्वयेयुः	आह्वयेत	आह्वयेयाताम्	आह्वयेरन्
आ.	आह्वयानि	आह्वयाव	आह्वयाम	आह्वयै	आह्वयावहै	आह्वयामहै
	आह्वय	आह्वयतम्	आह्वयत	आह्वयस्व	आह्वयेथाम्	आह्वयध्वम्
	आह्वयतु	आह्वयताम्	आह्वयन्तु	आह्वयताम्	आह्वयेताम्	आह्वयन्ताम्

कर्मणि

व.	हूये	हूयावहे	हूयामहे
	हूयसे	हूयेथे	हूयध्वे
	हूयते	हूयेते	हूयन्ते
ह्य.	अहूये	अहूयावहि	अहूयामहि
	अहूयथाः	अहूयेथाम्	अहूयध्वम्
	अहूयत	अहूयेताम्	अहूयन्त
वि.	हूयेय	हूयेवहि	हूयेमहि
	हूयेथाः	हूयेयाथाम्	हूयेध्वम्
	हूयेत	हूयेयाताम्	हूयेरन्
आ.	हूयै	हूयावहै	हूयामहै
	हूयस्व	हूयेथाम्	हूयध्वम्
	हूयताम्	हूयेताम्	हूयन्ताम्

कर्तरि

धातु. १७४

रूष्यामि	रूष्यावः	रूष्यामः
रूष्यसि	रूष्यथः	रूष्यथ
रूष्यति	रूष्यतः	रूष्यन्ति
अरूष्यम्	अरूष्याव	अरूष्याम
अरूष्यः	अरूष्यतम्	अरूष्यत
अरूष्यत्	अरूष्यताम्	अरूष्यन्
रूष्येयम्	रूष्येव	रूष्येम
रूष्येः	रूष्येतम्	रूष्येत
रूष्येत्	रूष्येताम्	रूष्येयुः
रूष्यानि	रूष्याव	रूष्याम
रूष्य	रूष्यतम्	रूष्यत
रूष्यतु	रूष्यताम्	रूष्यन्तु

कर्मणि

धातु. १७४

रूष्ये	रूष्यावहे	रूष्यामहे
रूष्यसे	रूष्येथे	रूष्यध्वे
रूष्यते	रूष्येते	रूष्यन्ते
अरूष्ये	अरूष्यावहि	अरूष्यामहि
अरूष्यथाः	अरूष्येथाम्	अरूष्यध्वम्
अरूष्यत	अरूष्येताम्	अरूष्यन्त
रूष्येय	रूष्येवहि	रूष्येमहि
रूष्येथाः	रूष्येयाथाम्	रूष्येध्वम्
रूष्येत	रूष्येयाताम्	रूष्येरन्
रूष्यै	रूष्यावहै	रूष्यामहै
रूष्यस्व	रूष्येथाम्	रूष्यध्वम्
रूष्यताम्	रूष्येताम्	रूष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १७५					
व.	लुप्यामि	लुप्यावः	लुप्यामः	लुप्ये	लुप्यावहे	लुप्यामहे
	लुप्यसि	लुप्यथः	लुप्यथ	लुप्यसे	लुप्येथे	लुप्यध्वे
	लुप्यति	लुप्यतः	लुप्यन्ति	लुप्यते	लुप्येते	लुप्यन्ते
ह्य.	अलुप्यम्	अलुप्याव	अलुप्याम	अलुप्ये	अलुप्यावहि	अलुप्यामहि
	अलुप्यः	अलुप्यतम्	अलुप्यत	अलुप्यथाः	अलुप्येथाम्	अलुप्यध्वम्
	अलुप्यत्	अलुप्यताम्	अलुप्यन्	अलुप्यत	अलुप्येताम्	अलुप्यन्त
वि.	लुप्येयम्	लुप्येव	लुप्येम	लुप्येय	लुप्येवहि	लुप्येमहि
	लुप्येः	लुप्येतम्	लुप्येत	लुप्येथाः	लुप्येयाथाम्	लुप्येध्वम्
	लुप्येत्	लुप्येताम्	लुप्येयुः	लुप्येत	लुप्येयाताम्	लुप्येरन्
आ.	लुप्यानि	लुप्याव	लुप्याम	लुप्यै	लुप्यावहै	लुप्यामहै
	लुप्य	लुप्यतम्	लुप्यत	लुप्यस्व	लुप्येथाम्	लुप्यध्वम्
	लुप्यतु	लुप्यताम्	लुप्यन्तु	लुप्यताम्	लुप्येताम्	लुप्यन्ताम्
	धातु. १७६					
व.	विद्ये	विद्यावहे	विद्यामहे	विद्ये	विद्यावहे	विद्यामहे
	विद्यसे	विद्येथे	विद्यध्वे	विद्यसे	विद्येथे	विद्यध्वे
	विद्यते	विद्येते	विद्यन्ते	विद्यते	विद्येते	विद्यन्ते
ह्य.	अविद्ये	अविद्यावहि	अविद्यामहि	अविद्ये	अविद्यावहि	अविद्यामहि
	अविद्यथाः	अविद्येथाम्	अविद्यध्वम्	अविद्यथाः	अविद्येथाम्	अविद्यध्वम्
	अविद्यत	अविद्येताम्	अविद्यन्त	अविद्यत	अविद्येताम्	अविद्यन्त
वि.	विद्येय	विद्येवहि	विद्येमहि	विद्येय	विद्येवहि	विद्येमहि
	विद्येथाः	विद्येयाथाम्	विद्येध्वम्	विद्येथाः	विद्येयाथाम्	विद्येध्वम्
	विद्येत	विद्येयाताम्	विद्येरन्	विद्येत	विद्येयाताम्	विद्येरन्
आ.	विद्यै	विद्यावहै	विद्यामहै	विद्यै	विद्यावहै	विद्यामहै
	विद्यस्व	विद्येथाम्	विद्यध्वम्	विद्यस्व	विद्येथाम्	विद्यध्वम्
	विद्यताम्	विद्येताम्	विद्यन्ताम्	विद्यताम्	विद्येताम्	विद्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १७७					
व.	दीप्ये	दीप्यावहे	दीप्यामहे	दीप्ये	दीप्यावहे	दीप्यामहे
	दीप्यसे	दीप्येथे	दीप्यध्वे	दीप्यसे	दीप्येथे	दीप्यध्वे
	दीप्यते	दीप्येते	दीप्यन्ते	दीप्यते	दीप्येते	दीप्यन्ते
ह्य.	अदीप्ये	अदीप्यावहि	अदीप्यामहि	अदीप्ये	अदीप्यावहि	अदीप्यामहि
	अदीप्यथाः	अदीप्येथाम्	अदीप्यध्वम्	अदीप्यथाः	अदीप्येथाम्	अदीप्यध्वम्
	अदीप्यत	अदीप्येताम्	अदीप्यन्त	अदीप्यत	अदीप्येताम्	अदीप्यन्त
वि.	दीप्येय	दीप्येवहि	दीप्येमहि	दीप्येय	दीप्येवहि	दीप्येमहि
	दीप्येथाः	दीप्येयाथाम्	दीप्येध्वम्	दीप्येथाः	दीप्येयाथाम्	दीप्येध्वम्
	दीप्येत	दीप्येयाताम्	दीप्येरन्	दीप्येत	दीप्येयाताम्	दीप्येरन्
आ.	दीप्यै	दीप्यावहै	दीप्यामहै	दीप्यै	दीप्यावहै	दीप्यामहै
	दीप्यस्व	दीप्येथाम्	दीप्यध्वम्	दीप्यस्व	दीप्येथाम्	दीप्यध्वम्
	दीप्यताम्	दीप्येताम्	दीप्यन्ताम्	दीप्यताम्	दीप्येताम्	दीप्यन्ताम्
	धातु. १७८					
व.	प्रवर्ते	प्रवर्तावहे	प्रवर्तामहे	प्रवृत्ये	प्रवृत्यावहे	प्रवृत्यामहे
	प्रवर्तसे	प्रवर्तेथे	प्रवर्तध्वे	प्रवृत्यसे	प्रवृत्येथे	प्रवृत्यध्वे
	प्रवर्तते	प्रवर्तेते	प्रवर्तन्ते	प्रवृत्यते	प्रवृत्येते	प्रवृत्यन्ते
ह्य.	प्रावर्ते	प्रावर्तावहि	प्रावर्तामहि	प्रावृत्ये	प्रावृत्यावहि	प्रावृत्यामहि
	प्रावर्तथाः	प्रावर्तेथाम्	प्रावर्तध्वम्	प्रावृत्यथाः	प्रावृत्येथाम्	प्रावृत्यध्वम्
	प्रावर्तत	प्रावर्तेताम्	प्रावर्तन्त	प्रावृत्यत	प्रावृत्येताम्	प्रावृत्यन्त
वि.	प्रवर्तेय	प्रवर्तेवहि	प्रवर्तेमहि	प्रवृत्येय	प्रवृत्येवहि	प्रवृत्येमहि
	प्रवर्तेथाः	प्रवर्तेयाथाम्	प्रवर्तेध्वम्	प्रवृत्येथाः	प्रवृत्येयाथाम्	प्रवृत्येध्वम्
	प्रवर्तेत	प्रवर्तेयाताम्	प्रवर्तेरन्	प्रवृत्येत	प्रवृत्येयाताम्	प्रवृत्येरन्
आ.	प्रवर्ते	प्रवर्तावहै	प्रवर्तामहै	प्रवृत्यै	प्रवृत्यावहै	प्रवृत्यामहै
	प्रवर्तस्व	प्रवर्तेथाम्	प्रवर्तध्वम्	प्रवृत्यस्व	प्रवृत्येथाम्	प्रवृत्यध्वम्
	प्रवर्तताम्	प्रवर्तेताम्	प्रवर्तन्ताम्	प्रवृत्यताम्	प्रवृत्येताम्	प्रवृत्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १७९					
व.	श्लाघे	श्लाघावहे	श्लाघामहे	श्लाघ्ये	श्लाघ्यावहे	श्लाघ्यामहे
	श्लाघसे	श्लाघेथे	श्लाघध्वे	श्लाघ्यसे	श्लाघ्येथे	श्लाघ्यध्वे
	श्लाघते	श्लाघेते	श्लाघन्ते	श्लाघ्यते	श्लाघ्येते	श्लाघ्यन्ते
ह्य.	अश्लाघे	अश्लाघावहि	अश्लाघामहि	अश्लाघ्ये	अश्लाघ्यावहि	अश्लाघ्यामहि
	अश्लाघथाः	अश्लाघेथाम्	अश्लाघध्वम्	अश्लाघ्यथाः	अश्लाघ्येथाम्	अश्लाघ्यध्वम्
	अश्लाघत	अश्लाघेताम्	अश्लाघन्त	अश्लाघ्यत	अश्लाघ्येताम्	अश्लाघ्यन्त
वि.	श्लाघेय	श्लाघेवहि	श्लाघेमहि	श्लाघ्येय	श्लाघ्येवहि	श्लाघ्येमहि
	श्लाघेथाः	श्लाघेयाथाम्	श्लाघेध्वम्	श्लाघ्येथाः	श्लाघ्येयाथाम्	श्लाघ्येध्वम्
	श्लाघेत	श्लाघेयाताम्	श्लाघेरन्	श्लाघ्येत	श्लाघ्येयाताम्	श्लाघ्येरन्
आ.	श्लाघै	श्लाघावहै	श्लाघामहै	श्लाघ्यै	श्लाघ्यावहै	श्लाघ्यामहै
	श्लाघस्व	श्लाघेथाम्	श्लाघध्वम्	श्लाघ्यस्व	श्लाघ्येथाम्	श्लाघ्यध्वम्
	श्लाघताम्	श्लाघेताम्	श्लाघन्ताम्	श्लाघ्यताम्	श्लाघ्येताम्	श्लाघ्यन्ताम्
	धातु. १८०					
व.	उद्वीक्षे	उद्वीक्षावहे	उद्वीक्षामहे	उद्वीक्ष्ये	उद्वीक्ष्यावहे	उद्वीक्ष्यामहे
	उद्वीक्षसे	उद्वीक्षेथे	उद्वीक्षध्वे	उद्वीक्ष्यसे	उद्वीक्ष्येथे	उद्वीक्ष्यध्वे
	उद्वीक्षते	उद्वीक्षेते	उद्वीक्षन्ते	उद्वीक्ष्यते	उद्वीक्ष्येते	उद्वीक्ष्यन्ते
ह्य.	उद्व्वैक्षे	उद्व्वैक्षावहि	उद्व्वैक्षामहि	उद्व्वैक्ष्ये	उद्व्वैक्ष्यावहि	उद्व्वैक्ष्यामहि
	उद्व्वैक्षथाः	उद्व्वैक्षेथाम्	उद्व्वैक्षध्वम्	उद्व्वैक्ष्यथाः	उद्व्वैक्ष्येथाम्	उद्व्वैक्ष्यध्वम्
	उद्व्वैक्षत	उद्व्वैक्षेताम्	उद्व्वैक्षन्त	उद्व्वैक्ष्यत	उद्व्वैक्ष्येताम्	उद्व्वैक्ष्यन्त
वि.	उद्वीक्षेय	उद्वीक्षेवहि	उद्वीक्षेमहि	उद्वीक्ष्येय	उद्वीक्ष्येवहि	उद्वीक्ष्येमहि
	उद्वीक्षेथाः	उद्वीक्षेयाथाम्	उद्वीक्षेध्वम्	उद्वीक्ष्येथाः	उद्वीक्ष्येयाथाम्	उद्वीक्ष्येध्वम्
	उद्वीक्षेत	उद्वीक्षेयाताम्	उद्वीक्षेरन्	उद्वीक्ष्येत	उद्वीक्ष्येयाताम्	उद्वीक्ष्येरन्
आ.	उद्वीक्षै	उद्वीक्षावहै	उद्वीक्षामहै	उद्वीक्ष्यै	उद्वीक्ष्यावहै	उद्वीक्ष्यामहै
	उद्वीक्षस्व	उद्वीक्षेथाम्	उद्वीक्षध्वम्	उद्वीक्ष्यस्व	उद्वीक्ष्येथाम्	उद्वीक्ष्यध्वम्
	उद्वीक्षताम्	उद्वीक्षेताम्	उद्वीक्षन्ताम्	उद्वीक्ष्यताम्	उद्वीक्ष्येताम्	उद्वीक्ष्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १८१					
व.	परिवर्ते	परिवर्तावहे	परिवर्तामहे	परिवृत्ये	परिवृत्यावहे	परिवृत्यामहे
	परिवर्तसे	परिवर्तेथे	परिवर्तध्वे	परिवृत्यसे	परिवृत्येथे	परिवृत्यध्वे
	परिवर्तते	परिवर्तेते	परिवर्तन्ते	परिवृत्यते	परिवृत्येते	परिवृत्यन्ते
ह्य.	पर्यवर्ते	पर्यवर्तावहि	पर्यवर्तामहि	पर्यवृत्ये	पर्यवृत्यावहि	पर्यवृत्यामहि
	पर्यवर्तथाः	पर्यवर्तेथाम्	पर्यवर्तध्वम्	पर्यवृत्यथाः	पर्यवृत्येथाम्	पर्यवृत्यध्वम्
	पर्यवर्तत	पर्यवर्तेताम्	पर्यवर्तन्त	पर्यवृत्यत	पर्यवृत्येताम्	पर्यवृत्यन्त
वि.	परिवर्तेय	परिवर्तेवहि	परिवर्तेमहि	परिवृत्येय	परिवृत्येवहि	परिवृत्येमहि
	परिवर्तेथाः	परिवर्तेयाथाम्	परिवर्तेध्वम्	परिवृत्येथाः	परिवृत्येयाथाम्	परिवृत्येध्वम्
	परिवर्तेत	परिवर्तेयाताम्	परिवर्तेरन्	परिवृत्येत	परिवृत्येयाताम्	परिवृत्येरन्
आ.	परिवर्ते	परिवर्तावहै	परिवर्तामहै	परिवृत्यै	परिवृत्यावहै	परिवृत्यामहै
	परिवर्तस्व	परिवर्तेथाम्	परिवर्तध्वम्	परिवृत्यस्व	परिवृत्येथाम्	परिवृत्यध्वम्
	परिवर्तताम्	परिवर्तेताम्	परिवर्तन्ताम्	परिवृत्यताम्	परिवृत्येताम्	परिवृत्यन्ताम्
	धातु. १८२					
व.	फलामि	फलावः	फलामः	फल्ये	फल्यावहे	फल्यामहे
	फलसि	फलथः	फलथ	फल्यसे	फल्येथे	फल्यध्वे
	फलति	फलतः	फलन्ति	फल्यते	फल्येते	फल्यन्ते
ह्य.	अफलम्	अफलाव	अफलाम	अफल्ये	अफल्यावहि	अफल्यामहि
	अफलः	अफलतम्	अफलत	अफल्यथाः	अफल्येथाम्	अफल्यध्वम्
	अफलत्	अफलताम्	अफलन्	अफल्यत	अफल्येताम्	अफल्यन्त
वि.	फलेयम्	फलेव	फलेम	फल्येय	फल्येवहि	फल्येमहि
	फलेः	फलेतम्	फलेत	फल्येथाः	फल्येयाथाम्	फल्येध्वम्
	फलेत्	फलेताम्	फलेयुः	फल्येत	फल्येयाताम्	फल्येरन्
आ.	फलानि	फलाव	फलाम	फल्यै	फल्यावहै	फल्यामहै
	फल	फलतम्	फलत	फल्यस्व	फल्येथाम्	फल्यध्वम्
	फलतु	फलताम्	फलन्तु	फल्यताम्	फल्येताम्	फल्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १८३					
व.	युज्ये	युज्यावहे	युज्यामहे	युज्ये	युज्यावहे	युज्यामहे
	युज्यसे	युज्येथे	युज्यध्वे	युज्यसे	युज्येथे	युज्यध्वे
	युज्यते	युज्येते	युज्यन्ते	युज्यते	युज्येते	युज्यन्ते
ह्य.	अयुज्ये	अयुज्यावहि	अयुज्यामहि	अयुज्ये	अयुज्यावहि	अयुज्यामहि
	अयुज्यथाः	अयुज्येथाम्	अयुज्यध्वम्	अयुज्यथाः	अयुज्येथाम्	अयुज्यध्वम्
	अयुज्यत	अयुज्येताम्	अयुज्यन्त	अयुज्यत	अयुज्येताम्	अयुज्यन्त
वि.	युज्येय	युज्येवहि	युज्येमहि	युज्येय	युज्येवहि	युज्येमहि
	युज्येथाः	युज्येयाथाम्	युज्येध्वम्	युज्येथाः	युज्येयाथाम्	युज्येध्वम्
	युज्येत	युज्येयाताम्	युज्येरन्	युज्येत	युज्येयाताम्	युज्येरन्
आ.	युज्यै	युज्यावहै	युज्यामहै	युज्यै	युज्यावहै	युज्यामहै
	युज्यस्व	युज्येथाम्	युज्यध्वम्	युज्यस्व	युज्येथाम्	युज्यध्वम्
	युज्यताम्	युज्येताम्	युज्यन्ताम्	युज्यताम्	युज्येताम्	युज्यन्ताम्
	धातु. १८४					
व.	लङ्क्ष्ये	लङ्क्ष्यावहे	लङ्क्ष्यामहे	लङ्घ्ये	लङ्घ्यावहे	लङ्घ्यामहे
	लङ्क्ष्यसे	लङ्क्ष्येथे	लङ्क्ष्यध्वे	लङ्घ्यसे	लङ्घ्येथे	लङ्घ्यध्वे
	लङ्क्ष्यते	लङ्क्ष्येते	लङ्क्ष्यन्ते	लङ्घ्यते	लङ्घ्येते	लङ्घ्यन्ते
ह्य.	अलङ्क्ष्ये	अलङ्क्ष्यावहि	अलङ्क्ष्यामहि	अलङ्घ्ये	अलङ्घ्यावहि	अलङ्घ्यामहि
	अलङ्क्ष्यथाः	अलङ्क्ष्येथाम्	अलङ्क्ष्यध्वम्	अलङ्घ्यथाः	अलङ्घ्येथाम्	अलङ्घ्यध्वम्
	अलङ्क्ष्यत	अलङ्क्ष्येताम्	अलङ्क्ष्यन्त	अलङ्घ्यत	अलङ्घ्येताम्	अलङ्घ्यन्त
वि.	लङ्क्ष्येय	लङ्क्ष्येवहि	लङ्क्ष्येमहि	लङ्घ्ये	लङ्घ्येवहि	लङ्घ्येमहि
	लङ्क्ष्येथाः	लङ्क्ष्येयाथाम्	लङ्क्ष्येध्वम्	लङ्घ्येथाः	लङ्घ्येयाथाम्	लङ्घ्येध्वम्
	लङ्क्ष्येत	लङ्क्ष्येयाताम्	लङ्क्ष्येरन्	लङ्घ्येत	लङ्घ्येयाताम्	लङ्घ्येरन्
आ.	लङ्क्षै	लङ्क्ष्यावहै	लङ्क्ष्यामहै	लङ्घ्यै	लङ्घ्यावहै	लङ्घ्यामहै
	लङ्क्ष्स्व	लङ्क्ष्येथाम्	लङ्क्ष्यध्वम्	लङ्घ्यस्व	लङ्घ्येथाम्	लङ्घ्यध्वम्
	लङ्क्ष्ताम्	लङ्क्ष्येताम्	लङ्क्ष्यन्ताम्	लङ्घ्यताम्	लङ्घ्येताम्	लङ्घ्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १८५

व.	विसृजामि	विसृजावः	विसृजामः	विसृज्ये	विसृज्यावहे	विसृज्यामहे
	विसृजसि	विसृजथः	विसृजथ	विसृज्यसे	विसृज्येथे	विसृज्यध्वे
	विसृजति	विसृजतः	विसृजन्ति	विसृज्यते	विसृज्येते	विसृज्यन्ते
ह्य.	व्यसृजम्	व्यसृजाव	व्यसृजाम	व्यसृज्ये	व्यसृज्यावहि	व्यसृज्यामहि
	व्यसृजः	व्यसृजतम्	व्यसृजत	व्यसृज्यथाः	व्यसृज्येथाम्	व्यसृज्यध्वम्
	व्यसृजत्	व्यसृजताम्	व्यसृजन्	व्यसृज्यत	व्यसृज्येताम्	व्यसृज्यन्त
वि.	विसृजेयम्	विसृजेव	विसृजेम	विसृज्येय	विसृज्येवहि	विसृज्येमहि
	विसृजेः	विसृजेतम्	विसृजेत	विसृज्येथाः	विसृज्येयाथाम्	विसृज्येध्वम्
	विसृजेत्	विसृजेताम्	विसृजेयुः	विसृज्येत	विसृज्येयाताम्	विसृज्येरन्
आ.	विसृजानि	विसृजाव	विसृजाम	विसृज्यै	विसृज्यावहै	विसृज्यामहै
	विसृज	विसृजतम्	विसृजत	विसृज्यस्व	विसृज्येथाम्	विसृज्यध्वम्
	विसृजतु	विसृजताम्	विसृजन्तु	विसृज्यताम्	विसृज्येताम्	विसृज्यन्ताम्

धातु. १८६

व.	अनुसरामि	अनुसरावः	अनुसरामः	अनुस्रिये	अनुस्रियावहे	अनुस्रियामहे
	अनुसरसि	अनुसरथः	अनुसरथ	अनुस्रियसे	अनुस्रियेथे	अनुस्रियध्वे
	अनुसरति	अनुसरतः	अनुसरन्ति	अनुस्रियते	अनुस्रियेते	अनुस्रियन्ते
ह्य.	अन्वसरम्	अन्वसराव	अन्वसराम	अन्वस्रिये	अन्वस्रियावहि	अन्वस्रियामहि
	अन्वसरः	अन्वसरतम्	अन्वसरत	अन्वस्रियथाः	अन्वस्रियेथाम्	अन्वस्रियध्वम्
	अन्वसरत्	अन्वसरताम्	अन्वसरन्	अन्वस्रियत	अन्वस्रियेताम्	अन्वस्रियन्त
वि.	अनुसरेयम्	अनुसरेव	अनुसरेम	अनुस्रियेय	अनुस्रियेवहि	अनुस्रियेमहि
	अनुसरेः	अनुसरेतम्	अनुसरेत	अनुस्रियेथाः	अनुस्रियेयाथाम्	अनुस्रियेध्वम्
	अनुसरेत्	अनुसरेताम्	अनुसरेयुः	अनुस्रियेत	अनुस्रियेयाताम्	अनुस्रियेरन्
आ.	अनुसराणि	अनुसराव	अनुसराम	अनुस्रियै	अनुस्रियावहै	अनुस्रियामहै
	अनुसर	अनुसरतम्	अनुसरत	अनुस्रियस्व	अनुस्रियेथाम्	अनुस्रियध्वम्
	अनुसरतु	अनुसरताम्	अनुसरन्तु	अनुस्रियताम्	अनुस्रियेताम्	अनुस्रियन्ताम्

कर्मणि

कर्तरि

धातु. १८७

व.	उत्सृजामि	उत्सृजावः	उत्सृजामः
	उत्सृजसि	उत्सृजथः	उत्सृजथ
	उत्सृजति	उत्सृजतः	उत्सृजन्ति
ह्य.	उदसृजम्	उदसृजाव	उदसृजाम
	उदसृजः	उदसृजतम्	उदसृजत
	उदसृजत्	उदसृजताम्	उदसृजन्
वि.	उत्सृजेयम्	उत्सृजेव	उत्सृजेम
	उत्सृजेः	उत्सृजेतम्	उत्सृजेत
	उत्सृजेत्	उत्सृजेताम्	उत्सृजेयुः
आ.	उत्सृजानि	उत्सृजाव	उत्सृजाम
	उत्सृज	उत्सृजतम्	उत्सृजत
	उत्सृजतु	उत्सृजताम्	उत्सृजन्तु

धातु. १८८

व.	मानये	मानयावहे	मानयामहे
	मानयसे	मानयेथे	मानयध्वे
	मानयते	मानयेते	मानयन्ते
ह्य.	अमानये	अमानयावहि	अमानयामहि
	अमानयथाः	अमानयेथाम्	अमानयध्वम्
	अमानयत	अमानयेताम्	अमानयन्त
वि.	मानयेय	मानयेवहि	मानयेमहि
	मानयेथाः	मानयेयाथाम्	मानयेध्वम्
	मानयेत	मानयेयाताम्	मानयेरन्
आ.	मानयै	मानयावहै	मानयामहै
	मानयस्व	मानयेथाम्	मानयध्वम्
	मानयताम्	मानयेताम्	मानयन्ताम्

कर्मणि

उत्सृज्ये	उत्सृज्यावहे	उत्सृज्यामहे
उत्सृज्यसे	उत्सृज्येथे	उत्सृज्यध्वे
उत्सृज्यते	उत्सृज्येते	उत्सृज्यन्ते
उदसृज्ये	उदसृज्यावहि	उदसृज्यामहि
उदसृज्यथाः	उदसृज्येथाम्	उदसृज्यध्वम्
उदसृज्यत	उदसृज्येताम्	उदसृज्यन्त
उत्सृज्येय	उत्सृज्येवहि	उत्सृज्येमहि
उत्सृज्येथाः	उत्सृज्येयाथाम्	उत्सृज्येध्वम्
उत्सृज्येत	उत्सृज्येयाताम्	उत्सृज्येरन्
उत्सृज्यै	उत्सृज्यावहै	उत्सृज्यामहै
उत्सृज्यस्व	उत्सृज्येथाम्	उत्सृज्यध्वम्
उत्सृज्यताम्	उत्सृज्येताम्	उत्सृज्यन्ताम्

मान्ये	मान्यावहे	मान्यामहे
मान्यसे	मान्येथे	मान्यध्वे
मान्यते	मान्येते	मान्यन्ते
अमान्ये	अमान्यावहि	अमान्यामहि
अमान्यथाः	अमान्येथाम्	अमान्यध्वम्
अमान्यत	अमान्येताम्	अमान्यन्त
मान्येय	मान्येवहि	मान्येमहि
मान्येथाः	मान्येयाथाम्	मान्येध्वम्
मान्येत	मान्येयाताम्	मान्येरन्
मान्यै	मान्यावहै	मान्यामहै
मान्यस्व	मान्येथाम्	मान्यध्वम्
मान्यताम्	मान्येताम्	मान्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १८९

व.	लोके	लोकावहे	लोकामहे
	लोकसे	लोकेथे	लोकध्वे
	लोकते	लोकेते	लोकन्ते
ह्य.	अलोके	अलोकावहि	अलोकामहि
	अलोकथाः	अलोकेथाम्	अलोकध्वम्
	अलोकत	अलोकेताम्	अलोकन्त
वि.	लोकेय	लोकेवहि	लोकेमहि
	लोकेथाः	लोकेयाथाम्	लोकेध्वम्
	लोकेत	लोकेयाताम्	लोकेरन्
आ.	लोकै	लोकावहै	लोकामहै
	लोकस्व	लोकेथाम्	लोकध्वम्
	लोकताम्	लोकेताम्	लोकन्ताम्

धातु. १९०

व.	लोकयामि	लोकयावः	लोकयामः
	लोकयसि	लोकयथः	लोकयथ
	लोकयति	लोकयतः	लोकयन्ति
ह्य.	अलोकयम्	अलोकयाव	अलोकयाम
	अलोकयः	अलोकयतम्	अलोकयत
	अलोकयत्	अलोकयताम्	अलोकयन्
वि.	लोकयेयम्	लोकयेव	लोकयेम
	लोकयेः	लोकयेतम्	लोकयेत
	लोकयेत्	लोकयेताम्	लोकयेयुः
आ.	लोकयानि	लोकयाव	लोकयाम
	लोकय	लोकयतम्	लोकयत
	लोकयतु	लोकयताम्	लोकयन्तु

कर्मणि

व.	लोक्ये	लोक्यावहे	लोक्यामहे
	लोक्यसे	लोक्येथे	लोक्यध्वे
	लोक्यते	लोक्येते	लोक्यन्ते
ह्य.	अलोक्ये	अलोक्यावहि	अलोक्यामहि
	अलोक्यथाः	अलोक्येथाम्	अलोक्यध्वम्
	अलोक्यत	अलोक्येताम्	अलोक्यन्त
वि.	लोक्येय	लोक्येवहि	लोक्येमहि
	लोक्येथाः	लोक्येयाथाम्	लोक्येध्वम्
	लोक्येत	लोक्येयाताम्	लोक्येरन्
आ.	लोक्यै	लोक्यावहै	लोक्यामहै
	लोक्यस्व	लोक्येथाम्	लोक्यध्वम्
	लोक्यताम्	लोक्येताम्	लोक्यन्ताम्

व.	लोक्ये	लोक्यावहे	लोक्यामहे
	लोक्यसे	लोक्येथे	लोक्यध्वे
	लोक्यते	लोक्येते	लोक्यन्ते
ह्य.	अलोक्ये	अलोक्यावहि	अलोक्यामहि
	अलोक्यथाः	अलोक्येथाम्	अलोक्यध्वम्
	अलोक्यत	अलोक्येताम्	अलोक्यन्त
वि.	लोक्येय	लोक्येवहि	लोक्येमहि
	लोक्येथाः	लोक्येयाथाम्	लोक्येध्वम्
	लोक्येत	लोक्येयाताम्	लोक्येरन्
आ.	लोक्यै	लोक्यावहै	लोक्यामहै
	लोक्यस्व	लोक्येथाम्	लोक्यध्वम्
	लोक्यताम्	लोक्येताम्	लोक्यन्ताम्

	कर्तरि			कर्मणि		
	धातु. १६१					
व.	सीदामि	सीदावः	सीदामः	सद्ये	सद्यावहे	सद्यामहे
	सीदसि	सीदथः	सीदथ	सद्यसे	सद्येथे	सद्यध्वे
	सीदति	सीदतः	सीदन्ति	सद्यते	सद्येते	सद्यन्ते
ह्य.	असीदम्	असीदाव	असीदाम	असद्ये	असद्यावहि	असद्यामहि
	असीदः	असीदतम्	असीदत	असद्यथाः	असद्येथाम्	असद्यध्वम्
	असीदत्	असीदताम्	असीदन्	असद्यत	असद्येताम्	असद्यन्त
वि.	सीदेयम्	सीदेव	सीदेम	सद्येय	सद्येवहि	सद्येमहि
	सीदेः	सीदेतम्	सीदेत	सद्येथाः	सद्येयाथाम्	सद्येध्वम्
	सीदेत्	सीदेताम्	सीदेयुः	सद्येत	सद्येयाताम्	सद्येरन्
आ.	सीदानि	सीदाव	सीदाम	सद्यै	सद्यावहै	सद्यामहै
	सीद	सीदतम्	सीदत	सद्यस्व	सद्येथाम्	सद्यध्वम्
	सीदतु	सीदताम्	सीदन्तु	सद्यताम्	सद्येताम्	सद्यन्ताम्
	धातु. १६२					
व.	प्रसीदामि	प्रसीदावः	प्रसीदामः	प्रसद्ये	प्रसद्यावहे	प्रसद्यामहे
	प्रसीदसि	प्रसीदथः	प्रसीदथ	प्रसद्यसे	प्रसद्येथे	प्रसद्यध्वे
	प्रसीदति	प्रसीदतः	प्रसीदन्ति	प्रसद्यते	प्रसद्येते	प्रसद्यन्ते
ह्य.	प्रासीदम्	प्रासीदाव	प्रासीदाम	प्रासद्ये	प्रासद्यावहि	प्रासद्यामहि
	प्रासीदः	प्रासीदतम्	प्रासीदत	प्रासद्यथाः	प्रासद्येथाम्	प्रासद्यध्वम्
	प्रासीदत्	प्रासीदताम्	प्रासीदन्	प्रासद्यत	प्रासद्येताम्	प्रासद्यन्त
वि.	प्रसीदेयम्	प्रसीदेव	प्रसीदेम	प्रसद्येय	प्रसद्येवहि	प्रसद्येमहि
	प्रसीदेः	प्रसीदेतम्	प्रसीदेत	प्रसद्येथाः	प्रसद्येयाथाम्	प्रसद्येध्वम्
	प्रसीदेत्	प्रसीदेताम्	प्रसीदेयुः	प्रसद्येत	प्रसद्येयाताम्	प्रसद्येरन्
आ.	प्रसीदानि	प्रसीदाव	प्रसीदाम	प्रसद्यै	प्रसद्यावहै	प्रसद्यामहै
	प्रसीद	प्रसीदतम्	प्रसीदत	प्रसद्यस्व	प्रसद्येथाम्	प्रसद्यध्वम्
	प्रसीदतु	प्रसीदताम्	प्रसीदन्तु	प्रसद्यताम्	प्रसद्येताम्	प्रसद्यन्ताम्

कर्तरि

धातु. १६३

व.	हसामि	हसावः	हसामः	
	हससि	हसथः	हसथ	
	हसति	हसतः	हसन्ति	
ह्य.	अहसम्	अहसाव	अहसाम	
	अहसः	अहसतम्	अहसत	
	अहसत्	अहसताम्	अहसन्	
वि.	हसेयम्	हसेव	हसेम	
	हसेः	हसेतम्	हसेत	
	हसेत्	हसेताम्	हसेयुः	
आ.	हसानि	हसाव	हसाम	
	हस	हसतम्	हसत	
	हसतु	हसताम्	हसन्तु	

कर्मणि

हस्ये	हस्यावहे	हस्यामहे	
हस्यसे	हस्येथे	हस्यध्वे	
हस्यते	हस्येते	हस्यन्ते	
अहस्ये	अहस्यावहि	अहस्यामहि	
अहस्यथाः	अहस्येथाम्	अहस्यध्वम्	
अहस्यत	अहस्येताम्	अहस्यन्त	
हस्येय	हस्येवहि	हस्येमहि	
हस्येथाः	हस्येयाथाम्	हस्येध्वम्	
हस्येत	हस्येयाताम्	हस्येरन्	
हस्यै	हस्यावहै	हस्यामहै	
हस्यस्व	हस्येथाम्	हस्यध्वम्	
हस्यताम्	हस्येताम्	हस्यन्ताम्	

धातु. १६४

व.	उत्तिष्ठामि	उत्तिष्ठावः	उत्तिष्ठामः	
	उत्तिष्ठसि	उत्तिष्ठथः	उत्तिष्ठथ	
	उत्तिष्ठति	उत्तिष्ठतः	उत्तिष्ठन्ति	
ह्य.	उदतिष्ठम्	उदतिष्ठाव	उदतिष्ठाम	
	उदतिष्ठः	उदतिष्ठतम्	उदतिष्ठत	
	उदतिष्ठत्	उदतिष्ठताम्	उदतिष्ठन्	
वि.	उत्तिष्ठेयम्	उत्तिष्ठेव	उत्तिष्ठेम	
	उत्तिष्ठेः	उत्तिष्ठेतम्	उत्तिष्ठेत	
	उत्तिष्ठेत्	उत्तिष्ठेताम्	उत्तिष्ठेयुः	
आ.	उत्तिष्ठानि	उत्तिष्ठाव	उत्तिष्ठाम	
	उत्तिष्ठ	उत्तिष्ठतम्	उत्तिष्ठत	
	उत्तिष्ठतु	उत्तिष्ठताम्	उत्तिष्ठन्तु	

कर्मणि

उत्स्थीये	उत्स्थीयावहे	उत्स्थीयामहे	
उत्स्थीयसे	उत्स्थीयेथे	उत्स्थीयध्वे	
उत्स्थीयते	उत्स्थीयेते	उत्स्थीयन्ते	
उदस्थीये	उदस्थीयावहि	उदस्थीयामहि	
उदस्थीयथाः	उदस्थीयेथाम्	उदस्थीयध्वम्	
उदस्थीयत	उदस्थीयेताम्	उदस्थीयन्त	
उत्स्थीयेय	उत्स्थीयेवहि	उत्स्थीयेमहि	
उत्स्थीयेथाः	उत्स्थीयेयाथाम्	उत्स्थीयेध्वम्	
उत्स्थीयेत	उत्स्थीयेयाताम्	उत्स्थीयेरन्	
उत्स्थीयै	उत्स्थीयावहै	उत्स्थीयामहै	
उत्स्थीयस्व	उत्स्थीयेथाम्	उत्स्थीयध्वम्	
उत्स्थीयताम्	उत्स्थीयेताम्	उत्स्थीयन्ताम्	

शब्दो के रूप

शब्द रूपावली

(१) अकारान्त पुंलिङ्ग - 'बाल' शब्द

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	बालः	बालौ	बालाः
द्वि॰	बालम्	बालौ	बालान्
तृ॰	बालेन	बालाभ्याम्	बालैः
च॰	बालाय	बालाभ्याम्	बालेभ्यः
पं॰	बालात्	बालाभ्याम्	बालेभ्यः
ष॰	बालस्य	बालयोः	बालानाम्
स॰	बाले	बालयोः	बालेषु
सं॰	हे बाल!	हे बालौ!	हे बालाः!

आ रीते देव, छात्र, गज, मनोरथ, श्रमण, स्वर्ग, निष्क, बिडाल विगेरे अकरान्त शब्दोना रूपो थशें

(२) अकारान्त नपुं. - 'कमल' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कमलम्	कमले	कमलानि
द्वि॰	कमलम्	कमले	कमलानि
तृ॰	कमलेन	कमलाभ्याम्	कमलैः
च॰	कमलाय	कमलाभ्याम्	कमलेभ्यः
पं॰	कमलात्	कमलाभ्याम्	कमलेभ्यः
ष॰	कमलस्य	कमलयोः	कमलानाम्
स॰	कमले	कमलयोः	कमलेषु
सं॰	हे कमल!	हे कमले!	हे कमलानि!

आ रीते कङ्कण, अम्बर, मुख, नेत्र, जल, फल विगेरे अकारान्त शब्दोना रूपो थशें

(३) 'अस्मद्' सर्वनाम

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वि॰	माम्–मा	आवाम्–नौ	अस्मान्–नः
तृ॰	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
च॰	मह्यम्–मे	आवाभ्याम्–नौ	अस्मभ्यम्–नः
पं॰	मद्	आवाभ्याम्	अस्मद्
ष॰	मम–मे	आवयोः–नौ	अस्माकम्–नः
स॰	मयि	आवयोः	अस्मासु

(४) 'युष्मद्' सर्वनाम

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वि॰	त्वाम्–त्वा	युवाम्–वाम्	युष्मान्–वः
तृ॰	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
च॰	तुभ्यम्–ते	युवाभ्याम्–वाम्	युष्मभ्यम्–वः
पं॰	त्वद्	युवाभ्याम्	युष्मद्
ष॰	तव–ते	युवयोः–वाम्	युष्माकम्–वः
स॰	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

(५) 'तद्' सर्वनाम-पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सः	तौ	ते
द्वि॰	तम्	तौ	तान्
तृ॰	तेन	ताभ्याम्	तैः
च॰	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पं॰	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
ष॰	तस्य	तयोः	तेषाम्
स॰	तस्मिन्	तयोः	तेषु

(६) 'तद्' सर्वनाम-नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	तद्	ते	तानि
द्वि॰	तद्	ते	तानि
तृ॰	तेन	ताभ्याम्	तैः
च॰	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पं॰	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
ष॰	तस्य	तयोः	तेषाम्
स॰	तस्मिन्	तयोः	तेषु

(७) 'तद्' सर्वनाम-स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सा	ते	ताः
द्वि॰	ताम्	ते	ताः
तृ॰	तया	ताभ्याम्	ताभिः
च॰	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः
पं॰	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
ष॰	तस्याः	तयोः	तासाम्
स॰	तस्याम्	तयोः	तासु

(८) आकारान्त स्त्रीलिङ - 'माला' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	माला	माले	मालाः
द्वि॰	मालाम्	माले	मालाः
तृ॰	मालया	मालाभ्याम्	मालाभिः
च॰	मालायै	मालाभ्याम्	मालाभ्यः
पं॰	मालायाः	मालाभ्याम्	मालाभ्यः
ष॰	मालायाः	मालयोः	मालानाम्
स॰	मालायाम्	मालयोः	मालासु
स॰	हे माले!	हे माले!	हे मालाः!

आ रीते क्रीडा, देवता, सभा, निशा विगेरे आकारान्त शब्दोना रूपो थशें

(९) कर्मणि भू. कृ क्त प्रत्ययान्त जि+त= जित. पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	जितः	जितौ	जिताः
द्वि॰	जितम्	जितौ	जितान्
तृ॰	जितेन	जिताभ्याम्	जितैः
च॰	जिताय	जिताभ्याम्	जितेभ्यः
पं॰	जितात्	जिताभ्याम्	जितेभ्यः
ष॰	जितस्य	जितयोः	जितानाम्
स॰	जिते	जितयोः	जितेषु
सं॰	हे जित!	हे जितौ!	हे जिताः

(१०) कर्मणि भू. कृ क्त प्रत्ययान्त जि+त= जित. नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	जितम्	जिते	जितानि
द्वि॰	जितम्	जिते	जितानि
तृ॰	जितेन	जिताभ्याम्	जितैः
च॰	जिताय	जिताभ्याम्	जितेभ्यः
पं॰	जितात्	जिताभ्याम्	जितेभ्यः
ष॰	जितस्य	जितयोः	जितानाम्
स॰	जिते	जितयोः	जितेषु
सं॰	हे जित!	हे जिते!	हे जितानि!

(११) कर्मणि भू. कृ क्त प्रत्ययान्त जि+त= जित+आ - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	जिता	जिते	जिताः
द्वि॰	जिताम्	जिते	जिताः
तृ॰	जितया	जिताभ्याम्	जिताभिः
च॰	जितायै	जिताभ्याम्	जिताभ्यः
पं॰	जितायाः	जिताभ्याम्	जिताभ्यः
ष॰	जितायाः	जितयोः	जितानाम्
स॰	जितायाम्	जितयोः	जितासु
सं॰	हे जिते!	हे जिते!	हे जिताः!

(१२) भावे भूत कृ. क्त प्रत्ययान्त भू+त= भूत. (मात्र-नपुं.)

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भूतम्	भूते	भूतानि
द्वि॰	भूतम्	भूते	भूतानि
तृ॰	भूतेन	भूताभ्याम्	भूतैः
च॰	भूताय	भूताभ्याम्	भूतेभ्यः
पं॰	भूतात्	भूताभ्याम्	भूतेभ्यः
ष॰	भूतस्य	भूतयोः	भूतानाम्
स॰	भूते	भूतयोः	भूतेषु
सं॰	हे भूत!	हे भूते!	हे भूतानि!

(१३) गत्यर्थे कर्तरि भूतकृदन्त (क्त प्रत्ययान्त) सृ+त= सृत. - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सृतः	सृतौ	सृताः
द्वि॰	सृतम्	सृतौ	सतान्
तृ॰	सृतेन	सृताभ्याम्	सृतैः
च॰	सृताय	सृताभ्याम्	सृतेभ्यः
पं॰	सृतात्	सृताभ्याम्	सृतेभ्यः
ष॰	सृतस्य	सृतयोः	सृतानाम्
स॰	सृते	सृतयोः	सृतेषु
सं॰	हे सृत!	हे सृतौ!	हे सृताः!

(१४) गत्यर्थे कर्तरि भूतकृदन्त (क्त प्रत्ययान्त) सृ+त= सृत. -नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सृतम्	सृते	सृतानि
द्वि॰	सृतम्	सृते	सृतानि
तृ॰	सृतेन	सृताभ्याम्	सृतैः
च॰	सृताय	सृताभ्याम्	सृतेभ्यः
पं॰	सृतात्	सृताभ्याम्	सृतेभ्यः
ष॰	सृतस्य	सृतयोः	सृतानाम्
स॰	सृते	सृतयोः	सृतेषु
सं॰	हे सृत!	हे सृते!	हे सृतानि!

(१५) गत्यर्थे कर्तरि भूतकृदन्त (क्त प्रत्ययान्त) सृत + आ - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सृता	सृते	सृताः
द्वि॰	सृताम्	सृते	सृताः
तृ॰	सृतया	सृताभ्याम्	सृताभिः
च॰	सृतायै	सृताभ्याम्	सृताभ्यः
पं॰	सृतायाः	सृताभ्याम्	सृताभ्यः
ष॰	सृतायाः	सृतयोः	सृतानाम्
स॰	सृतायाम्	सृतयोः	सृतासु
सं॰	हे सृते!	हे सृते!	हे सृताः!

(१६) व्यंजनान्त पुंलिङ्ग - 'मरुत्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	मरूत्,द्	मरूतौ	मरूतः
द्वि॰	मरूतम्	मरूतौ	मरूतः
तृ॰	मरूता	मरूद्भ्याम्	मरूद्भिः
च॰	मरूते	मरूद्भ्याम्	मरूद्भ्यः
पं॰	मरूतः	मरूद्भ्याम्	मरूद्भ्यः
ष॰	मरूतः	मरूतोः	मरूताम्
स॰	मरूति	मरूतोः	मरूत्सु
सं॰	हे मरूत्,द्!	हे मरूतौ!	हे मरूतः!

(१७) व्यंजनान्त नपुं. - 'जगत्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	जगत्,द्	जगती	जगन्ति
द्वि॰	जगत्,द्	जगती	जगन्ति
तृ॰	जगता	जगद्भ्याम्	जगद्भिः
च॰	जगते	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
पं॰	जगतः	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
ष॰	जगतः	जगतोः	जगताम्
स॰	जगति	जगतोः	जगत्सु
सं॰	हे जगत्,द्!	हे जगती!	हे जगन्ति!

(१८) व्यंजनान्त स्त्रीलिङ्ग - 'युध्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	युत्, द्	युधौ	युधः
द्वि॰	युधम्	युधौ	युधः
तृ॰	युधा	युद्भ्याम्	युद्भिः
च॰	युधे	युद्भ्याम्	युद्भ्यः
पं॰	युधः	युद्भ्याम्	युद्भ्यः
ष॰	युधः	युधोः	युधाम्
स॰	युधि	युधोः	युत्सु
सं॰	हे युत्,युद्!	हे युधौ!	हे युधः!

(१९) 'सर्व' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सर्वः	सर्वौ	सर्वे
द्वि॰	सर्वम्	सर्वौ	सर्वान्
तृ॰	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
च॰	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पं॰	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
ष॰	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
स॰	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु
सं॰	हे सर्व!	हे सर्वौ!	हे सर्वे!

(२०) 'सर्व' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
द्वि॰	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
तृ॰	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
च॰	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पं॰	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
ष॰	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
स॰	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु
सं॰	हे सर्व!	हे सर्वे!	हे सर्वाणि!

(२१) 'सर्वा' सर्वनाम - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सवा	सर्वे	सर्वाः
द्वि॰	सर्वाम्	सर्वे	सर्वाः
तृ॰	सर्वया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः
च॰	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
पं॰	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
ष॰	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्
स॰	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु
सं॰	हे सर्वे!	हे सर्वे!	हे सर्वाः!

(२२) 'किम्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कः	कौ	के
द्वि॰	कम्	कौ	कान्
तृ॰	केन	काभ्याम्	कैः
च॰	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पं॰	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः
ष॰	कस्य	कयोः	केषाम्
स॰	कस्मिन्	कयोः	केषु

(२३) 'किम्' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	किम्	के	कानि
द्वि॰	किम्	के	कानि
तृ॰	केन	काभ्याम्	कैः
च॰	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पं॰	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः
ष॰	कस्य	कयोः	केषाम्
स॰	कस्मिन्	कयोः	केषु

(२४) 'यद्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	का	के	काः
द्वि॰	काम्	के	काः
तृ॰	कया	काभ्याम्	काभिः
च॰	कस्यै	काभ्याम्	काभ्यः
पं॰	कस्याः	काभ्याम्	काभ्यः
ष॰	कस्याः	कयोः	कासाम्
स॰	कस्याम्	कयोः	कासु

(२५) 'यद्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	यः	यौ	ये
द्वि॰	यम्	यौ	यान्
तृ॰	येन	याभ्याम्	यैः
च॰	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पं॰	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
ष॰	यस्य	ययोः	येषाम्
स॰	यस्मिन्	ययोः	येषु

(२६) 'यद्' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	यद्	ये	यानि
द्वि॰	यद्	ये	यानि
तृ॰	येन	याभ्याम्	यैः
च॰	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पं॰	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
ष॰	यस्य	ययोः	येषाम्
स॰	यस्मिन्	ययोः	येषु

(२७) 'यद' सर्वनाम - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	या	ये	याः
द्वि॰	याम्	ये	याः
तृ॰	यया	याभ्याम्	याभिः
च॰	यस्यै	याभ्याम्	याभ्यः
पं॰	यस्याः	याभ्याम्	याभ्यः
ष॰	यस्याः	ययोः	यासाम्
स॰	यस्याम्	ययोः	यासु

(२८) 'एतद्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	एषः	एतौ	एते
द्वि॰	एतम्–एनम्	एतौ–एनौ	एतान्–एनान्
तृ॰	एतेन–एनेन	एताभ्याम्	एतैः
च॰	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
पं॰	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
ष॰	एतस्य	एतयोः–एनयोः	एतेषाम्
स॰	एतस्मिन्	एतयोः–एनयो	एतेषु

(२९) 'एतद्' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	एतद्	एते	एतानि
द्वि॰	एतद्–एनद्	एते–एने	एतानि–एनानि
तृ॰	एतेन–एनेन	एताभ्याम्	एतैः
च॰	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
पं॰	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
ष॰	एतस्य	एतयोः–एनयो	एतेषाम्
स॰	एतस्मिन्	एतयोः–एनयो	एतेषु

(३०) 'एतद्' सर्वनाम - स्त्रिलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	एषा	एते	एताः
द्वि॰	एताम्–एनाम्	एते–एने	एताः–एना
तृ॰	एतया–एनया	एताभ्याम्	एताभिः
च॰	एतस्यै	एताभ्याम्	एताभ्यः
पं॰	एतस्याः	एताभ्याम्	एताभ्यः
ष॰	एतस्याः	एतयोः–एनयोः	एतासाम्
स॰	एतस्याम्	एतयोः–एनयोः	एतासु

(३१) 'अदस्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	असौ	अमू	अमी
द्वि॰	अमुम्	अमू	अमून्
तृ॰	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः
च॰	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
पं॰	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
ष॰	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
स॰	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु

(३२) 'अदस्' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	अदः	अमू	अमूनि
द्वि॰	अदः	अमू	अमूनि
तृ॰	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः
च॰	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
पं॰	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
ष॰	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
स॰	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु

(३३) 'अदस्' सर्वनाम - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	असौ	अमू	अमूः
द्वि॰	अमूम्	अमू	अमूः
तृ॰	अमुया	अमूभ्याम्	अमूभिः
च॰	अमुष्यै	अमूभ्याम्	अमूभ्यः
पं॰	अमुष्या	अमूभ्याम्	अमूभ्यः
ष॰	अमुष्याः	अमुयोः	अमूषाम्
स॰	अमुष्याम्	अमुयोः	अमूषु

(३४) 'इदम्' सर्वनाम - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	अयम्	इमौ	इमे
द्वि॰	इमम्–एनम्	इमौ–एनौ	इमान्–एनान्
तृ॰	अनेन–एनेन	आभ्याम्	एभिः
च॰	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पं॰	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
ष॰	अस्य	अनयोः–एनयोः	एषाम्
स॰	अस्मिन्	अनयोः–एनयोः	एषु

(३५) 'इदम्' सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	इदम्	इमे	इमानि
द्वि॰	इदम्–एनद्	इमे–एने	इमानि–एनानि
तृ॰	अनेन–एनेन	आभ्याम्	एभिः
च॰	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पं॰	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
ष॰	अस्य	अनयोः–एनयोः	एषाम्
स॰	अस्मिन्	अनयोः–एनयोः	एषु

(३६) 'इदम्' सर्वनाम - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	इयम्	इमे	इमाः
द्वि॰	इमाम्–एनाम्	इमे–एने	इमाः–एनाः
तृ॰	अनया–एनया	आभ्याम्	आभिः
च॰	अस्यै	आभ्याम्	आभ्यः
पं॰	अस्याः	आभ्याम्	आभ्यः
ष॰	अस्याः	अनयोः–एनयोः	आसाम्
स॰	अस्याम्	अनयोः–एनयोः	आसु

(३७) 'किम्' सर्वनाम 'चित्' अव्यय साथे - पुंलिङ्ग

वे०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	कश्चित्	कौचित्	केचित्
द्वि०	कञ्चित्	कौचित्	कांश्चिद्
तृ०	केनचित्	काभ्याञ्चित्	कैश्चित्
च०	कस्मैचित्	काभ्याञ्चित्	केभ्यश्चित्
पं०	कस्माच्चित्	काभ्याञ्चित्	केभ्यश्चित्
ष०	कस्यचित्	कयोश्चित्	केषाञ्चित्
स०	कस्मिंश्चित्	कयोश्चित्	केषुचित्

(३८) 'किम्' सर्वनाम 'चित्' अव्यय साथे - नपुं.

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	किञ्चित्	केचित्	कानिचित्
द्वि०	किञ्चित्	केचित्	कानिचित्
तृ०	केनचित्	काभ्याञ्चित्	कैश्चित्
च०	कस्मैचित्	काभ्याञ्चित्	केभ्यश्चित्
पं०	कस्माच्चित्	काभ्याञ्चित्	केभ्यश्चित्
ष०	कस्यचित्	कयोश्चित्	केषाञ्चित्
स०	कस्मिंश्चित्	कयोश्चित्	केषुचित्

(३९) 'किम्' सर्वनाम 'चित्' अव्यय साथे - स्त्रीलिङ्ग

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	काचित्	केचित्	काश्चित्
द्वि०	काञ्चित्	केचित्	काश्चित्
तृ०	कयाचित्	काभ्याञ्चित्	काभिश्चित्
च०	कस्यैचित्	काभ्याञ्चित्	काभ्यश्चित्
पं०	कस्याश्चित्	काभ्याञ्चित्	काभ्यश्चित्
ष०	कस्याश्चित्	कयोश्चित्,	कासाञ्चित्
स०	कस्याञ्चित्	कयोश्चित्	कासुचित्

(४०) 'किम्' सर्वनाम 'चन' अव्यय साथे - पुंलिङ्ग

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	कश्चन	कौचन	केचन
द्वि०	कञ्चन	कौचन	कांश्चन
तृ०	केनचन	काभ्याञ्चन	कैश्चन
च०	कस्मैचन	काभ्याञ्चन	केभ्यश्चन
पं०	कस्माच्चन	काभ्याञ्चन	केभ्यश्चन
ष०	कस्यचन	कयोश्चन	केषाञ्चन
स०	कस्मिंश्चन	कयोश्चन	केषुचन

(४१) 'किम्' सर्वनाम 'चन' अव्यय साथे - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	किञ्चन	केचन	कानिचन
द्वि॰	किञ्चन	केचन	कानिचन
तृ॰	केनचन	काभ्याञ्चन	कैश्चन
च॰	कस्मैचन	काभ्याञ्चन	केभ्यश्चन
पं॰	कस्माच्चन	काभ्याञ्चन	केभ्यश्चन
ष॰	कस्यचन	कयोश्चन	केषाञ्चन
स॰	कस्मिंश्चन	कयोश्चन	केषुचन

(४२) 'किम्' सर्वनाम 'चन' अव्यय साथे - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	काचन	केचन	काश्चन
द्वि॰	काञ्चन	केचन	काश्चन
तृ॰	कयाचन	काभ्याञ्चन	काभ्यश्चन
च॰	कस्यैचन	काभ्याञ्चन	काभिश्चन
पं॰	कस्याश्चन	काभ्याञ्चन	काभ्यश्चन
ष॰	कस्याश्चन	कयोश्चन	कासाञ्चन
स॰	कस्याञ्चन	कयोश्चन	कासुचन

(४३) 'किम' सर्वनाम 'अपि' अव्यय साथे - पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कोऽपि	कावपि	कोऽपि
द्वि॰	कमपि	कावपि	कानपि
तृ॰	केनापि	काभ्यामपि	कैरपि
च॰	कस्मायपि	काभ्यामपि	केभ्योऽपि
पं॰	कस्मादपि	काभ्यामपि	केभ्योऽपि
ष॰	कस्यापि	कयोरपि	केषामपि
स॰	कस्मिन्नपि	कयोरपि	केष्वपि

(४४) 'किम्' सर्वनाम 'अपि' अव्यय साथे - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	किमपि	केऽपि	कान्यपि
द्वि॰	किमपि	केऽपि	कान्यपि
तृ॰	केनापि	काभ्यामपि	कैरपि
च॰	कस्मायपि	काभ्यामपि	केभ्योऽपि
पं॰	कस्मादपि	काभ्यामपि	केभ्योऽपि
ष॰	कस्यापि	कयोरपि	केषामपि
स॰	कस्मिन्नपि	कयोरपि	केष्वपि

(४५) 'किम्' सर्वनाम 'अपि' अव्यय साथे - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कापि	केऽपि	का अपि
द्वि॰	कामपि	केऽपि	का अपि
तृ॰	कयापि	काभ्यामपि	काभिरपि
च॰	कस्यायपि	काभ्यामपि	काभ्योऽपि
पं॰	कस्या अपि	काभ्यामपि	काभ्योऽपि
ष॰	कस्या अपि	कयोरपि	कासामपि
स॰	कस्यामपि	कयोरपि	कास्वपि

(४६) ह्रस्व इकारान्त पुंलिङ्ग - 'मुनि' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	मुनिः	मुनी	मुनयः
द्वि॰	मुनिम्	मुनी	मुनीन्
तृ॰	मुनिना	मुनिभ्याम्	मुनिभिः
च॰	मुनये	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
पं॰	मुनेः	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
ष॰	मुनेः	मुन्योः	मुनीनाम्
स॰	मुनौ	मुन्योः	मुनिषु
सं॰	हे मुने!	हे मुनी!	हे मुनयः!

(४७) ह्रस्व इकारान्त नपुं. - 'वारि' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	वारि	वारिणी	वारीणि
द्वि॰	वारि	वारिणी	वारीणि
तृ॰	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभिः
च॰	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
पं॰	वारिणः	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
ष॰	वारिणः	वारिणोः	वारीणाम्
स॰	वारिणि	वारिणोः	वारिषु
सं॰	हे वारे!वारि	हे वारिणी!	हे वारीणि!

(४८) ह्रस्व इकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'मति' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	मतिः	मती	मतयः
द्वि॰	मतिम्	मती	मतीः
तृ॰	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
च॰	मत्यै, मतये	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
पं॰	मत्याः, मतेः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
ष॰	मत्याः, मतेः	मत्योः	मतीनाम्
स॰	मत्याम्, मतौ	मत्योः	मतिषु
सं॰	हे मते!	हे मती!	हे मतयः!

(४९) ह्रस्व उकारान्त पुंलिङ्ग - 'भानु' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भानुः	भानू	भानवः
द्वि॰	भानुम्	भानू	भानून्
तृ॰	भानुना	भानुभ्याम्	भानुभिः
च॰	भानवे	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
पं॰	भानोः	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
ष॰	भानोः	भान्वोः	भानूनाम्
स॰	भानौ	भान्वोः	भानुषु
सं॰	हे भानो!	हे भानू!	हे भानवः

(५०) ह्रस्व उकारान्त नपुं. - 'मधु' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	मधु	मधुनी	मधूनि
द्वि॰	मधु	मधुनी	मधूनि
तृ॰	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभिः
च॰	मधुने	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
पं॰	मधुनः	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
ष॰	मधुनः	मधुनोः	मधूनाम्
स॰	मधुनि	मधुनोः	मधुषु
सं॰	हे मधो!	मधु!हे मधुनी!	हे मधूनि!

(५१) ह्रस्व उकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'धेनु' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	धेनुः	धेनू	धेनवः
द्वि॰	धेनुम्	धेनू	धेनूः
तृ॰	धेन्वा	धेनुभ्याम्	धेनुभिः
च॰	धेन्वै, धेनवे	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
पं॰	धेन्वाः, धेनोः	धेनुभ्याम्ः	धेनुभ्यः
ष॰	धेन्वाः, धेनोः	धेन्वोः	धेनूनाम्
स॰	धेन्वाम्, धेनौ	धेन्वोः	धेनुषु
सं॰	हे धेनो!	हे धेनू!	हे धेनवः!

(५२) दीर्घ ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'नदी' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नदी	नद्यौ	नद्यः
द्वि॰	नदीम्	नद्यौ	नदीः
तृ॰	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभिः
च॰	नद्यै	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
पं॰	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
ष॰	नद्याः	नद्योः	नदीनाम्
स॰	नद्याम्	नद्योः	नदीषु
सं॰	हे नदि!	हे नद्यौ!	हे नद्यः!

(५३) दीर्घ ऊकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'वधू' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वधूः	वध्वौ	वध्वः
द्वि०	वधूम्	वध्वौ	वधूः
तृ०	वध्वा	वधूभ्याम्	वधूभिः
च०	वध्वै	वधूभ्याम्	वधूभ्यः
पं०	वध्वाः	वधूभ्याम्	वधूभ्यः
ष०	वध्वाः	वध्वोः	वधूनाम्
स०	वध्वाम्	वध्वोः	वधूषु
सं०	हे वधु!	हे वध्वौ!	हे वध्वः!

(५४) कर्तरि वर्तमान कृदन्त - 'गच्छत्' (पुंलिङ्ग) गच्छ् + अ + अत् (शतृ)

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गच्छन्	गच्छन्तौ	गच्छन्तः
द्वि०	गच्छन्तम्	गच्छन्तौ	गच्छतः
तृ०	गच्छता	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भि
च०	गच्छते	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भ्य
पं०	गच्छतः	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भ्य
ष०	गच्छतः	गच्छतोः	गच्छताम्
स०	गच्छति	गच्छतोः	गच्छत्सु

(५५) कर्तरि वर्तमान कृदन्त - 'गच्छत्' (नपुं.)

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गच्छत्, गच्छद्	गच्छन्ती	गच्छन्ति
द्वि०	गच्छत्, गच्छद्	गच्छन्ती	गच्छन्ति
तृ०	गच्छता	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भिः
च०	गच्छते	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भ्यः
पं०	गच्छतः	गच्छद्भ्याम्	गच्छद्भ्यः
ष०	गच्छतः	गच्छतोः	गच्छताम्
स०	गच्छति	गच्छतोः	गच्छत्सु
सं०	हे गच्छत्,गच्छद्!	हे गच्छन्ती!	हे गच्छन्ति!

(५६) कर्तरि वर्तमान कृदन्त (स्त्रीलिङ्ग) (परस्मैपदमां अत् (शतृ) प्रत्ययान्त) गच्छत् +

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गच्छन्ती	गच्छन्त्यौ	गच्छन्त्यः
द्वि०	गच्छन्तीम्	गच्छन्त्यौ	गच्छन्तीः
तृ०	गच्छन्त्या	गच्छन्तीभ्याम्	गच्छन्तीभिः
च०	गच्छन्त्यै	गच्छन्तीभ्याम्	गच्छन्तीभ्यः
पं०	गच्छन्त्याः	गच्छन्तीभ्याम्	गच्छन्तीभ्यः
ष०	गच्छन्त्याः	गच्छन्त्योः	गच्छन्तीनाम्
स०	गच्छन्त्याम्	गच्छन्त्योः	गच्छन्तीषु
सं०	हे गच्छन्ति!	हे गच्छन्त्यौ!	हे गच्छन्त्य!

(५७) कर्तरि वर्तमान कृदन्त (आत्मने)पुं. 'ईक्षमाण' (ईक्ष+म+आन(आनश्))

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	ईक्षमाणः	ईक्षमाणौ	ईक्षमाणाः
द्वि॰	ईक्षमाणम्	ईक्षमाणौ	ईक्षमाणान्
तृ॰	ईक्षमाणेन	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणैः
च॰	ईक्षमाणाय	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणेभ्यः
पं॰	ईक्षमाणात्	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणेभ्यः
ष॰	ईक्षमाणस्य	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणानाम्
स॰	ईक्षमाणे	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणेषु
सं॰	हे ईक्षमाण!	हे ईक्षमाणौ!	हे ईक्षमाणाः!

(५८) कर्तरि वर्तमान कृदन्त (आत्मने) नपुं. - 'ईक्षमाण'

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	ईक्षमाणम्	ईक्षमाणे	ईक्षमाणानि
द्वि॰	ईक्षमाणम्	ईक्षमाणे	ईक्षमाणानि
तृ॰	ईक्षमाणेन	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणैः
च॰	ईक्षमाणाय	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणेभ्यः
पं॰	ईक्षमाणात्	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणेभ्यः
ष॰	ईक्षमाणस्य	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणानाम्
स॰	ईक्षमाणे	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणेषु
सं॰	हे ईक्षमाण!	हे ईक्षमाणे!	हे ईक्षमाणानि!

(५९) कर्तरि वर्तमान कृदन्त (आत्मने) स्त्रीलिङ्ग 'ईक्षमाणा'

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	ईक्षमाणा	ईक्षमाणे	ईक्षमाणाः
द्वि॰	ईक्षमाणाम्	ईक्षमाणे	ईक्षमाणाः
तृ॰	ईक्षमाणया	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणाभिः
च॰	ईक्षमाणायै	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणाभ्यः
पं॰	ईक्षमाणायाः	ईक्षमाणाभ्याम्	ईक्षमाणाभ्यः
ष॰	ईक्षमाणायाः	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणानाम्
स॰	ईक्षमाणायाम्	ईक्षमाणयोः	ईक्षमाणासु
सं॰	हे ईक्षमाणे!	हे ईक्षमाणे!	हे ईक्षमाणाः!

(६०) कर्मणि वर्तमान कृदन्त पुंलिङ्ग - 'गम्यमान' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	गम्यमानः	गम्यमानौ	गम्यमानाः
द्वि॰	गम्यमानम्	गम्यमानौ	गम्यमानान्
तृ॰	गम्यमानेन	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानैः
च॰	गम्यमानाय	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानेभ्यः
पं॰	गम्यमानात्	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानेभ्यः
ष॰	गम्यमानस्य	गम्यमानयोः	गम्यमानानाम्
स॰	गम्यमाने	गम्यमानयोः	गम्यमानेषु
सं॰	हे गम्यमान!	हे गम्यमानौ!	हे गम्यमानाः!

(६१) कर्मणि वर्तमान कृदन्त नपुं.- 'गम्यमान' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गम्यमानम्	गम्यमाने	गम्यमानानि
द्वि०	गम्यमानम्	गम्यमाने	गम्यमानानि
तृ०	गम्यमानेन	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानैः
च०	गम्यमानाय	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानेभ्यः
पं०	गम्यमानात्	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानेभ्यः
ष०	गम्यमानस्य	गम्यमानयोः	गम्यमानानाम्
स०	गम्यमाने	गम्यमानयोः	गम्यमानेषु
सं०	हे गम्यमान!	हे गम्यमाने!	हे गम्यमानानि!

(६२) कर्मणि वर्तमान कृदनत स्त्रीलिङ्ग 'गम्यमाना' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गम्यमाना	गम्यमाने	गम्यमानाः
द्वि०	गम्यमानाम्	गम्यमाने	गम्यमानाः
तृ०	गम्यमानया	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानाभि
च०	गम्यमानायै	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानाभ
पं०	गम्यमानायाः	गम्यमानाभ्याम्	गम्यमानाभ
ष०	गम्यमानायाः	गम्यमानयोः	गम्यमानाना
स०	गम्यमानायाम्	गम्यमानयोः	गम्यमानासु
सं०	हे गम्यमाने!	हे गम्यमाने!	हे गम्यमानाः

(६३) भावे वर्तमान कृदन्त (मात्र नपुं.) - 'प्रकाश्यमान'

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्रकाश्यमानम्	प्रकाश्यमाने	प्रकाश्यमानानि
द्वि०	प्रकाश्यमानम्	प्रकाश्यमाने	प्रकाश्यमानानि
तृ०	प्रकाश्यमानेन	प्रकाश्यमानाभ्याम्	प्रकाश्यमानैः
च०	प्रकाश्यमानाय	प्रकाश्यमानाभ्याम्	प्रकाश्यमानेभ्यः
पं०	प्रकाश्यमानात्	प्रकाश्यमानाभ्याम्	प्रकाश्यमानेभ्यः
ष०	प्रकाश्यमानस्य	प्रकाश्यमानयोः	प्रकाश्यमानानाम्
स०	*प्रकाश्यमाने*	*प्रकाश्यमानयोः*	*प्रकाश्यमानेषु*
सं०	हे प्रकाश्यमान!	हे प्रकाश्यमाने!	हे प्रकाश्यमानानि!

(६४) कर्तरि वर्तमान कृदन्त - ('अस' धातु) सत्- पुंलिङ्ग

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सन्	सन्तौ	सन्तः
द्वि०	सन्तम्	सन्तौ	सतः
तृ०	सता	सद्भ्याम्	सद्भिः
च०	सते	सद्भ्याम्	सद्भ्यः
पं०	सतः	सद्भ्याम्	सद्भ्यः
ष०	सतः	सतोः	सताम्
स०	*सति*	*सतोः*	*सत्सु*
सं०	हे सन्!	हे सन्तौ!	हे सन्तः!

(६५) कर्तरि वर्तमान कृदन्त ('अस्' धातु) सत् - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सत्, सद्	सती	सन्ति
द्वि॰	सत, सद्	सती	सन्ति
तृ॰	सता	सद्भ्याम्	सद्भि
च॰	सते	सद्भ्याम्	सद्भ्यः
पं॰	सतः	सद्भ्याम्	सद्भ्यः
ष॰	सतः	सतोः	सताम्
स॰	सति	सतोः	सत्सु
सं॰	हे सत्,सद्!	हे सती!	हे सन्ति!

(६६) कर्तरि वर्तमान कृदन्त ('अस्' धातु) सत्+ई = सती - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सती	सत्यौ	सत्यः
द्वि॰	सतीम्	सत्यौ	सतीः
तृ॰	सत्या	सतीभ्याम्	सतीभिः
च॰	सत्यै	सतीभ्याम्	सतीभ्यः
पं॰	सत्याः	सतीभ्याम्	सतीभ्यः
ष॰	सत्याः	सत्योः	सतीनाम्
स॰	सत्याम्	सत्योः	सतीषु
सं॰	हे सति!	हे सत्यौ!	हे सत्यः!

(६७) तवत् (क्तवतु) प्रत्ययान्त कर्तरिभूत कृदन्त-पुंलिङ्ग (नी+तवत्) 'नीतवत्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नीतवान्	नीतवन्तौ	नीतवन्तः
द्वि॰	नीतवन्तम्	नीतवन्तौ	नीतवतः
तृ॰	नीतवता	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भिः
च॰	नीतवते	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भ्यः
पं॰	नीतवतः	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भ्यः
ष॰	नीतवतः	नीतवतोः	नीतवताम्
स॰	नीतवति	नीतवतोः	नीतवत्सु
सं॰	हे नीतवन्!	हे नीतवन्तौ!	हे नीतवन्तः!

(६८) नपुं. - नीतवत् शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नीतवत्,नीतवद्	नीतवती	नीतवन्ति
द्वि॰	नीतवत्,नीतवद्	नीतवती	नीतवन्ति
तृ॰	नीतवता	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भि
च॰	नीतवते	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भ्यः
पं॰	नीतवतः	नीतवद्भ्याम्	नीतवद्भ्यः
ष॰	नीतवतः	नीतवतोः	नीतवताम्
स॰	नीतवति	नीतवतोः	नीतवत्सु
सं॰	हे नीतवत्,नीतवद्!	हे नीतवती!	हे नीतवन्ति!

(६९) स्त्रीलिङ्ग - नीतवत्+ई शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नीतवती	नीतवत्यौ	नीतवत्यः
द्वि॰	नीतवतीम्	नीतवत्यौ	नीतवतीः
तृ॰	नीतवत्या	नीतवतीभ्याम्	नीतवतीभिः
च॰	नीतवत्यै	नीतवतीभ्याम्	नीतवतीभ्यः
पं॰	नीतवत्याः	नीतवतीभ्याम्	नीतवतीभ्यः
ष॰	नीतवत्याः	नीतवत्योः	नीतवतीनाम्
स॰	नीतवत्याम्	नीतवत्योः	नीतवतीषु
सं॰	हे नीतवति!	हे नीतवत्यौ!	हे नीतवत्यः!

(७०) 'भवत्' (भवतु) सर्वनाम-पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भवान्	भवन्तौ	भवन्तः
द्वि॰	भवन्तम्	भवन्तौ	भवतः
तृ॰	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः
च॰	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
पं॰	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
ष॰	भवतः	भवतोः	भवताम्
स॰	भवति	भवतोः	भवत्सु
सं॰	हे भवन्!	हे भवन्तौ!	हे भवन्तः!

(७१) 'भवत्' (भवतु) सर्वनाम - नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भवत्, द्	भवती	भवन्ति
द्वि॰	भवत्, द्	भवती	भवन्ति
तृ॰	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः
च॰	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
पं॰	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
ष॰	भवतः	भवतोः	भवताम्
स॰	भवति	भवतोः	भवत्सु
सं॰	हे भवत्,द्!	हे भवती!	हे भवन्ति!

(७२) 'भवत्+ई' सर्वनाम-स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भवती	भवत्यौ	भवत्यः
द्वि॰	भवतीम्	भवत्यौ	भवतीः
तृ॰	भवत्या	भवतीभ्याम्	भवतीभिः
च॰	भवत्यै	भवतीभ्याम्	भवतीभ्यः
पं॰	भवत्याः	भवतीभ्याम्	भवतीभ्यः
ष॰	भवत्याः	भवत्योः	भवतीनाम्
स॰	भवत्याम्	भवत्योः	भवतीषु
सं॰	हे भवति!	हे भवत्यौ!	हे भवत्यः!

(७३) 'तव्य' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) पुंलिङ्ग - ''स्थातव्य'' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्थातव्यः	स्थातव्यौ	स्थातव्याः
द्वि०	स्थातव्यम्	स्थातव्यौ	स्थातव्यान्
तृ०	स्थातव्येन	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्यैः
च०	स्थातव्याय	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्येभ्यः
पं०	स्थातव्यात्	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्येभ्यः
ष०	स्थातव्यस्य	स्थातव्ययोः	स्थातव्यानाम्
स०	स्थातव्ये	स्थातव्ययोः	स्थातव्येषु
सं०	हे स्थातव्य।	हे स्थातव्यौ!	हे स्थातव्याः!

(७४) 'तव्य' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) नपुं. ''स्थातव्य'' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्थातव्यम्	स्थातव्ये	स्थातव्यानि
द्वि०	स्थातव्यम्	स्थातव्ये	स्थातव्यानि
तृ०	स्थातव्येन	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्यैः
च०	स्थातव्याय	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्येभ्यः
पं०	स्थातव्यात्	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्येभ्यः
ष०	स्थातव्यस्य	स्थातव्ययोः	स्थातव्यानाम्
स०	स्थातव्ये	स्थातव्ययोः	स्थातव्येषु
सं०	हे स्थातव्य!	हे स्थातव्ये!	हे स्थातव्यानि!

(७५) 'तव्य' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) स्त्रीलिङ्ग ''स्थातव्या'' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्थातव्या	स्थातव्ये	स्थातव्याः
द्वि०	स्थातव्याम्	स्थातव्ये	स्थातव्याः
तृ०	स्थातव्यया	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्याभिः
च०	स्थातव्यायै	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्याभ्यः
पं०	स्थातव्यायाः	स्थातव्याभ्याम्	स्थातव्याभ्यः
ष०	स्थातव्यायाः	स्थातव्ययोः	स्थातव्यानाम्
स०	स्थातव्यायाम्	स्थातव्ययोः	स्थातव्यासु
सं०	हे स्थातव्ये!	हे स्थातव्ये!	हे स्थातव्याः!

(७६) 'अनीय' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त)- पुंलिङ्ग 'कथनीय' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	कथनीयः	कथनीयौ	कथनीयाः
द्वि०	कथनीयम्	कथनीयौ	कथनीयान्
तृ०	कथनीयेन	कथनीयाभ्याम्	कथनीयैः
च०	कथनीयाय	कथनीयाभ्याम्	कथनीयेभ्यः
पं०	कथनीयात्	कथनीयाभ्याम्	कथनीयेभ्यः
ष०	कथनीयस्य	कथनीययोः	कथनीयानाम्
स०	कथनीये	कथनीययोः	कथनीयेषु
सं०	हे कथनीय!	हे कथनीयौ!	हे कथनीयाः!

(७७) 'अनीय' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) -नपुं. 'कथनीय' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कथनीयम्	कथनीये	कथनीयानि
द्वि॰	कथनीयम्	कथनीये	कथनीयानि
तृ॰	कथनीयेन	कथनीयाभ्याम्	कथनीयैः
च॰	कथनीयाय	कथनीयाभ्याम्	कथनीयेभ्यः
पं॰	कथनीयात्	कथनीयाभ्याम्	कथनीयेभ्यः
ष॰	कथनीयस्य	कथनीययोः	कथनीयानाम्
स॰	कथनीये	कथनीययोः	कथनीयेषु
सं॰	हे कथनीय!	हे कथनीये!	हे कथनीयानि!

(७८) 'अनीय' कृत्य प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्द) स्त्रीलिङ्ग 'कथनीया' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कथनीया	कथनीये	कथनीयाः
द्वि॰	कथनीयाम्	कथनीये	कथनीयाः
तृ॰	कथनीयया	कथनीयाभ्याम्	कथनीयाभिः
च॰	कथनीयायै	कथनीयाभ्याम्	कथनीयाभ्यः
पं॰	कथनीयायाः	कथनीयाभ्याम्	कथनीयाभ्यः
ष॰	कथनीयायाः	कथनीययोः	कथनीयानाम्
स॰	कथनीयायाम्	कथनीययोः	कथनीयासु
सं॰	हे कथनीये!	हे कथनीये!	हे कथनीयाः!

(७९) य (कृत्य) प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) -पुंलिङ्ग 'कार्य' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कार्यः	कार्यौ	कार्याः
द्वि॰	कार्यम्	कार्यौ	कार्यान्
तृ॰	कार्येण	कार्याभ्याम्	कार्यैः
च॰	कार्याय	कार्याभ्याम्	कार्येभ्यः
पं॰	कार्यात्	कार्याभ्याम्	कार्येभ्यः
ष॰	कार्यस्य	कार्ययोः	कार्याणाम्
स॰	कार्ये	कार्ययोः	कार्येषु
सं॰	हे कार्य!	हे कार्यौ!	हे कार्याः!

(८०) य (कृत्य) प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) - नपुं. 'कार्य' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कार्यम्	कार्ये	कार्याणि
द्वि॰	कार्यम्	कार्ये	कार्याणि
तृ॰	कार्येण	कार्याभ्याम्	कार्यैः
च॰	कार्याय	कार्याभ्याम्	कार्येभ्यः
पं॰	कार्यात्	कार्याभ्याम्	कार्येभ्यः
ष॰	कार्यस्य	कार्ययोः	कार्याणाम्
स॰	कार्ये	कार्ययोः	कार्येषु
सं॰	हे कार्य!	हे कार्ये!	हे कार्याणि!

(८१) य (कृत्य) प्रत्ययान्त (विध्यर्थकृदन्त) -स्त्रीलिङ्ग 'कार्या' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कार्या	कार्ये	कार्याः
द्वि॰	कार्याम्	कार्ये	कार्याः
तृ॰	कार्यया	कार्याभ्याम्	कार्याभिः
च॰	कार्यायै	कार्याभ्याम्	कार्याभ्यः
पं॰	कार्यायाः	कार्याभ्याम्	कार्याभ्यः
ष॰	कार्यायाः	कार्ययोः	कार्याणाम्
स॰	कार्यायाम्	कार्ययोः	कार्यासु
सं॰	हे कार्ये!	हे कार्ये!	हे कार्याः

(८२) 'तम (तमप्)' प्रत्ययान्त - पुंलिङ्ग 'शुक्लतम' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	शुक्लतमः	शुक्लतमौ	शुक्लतमाः
द्वि॰	शुक्लतमम्	शुक्लतमौ	शुक्लतमान्
तृ॰	शुक्लतमेन	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमैः
च॰	शुक्लतमाय	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमेभ्यः
पं॰	शुक्लतमात्	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमेभ्यः
ष॰	शुक्लतमस्य	शुक्लतमयो	शुक्लतमानाम्
स॰	शुक्लतमे	शुक्लतमयोः	शुक्लतमेषु
सं॰	हे शुक्लतम!	हे शुक्लतमौ!	हे शुक्लतमाः!

(८३) 'तम (तमप्)' प्रत्ययान्त - नपुं. 'शुक्लतम' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	शुक्लतमम्	शुक्लतमे	शुक्लतमानि
द्वि॰	शुक्लतमम्	शुक्लतमे	शुक्लतमानि
तृ॰	शुक्लतमेन	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमैः
च॰	शुक्लतमाय	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमेभ्यः
पं॰	शुक्लतमात्	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमेभ्यः
ष॰	शुक्लतमस्य	शुक्लतमयोः	शुक्लतमानाम्
स॰	शुक्लतमे	शुक्लतमयोः	शुक्लतमेषु
सं॰	हे शुक्लतम!	हे शुक्लतमे!	हे शुक्लतमानि!

(८४) 'तम (तमप्)' प्रत्ययान्त -स्त्रीलिङ्ग 'शुक्लतमा' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	शुक्लतमा	शुक्लतमे	शुक्लतमाः
द्वि॰	शुक्लतमाम्	शुक्लतमे	शुक्लतमाः
तृ॰	शुक्लतमया	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमाभिः
च॰	शुक्लतमायै	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमाभ्यः
पं॰	शुक्लतमायाः	शुक्लतमाभ्याम्	शुक्लतमाभ्यः
ष॰	शुक्लतमायाः	शुक्लतमयोः	शुक्लतमानाम्
स॰	शुक्लतमायाम्	शुक्लतमयोः	शुक्लतमासु
सं॰	हे शुक्लतमे!	हे शुक्लतमे!	हे शुक्लतमाः!

(८५) 'तर (तरप्)' प्रत्ययान्त- पुंलिङ्ग 'पटुतर' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटुतरः	पटुतरौ	पटुतराः
द्वि॰	पटुतरम्	पटुतरौ	पटुतरान्
तृ॰	पटुतरेण	पटुतराभ्याम्	पटुतरैः
च॰	पटुतराय	पटुतराभ्याम्	पटुतरेभ्यः
पं॰	पटुतरात्	पटुतराभ्याम्	पटुतरेभ्यः
ष॰	पटुतरस्य	पटुतरयोः	पटुतराणाम्
स॰	पटुतरे	पटुतरयोः	पटुतरेषु
सं॰	हे पटुतर!	हे पटुतरौ!	हे पटुतराः!

(८६) 'तर (तरप्)' प्रत्ययान्त - नपुं. 'पटुतर' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटुतरम्	पटुतरे	पटुतराणि
द्वि॰	पटुतरम्	पटुतरे	पटुतराणि
तृ॰	पटुतरेण	पटुतराभ्याम्	पटुतरैः
च॰	पटुतराय	पटुतराभ्याम्	पटुतरेभ्यः
पं॰	पटुतरात्	पटुतराभ्याम्	पटुतरेभ्यः
ष॰	पटुतरस्य	पटुतरयोः	पटुतराणाम्
स॰	पटुतरे	पटुतरयोः	पटुतरेषु
सं॰	हे पटुतर!	हे पटुतरे!	हे पटुतराणि!

(८७) 'तर (तरप्)' प्रत्ययान्त - स्त्रीलिङ्ग 'पटुतरा' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटुतरा	पटुतरे	पटुतराः
द्वि॰	पटुतराम्	पटुतरे	पटुतराः
तृ॰	पटुतरया	पटुतराभ्याम्	पटुतराभिः
च॰	पटुतरायै	पटुतराभ्याम्	पटुतराभ्यः
पं॰	पटुतरायाः	पटुतराभ्याम्	पटुतराभ्यः
ष॰	पटुतरायाः	पटुतरयोः	पटुतराणाम्
स॰	पटुतरायाम्	पटुतरयोः	पटुतरासु
सं॰	हे पटुतरे!	हे पटुतरे!	हे पटुतराः!

(८८) 'इष्ठ' प्रत्ययान्त - पुंलिङ्ग (पटु+इष्ठ) 'पटिष्ठ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटिष्ठः	पटिष्ठौ	पटिष्ठाः
द्वि॰	पटिष्ठम्	पटिष्ठौ	पटिष्ठान्
तृ॰	पटिष्ठेन	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठैः
च॰	पटिष्ठाय	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठेभ्यः
पं॰	पटिष्ठात्	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठेभ्यः
ष॰	पटिष्ठस्य	पटिष्ठयोः	पटिष्ठानाम्
स॰	पटिष्ठे	पटिष्ठयोः	पटिष्ठेषु
सं॰	हे पटिष्ठ!	हे पटिष्ठौ!	हे पटिष्ठाः!

(८९) 'इष्ठ' प्रत्ययान्त - नपुं. (पटु+इष्ठ) 'पटिष्ठ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटिष्ठम्	पटिष्ठे	पटिष्ठानि
द्वि॰	पटिष्ठम्	पटिष्ठे	पटिष्ठानि
तृ॰	पटिष्ठेन	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठैः
च॰	पटिष्ठाय	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठेभ्यः
पं॰	पटिष्ठात्	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठेभ्यः
ष॰	पटिष्ठस्य	पटिष्ठयोः	पटिष्ठानाम्
स॰	पटिष्ठे	पटिष्ठयोः	पटिष्ठेषु
सं॰	हे पटिष्ठ!	हे पटिष्ठे!	हे पटिष्ठानि!

(९०) 'इष्ठ' प्रत्ययान्त-स्त्रीलिङ्ग (पटिष्ठ+आ) 'पटिष्ठा' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पतिष्ठा	पटिष्ठे	पटिष्ठाः
द्वि॰	पटिष्ठाम्	पटिष्ठे	पटिष्ठाः
तृ॰	पटिष्ठया	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठाभिः
च॰	पटिष्ठायै	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठाभ्यः
पं॰	पटिष्ठायाः	पटिष्ठाभ्याम्	पटिष्ठाभ्यः
ष॰	पटिष्ठायाः	पटिष्ठयोः	पटिष्ठानाम्
स॰	पटिष्ठायाम्	पटिष्ठयोः	पटिष्ठासु
सं॰	हे पटिष्ठे!	हे पटिष्ठे!	हे पटिष्ठाः!

(९१) 'ईयस्' प्रत्ययान्त - पुंलिङ्ग 'पटीयस्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटीयान्	पटीयांसौ	पटीयांसः
द्वि॰	पटीयांसम्	पटीयांसौ	पटीयसः
तृ॰	पटीयसा	पटीयोभ्याम्	पटीयोभिः
च॰	पटीयसे	पटीयोभ्याम्	पटीयोभ्यः
पं॰	पटीयसः	पटीयोभ्याम्	पटीयोभ्यः
ष॰	पटीयसः	पटीयसोः	पटीयसाम्
स॰	पटीयसि	पटीयसोः	पटीयःसु,पटीयस्सु
सं॰	हे पटियन्!	हे पटीयांसौ!	हे पटीयांसः!

(९२) 'ईयस्' प्रत्ययान्त - नपुं. 'पटीयस्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटीयः	पटीयसी	पटीयांसि
द्वि॰	पटीयः	पटीयसी	पटीयांसि
तृ॰	पटीयसा	पटीयोभ्याम्	पटीयोभिः
च॰	पटीयसे	पटीयोभ्याम्	पटीयोभ्यः
पं॰	पटीयसः	पटीयोभ्याम्	पटीयोभ्यः
ष॰	पटीयसः	पटीयसोः	पटीयसाम्
स॰	पटीयसि	पटीयसोः	पटीयःसु,पटीयस्सु
सं॰	हे पटीयः!	हे पटीयसी!	हे पटीयांसि!

(९३) 'ईयस्' प्रत्ययान्त - स्त्रीलिङ्ग 'पटीयस्+ई' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पटीयसी	पटीयस्यौ	पटीयस्यः
द्वि॰	पटीयसीम्	पटीयस्यौ	पटीयसीः
तृ॰	पटीयस्या	पटीयसीभ्याम्	पटीयसीभिः
च॰	पटीयस्यै	पटीयसीभ्याम्	पटीयसीभ्यः
पं॰	पटीयस्याः	पटीयसीभ्याम्	पटीयसीभ्यः
ष॰	पटीयस्याः	पटीयस्योः	पटीयसीनाम्
स॰	पटीयस्याम्	पटीयस्योः	पटीयसीषु
सं॰	हे पटीयसि!	हे पटीयस्यौ!	हे पटीयस्यः!

(९४) 'महत्' विशेषण - पुंलिङ्ग 'महत्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	महान्	महान्तौ	महान्तः
द्वि॰	महान्तम्	महान्तौ	महतः
तृ॰	महता	महद्भ्याम्	महद्भिः
च॰	महते	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
पं॰	महतः	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
ष॰	महतः	महतोः	महताम्
स॰	महति	महतोः	महत्सु
सं॰	हे महन्!	हे महान्तौ!	हे महान्तः!

(९५) 'महत्' विशेषण - नपुं. 'महत्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	महत्, द्	महती	महान्ति
द्वि॰	महत्, द्	महती	महान्ति
तृ॰	महता	महद्भ्याम्	महद्भिः
च॰	महते	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
पं॰	महतः	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
ष॰	महतः	महतोः	महताम्
स॰	महति	महतोः	महत्सु
सं॰	हे महत्,द्!	हे महती!	हे महान्ति!

(९६) 'महत्' विशेषण - स्त्रीलिङ्ग 'महत्+ई' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	महती	महत्यौ	महत्यः
द्वि॰	महतीम्	महत्यौ	महतीः
तृ॰	महत्या	महतीभ्याम्	महतीभिः
च॰	महत्यै	महतीभ्याम्	महतीभ्यः
पं॰	महत्याः	महतीभ्याम्	महतीभ्यः
ष॰	महत्याः	महत्योः	महतीनाम्
स॰	महत्याम्	महत्योः	महतीषु
सं॰	हे महति!	हे महत्यौ!	हे महत्यः!

(९७) 'मत्' प्रत्ययान्त - पुंलिङ्ग 'धेनुमत्' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धेनुमान्	धेनुमन्तौ	धेनुमन्तः
द्वि०	धेनुमन्तम्	धेनुमन्तौ	धेनुमतः
तृ०	धेनुमता	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भिः
च०	धेनुमते	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भ्यः
पं०	धेनुमतः	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भ्यः
ष०	धेनुमतः	धेनुमतोः	धेनुमताम्
स०	धेनुमति	धेनुमतोः	धेनुमत्सु
सं०	हे धेनुमन्!	हे धेनुमन्तौ!	हे धेनुमन्तः!

(९८) 'मत्' प्रत्ययान्त - नपुं. 'धेनुमत्' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धेनुमत्,द्	धेनुमती	धेनुमन्ति
द्वि०	धेनुमत्,द्	धेनुमती	धेनुमन्ति
तृ०	धेनुमता	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भिः
च०	धेनुमते	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भ्यः
पं०	धेनुमतः	धेनुमद्भ्याम्	धेनुमद्भ्यः
ष०	धेनुमतः	धेनुमतोः	धेनुमताम्
स०	धेनुमति	धेनुमतोः	धेनुमत्सु
सं०	हे धेनुमत्,द्!	हे धेनुमती!	हे धेनुमन्ति!

(९९) 'मत्' प्रत्ययान्त - स्त्रीलिङ्ग 'धेनुमत्+ई' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धेनुमती	धेनुमत्यौ	धेनुमत्यः
द्वि०	धेनुमतीम्	धेनुमत्यौ	धेनुमतीः
तृ०	धेनुमत्या	धेनुमतीभ्याम्	धेनुमतीभिः
च०	धेनुमत्यै	धेनुमतीभ्याम्	धेनुमतीभ्यः
पं०	धेनुमत्याः	धेनुमतीभ्याम्	धेनुमतीभ्यः
ष०	धेनुमत्याः	धेनुमत्योः	धेनुमतीनाम्
स०	धेनुमत्याम्	धेनुमत्योः	धेनुमतीषु
सं०	हे धेनुमति!	हे धेनुमत्यौ!	हे धेनुमत्यः!

(१००) 'त्व' प्रत्ययान्त (मात्र)- नपुं. 'देवत्वम्' शब्द

वि०	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	देवत्वम्	देवत्वे	देवत्वानि
द्वि०	देवत्वम्	देवत्वे	देवत्वानि
तृ०	देवत्वेन	देवत्वाभ्याम्	देवत्वैः
च०	देवत्वाय	देवत्वाभ्याम्	देवत्वेभ्यः
पं०	देवत्वात्	देवत्वाभ्याम्	देवत्वेभ्यः
ष०	देवत्वस्य	देवत्वयोः	देवत्वानाम्
स०	देवत्वे	देवत्वयोः	देवत्वेषु
सं०	हे देवत्व!	हे देवत्वे!	हे देवत्वानि!

(१०१) 'ता' प्रत्ययान्त (मात्र) - स्त्रीलिङ्ग 'शुक्लता' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	शुक्लता	शुक्लते	शुक्लताः
द्वि॰	शुक्लताम्	शुक्लते	शुक्लताः
तृ॰	शुक्लतया	शुक्लताभ्याम्	शुक्लताभिः
च॰	शुक्लतायै	शुक्लताभ्याम्	शुक्लताभ्यः
पं॰	शुक्लतायाः	शुक्लताभ्याम्	शुक्लताभ्यः
ष॰	शुक्लतायाः	शुक्लतयोः	शुक्लतानाम्
स॰	शुक्लतायाम्	शुक्लतयोः	शुक्लतासु
सं॰	हे शुक्लते!	हे शुक्लते!	हे शुक्लताः!

(१०२) 'अन्' अंत पुंलिङ्ग - 'राजन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	राजा	राजानौ	राजानः
द्वि॰	राजानम्	राजानौ	राज्ञः
तृ॰	राज्ञा	राजभ्याम्	राजभिः
च॰	राज्ञे	राजभ्याम्	राजभ्यः
पं॰	राज्ञः	राजभ्याम्	राजभ्यः
ष॰	राज्ञः	राज्ञोः	राज्ञाम्
स॰	राज्ञि,राजनि	राज्ञोः	राजसु
सं॰	हे राजन्!	हे राजानौ!	हे राजानः!

(१०३) 'राजन्' शब्द - स्त्रीलिङ्ग - राज्ञी (राजन्+ई)

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	राज्ञी	राज्ञौ	राज्ञ्यः
द्वि॰	राज्ञीम्	राज्ञौ	राज्ञीः
तृ॰	राज्ञा	राज्ञीभ्याम्	राज्ञीभिः
च॰	राज्ञै	राज्ञीभ्याम्	राज्ञीभ्यः
पं॰	राज्ञ्याः	राज्ञीभ्याम्	राज्ञीभ्यः
ष॰	राज्ञ्याः	राज्ञ्योः	राज्ञीनाम्
स॰	राज्ञ्याम्	राज्ञ्योः	राज्ञीषु
सं॰	हे राज्ञि!	ळे राज्ञौ!	हे राज्ञ्यः!

(१०४) 'अन्' अंत - नपुं. 'दामन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	दाम	दाम्नी, दामनी	दामानि
द्वि॰	दाम	दाम्नी, दामनी	दामानि
तृ॰	दाम्ना	दामभ्याम्	दामभिः
च॰	दाम्ने	दामभ्याम्	दामभ्यः
पं॰	दाम्नः	दामभ्याम्	दामभ्यः
ष॰	दाम्नः	दाम्नोः	दाम्नाम्
स॰	दाम्नि,दामनि	दाम्नोः	दामसु
सं॰	हे दाम,दामन्!	हे दाम्नी,दामनी!	हे दामानि!

(१०५) 'अन्' अंत - स्त्रीलिङ्ग 'सीमन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	सीमा	सीमानौ	सीमानः
द्वि॰	सीमानम्	सीमानौ	सीम्नः
तृ॰	सीम्ना	सीमभ्याम्	सीमभिः
च॰	सीम्ने	सीमभ्याम्	सीमभ्यः
पं॰	सीम्नः	सीमभ्याम्	सीमभ्यः
ष॰	सीम्नः	सीम्नोः	सीम्नाम्
स॰	सीम्नि,सीमनि	सीम्नोः	सीमसु
सं॰	हे सीमन्!	हे सीमानौ!	हे सीमानः

(१०६) 'अन्' अंत - पुंलिङ्ग 'आत्मन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	आत्मा	आत्मानौ	आत्मानः
द्वि॰	आत्मानम्	आत्मानौ	आत्मनः
तृ॰	आत्मना	आत्मभ्याम्	आत्मभिः
च॰	आत्मने	आत्मभ्याम्	आत्मभ्यः
पं॰	आत्मनः	आत्मभ्याम्	आत्मभ्यः
ष॰	आत्मनः	आत्मनोः	आत्मनाम्
स॰	आत्मनि	आत्मनोः	आत्मसु
सं॰	हे आत्मन्!	हे आत्मानौ!	हे आत्मानः!

(१०७) 'अन्' अंत - नपुं. कर्मन्

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कर्म	कर्मणी	कर्माणि
द्वि॰	कर्म	कर्मणी	कर्माणि
तृ॰	कर्मणा	कर्मभ्याम्	कर्मभिः
च॰	कर्मणे	कर्मभ्याम्	कर्मभ्यः
पं॰	कर्मणः	कर्मभ्याम्	कर्मभ्यः
ष॰	कर्मणः	कर्मणोः	कर्मणाम्
स॰	कर्मणि	कर्मणोः	कर्मसु
सं॰	हे कर्म!कर्मन्!	हे कर्मणी!	हे कर्माणि!

(१०८) 'इन्' अंत - पुंलिङ्ग 'शशिन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	शशी	शशिनौ	शशिनः
द्वि॰	शशिनम्	शशिनौ	शशिनः
तृ॰	शशिना	शशिभ्याम्	शशिभिः
च॰	शशिने	शशिभ्याम्	शशिभ्यः
पं॰	शशिनः	शशिभ्याम्	शशिभ्यः
ष॰	शशिनः	शशिनोः	शशिनाम्
स॰	शशिनि	शशिनोः	शशिषु
सं॰	हे शशिन्!	हे शशिनौ!	हे शशिनः!

(१०९) 'इन्' अंत - नपुं. 'भाविन्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	भावि	भाविनी	भावीनि
द्वि॰	भावि	भाविनी	भावीनि
तृ॰	भाविना	भाविभ्याम्	भाविभिः
च॰	भाविने	भाविभ्याम्	भाविभ्यः
पं॰	भाविनः	भाविभ्याम्	भाविभ्यः
ष॰	भाविनः	भाविनोः	भाविनाम्
स॰	भाविनि	भाविनोः	भाविषु
सं॰	हे भावि!भाविन्!	हे भाविनी!	हे भावीनि!

(११०) 'इन्' अंत - स्त्रीलिङ्ग 'मायिनी' (मायिन्+ई)

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	मायिनी	मायिन्यौ	मायिन्यः
द्वि॰	मायिनीम्	मायिन्यौ	मायिनीः
तृ॰	मायिन्या	मायिनीभ्याम्	मायिनीभिः
च॰	मायिन्यै	मायिनीभ्याम्	मायिनीभ्यः
पं॰	मायिन्याः	मायिनीभ्याम्	मायिनीभ्यः
ष॰	मायिन्याः	मायिन्योः	मायिनीनाम्
स॰	मायिन्याम्	मायिन्योः	मायिनीषु
सं॰	हे मायिनि!	हे मायिन्यौ!	हे मायिन्यः!

(१११) 'अस्' अंत - पुंलिङ्ग 'चन्द्रमस्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	चन्द्रमाः	चन्द्रमसौ	चन्द्रमसः
द्वि॰	चन्द्रमसम्	चन्द्रमसौ	चन्द्रमसः
तृ॰	चन्द्रमसा	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभिः
च॰	चन्द्रमसे	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभ्यः
पं॰	चन्द्रमसः	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभ्यः
ष॰	चन्द्रमसः	चन्द्रमसोः	चन्द्रमसाम्
स॰	चन्द्रमसि	चन्द्रमसोः	चन्द्रमःसु,चन्द्रमस्सु
सं॰	हे चन्द्रमः!	हे चन्द्रमसौ!	हे चन्द्रमसः!

(११२) 'अस्' अंत -नपुं. 'पयस्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पयः	पयसी	पयांसि
द्वि॰	पयः	पयसी	पयांसि
तृ॰	पयसा	पयोभ्याम्	पयोभिः
च॰	पयसे	पयोभ्याम्	पयोभ्यः
पं॰	पयसः	पयोभ्याम्	पयोभ्यः
ष॰	पयसः	पयसोः	पयसाम्
स॰	पयसि	पयसोः	पयःसु,पयस्सु
सं॰	हे पयः!	हे पयसी!	हे पयांसि!

(११३) 'अस्' अंत - स्त्रीलिङ्ग 'अप्सरस्' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	अप्सराः	अप्सरसौ	अप्सरसः
द्वि॰	अप्सरसम्	अप्सरसौ	अप्सरसः
तृ॰	अप्सरसा	अप्सरोभ्याम्	अप्सरोभिः
च॰	अप्सरसे	अप्सरोभ्याम्	अप्सरोभ्यः
पं॰	अप्सरसः	अप्सरोभ्याम्	अप्सरोभ्यः
ष॰	अप्सरसः	अप्सरसोः	अप्सरसाम्
स॰	अप्सरसि	अप्सरसोः	अप्सरःसु,अपसरस्सु
सं॰	हे अप्सरः!	हे अप्सरसौ!	हे अप्सरसः!

(११४) 'वाच्' - स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	वाक्, वाग्	वाचौ	वाचः
द्वि॰	वाचम्	वाचौ	वाचः
तृ॰	वाचा	वाग्भ्याम्	वाग्भिः
च॰	वाचे	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः
पं॰	वाचः	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः
ष॰	वाचः	वाचोः	वाचाम्
स॰	वाचि	वाचोः	वाक्षु
सं॰	हे वाक्,वाग्!	हे वाचौ!	हे वाचः!

(११५) 'वणिज्' पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	वणिक्,वणिग्	वणिजौ	वणिजः
द्वि॰	वणिजम्	वणिजौ	वणिजः
तृ॰	वणिजा	वणिग्भ्याम्	वणिग्भिः
च॰	वणिजे	वणिग्भ्याम्	वणिग्भ्यः
पं॰	वणिजः	वणिग्भ्याम्	वणिग्भ्यः
ष॰	वणिजः	वणिजोः	वणिजाम्
स॰	वणिजि	वणिजोः	वणिक्षु
सं॰	हे वणिक्,वणिग्!	हे वणिजौ!	हे वणिजः!

(११६) 'आयुस्' नपुं.

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	आयुः	आयुषी	आयूंषि
द्वि॰	आयुः	आयुषी	आयूंषि
तृ॰	आयुषा	आयुर्भ्याम्	आयुर्भिः
च॰	आयुषे	आयुर्भ्याम्	आयुर्भ्यः
पं॰	आयुषः	आयुर्भ्याम्	आयुर्भ्यः
ष॰	आयुषः	आयुषोः	आयुषाम्
स॰	आयुषि	आयुषोः	आयुष्षु/आयुःषु
सं॰	हे आयुः!	हे आयुषी!	हे आयूंषि!

(११७) 'द्विष्' पुंलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	द्विट्, ड्	द्विषौ	द्विषः
द्वि॰	द्विषम्	द्विषौ	द्विषः
तृ॰	द्विषा	द्विड्भ्याम्	द्विड्भिः
च॰	द्विषे	द्विड्भ्याम्	द्विड्भ्यः
पं॰	द्विषः	द्विड्भ्याम्	द्विड्भ्यः
ष॰	द्विषः	द्विषोः	द्विषाम्
स॰	द्विषि	द्विषोः	द्विट्सु
सं॰	हे द्विट्, ड्!	हे द्विषौ!	हे द्विषः!

(११८) ऋकारान्त पुंलिङ्ग - 'पितृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	पिता	पितरौ	पितरः
द्वि॰	पितरम्	पितरौ	पितॄन्
तृ॰	पित्रा	पितृभ्याम्	पितृभिः
च॰	पित्रे	पितृभ्याम्	पितृभ्यः
पं॰	पितुः	पितृभ्याम्	पितृभ्यः
ष॰	पितुः	पित्रोः	पितॄणाम्
स॰	पितरि	पित्रोः	पितृषु
सं॰	हे पितः!	हे पितरौ!	हे पितरः!

(११९) ऋकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'मातृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	माता	मातरौ	मातरः
द्वि॰	मातरम्	मातरौ	मातॄः
तृ॰	मात्रा	मातृभ्याम्	मातृभिः
च॰	मात्रे	मातृभ्याम्	मातृभ्यः
पं॰	मातुः	मातृभ्याम्	मातृभ्यः
ष॰	मातुः	मात्रोः	मातॄणाम्
स॰	मातरि	मात्रोः	मातृषु
सं॰	हे मातः!	हे मातरौ!	हे मातरः!

(१२०) ऋकारान्त पुंलिङ्ग - 'नृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	ना	नरौ	नरः
द्वि॰	नरम्	नरौ	नॄन्
तृ॰	न्रा	नृभ्याम्	नृभि
च॰	न्रे	नृभ्याम्	नृभ्यः
पं॰	नुः	नृभ्याम्	नृभ्यः
ष॰	नुः	न्रोः	नॄणाम्/नृणाम्
स॰	नरि	न्रोः	नृषु
सं॰	हे नः!	हे नरौ!	हे नरः!

(१२१) ऋकारान्त स्त्रीलिङ्ग - 'स्वसृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	स्वसा	स्वसारौ	स्वसारः
द्वि॰	स्वसारम्	स्वसारौ	स्वसृ :
तृ॰	स्वस्त्रा	स्वसृभ्याम्	स्वसृभिः
च॰	स्वस्त्रे	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः
पं॰	स्वसुः	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः
ष॰	स्वसुः	स्वस्त्रोः	स्वसृणाम्
स॰	स्वसरि	स्वस्त्रोः	स्वसृषु
सं॰	हे स्वसः!	हे स्वसारौ!	हे स्वसारः!

(१२२) ऋकारान्त पुंलिङ्ग - 'नप्तृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नप्ता	नप्तारौ	नप्तारः
द्वि॰	नप्तारम्	नप्तारौ	नप्तॄन्
तृ॰	नप्त्रा	नप्तृभ्याम्	नप्तृभिः
च॰	नप्त्रे	नप्तृभ्याम्	नप्तृभ्यः
पं॰	नप्तुः	नप्तृभ्याम्	नप्तृभ्यः
ष॰	नप्तुः	नप्त्रोः	नप्तॄणाम्
स॰	नप्तरि	नप्त्रोः	नप्तृषु
सं॰	हे नप्तः!	हे नप्तारौ!	हे नप्तारः!

(१२३) तृ (तृच् के तृन्) प्रत्ययान्त-विशेषण - पुंलिङ्ग 'कर्तृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः
द्वि॰	कर्तारम्	कर्तारौ	कर्तॄन्
तृ॰	कर्त्रा	कर्तृभ्याम्	कर्तृभिः
च॰	कर्त्रे	कर्तृभ्याम्	कर्तृभ्यः
पं॰	कर्तुः	कर्तृभ्याम्	कर्तृभ्यः
ष॰	कर्तुः	कर्त्रोः	कर्तॄणाम्
स॰	कर्तरि	कर्त्रोः	कर्तृषु
सं॰	हे कर्तः!	हे कर्तारौ!	हे कर्तारः!

(१२४) तृ प्रत्ययान्त कृदन्त - नपुं. 'कर्तृ' शब्द

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कर्तृ	कर्तृणी	कर्तृणि
द्वि॰	कर्तृ	कर्तृणी	कर्तृणि
तृ॰	कर्तृणा	कर्तृभ्याम्	कर्तृभिः
च॰	कर्तृणे	कर्तृभ्याम्	कर्तृभ्यः
पं॰	कर्तृणः	कर्तृभ्याम्	कर्तृभ्यः
ष॰	कर्तृणः	कर्तृणोः	कर्तॄणाम्
स॰	कर्तृणि	कर्तृणोः	कर्तृषु
सं॰	हे कर्तः!कर्तृ!	हे कर्तृणी!	हे कर्तृणि!

(१२५) तृ प्रत्ययान्त कृदन्त-स्त्रीलिङ्ग 'कर्तृ' (कर्त्री) शब्द

वे॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	कर्त्री	कर्त्र्यौ	कर्त्र्यः
द्वि॰	कर्त्रीम्	कर्त्र्यौ	कर्त्रीः
तृ॰	कर्त्र्या	कर्त्रीभ्याम्	कर्त्रीभिः
च॰	कर्त्र्यै	कर्त्रीभ्याम्	कर्त्रीभ्यः
पं॰	कर्त्र्याः	कर्त्रीभ्याम्	कर्त्रीभ्यः
ष॰	कर्त्र्याः	कर्त्र्योः	कर्त्रीणाम्
स॰	कर्त्र्याम्	कर्त्र्योः	कर्त्रीषु
सं॰	हे कर्त्रि!	हे कर्त्र्यौ!	हे कर्त्र्यः!

(१२६) 'नौ' शब्द स्त्रीलिङ्ग

वि॰	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र॰	नौः	नावौ	नावः
द्वि॰	नावम्	नावौ	नावः
तृ॰	नावा	नौभ्याम्	नौभिः
च॰	नावे	नौभ्याम्	नौभ्यः
पं॰	नावः	नौभ्याम्	नौभ्यः
ष॰	नावः	नावोः	नावाम्
स॰	नावि	नावोः	नौषु
सं॰	हे नौः!	हे नावौ!	हे नावः!

संख्यादर्षक शब्दोना रूपो

(१२७) एक - शब्द पुंलिङ्ग

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
प्र॰	एकः	एके
द्वि॰	एकम्	एकान्
तृ॰	एकेन	एकैः
च॰	एकस्मै	एकेभ्यः
पं॰	एकस्मात्	एकेभ्यः
ष॰	एकस्य	एकेषाम्
स॰	एकस्मिन्	एकेषु

(१२८) एक - शब्द नपुं.

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
प्र॰	एकम्	एकानि
द्वि॰	एकम्	एकानि
तृ॰	एकेन	एकैः
च॰	एकस्मै	एकेभ्यः
पं॰	एकस्मात्	एकेभ्यः
ष॰	एकस्य	एकेषाम्
स॰	एकस्मिन्	एकेषु

(१२९) एक - शब्द स्त्रीलिङ्ग

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
प्र॰	एका	एकाः
द्वि॰	एकाम्	एकाः
तृ॰	एकया	एकाभिः
च॰	एकस्यै	एकाभ्यः
पं॰	एकस्याः	एकाभ्यः
ष॰	एकस्याः	एकासाम्
स॰	एकस्याम्	एकासु

(१३०) द्वि-शब्द (द्विवयनमां ज वपराय छे) त्रिलिङ्ग

वि॰	पुंलिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
प्र॰	द्वौ	द्वे	द्वे
द्वि॰	द्वौ	द्वे	द्वे
तृ॰	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
च॰	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
पं॰	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
ष॰	द्वयोः	द्वयोः	द्वयोः
स॰	द्वयोः	द्वयोः	द्वयोः

(१३१) त्रि - शब्द (बहुवयनमां ज वजयाय छे) त्रिलिङ्ग

वि॰	पुंलिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
प्र॰	त्रयः	तिस्त्रः	त्रीणि
द्वि॰	त्रीन्	तिस्त्रः	त्रीणि
तृ॰	त्रीभिः	तिसृभिः	त्रीभिः
च॰	त्रिभ्यः	तिसृभ्यः	त्रिभ्यः
पं॰	त्रिभ्यः	तिसृभ्यः	त्रिभ्यः
ष॰	त्रयाणाम्	तिसृणाम्	त्रयाणाम्
स॰	त्रिषु	तिसृषु	त्रिषु

(१३२) चतुर् - (चार) त्रिलिङ्ग

वि॰	पुंलिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
प्र॰	चत्वारः	चतस्त्रः	चत्वारि
द्वि॰	चतुरः	चतस्त्रः	चत्वारि
तृ॰	चतुर्भिः	चतसृभिः	चतुर्भिः
च॰	चतुर्भ्यः	चतसृभ्यः	चतुर्भ्यः
पं॰	चतुर्भ्यः	चतसृभ्यः	चतुर्भ्यः
ष॰	चतुर्णाम्	चतसृणाम्	चतुर्णाम्
स॰	चतुर्षु	चतसृषु	चतुर्षु

(१३३) पञ्चन् थी नवदशन् सुधी

वि॰	पञ्चन्	षष्	अष्टन्
प्र॰	पञ्च	षट्/षड्	अष्ट/अष्टौ
द्वि॰	पञ्च	षट्/षड्	अष्ट/अष्टौ
तृ॰	पञ्चभिः	षड्भिः	अष्टभिः/अष्टाभिः
च॰	पञ्चभ्यः	षड्भ्यः	अष्टभ्यः/अष्टाभ्यः
पं॰	पञ्चभ्यः	षड्भ्यः	अष्टभ्यः/अष्टाभ्यः
ष॰	पञ्चानाम्	षण्णाम्	अष्टानाम्/अष्टानाम्
स॰	पञ्चसु	षट्सु	अष्टसु/अष्टासु

(१३४)

वि॰	त्रिंशत्	षष्टि	शत
प्र॰	त्रिंशतः	षष्टयः	शतं
द्वि॰	त्रिंशतः	षष्टीः	शतं
तृ॰	त्रिंशद्भिः	षष्टिभिः	शतेन
च॰	त्रिंशद्भ्यः	षष्टिभ्यः	शताय
पं॰	त्रिंशद्भ्यः	षष्टिभ्यः	शतेभ्यः
ष॰	त्रिंशताम्	षष्टीनाम्	शतानाम्
स॰	त्रिंशत्सु	षष्टिषु	शतेषु

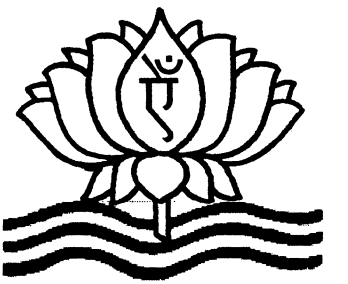

प्रसंगोपात

विभक्तियाँ

प्रंसोगापात् विभक्तिओं

पाठ	प्रसंगो	विभक्ति
पाठ – 20 नियम – 2	द्वितीया विभक्ति कर्म ने थाय छे	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 20 नियम – 3 (अ)	कर्ता क्रिया वडे खास प्राप्त करवाने इच्छे ज्या जवुं होय त्यां	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 20 नियम – 3 (आ)	जे कराय ते कर्म	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 20 नियम – 3 (इ)	क्रियानुं फळ जेमा होय, ते कर्म	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 25 नियम – 7	विना अव्यय साथे जोडाएला नामने द्वितीया विभक्ति थाय छे	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 34 नियम – 5	उपसर्ग पूर्वक, क्रुध्, द्रुह्, धातु होय तो जेने प्रत्ये कोप थाय ते कर्म	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 36 नियम – 3	क्रियाना विशेषणो नपुं एकवचनमा अने द्वितीया विभक्ति थाय छे	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 36 नियम – 4	धिक्, अन्तरेण, विगेरे अव्यय साथे वाला नामने द्वितीया विभक्ति थाय छे	द्वितीया विभक्ति
पाठ – 23 नियम – 1	तृतीया विभक्ति करण नें थाय छे	तृतीया विभक्ति
पाठ – 23 नियम – 3	जेना वडे क्रिया कराय ते करण	तृतीया विभक्ति
पाठ – 23 नियम – 4	सह अव्यय साथे जोडाएला नामने तृतीया विभक्ति थाय छे	तृतीया विभक्ति
पाठ – 25 नियम – 7	विना अव्यय साथे जोडाएला नामने तृतीया विभक्ति थाय छे	तृतीया विभक्ति
पाठ – 29.	हेतु नामने तृतीया विभक्ति थाय छे	तृतीया विभक्ति

प्रंसोगापात् विभक्तिओं

पाठ	प्रसंगो	विभक्ति
नियम –4(अ,आ)		
पाठ – 38.	अंग के स्वभाव ना विशेषणो ने	तृतीया विभक्ति
नियम – 3	तृतीया विभक्ति थाय छे	
पाठ – 38.	तुल्य अर्थवाला नामने	तृतीया विभक्ति
नियम – 4	तृतीया विभक्ति थाय छे	
पाठ – 42.	कृतम्, भवतु, अलम्, किम् निषेधात्मक अव्ययो	तृतीया विभक्ति
नियम – 5	साथे नामने तृतीया विभक्ति थाय छे	
पाठ – 24.	चतुर्थी विभक्ति संप्रदान ने थाय छे	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 3		
पाठ – 24.	जेने आपवामां आवे ते संप्रदान	चतुर्थी विभक्ति
निमय – 4		
पाठ – 24.	श्रद्धा, उपकार, किर्ती विगेरे थी संबंध करवामा	चतुर्थी विभक्ति
निमय – 4 (आ)	आवे ते संप्रदान	
पाठ – 24.	माटे, वास्ते, सारू, काजे, एवा अर्थमा संप्रदान	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 5	थाय छे	
पाठ – 24.	नमस् के स्वस्ति अव्यय साथे जोडाएला नामने	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 6	चतुर्थी विभक्ति थाय छे	
पाठ – 34.	स्पृह् धातुनु कर्म विकल्पे संप्रदान थाय छे	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 3		
पाठ – 34.	क्रोध, द्रुह्, इर्ष्या विगेरे ना अर्थमा संप्रदान	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 4	थाय छे	
पाठ – 34.	गमवुं अर्थवाला धातुओना योगमा, जेने गमे तेने	चतुर्थी विभक्ति
नियम – 6	चतुर्थी विभक्ति थाय छे	
पाठ – 25.	पंचमी विभक्ति अपादान ने थाय छे	पंचमी विभक्ति
नियम – 5		

प्रंसोगापात् विभक्तिओं

पाठ	प्रसंगो	विभक्ति
पाठ – 25. नियम – 6	जेनाथी छुटु पडवानुं होय ते अपादान	पंचमी विभक्ति
पाठ – 25. नियम – 7	विना अव्यय साथे जोडाएला नामने पंचमी विभक्ति थाय छे	पंचमी विभक्ति
पाठ – 29. नियम – 5	गुणवाचक हेतु नामने पंचमी विभक्ति थाय छे	पंचमी विभक्ति
पाठ – 29. नियम – 6	अमुक वस्तु लइने तेने बदले बीजी वस्तुने प्रति अव्यय ना योगमा पंचमी विभक्ति थाय छे	पंचमी विभक्ति
पाठ – 26. नियम – 4	नामनो बीजा नाम साथे संबंध होय त्यारे गौण नामने षष्ठी विभक्ति थाय छे	षष्ठी विभक्ति
पाठ – 38. निमय – 4	तुल्य अर्थवाला नाम साथे जोडाएला नामने षष्ठी विभक्ति थाय छे	षष्ठी विभक्ति
पाठ – 40. नियम – 10	सति सप्तमी थवाने प्रसंगे अनादर होय तो षष्ठी विभक्ति थाय छे	षष्ठी विभक्ति
पाठ – 26. नियम – 5	सप्तमी विभक्ति अधीकरण ने थाय छे	सप्तमी विभक्ति
पाठ – 26. नियम – 6	वस्तुनो आधार, रहेवानुं स्थान ते अधीकरण	सप्तमी विभक्ति
पाठ – 40. नियम – 9	जेनी क्रिया बीजानी क्रिया ने ओळखावती होय ते सप्तमी विभक्ति	सप्तमी विभक्ति
पाठ – 45. निमय – 7	समुदाय मांथी जुदु पाड्या विना जाति गुण विगेरेनी मुख्यताए बुद्धिथी जुदुं करवुं होय त्यारे पंचमी ने बदले षष्ठी के सप्तमी विभक्ति थाय छे	षष्ठी के सप्तमी विभक्ति थाय छे।

अर्थ सहित कृदन्त

क्रियापदावली :-

क्र.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भाव कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भाव भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वा.रू. एक वचन	पाठ क्रमांक
1.	नम् नमवुं	1	पर	नम्तुम् नमवा माटे	नत्वा नमीने	नमत् नमतो	नम्यमान नमातो	नम्यमान नमातो	नत नमायेलो	नत नमायेलो	नत नमायेलो	नम्तव्य,नमनीय,नम्य नमवा योग्य	नम्यते नमाय छे	1
2.	पठ् भणवुं	1	पर	पठितुम् भणवा माटे	पठित्वा भणीने	पठत् भणतो	पठ्यमान भणातो	पठ्यमान भणातो	पठित भणायेलो	पठित भणायेलो	पठित भणायेलो	पठितव्य,पठनीय,पाठ्य भणवुं जोइए	पठ्यते भणाय छे	1
3.	पत् पडवुं	1	पर	पतितुम् पडवा माटे	पतित्वा पडीने	पतत् पडतो	पत्यमान पडातो	पत्यमान पडातो	पतित पडायेलो	पतित पडायेलो	पतित पडायेलो	पतितव्य,पतनीय,पत्य पडवा योग्य	पत्यते पडाय छे	1
4.	रक्ष् रक्षवुं	1	पर	रक्षितुम् रक्षवा माटे	रक्षित्वा रक्षीने	रक्षत् रक्षण करतो	रक्ष्यमान रक्षण करातो	रक्ष्यमान रक्षण करातो	रक्षित रक्षण करायेलो	रक्षित रक्षण करायेलो	रक्षित रक्षण करायेलो	रक्षितव्य,रक्षणीय,रक्ष्य रक्षवुं जोइए	रक्ष्यते रक्षाय छे	3
5.	वद् बोलवुं	1	पर	वदितुम् बोलवा माटे	उदित्वा बोलीने	वदत् बोलतो	उद्यमान बोलातो	उद्यमान बोलातो	उदित बोलायेलो	उदित बोलायेलो	उदित बोलायेलो	वदितव्य,वदनीय,वाद्य बोलवुं जोइए	उद्यते बोलाय छे	3
6.	वस् वसवुं	1	पर	वस्तुम् रहेवा माटे	उषित्वा रहीने	वसत् वसतो,रहेतो	उष्यमाण वसातो,	उष्यमाण वसातो	उषित वसायेलो	उषित वसायेलो	उषित वसायेलो	वस्तव्य,वसनीय, वास्य वसवुं जोइए,रहेवा योग्य	उष्यते वसाय छे	3
7.	भण् भणवुं	1	पर	भणितुम् भणवा माटे	भणित्वा भणीने	भणत् भणतो	भण्यमान भणातो	भण्यमान भणातो	भणित भणायेलो	भणित भणायेलो	भणित भणायेलो	भणितव्य भणवा योग्य	भण्यते भणाय छे	

8.	खाद् खावुं	1	पर	खादितुम् खावा माटे	खादित्वा खाइने	खादत् खातो	खाद्यमान खवातो	खाद्यमान खवातो	खादितवत् खाधेलो	खादित खवायेलो	खादित खवायेलो	खादितव्य,खादनीय,खाद्य खावुं जोइए	खाद्यते खवाय छे	3
9.	दह् बळवुं बाळवुं	1	पर	दग्धुम् बळवां माटे	दग्ध्वा बळीने, बाळीने	दहत् बळतो, बाळतो	दह्यमान बळातो	दह्यमान बळातो	दग्धवत् बळेलो	दग्ध बळायेलो	दग्ध बळायेलो	दग्धव्य, दहनीय, दाह्य बळवुं जोइए,बाळवा योग्य	दह्यते बळाय छे	3
10.	अट् रखडवुं	1	पर	अटितुम् रखडवा माटे	अटित्वा रखडीने	अटत् रखडतो	अट्यमान रखडातो	अट्यमान रखडातो	अटितवत् रखडेलो	अटित रखडायेलो	अटित रखडायेलो	अटितव्य, अटनीय रखडवुं जोइए	अट्यते रखडाय छे	4
11.	अर्च् पूजवुं	1	पर	अर्चितुम पूजवा माटे	अर्चित्वा पूजीने	अर्चत् पूजा करतो	अर्च्यमान पूजा कराातो	अर्च्यमान पूजा करातो	अर्चितवत् पूजा करेलो	अर्चित पूजा करायेलो	अर्चित पूजा करायेलो	अर्चितव्य अर्चनीय पूजवा योग्य	अर्च्यते पूजा कराय छे	4
12.	चल् चालवुं	1	पर	चलितुम् चालवा माटे	चलित्वा चालीने	चलत् चालतो	चल्यमान चलातो	चल्यमान चलातो	चलितवत् चालेलो	चलित चलायेलो	चलित चलायेलो	चलितव्य चलनीय चालवा योग्य	चल्यते चलाय छे	4
13.	चर् फरवुं	1	पर	चरितुम् फरवा माटे	चरित्वा फरीने	चरत् चरतो,फरतो	चर्यमाण चरातो,फरातो	चर्यमाण चरातो,फरातो	चरितवत् चरेलो	चरित चरायेलो	चरित चरायेलो	चरितव्य, चरणीय चरवा योग्य	चर्यते चराय छे	4
14.	जीव् जीववुं	1	पर	जीवितुम् जीवा माटे	जीवित्वा जीवीने	जीवत् जीवतो	जीव्यमान आजीविका चलावातो	जीव्यमान जीवातो	जीवितवत् जीवेलो	जीवित जीवायेलो	जीवित जीवायेलो	जीवितव्य,जीवनीय,जीव्य जीववा योग्य	जीव्यते जीवाय छे	5
15.	त्यज् छोडवुं	1	पर	त्यक्तुम छोडवा माटे	त्यक्त्वा छोडीने	त्यजत् छोडतो,त्यजतो	त्यज्यमान त्यजातो	त्यज्यमान त्यजातो	त्यक्तवत् त्यजेलो	त्यक्त त्यजायेलो	त्यक्त त्यजायेलो	त्यक्तव्य,त्यजनीय,त्याज्य त्यजवा योग्य	त्यज्यते त्यजाय छे	5
16.	क्षर् पडवुं, खरवुं	1	पर	क्षरितुम् खरवा माटे पडवा माटे	क्षरित्वा खरीने पडीने	क्षरत् खरतो पडतो	क्षर्यमाण खरातो पडातो	क्षर्यमाण खरातो	क्षरितवत् खरेलो	क्षरित खरायेलो	क्षरित खरायेलो	क्षरितव्य पडवा योग्य	क्षर्यते खराय छे	5

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वे.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
17.	क्रीड् रमवुं	1	पर	क्रीडितुम् रमवा माटे	क्रीडित्वा रमीने	क्रीडत् रमतो क्रीडा करतो	क्रीड्यमान क्रीडा करातो	क्रीड्यमान क्रीडा करातो	क्रीडितवत् क्रीडा करेलो	क्रीडित क्रीडा करायेलो	क्रीडित क्रीडा करायेलो	क्रीडितव्य, क्रीडनीय रमवा योग्य	क्रीड्यते क्रीडा कराय छे	7
18.	जप् जपवुं	1	पर	जपितुम् जपवा माटे	जपित्वा जपीने	जपत् जपतो, जाप करतो	जप्यमान जाप करातो जपातो	जप्यमान जाप करातो जपातो	जपितवत् जाप करेलो	जपित जाप करायेलो	जपित जाप करायेलो	जपितव्य, जपनीय जपवा योग्य	जप्यते जपाय छे	7
19.	जिम् जमवुं	1	पर	जेमितुम जमवा माटे	जेमित्वा जमीने	जेमत् जमतो	जिम्यमान जमातो	जिम्यमान जमातो	जेमितवत् जमेलो	जेमित खवायेलो	जेमित खवायेलो	जेमितव्य,जेमनीय,जिम्य जमवा योग्य	जिम्यते खवाय छे	7
20.	निन्द् निन्दा करवो	1	पर	निन्दितुम् निन्दा करवा माटे	निन्दित्वा निन्दा करीने	निन्दत् निन्दा करतो	निन्द्यमान निन्दा करातो	निन्द्यमान निन्दा करातो	निन्दितवत् निन्दा करेलो	निन्दित निन्दा करायेलो	निन्दित निन्दा करायेलो	निन्दितव्य,निन्दनीय,निन्द्य निन्द्वा योग्य	निन्द्यते निन्दा कराय छे	7
21.	वृष् वरसवुं	1	पर	वर्षितुम् वरसवा माटे	वर्षित्वा,वृष्ट्वा वरसीने	वर्षत् वरसतो	वृष्यमाण वरसातो	वृष्यमाण वरसातो	वृष्टवत् वरसेलो	वृष्ट वरसायेलो	वृष्ट वरसायेलो	वर्षितव्य,वर्षणीय,वृष्य वरसवा योग्य	वृष्यते वरसाय छे	7
22.	शुच् शोक	1	पर	शोचितुम् शोक	शोचित्वा शोक करीने	शोचत् शोक करतो	शुच्यमान शोक करातो	शुच्यमान शोक करातो	शोचितवत् शोक करेलो	शोचित,शुचित शोक	शोचित,शुचित शोक	शोचितव्य,शोचनीय,शोच्य शोक करवो जोइए	शुच्यते शोक	7

	करवो			करवा माटे						करायेलो	करायेलो		कराय छे	
23.	जि. जीतवुं	1	पर	जेतुम् जीतवा माटे	जित्वा जीतिने	जयत् जीततो	जीयमान जीतातो	जीयमान जीतातो	जितवत् जीतेलो	जित जीतायेलो	जित जीतायेलो	जेतव्य, जयनीय, जेय जीतवा योग्य	जीयते जीताय छे	8
24.	तॄ तरवुं	1	पर	तरीतुम् तरवा माटे	तीर्त्वा तरीने	तरत् तरतो	तीर्यमाण तरातो	तीर्यमाण तरातो	तीर्णवत् तरेलो	तीर्ण तरायेलो	तीर्ण तरायेलो	तरितव्य,तरीतव्य,तरणीय तरवा योग्य	तीर्यते तराय छे	8
25.	धाव् दोडवुं	1	पर	धावितुम् दोडवा माटे	धावित्वा दोडीने	धावत् दोडतो	धाव्यमान दोडातो	धाव्यमान दोडातो	धावितवत् दोडेलो	धावित दोडायेलो	धावित दोडायेलो	धावितव्य,धावनीय,धाव्य दोडवा योग्य	धाव्यते दोडाय छे	8
26.	भू थवुं	1	पर	भवितुम् थवा माटे	भूत्वा थइने	भवत् थतो	भूयमान थवातो	भूयमान थवातो	भूतवत् थयेलो	भूत थवायेलो	भूत थवायेलो	भवितव्य, भवनीय, भव्य थवा योग्य	भूयते थवाय छे	8
27.	सृ खसवुं	1	पर	सर्तुम् सरकवा माटे	सृत्वा सरकीने	सरत् सकरतो	स्रियमाण सरकातो	स्रियमाण सरकातो	सृतवत् सरकेलो	सृत सरकायेलो	सृत सरकायेलो	सर्तव्य, सरणीय, सार्य खसवुं जोइए	स्रियते सरकाय छे	8
28.	स्मृ संभाळवुं	1	पर	स्मर्तुम् याद करवा माटे	स्मृत्वा याद करीने	स्मरत् याद करतो	स्मर्यमाण याद कराता	स्मर्यमाण याद कराता	स्मृतवत् याद करेलो	स्मृत याद करायेलो	स्मृत याद करायेलो	स्मर्तव्य,स्मरणीय,स्मार्य याद करवा योग्य	स्मर्यते याद कराय छे	8
29.	क्षि क्षय थवुं	1	पर	क्षेतुम् क्षयथवा माटे	क्षित्वा क्षय थइने	क्षयत् क्षय थतो	क्षीयमाण क्षय थवातो	क्षीयमाण क्षय थवातो	क्षितवत्,क्षीणवत् क्षय थयेलो	क्षित, क्षीण क्षय थवायेलो	क्षीण, क्षित क्षय थवायेलो	क्षेतव्य, क्षयणीय क्षय थवा योग्य	क्षीयते क्षयथवायछे	8
30.	कुप् कोप करवो	4	पर	कोपितुम् कोप करवा माटे	कोपित्वा,कुपित्वा कोप करीने	कुप्यत् कोप करतो	कुप्यमान कोप कराता	कुप्यमान कोप कराता	कुपितवत् कोप करेलो	कुपित कोप करायेलो	कुपित कोप करायेलो	कोपितव्य, कोपनीय कोप करवा योग्य	कुप्यते कोप कराय छे	9
31.	क्रुध् क्रोध	4	पर	क्रोद्धुम् क्रोध	क्रुद्धवा क्रोध करीने	क्रुध्यत् क्रोध करतो	क्रुध्यमान क्रोध कराता	क्रुध्यमान क्रोध कराता	क्रुद्धवत् क्रोध करेलो	क्रुद्ध क्रोध	क्रुद्ध क्रोध	क्रोधितव्य, क्रोधनीय क्रोध करवा योग्य	क्रुध्यते क्रोध	9

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि द्वि.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
	करवो			करवा माटे						करायेलो	करायेलो		कराय छे	
32.	तुष् खुश थवुं	4	पर	तोष्टुम् खुश थवा माटे	तुष्ट्वा खुश थइने	तुष्यत् खुश थतो	तुष्यमाण खुश थवातो	तुष्यमाण खुश थवातो	तुष्टवत् खुश थयेलो	तुष्ट खुश थवायेलो	तुष्ट खुश थवायेलो	तोष्टव्य, तोषणीय, तोष्य खुश थवा योग्य	तुष्यते खुश थवाय छे	9
33.	नश् नष्ट थवुं	4	पर	नशितुम्,नंष्टुम नष्ट थवा माटे	नशितुम्,नंष्ट्वा नष्ट थइने	नश्यत् नष्ट थतो	नश्यमान नष्ट थवातो	नश्यमान नष्ट थवातो	नष्टवत् नष्ट थयेलो	नष्ट नष्ट थवायेलो	नष्ट नष्ट थवायेलो	नशितव्य,नष्टव्य,नाश्य नष्ट थवा योग्य	नश्यते नाश थवाय छे	9
34.	नृत् नाचवुं	4	पर	नर्तितुम् नाचवा माटे	नर्तित्वा नाचीने	नृत्यत् नाचतो	नृत्यमान नचातो	नृत्यमान नचातो	नृत्तवत् नाचेलो	नृत्त नचायेलो	नृत्त नचायेलो	नर्तितव्य,नर्तनीय,नर्त्य नाचवा योग्य	नृत्यते नचाय छे	9
35.	पुष् पोषण करवुं	4	पर	पोष्टुम् पोषवा माटे	पुष्ट्वा पोषीने	पुष्यत् पोषतो	पुष्यमाण पोषातो	पुष्यमाण पोषातो	पुष्टवत् पोषेलो	पुष्ट पोषायेलो	पुष्ट पोषायेलो	पोष्टव्य,पोषणीय,पोष्य पोषण करवा योग्य	पुष्यते पोषाय छे	9
36. —	मुह् मोहावुं	4	पर	मोहितुम्, मोढुम्,मोग्धुम् मोहावा माटे	मोहित्वा,मुहित्वा मुग्ध्वा,मढ्वा मोहाइने	मुह्यत् मोहातो	मुह्यमान मोहावातो	मुह्यमान मोहावातो	मुग्धवत्, मुठवत् मोहेलो	मुग्ध, मुढ मोहायेलो	मुग्ध, मुढ मोहायेलो	मोहितव्य, मोहनीय,मोह्य मोहावा योग्य	मुह्यते मोहाय छे	9
37. —	लुट् लोटवुं	4	पर	लोटितुम् आळोटवा माटे	लोटित्वा, लुटित्वा आळोटीने	लुट्यत् आळोटतो	लुट्यमान आळोटातो	लुट्यमान आळोटातो	लुटितवत्, लोटितवत् आळोटेलो	लोटित, लुटित आळोटायेलो	लोटित, लुटित आळोटायेलो	लोटितव्य, लोटनीय, लोट्य आळोटवा योग्य	लुट्यते आळोटाय छे	9

38.	लुभ्	4	पर	लोभितुम्, लोब्धुम्	लोभित्वा, लुभित्वा,लुब्ध्वा	लुभ्यत्	लुभ्यमान	लुभ्यमान	लुब्धवत्	लुब्ध	लुब्ध	लोभितव्य,लोभनीय,लोभ्य	लुभ्यते	9
–	लोभ करवो			लोभ करवा माटे	लोभ करीने	लोभ करतो	लोभ करातो	लोभ करातो	लोभ करेलो	लोभ करायेलो	लोभ करायेलो	लोभ करवा योग्य	लोभ कराय छे	
39.	क्षुभ्	4	पर	क्षोभितुम्	क्षोभित्वाक्षुभित्वा	क्षुभ्यत्	क्षुभ्यमाण	क्षुभ्यमाण	क्षुभितवत्,क्षुब्धवत्	क्षुभित,क्षुब्ध	क्षुभित,क्षुब्ध	क्षोभितव्य, क्षोभ्य	क्षुभ्यते	9
–	गभरावुं			गभरावा माटे	गभराईने	गभरातो	गभरावातो	गभरावातो	गभरायेलो	गभरावायेलो	गभरावायेलो	गभरावा योग्य	गभराय छे	
40.	मिल्	6	पर	मेलितुम्	मेलित्वा	मिलत्	मिल्यमान	मिल्यमान	मिलितवत्	मिलित	मिलित	मेलितव्य, मेल्य	मिल्यते	10
–	मळवुं			मळवा माटे	मळीने	मळतो	मळातो	मळातो	मळेलो	मळायेलो	मळायेलो	मळवा योग्य	मळाय छे	
41.	लिख्	6	पर	लेखितुम्	लेखित्वा	लिखत्	लिख्यमान	लिख्यमान	लिखितवत्	लिखित	लिखित	लेखितव्य, लेख्य	लिख्यते	10
–	लखवुं			लखवा माटे	लखीने	लखतो	लखातो	लखातो	लखेलो	लखायेलो	लखायेलो	लखवा योग्य	लखाय छे	
42.	सृज्	6	पर	स्रष्टुम्	सृष्ट्वा	सृजत्	सृज्यमान	सृज्यमान	सृष्टवत्	सृष्ट	सृष्ट	स्रष्टव्य, सर्जनीय, सृज्य	सृज्यते	10
–	सर्जन करवुं			रचवा माटे	रचना करीने	रचतो	रचातो	रचातो	रचेलो	रचायेलो	रचायेलो	रचवा योग्य	रचाय छे	
43.	स्पृश्	6	पर	स्पर्ष्टुम्,स्प्रष्टुम्	स्पृष्ट्वा	स्पृशत्	स्पृष्यमान	स्पृश्यमान	स्पृष्टवत्	स्पृष्ट	स्पृष्ट	स्पष्टव्य,स्पर्ष्टव्य,स्पृश्य	स्पृश्यते	10
–	स्पर्श करवो			अडकवा माटे	अडकीने	स्पर्श करतो	स्पर्श कराातो	स्पर्श करातो	स्पर्श करेलो	स्पर्श करायेलो	स्पर्श करायेलो	स्पर्श करवा योग्य	स्पर्श कराय छे	
44.	स्फुट्	6	पर	स्फुटितुम्	स्फुटित्वा	स्फुटत्	स्फुट्यमान	स्फुट्यमान	स्फुटितवत्	स्फुटित	स्फुटित	स्फुटितव्य	स्फुट्यते	10
–	स्फुटवु खिलवुं			स्फुटवा माटे	स्फुटिने	स्फुटतो	स्फुटातो	स्फुटातो	स्फुटेलो	स्फुटायेलो	स्फुटायेलो	खीलवा योग्य	स्फुटाय छे	
45.	स्फुर्	6	पर	स्फुरितुम्	स्फुरित्वा	स्फुरत्	स्फुर्यमाण	स्फुर्यमाण	सुरितवत्	स्फुरित	स्फुरित	स्फुरितव्य,स्फुरणीय,स्फोर्य	स्फुर्यते	10
–	कंपवुं फरकवुं			फरकवा माटे	फरकीने	फरकतो	फरकातो	फरकातो	फरकेलो	फरकायेलो	फरकायेलो	फरकवा योग्य	फरकाय छे	

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि तृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
46. –	चिन्त् चिन्ता करवी	10	पर	चिन्तयितुम् चिन्ता करवा माटे	चिन्तयित्वा चिन्ता करीने	चिन्तयत् चिन्ता करतो	चिन्त्यमान चिन्ता कराती	चिन्त्यमान चिन्ता कराती	चिन्तितवत् चिन्ता करेलो	चिन्तित चिन्ता करायेलो	चिन्तित चिन्ता करायेलो	चिन्तयितव्य,चिन्तनीय,चिन्त्य चिन्ता करवा योग्य	चिन्त्यते चिन्ता कराय छे	11
47. –	दण्ड् दण्ड करवो	10	पर	दण्डयितुम् दण्ड करवा माटे	दण्डयित्वा दण्ड करीने	दण्डयत् दण्ड करतो	दण्ड्यमान दण्ड कराती	दण्ड्यमान दण्ड कराती	दण्डितवत् दण्ड करेलो	दण्डित दण्ड करायेलो	दण्डित दण्ड करायेलो	दण्डयितव्य,दण्डनीय,दण्ड्य दण्ड करवा योग्य	दण्ड्यते दण्ड कराय छे	11
48. –	पीड् पीडवुं	10	पर	पीडयितुम् पीडवा माटे	पीडयित्वा पीडीने	पीडयत् पीडतो	पीड्यमान पीडाती	पीड्यमान पीडाती	पीडितवत् पीडेलो	पीडित पीडायेलो	पीडित पीडायेलो	पीडयितव्य,पीडनीय,पीड्य पीडा करवा योग्य	पीड्यते पीडाय छे	11
49. –	पूज् पूजवुं	10	पर	पूजयितुम् पूजवा माटे	पूजयित्वा पूजीने	पूजयत् पूजतो	पूज्यमान पूजाती	पूज्यमान पूजाती	पूजितवत् पूजेलो	पूजित पूजायेलो	पूजित पूजायेलो	पूजयितव्य,पूजनीय,पूज्य पूजवा योग्य	पूज्यते पूजाय छे	11
50. –	वर्ण् रंगवुं	10	पर	वर्णयितुम् रंगवा माटे	वर्णयित्वा रंगीने	वर्णयत् रंगतो	वर्ण्यमान रंगाती	वर्ण्यमान रंगाती	वर्णितवत् रंगेलो	वर्णित रंगायेलो	वर्णित रंगायेलो	वर्णयितव्य,वर्णनीय,वर्ण्य रंगवा योग्य	वर्ण्यते रंगाय छे	11
51. –	सान्त्व् खुश करवुं शांत करवुं	10	पर	सान्त्वयितुम् खुश करवा माटे	सान्त्वयित्वा खुश करीने	सान्त्वयत् खुश करतो	सान्त्व्यमान खुश कराती	सान्त्व्यमान खुश कराती	सान्त्वितवत् खुश करेलो	सान्त्वित खुश करायेलो	सान्त्वित खुश करायेलो	सान्त्वयितव्य,सान्त्वनीय,सान्त्व्य खुश करवा योग्य	सान्त्व्यते खुश कराय छे	11

52. –	चुर् चोरवु.	10	पर	चोरयितुम् चोरवा माटे	चोरयित्वा चोरीने	चोरयत् चोरी करतो	चोर्यमाण चोरी कराती	चोर्यमाण चोरी कराती	चोरितवत् चोरी करेलो	चोरित चोरी करायेलो	चोरित चोरी करायेलो	चोरयितव्य,चोरणीय,चोर्य .चोरी करवा योग्य	चोर्यते चोरी करायछे	12
53. –	घुष् गोखवु	10	पर	घोषयितुम् गोखवा माटे	घोषयित्वा गोखीने	घोषयत् गोखतो	घोष्यमाण गोखातो	घोष्यमाण गोखाती	घोषितवत् गोखेलो	घोषित गोखायेलो	घोषित गोखायेलो	घोषयितव्य,घोषणीय,घोष्य गोखवा योग्य	घोष्यते गोखाय छे	12
54. –	तुल् तोलवुं	10	पर	तोलयितुम् तोलवा माटे	तोलयित्वा तोलीने	तोलयत् तोलतो	तोल्यमान तोलातो	तोल्यमान तोलाती	तोलितवत् तालेलो	तोलित तोलायेतो	तोलित तोलायेतो	तोलयितव्य,तोलनीय,तोल्य तोलवा योग्य	तोल्यते तोलाय छे	12
55. –	भूष् शोभा करवी	10	पर	भूषयितुम् शणगारवा माटे	भूषयित्वा शणगारीने	भूषयत् शणगारतो	भूष्यमाण शणगारातो	भूष्यमाण शणगारातो	भूषितवत् शणगारेलो	भूषित शणगारायेलु	भूषित शणगारायेलु	भूषयितव्य,भूषणीय,भूष्य शणगारवा योग्य	भूष्यते शणगाराय छे	12
56. –	तड् मारवुं	10	पर	ताडयितुम् मारवा माटे	ताडयित्वा मारीने	ताडयत् मारतो	ताड्यमान मरातो	ताड्यमान मराती	ताडितवत् मारेलुं	ताडित मरायेलुं	ताडित मरायेलुं	ताडयितव्य,ताडनीय,ताड्य मारवा योग्य	ताड्यते मराय छे	13
57. –	पृ पुरू करवुं पार पामवुं	10	पर	पारयितुम् पुरू करवा माटे	पारयित्वा पुरू करीने	पारयत् पुरू करतो	पार्यमाण पुरू कराती	पार्यमाण पुरू कराती	पारितवत् पुरू करेलुं	पारित पुरू करायेलुं	पारित पुरू करायेलुं	पारयितव्य,पारणीय,पार्य पुरू करवा योग्य	पार्यते पुरू कराय छे	13
58. –	पल् पालन करवुं	10	पर	पालयितुम् पालन करवा माटे	पालयित्वा पालन करीने	पालयत् पालन करतो	पाल्यमान पालन कराती	पाल्यमान पालन कराती	पालितवत् पालन करेलुं	पालित पालन करायेलु	पालित पालन करायेलु	पालयितव्य,पालनीय,पाल्य पालन करवा योग्य	पाल्यते पालन कराय छे	13
59. –	भक्ष् खावुं	10	पर	भक्षयितुम् खावा माटे	भक्षयित्वा खाइने	भक्षयत् खातो	भक्ष्यमाण खवातो	भक्ष्यमाण खवातो	भक्षितवत् खाधेलुं	भक्षित खवायेलु	भक्षित खवायेलु	भक्षयितव्य,भक्षणीय,भक्ष्य खावा योग्य	भक्ष्यते खवाय छे	13
60. –	कथ् कहेवुं	10	पर	कथयितुम् कहेवा माटे	कथयित्वा कहीने	कथयत् कहेतो	कथ्यमान कहेवातो	कथ्यमान कहेवातो	कथितवत् कहेलु	कथित कहेवायेलु	कथित कहेवायेलु	कथयितव्य,कथनीय,कथ्य कहेवा योग्य	कथ्यते कहेवाय छे	13

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि द्वि.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
61. —	गण् गणवुं	10	पर	गणयितुम् गणवा माटे	गणयित्वा गणीने	गणयत् गणतो	गण्यमान गणातो	गण्यमान गणातो	गणितवत् गणेलुं	गणित गणायेलुं	गणित गणायेलुं	गणयितव्य,गणनीय,गण्य गणवा योग्य	गण्यते गणाय छे	13
62. —	रच् रचवुं	10	पर	रचयितुम् रचवा माटे	रचयित्वा रचीने	रचयत् रचतो	रच्यमान रचातो	रच्यमान रचातो	रचितवत् रचेलु	रचित रचायेलु	रचित रचायेलु	रचयितव्य,रचनीय,रच्य रचवा योग्य	रच्यते रचाय छे	13
63. —	स्पृह् चाहवुं	10	पर	स्पृहयितुम् चाहवा माटे	स्पृहयित्वा चाहीने	स्पृहयत् चाहतो	स्पृहयमाण स्पृहा करातो	स्पृहयमाण स्पृहाकरातो	स्पृहितवत् स्पृहा करेलु	स्पृहित स्पृहा करायेलु	स्पृहित स्पृहा करायेलु	स्पृहयितव्य,स्पृहणीय,स्पृह्य स्पृहा करवा योग्य	स्पृह्यते स्पृहा कराय छे	13
64. —	गम्(गच्छ) जवुं	1	पर	गन्तुम् जवा माटे	गत्वा जइने	गच्छत् जतो	गम्यमान जवातो	गम्यमान जवातो	गतवत् गएलो	गत जवायेलु	गत जवायेलु	गन्तव्य,गमनीय,गम्य जवा योग्य	गम्यते जवाय छे	14
65. —	द्रश्(पश्य) देखवुं	1	पर	द्रष्टुम् जोवा माटे	द्रष्ट्वा जोइने	पश्यत् जोतो	द्रश्यमान जोवातो	द्रश्यमान जोवातो	द्रष्टवत् जोयेलु	द्रष्ट जोवायेलु	द्रष्ट जोवायेलु	द्रष्टव्य,दर्शनीय,दृश्य जोवा योग्य	द्रश्यते जोवाय छे	14
66. —	स्था(तिष्ठ) स्थिर रहेवुं	1	पर	स्थातुम् स्थिर रहवा माटे	स्थित्वा स्थिर रहीने	तिष्ठत् स्थिर रहेतो	स्थीयमान स्थिर रहेवातो	स्थीयमान स्थिर रहेवातो	स्थितवत् स्थिर रहेलु	स्थित स्थिर रहेवायेलु	स्थित स्थिर रहेवायेलु	स्थातव्य, स्थानीय, स्थेय स्थिर रहेवा योग्य	स्थीयते स्थिर रहेवाय छे	14
67. —	दा(यच्छ) आपवुं	1	पर	दातुम् आपवा माटे	दत्वा आपीने	यच्छत् आपतो	दीयमान अपातो	दीयमान अपातो	दत्तवत् आपेलु	दत्त अपायेलु	दत्त अपायेलु	दातव्य, दानीय, देय आपवा योग्य	दीयते अपाय छे	14

68. –	पा(पीब्) पीवुं	1	पर	पातुम् पीवा माटे	पीत्वा पीने	पिबत् पीतो	पीयमान पीवातो	पीयमान पीवातो	पीतवत् पीधेलु	पीत पीवायेलुं	पीत पीवायेलुं	पातव्य, पानीय, पेय पीवा योग्य	पीयते पीवाय छे	14
69. –	मद्(माद्) मस्त थवुं	4	पर	मदितुम् मस्त थवा माटे	मदित्वा मस्त थइने	माद्यत् मस्त थतो	मद्यमान मस्त थवातो	मद्यमान मस्त थवातो	मत्तवत् मस्त थयेलु	मत्त मस्त थवायेलु	मत्त मस्त थवायेलु	मदितव्य,मदनीय,माद्य मस्त थवा योग्य	मुद्यते मस्त थवाय छे	14
70. –	श्रम्(श्राम्) श्रम पामवो	4	पर	श्रमितुम श्रम पामवा माटे	श्रमित्वा श्रम पामीने	श्राम्यत् श्रम पामतो	श्रम्यमाण थकातो	श्रम्यमाण थकातो	श्रान्तवत् थाकेलु	श्रान्त थकायेलु	श्रान्त थकायेलु	श्रमितव्य,श्रमणीय,श्रम्य श्रम पामवा योग्य	श्रम्यते थाकी जवाय छे	14
71. –	शम्(शाम्) शान्त थवुं	4	पर	शमितुम् शांत थवा माटे	शमित्वा,शान्त्वा शांत थइने	शाम्यत् शांत थतो	शम्यमान शांत थवातो	शम्यमान शांत थवातो	शान्तवत् शांत थयेलो	शान्त शान्त थवायेलो	शान्त शान्त थवायेलो	शमितव्य, शमनीय, शम्य शांत थवा योग्य	शम्यते शान्त थवाय छे	14
72. –	इष् (इच्छ) इच्छवुं	6	पर	एषितुम्, एष्टुम् इच्छवा माटे	एषित्वा, इष्ट्वा इच्छीने	इच्छत् इच्छतो	इष्यमाण इच्छातो	इष्यमाण इच्छातो	इष्टवत् इच्छेलु	इष्ट इच्छायेलु	इष्ट इच्छायेलु	एषितव्य, एष्टव्य इच्छवा योग्य	इष्यते इच्छाय छे	14
73. –	प्रच्छ(पृच्छ्) पुछवु	6	पर	प्रष्टुम् पुछवा माटे	पृष्ट्वा पुछीने	पृच्छत् पुछतो	पृच्छ्यमान पुछातो	पृच्छ्यमान पुछातो	पृष्टवत् पुछेलो	पृष्ट पुछायेलो	पृष्ट पुछायेलो	पृष्टव्य, प्रच्छनीय पुछवा योग्य	पृच्छ्यते पुछाय छे	14
74. –	अस् थवुं,होवुं	2	पर	भवितुम् थवा माटे	भूत्वा थइने	सत् थतो	भूयमान थवातो	भूयमान थवातो	भूतवत् थयेलो	भूत थवायेलो	भूत थवायेलो	भवितव्य, भवनीय, भव्य थवा योग्य	भूयते थवाय छे	14
75. –	वन्द् वांदवुं	1	आ	वन्दितुम् वांदवा माटे	वन्दित्वा वांदीने	वन्दमान् वांदतो	वन्द्यमान वंदातो	वन्द्यमान वंदातो	वन्दितवत् वंदेलो	वन्दित वंदायेलो	वन्दित वंदायेलो	वन्दितव्य,वन्दनीय,वन्द्य वांदवा योग्य	वन्द्यते वन्दाय छे	15

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
76. –	वृध् वधवुं	1	आ	वर्धितुम् वृध्वा वधवा माटे	वधीने	वर्धमान वधतो	वृध्यमान वधातो	वृध्यमान वधातो	वृद्धवत् वधेलुं	वृद्ध वधायेलो	वृद्ध वधायेलो	वर्धितव्य,वर्धनीय,वृध्य वधवा योग्य	वृध्यते वधाय छे	15
77. –	पच् पकाववुं	1	आ	पक्तुम् पकाववामाटे	पक्त्वा पकावीने	पचत्,पचमान पकावतो	पच्यमान पकावातो	पच्यमान पकावातो	पक्तवत् पकावेलो	पक्त पकावायेलो	पक्त पकावायेलो	पक्तव्य, पचनीय पकाववा योग्य	पच्यते पकावाय छे	15
78. –	हृ हरण करवुं	1	उभय	हर्तुम् हरण करवा माटे	हृत्वा हरण करीने	हरत्,हरमाण हरण करतो	ह्रियमाण हरण करातो	ह्रियमाण हरण करातो	हृतवत् हरण करेलो	हृत हरण करायेलो	हृत हरण करायेलो	हर्तव्य, हरणीय, हार्य हरण करवा योग्य	ह्रियते हरण कराय छे	15
79. –	डी उडवुं	1	आ	डयितुम् उडवा माटे	डयित्वा उडीने	डयमान उडतो	डीयमान उडातो	डीयमान उडातो	डयितवत् उडेलो	डयित उडायेलो	डयित उडायेलो	डयितव्य उडवा योग्य	डीयते उडाय छे	27
80. –	भाष् बोलवुं	1	आ	भाषितुम् बोलवा माटे	भाषित्वा बोलीने	भाषमाण बोलतो	भाष्यमाण बोलातो	भाष्यमाण बोलातो	भाषितवत् बोलेलो	भाषित बोलायेलो	भाषित बोलायेलो	भाषितव्य, भाष्य बोलवा योग्य	भाष्यते बोलाय छे	27
81. –	रम् रमवुं	1	आ	रन्तुम् रमवा माटे	रत्वा रमीने	रममाण रमतो	रम्यमाण रमातो	रम्यमाण रमातो	रतवत् रमेलो	रत रमायेलो	रत रमायेलो	रन्तव्य, रमणीय, रम्य रमवा योग्य	रम्यते रमाय छे	27
82. –	लभ् पामवुं	1	आ	लब्धुम् पामवा माटे	लब्ध्वा पामीने	लभमान पामतो	लभ्यमान पमातो	लभ्यमान पमातो	लब्धवत् पामेलो	लब्ध पमायेलो	लब्ध पमायेलो	लब्धव्य, लभनीय, लभ्य पामवा योग्य	लभ्यते पमाय छे	27

83.	वृत्	1	आ	वर्तितुम्	वृत्वा,वर्तित्वा	वर्तमान	वृत्यमान	वृत्यमान	वृत्तवत्	वृत्त	वृत्त	वर्तितव्य, वर्तनीय, वृत्य	वृत्यते	27
–	वर्तवुं			वर्तवा माटे	वर्तीने	वर्ततो	वर्तातो	वर्तातो	वर्तेलो	वर्तायेलो	वर्तायेलो	वर्तवा योग्य	वर्ताय छे	
84.	शुभ्	1	आ	शोभितुम्	शोभित्वा	शोभमान	शोभ्यमान	शोभ्यमान	शोभितवत्	शोभित	शोभित	शोभितव्य,शोभनीय,शोभ्य	शुभ्यते	27
–	शोभवु, दीपवुं			दीपवा माटे	दीपीने	दीपतो	दीपातो	दीपातो	दीपेलो	दीपायेलो	दीपायेलो	दीपवा योग्य	दीपाय छे	
85.	सेव्	1	आ	सेवितुम्	सेवित्वा	सेवमान	सेव्यमान	सेव्यमान	सेवितवत्	सेवित	सेवित	सेवितव्य,सेवनीय,सेव्य	सेव्यते	27
–	सेववुं			सेववा माटे	सेवीने	सेवतो	सेवातो	सेवातो	सेवेलो	सेवायेलो	सेवायेलो	सेववा योग्य	सेवा करायछे	
86.	स्वाद्	1	आ	स्वादितुम्	स्वादित्वा	स्वादमान	स्वाद्यमान	स्वाद्यमान	स्वादितवत्	स्वादित	स्वादित	स्वादितव्य,स्वादनीय,स्वाद्य	स्वाद्यते	27
–	चाखवुं			चाखवामाटे	चाखीने	चाखतो	चखातो	चखातो	चाखेलो	चखायेलो	चखायेलो	चाखवा योग्य	चखाय छे	
87.	नी	1	उभय	नेतुम्	नीत्वा	नयत,नयमान	नीयमान	नीयमान	नीतवत्	नीत	नीत	नेतव्य, नयनीय, नेय	नीयते	27
–	दोरवुं			दोरवा माटे	दोरीने	दोरतो	दोरातो	दोरातो	दोरेलो	दोरायेलो	दोरायेलो	दोरवा योग्य	लइजवायछे	
88.	याच्	1	उभय	याचितुम्	याचित्वा	याचत्, याचमान	याच्यमान	याच्यमान	याचितवत्	याचित	याचित	याचितव्य,याचनीय,याच्य	याच्यते	27
–	याचवुं,मांगवुं			मांगवा माटे	मांगीने	मांगतो	मंगातो	मंगातो	मांगेलो	मंगायेलो	मंगायेलो	मांगवा योग्य	मंगाय छे	
89.	राज्	1	उभय	राजितुम्	राजित्वा	राजत्, राजमान	राज्यमान	राज्यमान	राजितवत्	राजित	राजित	राजितव्य,राजनीय,राज्य	राज्यते	27
–	शोभवुं,राज्य		करवुं	शोभवा माटे	शोभीने	शोभतो	शोभातो	शोभातो	शोभेलो	शोभायेलो	शोभायेलो	शोभवा योग्य	राज्यकरायेछे	
90.	वह्	1	उभय	वोढुम्	ऊढ्वा	वहत्,वहमान	उद्यमान	उद्यमान	ऊढवत्	ऊढ	ऊढ	वोढव्य,वहनीय,वाह्य	उह्यते	27
–	वहन करवुं			वहन करवा माटे	वहन करीने	वहन करतो	वहन करातो	वहन करातो	वहन करेलो	वहन करायेलो	वहन करायेलो	वहन करवा योग्य	वहन कराय छे	
91.	मुच्(मुञ्च्)6		उभय	मोक्तुम्	मुक्त्वा	मुञ्चत, मुञ्चमान	मुञ्च्यमान	मुञ्च्यमान	मुक्तवत्	मुक्त	मुक्त	मोक्तव्य,मोचनीय,मोच्य	मुच्यते	27
–	मुकवुं,छोडवुं			मुकवा माटे	मुकीने	मुकतो	मुकातो	मुकातो	मुकेलो	मुकायेलो	मुकायेलो	मूकवुं जोइए	मुकाय छे	

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
92.	सिच् (सिञ्च)	6	उभय	सेक्तुम्	सिक्त्वा	सिञ्चत सिञ्चमान	सिच्यमान	सिच्यमान	सिक्तवत्	सिक्त	सिक्त	सेक्तव्य, सेचनीय	सिच्यते	27
	सिंचन करवुं			सिंचवा माटे	सिंचीने	सिंचतो	सिंचातो	सिंचातो	सिंचेलो	सिंचायेलो	सिंचायेलो	सिंचवु जोइए	सिंचाय छे	
93.	जन्(जा)	4	आत्म	जनितुम्	जनित्वा	जायमान	जन्यमान	जन्यमान	जातवत्	जात	जात	जनितव्य,जननीय,जन्य	जन्यते	27
	जन्म थवो			जनमवामाटे	जनमीने	जनमतो	जनमातो	जनमातो	जन्मेलो	जन्मायेलो	जन्मायेलो	उत्पन्न थवा योग्य	उत्पन्न थवाय छे	
94.	युध्	4	आत्म	योद्धुम्	युध्वा	युध्यमान	युध्यमान	युध्यमान	युद्धवत्	युद्ध	युद्ध	योद्धव्य, योधनीय, योध्य	युध्यते	27
	युद्धकरवुं			लडवा माटे	लडीने	लडतो	लडातो	लडातो	लडेलो	लडायेलो	लडायेलो	लडवा योग्य	लडाय छे	
95.	अर्थ्	10	आत्म	अर्थयितुम्	अर्थयित्वा	अर्थयमान	अर्थ्यमान	अर्थ्यमान	अर्थितवत्	अर्थित	अर्थित	अर्थयितव्य,अर्थनीय,अर्थ्य	अर्थ्यते	29
	प्रार्थना करवी			प्रार्थना करवा माटे	प्रार्थना करीने	प्रार्थना करतो	प्रार्थना कराता	प्रार्थना कराता	प्रार्थना करेलो	प्रार्थना करायेलो	प्रार्थना करायेलो	प्रार्थना करवा योग्य	प्रार्थना कराय छे	
96.	अनु+भू	1	पर	अनुभवितुम्	अनुभूय	अनुभवत्	अनुभूयमान	अनुभूयमान	अनुभूतवत्	अनुभूत	अनुभूत	अनुभवितव्य,अनुभव्य,अनुभवनीय	अनुभूयते	29
	अनुभव करवो			अनुभव करवा माटे	अनुभव करीने	अनुभव करतो	अनुभव कराता	अनुभव कराता	अनुभव करेलो	अनुभव करायेलो	अनुभव करायेलो	अनुभव करावो जोइए	अनुभव कराय छे	
97.	अनु+रूध्	4	आत्म	अनुरोद्धुम्	अनुरूध्य	अनुरूध्यमान	अनुरूध्यमान	अनुरूध्यमान	अनुरूद्धवत्	अनुरूद्ध	अनुरूद्ध	अनुरोद्धव्य,अनुरोध्य,अनुरोद्धनीय	अनुरूध्यते	29
	मानवुं			मानवा माटे	मानीने	मानतो	मनाता	मनाता	मानेलो	मनायेलो	मनायेलो	मानवा योग्य	मनाय छे	

98. –	आ+गम् आववु	1	पर	आगन्तुम् आवव्वा माटे	आगत्य, आगम्य आवीने	आगच्छत् आवतो	आगम्यमान अवातो	आगम्यमान अवातो	आगतवत् आवेलो	आगत अवायेलो	आगत अवायेलो	आगन्तव्य, आगमनीय, आगम्य आववु जोइए	आगम्यते अवाय छे	29
99. –	ईक्ष जोवुं	1	आत्म	ईक्षितुम् जोवा माटे	ईक्षित्वा जोइने	ईक्षमाण जोतो	ईक्ष्यमाण जोवातो	ईक्ष्यमाण जोवातो	ईक्षितवत् जोयेलो	ईक्षित जोवायेलो	ईक्षित जोवायेलो	ईक्षितव्य, ईक्षणीय, ईक्ष्य जोवा योग्य	ईक्ष्यते जोवाय छे	29
100 –	निर+ईक्ष बारीकाई थी जोवु	1	आत्म	निरीक्षितुम् निरीक्षण करवा माटे	निरीक्ष्य निरीक्षण करीने	निरीक्षमाण निरीक्षण करतो	निरीक्ष्यमाण निरीक्षण करातो	निरीक्ष्यमाण निरीक्षण करातो	निरीक्षितवत् निरीक्षण करेलो	निरीक्षित निरीक्षण करायेलो	निरीक्षित निरीक्षण करायेलो	निरीक्षितव्य,निरीक्षणीय,निरीक्ष्य निरीक्षण करवा योग्य	निरीक्ष्यते निरीक्षण कराय छे	29
101 –	परा+जि हारवुं	1	आत्म	पराजेतुम् हारवा माटे	पराजित्य हारीने	पराजयमान हारतो	पराजीयमान हरातो	पराजीयमान हरातो	पराजितवत् हारेलो	पराजित हरायेलो	पराजित हरायेलो	पराजेतव्य,पराजयनीय,पराजेय हरवा योग्य	पराजीयते पराजय पमाय	29 छे
102 –	परि+हृ त्याग करवो	1	उभय	परिहर्तुम् त्यजवा माटे	परिहृत्य त्यजीने	परिहरमाण परिहरत् त्यजतो	परिह्रियमाण त्यजातो	परिह्रियमाण त्यजातो	परिहृतवत् त्यजेलो	परिहृत त्यजायेलो	परिहृत त्यजायेलो	परिहर्तव्य, परिहरणीय, परिहार्य त्यजवा योग्य	परिह्रियते त्यागकरायछे	29
103 –	प्र+भू उत्पन्न थवुं	1	पर	प्रभवितुम् उत्पन्न थवा माटे	प्रभूय उत्पन्न थइने	प्रभवत् उत्पन्न थतो	प्रभूयमान उत्पन्न थवातो	प्रभूयमान उत्पन्न थवातो	प्रभूतवत् उत्पन्न थएलो	प्रभूत उत्पन्न थवायेलो	प्रभूत उत्पन्न थवायेलो	प्रभवितव्य,प्रभवनीय,प्रभव्य उत्पन्न थवा योग्य	प्रभूयते उत्पन्न थवाय छे	29
104 –	प्र+जन् उत्पन्न थवुं	4	आत्म	प्रजनितुम् उत्पन्न करवा माटे	प्रजन्य उत्पन्न थइने	प्रजायमान उत्पन्न थतो	प्रजन्यमान उत्पन्न थवातो	प्रजन्यमान उत्पन्न थवातो	प्रजातवत् उत्पन्न थयेलो	प्रजात उत्पन्न थवायेलो	प्रजात उत्पन्न थवायेलो	प्रजनितव्य,प्रजननीय,प्रजन्य उत्पन्न थवा योग्य	प्रजन्यते उत्पन्न थवाय छे	29
105	प्र+दा (यच्छ)	1	पर	प्रदातुम्	प्रदाय	प्रयच्छत्	प्रदीयमान	प्रदीयमान	प्रदत्तवत्	प्रदत्त	प्रदत्त	प्रदातव्य,प्रदानीय,प्रदेय	प्रदीयते	29

कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	तुमुन्नन्त कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भाव कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भाव भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि रू.रू. एक वचन	धातु क्रमांक
—	प्रदान करणे			प्रदान करवा माटे	प्रदान करीने	प्रदान करतो	प्रदान करातो	प्रदान करातो	प्रदान करेलो	प्रदान करायेलो	प्रदान करायेलो	प्रदान करवा योग्य करवा थवा योग्य	प्रदान कराय छे	
106 प्र+स्था — प्रयाण करवुं	1	आत्म		प्रस्थातुम् प्रयाण करवा माटे	प्रस्थाय प्रयाण करीने	प्रतिष्ठमान प्रयाण करतो	प्रस्थीयमान प्रयाण करातो	प्रस्थीयमान प्रयाण करातो	प्रस्थीतवत् प्रयाण करेलो	प्रस्थीत प्रयाण करायेलो	प्रस्थीत प्रयाण करायेलो	प्रस्थातव्य,प्रस्थानीय,प्रस्थेय प्रयाण करवा योग्य	प्रस्थीयते प्रयाण कराय छे	29
107 वि+रम् — अटकवुं	1	पर		विरन्तुम् अटकवामाटे	विरम्य अटकीने	विरमत् अटकतो	विरम्यमाण अटकातो	विरम्यमाण अटकातो	विरतवत् अटकेलो	विरत अटकायेलो	विरत अटकायेलो	विरन्तव्य,विरमणीय,विरम्य अटकवा योग्य	विरम्यते अटकाय छे	29
108 वि+हृ — विहार करवो	1	उभय		विहर्तुम् विहार करवा माटे	विहृत्य विहार करीने	विहरत्, विहरमाण विहार करतो	विहियमाण विहार करातो	विहियमाण विहार करातो	विहृतवत् विहार करेलो	विहृत विहार करायेलो	विहृत विहार करायेलो	विहर्तव्य,विहरणीय,विहार्य विहार करवा योग्य	विहियते विहार कराय छे	29
109 वि+जि — जीतवुं	1	आत्म		विजेतुम् जीतवा माटे	विजित्य जीतीने	विजयमान जीततो	विजीयमान जीतातो	विजीयमान जीतातो	विजीतवत् जीतेलो	विजीत जीतायेलो	विजीत जीतायेलो	विजेतव्य,विजयनीय,विजेय जीतवा योग्य	विजीयते जिताय छे	29
110 सिध् — सिद्ध	4	पर		सेद्धुम् सिद्ध थवा	सिद्धवा सिद्ध	सिध्यत् सिद्ध थतो	सिध्यमान सिद्ध थवातो	सिध्यमान सिद्ध थवातो	सिद्धवत् सिद्ध थएलो	सिद्ध सिद्ध	सिद्ध सिद्ध	सेद्धव्य, सेध्य सिद्ध थवा योग्य	सिध्यते सिद्ध	29

	थवुं			माटे	थइने					थवायेलो	थवायेलो		थवाय छे	
111	काश्	1	आत्म	काशितुम्	काशित्वा	काशमान	काश्यमान	काश्यमान	काशितवत्	काशित	काशित	काशितव्य	काश्यते	30
–	प्रकाशवुं			प्रकाशवामाटे	प्रकाशीने	प्रकाशतो	प्रकाशातो	प्रकाशातो	प्रकाशेलो	प्रकाशायेलो	प्रकाशायेलो	प्रकाशवा योग्य	प्रकाशाय छे	
112	प्र+काश्	1	आत्म	प्रकाशितुम्	प्रकाश्य	प्रकाशमान	प्रकाश्यमान	प्रकाश्यमान	प्रकाशितवत्	प्रकाशित	प्रकाशित	प्रकाशितव्य	प्रकाश्यते	30
–	प्रकाशवुं			प्रकाशवामाटे	प्रकाशीने	प्रकाशतो	प्रकाशातो	प्रकाशातो	प्रकाशेलो	प्रकाशायेलो	प्रकाशायेलो	प्रकाशवा योग्य	प्रकाशाय छे	
113	दिश्	6	उभय	देष्टुम्	दिष्ट्वा	दिशत् दिशमान	दिश्यमान	दिश्यमान	दिष्टवत्	दिष्ट	दिष्ट	देष्टव्य, देशनीय, देश्य	दिश्यते	30
–	दान देवुं			दान देवा माटे	दान दइने	दान देतो	दान देवातो	दान देवातो	दान दीधेलो	दान देवायेलो	दान देवायेलो	दान देवा योग्य	दान देवाय छे	
114	उप+ दिश्	6	उभय	उपदेष्टुम्	उपदिश्य	उपदिशत्	उपदिश्यमान उपदिशमान	उपदिश्यमान	उपदिष्टवत्	उपदिष्ट	उपदिष्ट	उपदेष्टव्य, उपदेशनीय	उपदिश्यते उपदेश्य	30
	उपदेश आपवो			उपदेश आपवा माटे	उपदेश आपीने	उपदेश आपतो	उपदेश अपातो	उपदेश अपातो	उपदेश आपेलो	उपदेश अपायेलो	उपदेश अपायेलो	उपदेश आपवा योग्य	उपदेश अपाय छे	
115	आ+ दिश्	6	उभय	आदेष्टुम्	आदिश्य	आदिशत् आदिशमान	आदिश्यमान	आदिश्यमान	आदिष्टवत्	आदिष्ट	आदिष्ट	आदेष्टव्य, आदेशनीय, आदेश्य	आदिश्यते	30
–	आदेश करवो			आदेश आपवा माटे	आदेश आपीने	आदेश आपतो	आदेश अपातो	आदेश अपातो	आदेश आपेलो	आदेश अपायेलो	आदेश अपायेलो	आदेश आपवा योग्य	आदेश अपाय छे	
116	अभि+भू	1	पर	अभिभवितुम्	अभिभूय	अभिभवत्	अभिभूयमान	अभिभूयमान	अभिभूतवत्	अभिभूत	अभिभूत	अभिभवितव्य,अभिभवनीय, अभिभव्य	अभिभूयते	30
–	हरावबुं			हरावबा माटे	हरावीने	हरावतो	हरावातो	हरावातो	हरावेलो	हरावायेलो	हरावायेलो	हरावबा योग्य	हरावाय छे	
117	ऋध्	4	पर	अर्धितुम्	अर्धित्वा	ऋध्यत्	ऋध्यमान	ऋध्यमान	ऋद्धवत्	ऋद्ध	ऋद्ध	अर्तव्य, आर्य	ऋध्यते	31
–	वधवुं			वधवा माटे	वधीने	वधतो	वधातो	वधातो	वधेलो	वधायेलो	वधायेलो	वधवा योग्य	वधाय छे	

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि द्वि.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
118 –	सम्+ऋध् समृद्ध थवुं	4	पर	समर्धितुम् समृद्ध थवा माटे	समृध्य समृद्ध थइने	समृध्यत् समृद्ध थतो	समृध्यमान समृद्ध थवातो	समृध्यमान समृद्ध थवातो	समृद्धवत् समृद्ध थयेलो	समृद्ध समृद्ध थवायेलो	समृद्ध समृद्ध थवायेलो	समर्धितव्य, समृध्य समृद्ध थवा योग्य	समृध्यते समृद्ध थवाय छे	31
119 –	नि+पत् नीचे पडवुं	1	पर	निपतितुम् नीचे पडवा माटे	निपत्य नीचे पडीने	निपतत् नीचे पडतो	निपत्यमान नीचे पडातो	निपत्यमान नीचे पडातो	निपतितवत् नीचे पडेलो	निपतित नीचे पडायेलो	निपतित नीचे पडायेलो	निपतितव्य,निपतनीय,निपात्य नीचे पडवु जोइए	निपत्यते नीचे पडाय छे	31
120 –	रूह् चढवुं	1	पर	रोढुम् चढवा माटे	रूढ्वा चढीने	रोहत् चढतो	रूह्यमान चढातो	रूह्यमान चढातो	रूढवत् चढेलो	रूढ चढायेलो	रूढ चढायेलो	रोढव्य, रोहणीय, रूह्य चढवा योग्य	रूह्यते चढाय छे	31
121 –	आ+रूह् आरोहण करवुं	1	पर	आरोढुम् आरोहण करवा माटे	आरूह्य आरोहण करीने	आरोहत् आरोहण करतो	आरूह्यमान आरोहण करातो	आरूह्यमान आरोहण कराते	आरूढवत् आरोहण करेलो	आरूढ आरोहण करायेलो	आरूढ आरोहण करायेलो	आरोढव्य,आरोहणीय,आरूह्य आरोहण करवा योग्य	आरूह्यते आरोहण कराय छे	31
122 –	आ+नी लाववुं	1	आत्म	आनेतुम् लाववा माटे	आनीय लावीने	आनयत् लावतो	आनीयमान लवातो	आनीयमान लवातो	आनीतवत् लावेलो	आनीत लवायेलो	आनीत लवायेलो	आनेतव्य,आनयनीय,आनेय लाववा योग्य	आनीयते लवाय छे	32
123 –	उद्+डी उडवुं	1	आत्म	उड्डयितुम् उडवा माटे	उड्डीय उडीने	उड्डयमान उडतो	उड्डीयमान उडातो	उड्डीयमान उडातो	उड्डयितवत् उडेलो	उड्डयित उडायेलो	उड्डयित उडायेलो	उड्डयितव्य उडवा योग्य	उड्डीयते उडाय छे	32

124	मुद् – आनन्द पामवो	1	आत्म	मोदितुम् आनन्द पामवा माटे	मोदित्वा, मुदित्वा आनन्द पामीने	मोदमान आनन्द पामतो	मुद्यमान आनन्द पमातो	मुद्यमान आनन्द पमातो	मोदितवत् आनन्द पामेलो	मोदित,मुदित आनन्द पमायेलो	मोदित,मुदित आनन्द पमायेलो	मोदितव्य, मोदनीय, मोद्य आनन्द पामवुं जोइए	मुद्यते आनन्द पमाय छे	32
125	वि+रच् – बनाववुं	10	पर	विरचयितुम् बनाववामाटे	विरच्य बनावीने	विरचयत् बनावतो	विरच्यमान बनावातो	विरच्यमान बनावातो	विरचितवत् बनावेलो	विरचित बनावायेलो	विरचित बनावायेलो	विरचयितव्य,विरचनीय,विरच्य बनाववा योग्य	विरच्यते बनावाय छे	32
126	अभि+ क्रुध – क्रोध करवो	4	पर	अभिक्रोद्धुम् क्रोध करवा माटे	अभिक्रुध्य क्रोध करीने	अभिक्रुध्यत क्रोध करतो	अभिक्रुध्यमान क्रोध करातो	अभिक्रुध्यमान क्रोध करातो	अभिक्रुद्धवत् क्रोध करेलो	अभिक्रुद्ध क्रोध करायेलो	अभिक्रुद्ध क्रोध करायेलो	अभिक्रोधितव्य,अभिक्रोधनीय क्रोध करवा योग्य	अभिक्रुध्यते क्रोध कराय छे	33
127	कम्प् – कंपवुं	1	आत्म	कम्पितुम् कंपवा माटे	कम्पित्वा कंपीने	कम्पमान कंपतो	कम्प्यमान कंपातो	कम्प्यमान कंपातो	कम्पितवत् कंपेलो	कम्पित कंपायेलो	कम्पित कंपायेलो	कम्पितव्य, कम्पनीय कंपवा योग्य	कम्प्यते कंपाय छे	33
128	नि+वस् – निवास करवो	1	पर	निवस्तुम् निवास करवा माटे	न्युष्य निवास करीने	निवसत् निवास करतो	न्युष्यमाण निवास करातो	न्युष्यमाण निवास करातो	न्युषितवत् निवास करेलो	न्युषित निवास करायेलो	न्युषित निवास करायेलो	निवस्तव्य,निवसनीय,निवास्य निवास करवा योग्य	न्युष्यते निवास कराय छे	
129	परि+ त्यज् – त्यजवुं	1	पर	परित्यक्तुम् त्यजवामाटे	परित्यज्य त्यजीने	परित्यजत् त्यजतो	परित्यज्यमान त्यजातो	परित्यज्यमान त्यजातो	परित्यक्तवत् त्यजेलो	परित्यक्त त्यजायेलो	परित्यक्त त्यजायेलो	परित्यक्तव्य,परित्यजनीय परित्याज्य त्याग करवा योग्य	परित्यज्यते त्यजाय छे	
130	वप् – वाववुं	1	उभय	वप्तुम् वाववा माटे	उप्त्वा वावीने	वपत्,वपमान वावतो	उप्यमान ववातो	उप्यमान ववातो	उप्तवत् वावेलो	उप्त ववायेलो	उप्त ववायेलो	वप्तव्य, वाप्य वाववा योग्य	उप्यते ववाय छे	33
131	वि+श्रम् – विश्राम	4	पर	विश्रन्तुम् विश्राम	विश्रम्य विश्राम	विश्राम्यत् विश्राम	विश्रम्यमाण विश्राम	विश्रम्यमाण विश्राम	विश्रान्तवत् विश्राम	विश्रान्त विश्राम	विश्रान्त विश्राम	विश्रमितव्य,विश्रमणीय,विश्रम्य विश्राम करवा योग्य	विश्रम्यते विश्राम	33

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
	लेवो			लेवा माटे	लइने	लेतो	लेवातो	लेवातो	लिधेलो	लेवायेलो	लेवायेलो		कराय छे	
132	गर्ज्	1, 10	पर	गर्जितुम् गर्जयितुम्	गर्जित्वा गर्जयित्वा	गर्जत, गर्जयत्	गर्ज्यमान	गर्ज्यमान	गर्जितवत्	गर्जित	गर्जित	गर्जयितव्य, गर्जनीय, गर्जितव्य, गर्ज्य	गर्ज्यते	34
–	गाजवुं			गाजवा माटें	गाजीने	गाजतो	गजातो	गजातो	गाजेलो	गजायेलो	गजायेलो	गर्जना करवा योग्य	गर्जाय छे	
133	द्युत्	1	आत्म	द्योतितुम्	द्योतित्वा	द्योतमान	द्युत्यमान	द्युत्यमान	द्युतितवत्	द्योतित	द्योतित	द्योतितव्य, द्योतनीय	द्युत्यते	34
–	दीपवुं			दीपवा माटे	दीपीने	दीपतो	दीपातो	दीपातो	दीपेलो	दीपायेलो	दीपायेलो	दीपवा योग्य	दीपाय छे	
134	वि+द्युत्	1	आत्म	विद्योतितुम्	विद्युत्य	विद्योतमान	विद्युत्यमान	विद्युत्यमान	विद्युतितवत्	विद्योतित	विद्योतित	विद्योतितव्य, विद्योतनीय	विद्युतते	34
–	चमकवुं			चमकवामाटे	चमकीने	चमकतो	चमकातो	चमकातो	चमकेलो	चमकायेलो	चमकायेलो	चमकवा योग्य	चमकाय छे	
135	द्रुह्	4	पर	द्रोहितुम्, द्रोढुम्,द्रोग्धुम्	द्रोहित्वा दुग्ध्वा,द्रुढ्वा	द्रुह्यत्	द्रुह्यमान	द्रुह्यमान	द्रूढवत्	द्रुग्ध,द्रुढ	द्रुढ	द्रोहितव्य,द्रोहणीय,द्रोह्य	द्रुह्यते	34
–	द्रोह करवो			द्रोह करवा माटे	द्रोह करीने	द्रोह करतो	द्रोह करातो	द्रोह करातो	द्रोह करेलो	द्रोह करायेलो	द्रोह करायेलो	द्रोह करवा योग्य	द्रोह कराय छे	
136	अभि+ द्रुह्	4	पर	अभिद्रोग्धुम् अभिद्रोढुम्	अभिद्रुह्य	अभिद्रुह्यत्	अभिद्रुह्यमान	अभिद्रुह्यमान	अभिद्रुढवत् अभिद्रुग्धवत्	अभिद्रुढ अभिद्रुग्ध	अभिद्रुढ अभिद्रुग्ध	अभिद्रोहितव्य, अभिद्रोह्य अभिद्रोहणीय	अभिद्रुह्यते	34
–	द्रोह करवो			द्रोह करवा माटे	द्रोह करीने	द्रोह करतो	द्रोह करातो	द्रोह करातो	द्रोह करेलो	द्रोह करायेलो	द्रोह करायेलो	द्रोह करवा योग्य	द्रोह कराय छे	

137	रूच्	1	आत्म	रोचितुम्	रोचित्वा, रूचित्वा	रोचमान	रूच्यमान	रूच्यमान	रोचितवत् रूचितवत्	रोचित, रूचित	रोचित, रूचित	रोचितव्य, रोचनीय	रूच्यते	34
–	गमवुं			गमवा माटे	गमीने	गमतो	गमातो	गमातो	गमेलो	गमायेलो	गमायेलो	गमवा योग्य	गमाय छे	
138	श्रि	1	उभय	श्रयितुम्	श्रित्वा	श्रयत,श्रयमाण	श्रीयमाण	श्रीयमाण	श्रितवत्	श्रित	श्रित	श्रयितव्य, श्रयणीय, श्रेय	श्रीयते	34
–	शरणे जवुं			शरणे जवा माटे	शरणे जइने	शरणे जतो	शरणे जवातो	शरणे जवातो	शरणे गएलो	शरणे जवायेलो	शरणे जवायेलो	शरणे जवा योग्य	शरणे जवाय छे	
139	आ+श्रि	1	उभय	आश्रयितुम्	आश्रित्य	आश्रयत्	आश्रीयमाण	आश्रीयमाण	आश्रितवत्	आश्रित	आश्रित	आश्रयितव्य,आश्रयणीय,आश्रेय	आश्रीयते	34
–	सेवा करवी			सेवा करवा माटे	सेवा करीने	सेवा करतो	सेवा करातो	सेवा करातो	सेवा करेलो	सेवा करायेलो	सेवा करायेलो	सेवा करवा योग्य	सेवा कराय छे	
140	अव्+ गम्	1	पर	अवगन्तुम्	अवगम्य अवगत्य	अवगच्छत्	अवगम्यमान	अवगम्यमान	अवगतवत्	अवगत	अवगत	अवगन्तव्य, अवगमनीय, अवगम्य	अवगम्यते	37
–	जागवुं			जागवा माटे	जागीने	जागतो	जगातो	जगातो	जागेलो	जगायेलो	जगायेलो	जागवा योग्य	जगाय छे	
141	भज्	1	उभय	भक्तुम्	भक्त्वा	भजत्	भजमान	भज्यमान	भक्तवत्	भक्त	भक्त	भक्तव्य, भजनीय, भाज्य	भज्यते	37
–	भजवुं			भजवा माटे	भजीने	भजतो	भजातो	भजातो	भजेलो	भजायेलो	भजायेलो	भजवा योग्य	भजाय छे	
142	क्षल	10	पर	क्षालयितुम्	क्षालयित्वा	क्षालयत्	क्षाल्यमाण	क्षाल्यमाण	क्षालितवत्	क्षालित	क्षालित	क्षालयितव्य,क्षालनीय,क्षाल्य	क्षाल्यते	38
–	धोवुं			धोवा माटे	धोइने	धोतो	धोवातो	धोवातो	धोयेलो	धोवायेलो	धोवायेलो	धोवा योग्य	धोवाय छे	
143	शुष्	4	पर	शोष्टुम्	शुष्ट्वा	शुष्यत्	शुष्यमाण	शुष्यमाण	शुष्कवत्	शुष्क	शुष्क	शोष्टव्य,शोषणीय,शोष्य	शुष्यते	38
–	सुकावुं			सुकावा माटे	सुकाइने	सुकावतो	सुकावातो	सुकावातो	सुकायेलो	सुकावायेलो	सुकावायेलो	सुकवा योग्य	सुकाय छे	
144	प्र+यत्	1	आत्म	प्रयतितुम्	प्रयत्य	प्रयतमान	प्रयत्यमान	प्रयत्यमान	प्रयत्नवत्	प्रयत्त	प्रयत्त	प्रयतितव्य, प्रयतनीय	प्रयत्यते	36
–	प्रयत्न करवो			प्रयत्न करवा माटे	प्रयत्न करीने	प्रयत्न करतो	प्रयत्न करातो	प्रयत्न करातो	प्रयत्न करेलो	प्रयत्न करायेलो	प्रयत्न करायेलो	प्रयत्न करवा योग्य	प्रयत्न कराय छे	

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि तृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
145	परि+ईक्ष	1	आत्म	परीक्षितुम्	परीक्ष्य	परीक्षमाण	परीक्ष्यमाण	परीक्ष्यमाण	परीक्षितवत्	परीक्षित	परीक्षित	परीक्षितव्य,परीक्षणीय,परीक्ष्य	परीक्ष्यते	36
–	परीक्षा			परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा करवा योग्य	परीक्षा	
	करवी			करवा माटे	करीने	करतो	कराातो	कराातो	करेलो	करायेलो	करायेलो		कराय छे	
146	तृप्	4	पर	तर्पितुम्,तर्पतुम	तर्पित्वा तृप्त्वा	तृप्यत्	तृप्यमाण	तृप्यमाण	तृप्तवत्	तृप्त	तृप्त	तर्पितव्य, तर्पणीय	तृप्यते	39
–	खुश			खुश	खुश	खुश थतो	खुश थवातो	खुश थवातो	खुश थयेलो	खुश	खुश	खुश थवा योग्य	खुश	
	थवुं			थवा माटे	थइने					थवायेलो	थवायेलो		थवाय छे	
147	ध्यै(ध्याय्)	1	पर	ध्यातुम्	ध्यात्वा	ध्यायत्	ध्यायमान	ध्यायमान	ध्यातवत्	ध्यात	ध्यात	ध्यातव्य,ध्येय	ध्यायते	39
–	ध्यान			ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान	ध्यान करवा योग्य	ध्यान	
	करवुं			करवा माटे	करीने	करतो	कराातो	कराातो	करेलो	करायेलो	करायेलो		कराय छे	
148	प्र–सृ	1	पर	प्रसर्तुम्	प्रसृत्य	प्रसरत्	प्रस्रियमाण	प्रस्रियमाण	प्रसृतवत्	प्रसृत	प्रसृत	प्रसर्तव्य,प्रसरणीय,प्रसार्य	प्रस्रियते	39
–	प्रसरवुं			प्रसरवा माटे	प्रसरीने	प्रसरतो	प्रसरातो	प्रसरातो	प्रसरेलो	प्रसरायेलो	प्रसरायेलो	प्रसरवा योग्य	प्रसराय छे	
149	अप+ईक्ष	1	आत्म	अपेक्षितुम्	अपेक्ष्य	अपेक्षमाण	अपेक्ष्यमाण	अपेक्ष्यमाण	अपेक्षितवत्	अपेक्षित	अपेक्षित	अपेक्षितव्य,अपेक्षणीय,अपेक्ष्य	अपेक्ष्यते	40
–	अपेक्षा			अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा	अपेक्षा रावखी जोइए	अपेक्षा	
	राखवी			राखवा माटे	राखीने	राखतो	रखातो	रखातो	राखेलो	रखायेलो	रखायेलो		रखाय छे	
150	उप+विश	1	पर	उपवेष्टुम्	उपविश्य	उपविशत्	उपविश्यमान	उपविश्यमान	उपविष्टवत्	उपविष्ट	उपविष्ट	उपवेष्टव्य, उपवेशनीय	उपविष्यते	40

–	बेसवुं			बसवा माटे	बेसीने	बेसतो	बेसातो	बेसातो	बेसेलो	बेसायेलो	बेसायेलो	बेसवा योग्य	बेसाय छे	
151 –	उद्+गम् उगवुं	1	पर	उद्गन्तुम् उगवा माटे	उद्गत्य उगीने	उद्गच्छत् उगतो	उद्गम्यमान उगातो	उद्गम्यमान उगातो	उद्गतवत् उगेलो	उद्गत उगायेलो	उद्गत उगायेलो	उद्गन्तव्य,उद्गमनीय,उद्गम्य उगवा योग्य	उद्गम्यते उगाय छे	40
152 –	कस् खीलवुं	1	पर	कसितुम् खीलवा माटे	कसित्वा खीलीने	कसत् खीलतो	कस्यमान खीलातो	कस्यमान खीलातो	कसितवत् खीलेलो	कसित खीलायेलो	कसित खीलायेलो	कसितव्य खीलवा योग्य	कश्यते खीलाय छे	40
153 –	गै(गाय्) गावुं	1	पर	गातुम् गावा माटे	गीत्वा गाइने	गायत् गातो	गीयमान गवातो	गीयमान गवातो	गीतवत् गायेलो	गीत गवायेलो	गीत गवायेलो	गातव्य, गानीय, गेय गावा योग्य	गीयते गवाय छे	
154 –	द्रु झरवुं	1	पर	द्रोतुम् झरवा माटे	द्रुत्वा झरीने	द्रवत् झरतो	द्रुयमाण झराता	द्रुयमाण झराता	द्रुतवत् झरेलो	द्रुत झरायेलो	द्रुत झरायेलो	द्रोतव्य, द्रवणीय, द्रव्य झरवा योग्य	द्रुयते झराय छे	40
155 –	रट् रडवुं	1	पर	रटितुम् रडवा माटे	रटित्वा रडीने	रटत् रडतो	रटमान रडातो	रटमान रडातो	रट्तवत् रडेलो	रटित रडायेलो	रटित रडायेलो	रटितव्य, रटनीय, रट्य रडवुं जोइए	रट्यते रडाय छे	40
156 –	वि+सम् + वद् विपरीत बोलवुं	1	पर	विसम् वदितुम् विपरीत बोलवा माटे	विसमुद्य विपरीत बोलीने	विसंवदत् विपरीत बोलतो	विसमुद्यमान विपरीत बोलातुं	विसमुद्यमान विपरीत बोलातुं	विसमुदितवत् विपरीत बोलेलो	विसमुदित विपरीत बोलायेलो	विसमुदित विपरीत बोलायेलो	विसंवदितव्य,विसंवदनीय विसंवाद्य विपरीत बोलवुं जोइए	विसमुद्यते विपरीत बोलाय छे	40
157 –	आ+चर् आचरवुं	1	पर	आचरितुम् आचरवामाटे	आचर्य आचरीने	आचरत् आचरतो	आचर्यमाण आचरातो	आचर्यमाण आचरातो	आचरितवत् आचरेलो	आचरित आचरायेलो	आचरित आचरोयेलो	आचरितव्य, आचरणीय आचरवा योग्य	आचर्यते आचराय छे	41
158 –	उद्+हृ काढवुं	1	उभय	उद्धर्तुम् काढवा माटे	उद्धृत्य काढीने	उद्धरत् काढतो	उद्ध्रियमाण कढातो	उद्ध्रियमाण कढातो	उद्धृतवत् काढेलो	उद्धृत कढायेलो	उद्धृत कढायेलो	उद्धर्तव्य,उद्धरणीय,उद्धार्य काढवा योग्य	उद्ध्रियते कढाय छे	41
159 –	तप् तपवुं	1	चर	तप्तुम् तपवा माटे	तप्त्वा तपीने	तपत् तपतो	तप्यमान तपातो	तप्यमान तपातो	तप्तवत् तपेलो	तप्त तपायेलो	तप्त तपायेलो	तप्तव्य, तपनीय, तप्य तपवा योग्य	तप्यते तपाय छे	41

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
160 –	मन् मानवुं	4	आत्म	मन्तुम् मानवा माटे	मनित्वा मानीने	मन्यमान मानतो	मन्यमान मनातो	मन्यमान मनातो	मत्तवत् मानेलो	मत्त मनायेलो	मत्त मनायेलो	मन्तव्य, मननीय, मान्य मानवा योग्य	मन्यते मनाय छे	41
161 –	मूल वाववुं	10	पर	मूलयितुम् वाववा माटे	मूलयित्वा वावीने	मूलयत् वावतो	मूल्यमान ववातो	मूल्यमान ववातो	मूलितवत् वावेलो	मूलित ववायेलो	मूलित ववायेलो	मूलयितव्य, मूलनीय,मूल्य वाववा योग्य	मूल्यते ववाय छे	41
162 –	उद्+मूल उखेडवुं	10	पर	उन्मूलयितुम् उखेडवामाटे	उन्मूलयित्वा उखेडीने	उन्मूलयत् उखेडतो	उन्मूल्यमान उखेडातो	उन्मूल्यमान उखेडातो	उन्मूलितवत् उखाडेलो	उन्मूलित उखाडायेलो	उन्मूलित उखाडायेलो	उन्मूलयितव्य,उन्मूलनीय,उन्मूल्य उखाडवा योग्य	उन्मूल्यते उखाडाय छे	41
163 –	वर्ज् त्याग करवो	10	पर	वर्जयितुम् त्याग करवा माटे	वर्जयित्वा त्याग करीने	वर्जयत् त्याग करतो	वर्ज्यमाण त्याग करातो	वर्ज्यमाण त्याग करातो	वर्जितवत् त्याग करेलो	वर्जित त्याग करायेलो	वर्जित त्याग करायेलो	वर्जयितव्य,वर्जनीय,वृज्य त्याग करवा योग्य	वर्ज्यते त्यजाय छे	41
164 –	परि+वर्ज् छोडवुं	10	पर	परिवर्जयितुम् छोडवा माटे	परिवर्ज्य छोडीने	परिवर्जयत् छोडतो	परिवर्ज्यमाण छोडातो	परिवर्ज्यमाण छोडातो	परिवर्जितवत् छोडेलो	परिवर्जित छोडायेलो	परिवर्जित छोडायेलो	परिवर्जयितव्य,परिवर्जनीय, परिवृज्य छोडवा योग्य	परिवर्ज्यते छोडाय छे	41
165 –	शिक्ष् शीखवुं	1	आत्म	शिक्षितुम् शीखवा माटे	शिक्षित्वा शीखीने	शिक्षमाण शीखतो	शिक्ष्यमाण शीखातो	शिक्ष्यमाण शीखातो	शिक्षितवत् शीखेलो	शिक्षित शीखायेलो	शिक्षित शीखायेलो	शिक्षितव्य,शिक्षणीय,शिक्ष्य शीखवा योग्य	शिक्ष्यते शीखाय छे	41
166	सम्+ईक्ष्	1	आत्म	समीक्षितुम्	समीक्ष्य	समीक्षमाण	समीक्ष्यमाण	समीक्ष्यमाण	समीक्षितवत्	समीक्षित	समीक्षित	समीक्षितव्य,समीक्षणीय,समीक्ष्य	समीक्ष्यते	41

–	सारीरीते जोवुं			सारीरीते जोवा माटे	सारीरीते जोइने	सारीरीते जोतो	सारीरीते जोवातो	सारीरीते जोवातो	सारीरीते जोएलो	सारीरीते जोवायेलो	सारीरीते जोवायेलो	सारीरीते जोवुं जोइए	सारीरीते जोवाय छे	
167 –	अर्प् आपवुं	10	पर	अर्पयितुम् आपवा माटे	अर्पयित्वा आपीने	अर्पयत् आपतो	अर्प्यमाण अपातो	अर्प्यमाण अपातो	अर्पितवत् आपेलो	अर्पित अपायेलो	अर्पित अपायेलो	अर्पयितव्य, अर्पनीय आपवा योग्य	अर्प्यते अपाय छे	42
168 –	भृ बोलाववुं	1	उभय	भर्तुम् बोलावा माटे	भृत्वा बोलावीने	भरमाण बोलावतो	भ्रियमाण बोलावातो	भ्रियमाण बोलावातो	भृतवत बोलावेलो	भृत बोलावायेलो	भृत बोलावायेलो	भर्तव्य, भरणीय, भृत्य बोलवा योग्य	भ्रियते बोलावाय छे	42
169 –	मृग शोधवुं	10	आत्म	मृगयितुम् शोधवा माटे	मृगयित्वा शोधीने	मृगयमाण शोधतो	मृग्यमाण शोधातो	मृग्यमाण शोधातो	मृगितवत् शोधेलो	मृगित शोधायेलो	मृगित शोधायेलो	मृगयितव्य, मृग्य शोधवा योग्य	मृग्यते शोधाय छे	42
170 –	क्षम्(क्षाम्) क्षमा करवुं	4	पर	क्षन्तुम,क्षमितुम् क्षमा करवा माटे	क्षमित्वा,क्षान्त्वा क्षमा करीने	क्षाम्यत् क्षमा करतो	क्षम्यमाण क्षमा करातो	क्षम्यमाण क्षमा करातो	क्षान्तवत् क्षमा करेलो	क्षान्त क्षमा करायेलो	क्षान्त क्षमा करायेलो	क्षमितव्य, क्षन्तव्य, क्षम्य क्षमा करवा योग्य	क्षम्यते क्षमा कराय छे	42
171 –	ह्वे(ह्वय्) आहवान करवुं	1	उभय	ह्वातुम् आहवान करवा माटे	हूत्वा आहवान करीने	ह्वयत् आहवान करतो	हूयमान आहवान करातो	हूयमान आहवान करातो	हूतवत् आहवान करेलो	हूत आहवान करायेलो	हूत आहवान करायेलो	ह्वयनीय, ह्वेय,ह्वातितव्य आहवान करवा योग्य	हूयते आहवान कराय छे	43
172 –	वाञ्छ् इच्छवुं	1	पर	वाञ्छितुम् इच्छा माटे	वाञ्छित्वा इच्छीने	वाञ्छत् इच्छतो	वाञ्छ्यमान इच्छातो	वाञ्छ्यमान इच्छातो	वाञ्छितवत् इच्छेलो	वाञ्छित इच्छायेलो	वाञ्छित इच्छायेलो	वाञ्छितव्य, वाञ्छनीय इच्छा करवा योग्य	वाञ्छ्यते इच्छाय छे	43
173 43,आह्वातितव्य –	आ+ह्वे बोलाववुं	1	उभय	आह्वातुम् बोलाववामाटे	आहूय बोलावीने	आह्वयत् बोलावतो	आहूयमान बोलावातो	आहूयमान बोलावातो	आहूतवत् बोलावेलो	आहूत बोलावायेलो	आहूत बोलावायेलो	आह्वयनीय, आह्वेय बोलाववु जोइए	आहूयते बोलावाय छे	
174	रूष्	4	पर	रोषितुम्, रोष्टुम्	रोषित्वा, रूषित्वा	रूष्यत्	रूष्यमाण	रूष्यमाण	रूषितवत्, रूष्टवत्	रूषित, रूष्ट	रूषित रूष्ट	रोषितव्य, रोषनीय, रोष्य	रूष्यते	44

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वृ.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
–	गुस्से थवुं			गुस्से थवा माटे	गुस्से थइने	गुस्से थतो	गुस्से थवातो	गुस्से थवातो	गुस्से थयेलो	गुस्से थवायेलो	गुस्से थवायेलो	गुस्से थवुं जोइए	गुस्से थवाय छे	
175 –	लुप् मुंझावुं	4	पर	लोपितुम् मुंझावा माटे	लोपित्वा मुंझाइने	लुप्यत् मुंझातो	लुप्यमान मुंझावातो	लुप्यमान मुंझावातो	लुप्तवत् मुंझेलो	लुप्त मुंझायेलो	लुप्त मुंझायेलो	लोपितव्य,लोपनीय,लोप्य मुंझवा योग्य	लुप्यते मुंझाय छे	44
176 –	विद् थवुं	4	पर	वेत्तुम् थवा माटे	वित्वा थइने	विद्यमान थतो	विद्यमान थवातो	विद्यमान थवातो	विन्नवत् थयेलो	विन्न थवायेलो	विन्न थवायेलो	वेत्तव्य–वेदितव्य,वेदनीय,वेद्य थवा योग्य	विद्यते थवाय छे	44
177 –	दीप् दीपवुं	4	आत्म	दीपितुम् दीपवा माटे	दीपित्वा दीपीने	दीप्यमान दीपतो	दीप्यमान दीपातो	दीप्यमान दीपातो	दीप्तवत् दीपेलो	दीप्त दीपायेलो	दीप्त दीपायेलो	दीपितव्य, दीप्य दीपवा योग्य	दीप्यते दीपाय छे	45
178 –	प्र+वृत्त् प्रवर्तवुं	1	आत्म	प्रवर्तितुम् प्रवर्तवा माटे	प्रवृत्य प्रवर्तीने	प्रवर्तमान प्रवर्ततो	प्रवृत्यमान प्रवर्तातो	प्रवृत्यमान प्रवर्तातो	प्रवृत्तवत् प्रवर्तेलो	प्रवृत्त प्रवर्तायेलो	प्रवृत्त प्रवर्तायेलो	प्रवर्तितव्य,प्रवर्तनीय,प्रवृत्य प्रवर्तवा योग्य	प्रवृत्यते प्रवर्ताय छे	45
179 –	श्लाघ् वखाणवुं	1	आत्म	श्लाघितुम् वखाण्वामाटे	श्लाघित्वा वखाणीने	श्लाघमान वखाणतो	श्लाघ्यमान वखाणातो	श्लाघ्यमान वखाणातो	श्लाघितवत् वखाणेलो	श्लाघित वखाणायेलो	श्लाघित वखाणायेलो	श्लाघितव्य,श्लाघनीय,श्लाघ्य वखाण करवा योग्य	श्लाघ्यते वखाणाय छे	45
180 –	उद्+वि +ईक्ष जोवुं	1	आत्म	उद्वीक्षितुम् जोवा माटे	उद्वीक्ष्य जोइने	उद्वीक्षमाण जोतो	उद्वीक्ष्यमाण जोवातो	उद्वीक्ष्यमाण जोवातो	उद्वीक्षितवत् जाएलो	उद्वीक्षित जोवायेलो	उद्वीक्षित जोवायेलो	उद्वीक्षितव्य, उद्वीक्षणीय, उद्वीक्ष्य जोवा योग्य	उद्वीक्ष्यते जोवाय छे	46

181 –	परि+वृत फरवुं	1	आत्म	परिवर्तितुम् फरवा माटे	परिवृत्य फरीने	परिवर्तमान फरतो	परिवृत्यमान फरातो	परिवृत्यमान फरातो	परिवृत्तवत् फरेलो	परिवृत्त फरायेलो	परिवृत्त फरायेलो	परिवर्तितव्य,परिवर्तनीय,परिवृत्य फरवा योग्य	परिवृत्यते फराय छे	46
182 –	फल् फळवुं	1	पर	फलितुम् फळवा माटे	फलित्वा फळीने	फलत् फळतो	फल्यमान फळातो	फल्यमान फळातो	फलितवत् फळेलो	फलित फळायेलो	फलित फळायेलो	फलितव्य, फलनीय, फल्य फळवा योग्य	फल्यते फळाय छे	47
183 –	युज् योग्य थवुं	4	आत्म	योक्तुम् योग्य थवा माटे	युक्त्वा योग्य थइने	युज्यमान योग्य थतो	युज्यमान योग्य थवातो	युज्यमान योग्य थवातो	युक्तवत् योग्य थयेलो	युक्त योग्य थवायेलो	युक्त योग्य थवायेलो	योक्तव्य, योज्य–योग्य योग्य थवुं जोइए	युज्यते योग्य थवाय छे	48
184 –	लङ्घ् उल्लंघन करवु	1	आत्म	लङ्घितुम् उल्लंघन करवा माटे	लङ्घित्वा उल्लंघन करीने	लङ्घमान उल्लंघन करतो	लङ्घ्यमान उल्लंघन करातो	लङ्घ्यमान उल्लंघन करातो	लङ्घितवत् उल्लंघन करेलो	लङ्घित उल्लंघन करायेलो	लङ्घित उल्लंघन करायेलो	लङ्घितव्य,लङ्घनीय,लङ्घ्य उल्लंघन करवु जोइए	लङ्घ्यते उल्लंघन कराय छे	48
185 –	वि+सृज् आपवुं	6	पर	विसृष्टुम् आपवा माटे	विसृज्य आपीने	विसृजत् आपतो	विसृज्यमान अपातो	विसृज्यमान अपातो	विसृष्टवत् आपेलो	विसृष्ट अपायेलो	विसृष्ट अपायेलो	विस्रष्टव्य,विसर्जनीय,विसृज्य आपवा योग्य	विसृज्यते अपाय छे	49
186 –	अनु+सृ अनुसरवुं	1	पर	अनुसर्तुम् अनुसरवामाटे	अनुसृत्य अनुसरीने	अनुसरत् अनुसरतो	अनुस्रियमाण अनुसरातो	अनुस्रियमाण अनुसरातो	अनुसृतवत् अनुसरेलो	अनुसृत अनुसरायेलो	अनुसृत अनुसरायेलो	अनुसर्तव्य, अनुसरणीय, अनुसार्य अनुसरवुं जोइए	अनुस्रियते अनुसराय छे	51
187 –	उद्+सृज् त्याग करवो	6	पर	उत्स्रष्टुम् त्याग करवा माटे	उत्सृज्य त्याग करीने	उत्सृजत् त्याग करतो	उत्सृज्यमान त्याग करातो	उत्सृज्यमान त्याग करातो	उत्सृष्टवत् त्याग करेलो	उत्सृष्ट त्याग करायेलो	उत्सृष्ट त्याग करायेलो	उत्स्रष्टव्य,उत्सर्जनीय,उत्सृज्य त्याग करवा योग्य	उत्सृज्यते त्याग कराय छे	51
188 –	लोक् जोवुं	1 10	आत्म परस्मै	लोकितुम् लोकयितुम् जोवा माटे	लोकित्वा लोकयित्वा जोइने	लोकमान लोकयत् जोतो	लोक्यमान जोवातो	लोक्यमान जोवातो	लोकितवत् जोयेलो	लोकित जोवायेलो	लोकित जोवायेलो	लोकितव्य, लोकनीय, जोवा योग्य	लोक्यते जोवाय छे	51

-: कृदन्तावली :-

क्रम.	धातु	गण	पद	हेत्वर्थ कृदन्त	संबंधक भूत कृदन्त	वर्तमान कर्तरि कृदन्त	वर्तमान कर्मणि कृदन्त	वर्तमान भावे कृदन्त	कर्तरि भूत कृदन्त	कर्मणि भूत कृदन्त	भावे भूत कृदन्त	विध्यर्थ कृदन्त	कर्मणि वे.पु. एक वचन	पाठ क्रमांक
189 –	वि+लोक विलोकन करवुं	1	पर	विलोकयितुम् विलोकन करवा माटे	विलोक्य विलोकन करीने	विलोकमान विलोकन करतो	विलोक्यमान विलोकन करातो	विलोक्यमान विलोकन करातो	विलोकितवत् विलोकन करेलो	विलोकित विलोकन करायेलो	विलोकित विलोकन करायेलो	विलोकितव्य, विलोकनीय विलोकन करवा योग्य	विलोक्यते विलोकन कराय छे	51
190 –	सद्(सीद्) दुःखी थवुं	1	पर	सत्तुम् दुःखी थवा माटे	सत्वा दुःखी थइने	सीदत् दुःखी थतो	सद्यमान दुःखी थवातो	सद्यमान दुःखी थवातो	सन्नवत् दुःखी थयेलो	सन्न दुःखी थवायेलो	सन्न दुःखी थवायेलो	सत्तव्य, सदनीय, साद्य दुःखी थवा योग्य	सद्यते दुःखी थवाय छे	51
191 –	प्र+सद् प्रसन्न थवुं	1	पर	प्रसत्तुम् प्रसन्न थवा माटे	प्रसद्य प्रसन्न थइने	प्रसीदत् प्रसन्न थतो	प्रसद्यमान प्रसन्न थवातो	प्रसद्यमान प्रसन्न थवातो	प्रसन्नवत् प्रसन्न थयेलो	प्रसन्न प्रसन्न थवायेलो	प्रसन्न प्रसन्न थवायेलो	प्रसत्तव्य,प्रसदनीय,प्रसाद्य प्रसन्न थवा योग्य	प्रसद्यते प्रसन्न थवाय छे	51
192 –	हस् हसवुं	1	पर	हसितुम् हसवा माटे	हसित्वा हसीने	हसत् हसतो	हस्यमान हसातो	हस्यमान हसातो	हसितवत् हसेलो	हसित हसायेलो	हसित हसायेलो	हसितव्य, हसनीय, हास्य हसवुं जोइए	हस्यते हसाय छे	51
193 –	उद्+स्था उभा थवुं	1	पर	उत्थातुम् उभो थवा माटे	उत्थाय उभो थइने	उत्तिष्ठत् उभो थतो	उत्थीयमान उभो थवातो	उत्थीयमान उभो थवातो	उत्थितवत् उभो थयेलो	उत्थित उभो थवायेलो	उत्थित उभो थवायेलो	उत्थातव्य,उत्थानीय,उत्थेय उभा थवा योग्य	उत्थीयते उभो थवाय छे	51

कृदन्त के वाक्य

हेत्वर्थ कृदन्त के वाक्य

क्रम.	हेत्वर्थ कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	नन्तुम्	नमवा माटे, नमवा, नमवाने	हुं नमवा माटे जाऊं छुं। अंह नन्तुम् गच्छामि।
2.	भणितुम्	भणवा माटे, भणवा, भणवाने	महेश घरमां भणवा माटे बेसे छे। महेशः गृहे भणितुम् उपविशति।
3.	अटितुम्	रखडवा माटे, रखडवा, रखडवाने	बालको जंगलमां रखडवा जाय छे। बालाः वनं अटितुम् गच्छन्ति।
4.	अर्चितुम्	पूजा करवा माटे, पूजा करवा पूजा करवाने	बे भक्तो वीरनी पूजा करवा दोडे छे। भक्तौ वीरं अर्चितुम् धावतः।
5.	दग्धुम्	बाळवा माटे, बाळवा, बाळवाने	गोवाळ लाकडा बाळवा माटे विचार करे छे। गोपः काष्ठानि दग्धुम् चिन्तयति।
6.	जीवितुम्	जीववा माटे, जीववा, जीववाने	भिखारीओ जीववा माटे अन्न खाय छे। याचकाः जीवितुम् अन्नं खादन्ति।
7.	क्रीडितुम्	रमवा माटे, रमवा, रमवाने	बालिकाओ रमवा माटे मेदान मां गइ। बालाः क्रीडितुम् क्रीडाङ्गणं अगच्छन्।
8.	लोभितुम् लोब्धुम्	लोभ करवा माटे, लोभ करवा लोभ करवाने	वे लोभी लोभ करवा माटे प्रयत्न करे छे। कृपणौ लोभितुम् प्रयतते।
9.	जपितुम्	जाप करवा माटे, जाप करवा जाप करवाने	स्त्रीओ जाप करवा माटे जूए छे। योषितः जपितुम् पश्यन्ति।
10.	गन्तुम्	जवा माटे, जवा, जवाने	ते बे जवा माटे उभा छे। तौ गन्तुम् तिष्ठतः।
11.	प्रस्थातुम्	प्रयाण करवा माटे, प्रयाण करवा, प्रयाण करवाने	मुसाफर प्रयाण करवा माटे दोडयो। पान्थः प्रस्थातुम् अधावत्।
12.	नेतुम्	लइ जवा माटे, लइ जवा, लइ जवाने	बे प्रधानो धन लइ जवा माटे आवे छे। प्रधानौ धनं नेतुम् आगच्छतः।
13.	कथयितुम्	कहेवा माटे, कहेवा, कहेवाने	शिष्यो आचार्यनी साथे कथा कहेवा बेसे छे। शिष्याः आचार्येण सह कथयितुम् उपविशन्ति।
14.	दातुम्	आपवा माटे, आपवा, *आपवाने*	राजाए याचकोने अन्न आपवा माटे प्रधान ने कह्युं। *नृपः याचकेभ्यः अन्नं दातुम् प्रधानं अकथयत्।*
15.	क्षरितुम्	खरवा माटे, खरवा, खरवाले	वृक्ष परथी पांदडाओ खरवा इच्छे छे। वृक्षात् पर्णाणि क्षरितुम् इच्छन्ति।

संबंधक भूत कृदन्त के वाक्य

क्रम.	सं.भू.कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	रक्षित्वा	रक्षण करीने	राजा रक्षण करीने पाछळथी शोक करे छे। नृपः रक्षित्वा पश्चात् शोचति।
2.	नत्वा	नमस्कार करीने	भक्त भगवान ने नमस्कार करीने घरे जाय छे। भक्तः भगवते (भगवन्तम्) नत्वा गृहं गच्छति।
3.	उषित्वा	रहीने, वसीने	धनपाल धारामां रहीने सत्यपुर गयो हतो। धनपालः धारायाम् उषित्वा सत्यपुरं अगच्छत्।
4.	पठित्वा	भणीने	साधुओए व्याकरण भणीने उपाश्रय तरफ प्रयाण कर्युं साधवः व्याकरणं पठित्वा वसतिं प्रातिष्ठन्त।
5.	जीवित्वा	जीविने, अजीवीका चलावीने	पिता पुत्रनी आजीवीका चलावीने कंटाळे छे। जनकः पुत्रं जीवित्वा पराजयते।
6.	क्रीडित्वा	रमीने	बालको रमीने पाणी पीवा माटे घरे आवे छे। बालाः क्रीडित्वा जलं पातुम् गृहं आगच्छन्ति।
7.	पूजयित्वा	पूजा करीने	गुरूओ वीरनी पूजा करीने भोजन करवा माटे बेसे छे। गुरवः वीरं पूजयित्वा भोजनार्थं उपविशन्ति।
8.	निन्दित्वा	निंदा करीने	अधम–पुरुष धर्मनी निंदा करीने खुश थाय छे अधम–पुरुषः धर्मं निन्दित्वा तुष्यति।
9.	शोचित्वा शुचित्वा	शोक करीने	ससरो गाममांथी शोक करीने घरे आव्यो। श्वशुरः ग्रामात् शोचित्वा गृहं आगच्छत्।
10.	विजित्य	विजय पामीने, जीतीने	वे राजाओ शत्रुओ ने जीतीने रथमा बेसे छे। नृपौ शत्रून् विजित्य रथं (रथे) उपविशतः।
11.	लोभित्वा, लुभित्वा,लुब्ध्वा	लोभ करीने	पुत्र पिताने ललचावीने पैसा लइ जाय छे पुत्रः जनकं लोभित्वा वित्तं नयते।
12.	लेखित्वा	लखीने	विद्यार्थी पुस्तक लखीने खुश थयो। छात्रः पुस्तकं लेखित्वा अतुष्यत्।
13.	मोहित्वा,मुहित्वा, मुग्ध्वा, मुद्वा	मोह पामीने मोह करीने	जीवो संसार साथे मोह करीने मुंझाय छे। जीवाः संसारेण सह मोहित्वा मुह्यन्ति।
14.	परित्यज्य	त्याग करीने	नळराजा दमयंतीनो त्याग करीने वनमां गयो। नळः दमयन्तीम् परित्यज्य वनं अगच्छत्।
15.	दण्डयित्वा	दण्ड करीने	राजा चोरने दण्ड करीने शांतिनी घोषणा करे छे। नृपतिः चौरं दण्डयित्वा शांतिम् घोषयति।

कर्तरि भूत कृदन्त के वाक्य

क्रम.	कर्त.भूत कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	नीतवत्, नीत	लइ गयो, लइ गई, लइ गयु, लइ गयेलो, ली, लु	पुत्र पिताने उद्यानमां लइ गयो। पुत्रः जनकं उद्यानं नीतवान् / नीतः।
2.	कथितवत् कथित	कह्यो, कह्युं, कहेलो, कहेली, कहेलु	आचार्य शिष्योने धर्म कहेता हता। आचार्यः शिष्येभ्यः धर्मं कथितवान्।
3.	वर्णितवत् वर्णित	वर्णव्यो, वर्णव्युं, वर्णवेलो, वर्णवेली, लू	कविए राजसभामा राजानां गुणोनुं वर्णन कर्युं। कविः राज–सभायाम् नृपस्य गुणान् वर्णितवान्
4.	रतवत् रत	रम्यो, रमी, रम्युं रमेलो, रमेली, लुं	रमता बालक ने जोइने ते बे पण रम्या क्रीडन्तं बालं दृष्ट्वा तौ अपि रतवन्तौ / रतौ
5.	खादितवत् खादित	खाधुं, खाधेलो, खाधेली, खाधेला	खाधेला लाडवा ने लइने भीखारी राजा पासे आव्यो। खादितवन्तं मोदकं नीत्वा याचकः नृपस्य समीपं आगतवान्।
6.	दत्तवत् दत्त	आप्यो, आपी, आपेलुं आपेली	देव माणसोने वियोग नु दुःख आपतो हतो। देवः जनेभ्यः वियोगस्य दुःखं दत्तवान्।
7.	दृष्टवत्, दृष्ट	जोयो, जोइ, जोयुं, जोयेलो, जोयेली, जोयेलु	बालीकाओ ए पूजा करवा माटे पुष्पो जोया हता। बालाः पूजयितुम् पुष्पाणि दृष्टवत्यः।
8.	जेमितवत्, जेमित	खाधो, खाधी, खाधेलो, खाधेला, खाधा	देवदत्ते धरमां बेसीने चोखा खाधा। देवदत्तः गृहे उपविश्य तण्डूलान् जेमितवान्।
9.	पठितवत्, पठित	भण्यो, भणेलो, भणेली, भणी, भण्युं	विद्यार्थीओ क्लास मां संस्कृत भणता हता। छात्राः अध्ययन–कक्षे संस्कृतं पठितवन्तः।
10.	धावितवत्, धावित	दोडयो, दोडी, दोडवुं, दोडेलो, दोडेली, दोडेलुं	चोर घोडाने लइने जंगलमां दोडयो। चौरः अश्वं नीत्वा वनं (वने) धावितवान्।
11.	चिन्तितवत्, चिन्तित	चिंता करेलो, करेली, करेला	गुरू शिष्यना जीवन माटे चिंता करता हता। गुरूः शिष्यस्य जीवनाय चिन्तितवान्।
12.	मिलितवत्, मिलत	मळवा, मळ्युं, मळेलो, मळेला, मळेलुं	बे मित्र गाम जवा माटे घरमां मळ्या। मित्रे ग्रामं गन्तुम् गृहे मिलतवती।
13.	पितवत्, पीत	पीधुं, पीधी, पीधेलो, पीधेलुं	बे बालको हाथी ऊपर चढीने दुध पीता हता बालौ हस्तीम् आरूह्य दुग्धं पीतवन्तौ।
14.	ताडितवत्, ताडित	मार्यो, मार्या, मारेलो, मारेली, मारेलुं	सैनिको चोरोने घरे आवीने लाकडाथी मारता हता। सैनिकाः चौरान् गृहं आगत्य दण्डेन ताडितवन्तः।
15.	पक्ववत्, पक्व	रांधेलुं, रांधेलो, रांधेली, रांधी	रसोइयो अग्निद्वारा चोखा रांधतो हतो। सुदः वह्निना तण्डूलान् पक्ववान्।

कर्मणि भूत कृदन्त के वाक्य

क्रम.	कर्म.भूत कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	जित	जीतायो, जीताइ, जीतायुं, जीतायेलो, जीतायेली	राम वडे युद्धमां रावण जीतायो। रामेण युधि रावणः जीतः।
2.	खादित	खवायो, खवाइ, खवायुं, खवायेलो	हरणो वडे गाम मां घास खवायुं। मृगैः ग्रामे तृणानि खादितानि।
3.	पीत	पीवायो, पीवायुं, पीवायेलो, पीवायेली	अपायेला हाथी वडे गरम दुध पीवायुं। दत्तेन गजेन उष्णं दुग्धं पीतं।
4.	गत	जवायो, जवाइ, जवायुं, जवायेलो, जवायेली	बालीकाओं वडे घरेथी पाठशाला जवायुं। बालाभिः गृहात् पाठशाला गता।
5.	स्पृष्ट	स्पर्श करायो, करायी, करायुं, स्पर्श करायेलो, ली, लुं	स्पर्श करायेला वांदरा वडे फळो खवाया। स्पृष्टेन वानरेन फलानि स्वादितानि।
6.	लिखित	लखायो, लखायि, लखायुं, लखांयेलो, लखयेली	बे पंडितो वडे बे पुस्तको लखाइ। पण्डिताभ्याम् पुस्तके लिखिते।
7.	दत्त	अपायो, अपायि, अपायुं अपायेलो, अपायेली	गुरूओ वडे शिष्यो ने तत्वोनु ज्ञान अपायुं गुरूभिः शिष्येभ्यः तत्वानाम् ज्ञानं दत्तं।
8.	कथित	कहाया, कहाइ, कहायुं, कहायेलो, कहायेली	साधु द्वारा माणसोने प्रवचन मां धर्म कहायो। श्रमणेन जनान् प्रवचने धर्मः कथितः।
9.	पक्व	रंधाया, रंधाइ, रंधायुं, रंधायेलो, रंधायेली, रंधायेलुं	माता वडे खावा माटे चोखा रंधाया। जनन्या खादितुम् तण्डूलाः पक्वाः।
10.	गणित	गणायो, गणाइ, गणायुं, गणेलो, गणेली	बालीकाओं द्वारा पुष्प मालाओ गणाइ। बालाभिः पुष्पमालाः गणिताः।
11.	पूजित	पूजायो, पूजाइ, पूजायुं, पूजायेलो, पूजायेली, लुं	श्रावको वडे मंदिर मां पुष्पो वडे वीर पूजाया श्रावकैः देवालये पुष्पैः वीरः पूजितः।
12.	ताडित	मरायो, मराइ, मरायु, मरायेलो, मरायेली, लु	देवदत्त वडे लाकडीथी ते बन्ने ने मरायुं। देवदत्तेन दण्डेन तौ ताडितौ।
13.	तीर्ण	तरायो, तराइ, तरायुं, तरायेलो, तरायेली, लुं	काचबाओं द्वारा विशाल समुद्र बे हाथ वडे तरायो। कुर्मैः विशालः समुद्रः हस्ताभ्याम् तीर्णः।
14.	विरचित	रचायो, रचाइ, रचायुं, रचायेलो, रचायेली, रचायेलुं	लखायेलु काव्य कविओं द्वारा मधुर शब्दोथी रचायुं। लिखितं काव्यं कविभिः मधुर शब्दैः विरचिते।
15.	ऊढ	वहन करायो, वहन करायेली, वहन करायेलो	नोकरो द्वारा घणो भार वहन करायो। किङ्करैः बहुः भारः ऊढः।

भावे भूत कृदन्त के वाक्य

क्रम.	भावे.कर्त. कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	खादित	खवायुं, खवायो, खवाइ, खवायेलु, खवायेली	राम द्वारा बे हाथ वडे खवायुं। रामेण हस्ताभ्याम् खादितं।
2.	दत्त	अपायो, अपाइ, अपायुं, अपायेलो, अपायेली, लुं	राजा वडे भिखारीओ ने अपायुं। नृपेण याचकेभ्यः दत्तं।
3.	पित	पीवायो, पीवाइ, पीवायुं पीवायेलो, पीवायेली	बालको द्वारा पीवायुं। बालैः पीतम्।
4.	धावित	दोडायुं, दोडाइ, दोडायो, दोडायेलो, दोडायेली	बे घोडा द्वारा वनमां दोडायुं। अश्वाभ्याम् वने धावितम्।
5.	आगत	अवायो, अवाइ, अवायुं, अवायेलो, अवायेलुं	मारा द्वारा तेना गाम मां अवायुं। मया तस्य ग्रामे (ग्रामं) आगतम्।
6.	लिखित	लखायो, लखाइ, लखायुं, लखायेलो, लखायेली	विद्यार्थी वडे लखायुं। छात्रेण लिखितम्।
7.	पठित	भणायो, भणाइ, भणायुं, भणायेलो, भणायेली	बे मित्रो वडे रात्रे भणायुं। मित्राभ्याम् निशायाम् पठितम्।
8.	उदित	बोलायो, बोलायुं, बोलाइ, बोलायेलो, बोलायेली	बालक वडे अन्न खावा माटे बोलायुं। बालेन अन्नं खादितुम् उदितम्।
9.	अर्चित	पूजा करायो, कराइ, करायुं, करायेलो, करायेली	भक्त द्वारा पुष्पो वडे श्रद्धाथी मंदीर मां पूजा कराइ। भक्तेन पुष्पैः श्रद्धया देवालये अर्चितम्।
10.	स्मृत	स्मरण करायो, करायुं, करायेलो, करायेली	पीता द्वारा स्मरण करायुं। जनकेन स्मृतम्।
11.	चिन्तित	चिंता करायो, कराइ, करायुं, करायेलो, करायेली	पूजा करायेला साधु वडे चिन्ता कराइ। पूजितेन साधुना चिन्तितम्।
12.	वन्दित	वंदन करायो, करायुं, वंदन करायेलो, करायेली	शिष्यो वडे वंदन करायुं। शिष्यैः वन्दितम्।
13.	मिलित	मळायो, मळायुं, मळायेलो, मळायेलुं	त्यजाएली सीता वडे वन मां मळायुं। त्यक्तया सीतया वने मिलितं।
14.	कथित	कहेवायो, कहेवायुं, कहेवायेली, कहेवायेलो	राजा द्वारा कथा लखवा कहेवायुं। नृपेण कथां लिखितुम् कथितम्।
15.	जित	जीतायो, जीताइ, जीतायुं, जीतायेलो, जीतायेली	प्रधानो द्वारा युद्धमां जीतायुं। प्रधानैः युधि जितम्।

वर्तमान कर्तरि कृदन्त के वाक्य

क्रम.	वर्त.कर्त. कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	ताडयत्	मारतो, मारती, मारतुं	पुत्र ने मारतो अधम–पुरूष खुश थाय छे। पुत्रं ताडयन् अधम–पुरूषः तुष्यति।
2.	गच्छत्	जतो, जती, जतुं	पाठशाला जतो बालक दडाथी रमे छे। पाठशालां गच्छन् बालः कन्दूकेन रमते।
3.	पश्यत्	जोतो, जोती, जोतुं	वाघने जोती बालीका गभराय छे। व्याघ्रं पश्यन्ती बाला क्षुभ्यति।
4.	नयत्	लइ जतो, लइ जती, लइ जतु	पुस्तक लइ जतो मित्र लाडवा खातो नथी। पुस्तकं नयत् (नयद्) मित्रं मोकदान् न खादति।
5.	कथयत्	कहेतो, कहेती, कहेतुं	धर्म ने कहेता बे साधुओने आनंद थाय छे। धर्मं कथयन्तौ श्रमणौ आनंदः भवति।
6.	खादत्	खातो, खाती, खातुं	वनमां फळो खातो वांदरो गाम तरफ भाग्यो। वने फलानि खादन् वानरः ग्रामं अनश्यत्।
7.	भणत्	भणतो, भणती, भणतुं	भणता विद्यार्थीओने जोइने गुरू खुश थाय छे भणतः छात्रान् दृष्ट्वा गुरवः तुष्यन्ति।
8.	जेमत्	खातो, खाती, खातुं	लाडवा खाता बे मित्रो वांचे छे। मोकदान् जेमन्ती मित्रे पठतः।
9.	पूजयत्	पूजतो, पूजती	देवने पूजतो भक्त पश्चातापथी रडे छे। देवं पूजयन् भक्तः पश्चातापेन रटति।
10.	वदत्	बोलतो, बोलती, बोलतुं	शिक्षके बोलती बे बालीकाओ ने कहयुं। अध्यापकः वदन्त्यौ बाले अकथयत्।
11.	चिन्तयत्	चिंता करतो, चिंता करती, चिंता करतुं	अमे चिंता करती स्त्री ने जोइए छीए। वयम् चिन्तयन्तीम् योषितम् पश्यामः।
12.	धावत्	दोडतो, दोडती, दोडतुं	दोडता घोडा उपरथी सैनिक पड्यो। धावतः अश्वात् सैनिकः अपतत्।
13.	लिखत्	लखतो, लखती, लखतुं	कथा लखता बालकने राजाए इनाम आप्युं। कथाम् लिखते बालाय नृपः पारितोषिक अयच्छत्।
14.	चरत्	चरतो, चरती, चरतुं	गाम मां चरती गायो वन मां जाय छे। ग्रामे चरन्त्यः धेनवः वनं गच्छन्ति।
15.	चलत्	चालतो, चालती, चालतुं	चालता मुसाफरने जोइने राजा पूछे छें। चलन्तम् पथिकं दृष्ट्वा नृपः पृच्छति।

वर्तमान कर्मणि कृदन्त के वाक्य

क्रम.	वर्त.कर्म. कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	गम्यमान	जवातो, जवाती, जवातुं	तेना वडे जवातुं गाम सारू छे। तेन गभ्यमानः ग्रामः शोभनः अस्ति।
2.	लिख्यमान्	लखातो, लखाती, लखातुं	कविओं वडे लखाती पुस्तक लाल छे। कविभिः लिख्यमानं पुस्तकं रक्तं अस्ति।
3.	खाद्यमान	खवातो, खवाती, खवातुं	विद्यार्थी वडे खवाता अडद सारा नथी। छात्रेण खाद्यमानः माषः शोभनः नास्ति।
4.	पीयमान	पीवातो, पीवाती, पीवातुं	घोडा वडे पीवातुं पाणी समुद्रनुं छे। अश्वेन पीयमानं जलं समुद्रस्य अस्ति
5.	दीयमान	आपातो, अपाती, अपातुं	बे राजाओ वडे अपातो घोडो कुशळ छे। नुपाभ्याम् दीयमानः अश्वः कुशळः अस्ति।
6.	दृश्यमान	जोवातो, जोवाती, जोवातुं	देव वडे जोवातुं नगर नजीक छे। देवेन दृश्यमानं नगरं समीपं अस्ति।
7.	वंद्यमान	वंदातो, वंदाती, वंदातुं	अमर वडे वंदाती बे देवी देवलोक नी छे। अमरेण वंद्यमानं देव्यै देवलोकस्य स्तः।
8.	जिम्यमान	खवातो, खवाती, खवातुं	बालीकाओ वडे खवाता चोखा सफेद छे। बालाभिः जिम्यमानाः तण्डुलाः श्वेताः सन्ति।
9.	कथ्यमान	कहेवातो, कहेवाती, कहेवातुं	साधुओ वडे कहेवातो धर्म वीरनो छे। श्रमणैः कथ्यमानः धर्मः वीरस्य अस्ति।
10.	गण्यमान	गणाता, गणाती, गणातुं	पिता वडे गणाता पैसा देवद्रव्य ना छे। जनकेन गण्यमानं वित्तं देवद्रव्यस्य अस्ति।
11.	विरच्यमान	बनावातो, बनावाती, बनावातुं	कुंभार वडे बनावातुं वासण माटी नुं छे। कुम्भकारेण विरच्यमान भाण्डं मृदः अस्ति।
12.	रक्ष्यमाण	रक्षण करातो, कराती, करातुं	मारा वडे रक्षण करातुं गाम आ राजानुं छे। मया रक्ष्यमाणः ग्रामः अस्य नुपस्य अस्ति।
13.	उष्यमाण	वसाता, वसाती, वसातुं	मित्र वडे वसाता घरो काळा छे। मित्रेण उष्यमाणानि गृहाणि कृष्णानि सन्ति।
14.	भण्यमान	भणातो, भणाती, भणातुं	विद्यार्थीओ वडे भणातो पाठ संस्कृत नो छे। छात्रैः भण्यमानः पाठः संस्कृतस्य अस्ति।
15.	दह्यमान	बळातो, बळाती, बळातुं	मजुरो वडे बळातुं जंगल चन्दनोना लाकडानु छे। किङ्करैः दह्यमानं वनं चंदनानाम् काष्ठानाम् अस्ति।

वर्तमान भावे कृदन्त के वाक्य

क्रम	वर्त.कर्म. कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	दीयमान	अपाती, अपातुं, अपातो, अपाय	राजा वडे अपाय छे। नृपेण दीयमानमस्ति।
2.	पृच्छयमान	पुछातो, पुछातुं, पुछाती पुछाय	विद्यार्थी वडे पुछाय छे। छात्रेण पृच्छ्यमानम् अस्ति।
3.	गण्यमान	गणातो, गणातुं, गणाती, गणाय	कोशाध्यक्ष वडे गणाय छे। कोशाध्यक्षेण गण्यमानम् अस्ति।
4.	रच्यमान	रचातो, रचातुं, रचाती, रचाय	कविओ वडे धरमां रचाय छे। कविभिः गृहे रच्यमानम् अस्ति।
5.	उद्यमान	बोलातो, बोलाती, बोलातुं, बेलाय	देवदत्त वडे बोलाय छे। देवदत्तेन उद्यमानम् अस्ति।
6.	अट्यमान	रखडातो, रखडाती, रखडातुं, रखडाय	बे मित्रो वडे वनमां रखडाय छे। मित्राभ्याम् वने अट्यमानम् अस्ति।
7.	रम्यामान	रमातो, रमाती, रमातुं, रमाय	बालको वडे रमाय छे। बालैः रम्यमानम् अस्ति।
8.	गम्यमान	जवातो, जवाती, जवातुं, जवाय	पीता वडे गममांथी जवाय छे। जनकेन ग्रामात् गम्यमानम् अस्ति।
9.	पत्यमान	पडातो, पडाती, पडातुं, पडाय	तेना वडे कुवामां पडातुं नथी। तेन कुपे न पत्यमानम्।
10.	घोष्यमान	घोषणा करतो, करती, करतुं, कराय	राजा वडे घोषणा कराय छे। नृपेण घोष्यमानम् अस्ति।
11.	लिख्यमान	लखातो, लखाती, लखातुं, लखाय	अपंग वडे लखातुं नथी। खञ्जेन न लिख्यमानम्।
12.	सृज्यमान	सर्जन करातो, कराती, करातुं, कराय	शिक्षक वडे सर्जन कराय छे। अध्यापकेन सृज्यमानम् अस्ति।
13.	चोर्यमाण	चोरातुं, चोरातो, चोराती, चोराय	चोरो वडे चोराय छे। चौरैः चोर्यमाणमस्ति।
14.	स्पृश्यमान	स्पर्श करातो, कराती, करातुं, कराय	ते बे वडे स्पर्श कराय छे। ताभ्याम् स्पृश्यमानमस्ति।
15.	वन्द्यमान	वंदन करातो, कराती, करातुं, कराय	शिष्य वडे वंदन कराय छे। शिष्येण वन्द्यमानमस्ति।

विध्यर्थ कृदन्त के वाक्य

क्रम.	विध्यर्थ कृदन्त	अर्थ	वाक्य
1.	पठितव्य,	भणवा योग्य,	देवदत्त वडे व्याकरण भणवा योग्य छे।
	पठनीय,पाठ्य	भणवु जोइए	देवदत्तेन व्याकरणं पठनीयम्।
2.	पूजयितव्य,	पूजवा योग्य,	भक्तो वडे पुष्पो द्वारा वीर पूजवा योग्य छे
	पूजनीय, पूज्य	पूजवुं जोइए	भक्तैः पुष्पैः वीरः पूजनीयः।
3.	रचयितव्य,	रचवा योग्य,रचवुं जाइए	बे बालीकाओ वडे बे पुष्पमाला बनावा योग्य छे।
	रचनीय, रच्य		बालाभ्याम् पुष्प–माले, रचयितव्ये स्तः।
4.	त्यक्तव्य,	त्यजवा योग्य, त्यजावुं	लोभी वडे लोभ त्यज्वा योग्य छे।
	त्यजनीय,त्याज्य	जोइए	कृपणेन लोभः त्यजनीयः।
5.	रक्षितव्य,	रक्षण करवा योग्य,	मारा वडे गायो रक्षावी जोइए।
	रक्षणीय, रक्ष्य	रक्षण करावुं जोइए	मया धेनवः रक्षितव्याः।
6.	खादितव्य,	खावा योग्य,	बालक वडे लाडवो खावा योग्य छे।
	खादनीय,खाद्य	खावुं जोइए	बालेन मोदकः खाद्यः।
7.	चलितव्य,	चालवा योग्य,	साधु वडे वन मां चलावुं जोइए।
	चलनीय	चालवुं जाइए	श्रमणेन वने चलितव्यम्।
8.	वोढव्य, वहनीय	वहन करवा योग्य,	मजूर वडे भार वहन करवा योग्य छे
	वाह्य	वहन करवुं जोइए	किङ्करेण भारः वहनीयः।
9.	वदितव्य,वदनीय	बोलवा योग्य,	तारा वडे संस्कृत बोलवा योग्य छे।
	वाद्य	बोलवुं जोइए	त्वया संस्कृतं वदनीयं।
10.	परित्यक्तव्य,	त्यजवा योग्य,	नळराजा वडे दमयंती छोडवा योग्य नथी।
	परित्यजनीय	त्यजवं जोइए	नळेन दमयन्ती न परित्यजनीया।
11.	पातव्य, पानीय,	पीवा योग्य, पीवुं जोइए	बालको वडे दुध पीवा योग्य छे।
	पेय		बालैः दुग्धं पेयं।
12.	पठितव्य,पठनीय	वांचवा योग्य,	मारा मित्र वडे आ पुस्तक वांचवा योग्य छे।
	पाठ्य	वंचावु जोइए	मम मित्रेण अदः पुस्तकं पठितव्यम्(पठनीयम्)
13.	ताडयितव्य,	मारवा योग्य,	सैनिको वडे चोरो मारवा योग्य छे।
	ताडनीय,ताड्य	मारवुं जोइए	सैनिकैः चौराः ताडयितव्याः।
14.	पालयितव्य,	पालन करवा योग्य	तेना वडे राज्य नु पालन करावु जोइए।
	पालनीय, पाल्य	पालन करवुं जोइए	तेन राज्यं पालनीयं।
15.	मानयितव्य,	मानता योग्य,	मारा वडे गुरूनी आज्ञा मानवा योग्य छे।
	माननीय, मान्य	मानवुं जोइए	मया गुरोः आज्ञा मान्या।

विभक्ति के वाक्य

विभक्ति के वाक्य

प्रथमा विभक्ति के वाक्य

1. रतिलाल खाय छे।

   रतिलालः खादति — वर्तमान कर्तरि

2. रतिलाल वडे खवाय छे

   रतिलालेन खाद्यते — वर्तमान कर्मणि

3. रतिलाल खातो हतो

   रतिलालः अखादत् — ह्य कर्तरि

4. रतिलाल वडे खवायुं हतुं

   रतिलालेन अखद्यत — ह्य कर्मणि

द्वितिया विभक्ति के वाक्य

1. रमेश पुस्तक लखे छे।

   रमेशः पुस्तकं लिखति। — वर्तमान कर्तरि

2. रमेश वडे पुस्तक लखाय छे।

   रमेशेन पुस्तकम् लिख्यते। — वर्तमान कर्मणि

3. रमेश पुस्तक लखतो हतो।

   रमेशः पुस्तकं अलिखत्। — ह्य कर्तरि

4. रमेश वडे पुस्तक लखाती हती।

   रमेशेन पुस्तकम् अलिख्यत्। — ह्य कर्मणि

तृतिया विभक्ति के वाक्य

1. बालक आँख वडे मंदिर जुवे छे।

   बालः नेत्राभ्याम् देवालयं पश्यति। — वर्तमान कर्तरि

विभक्ति के वाक्य

2. बालक वडे आँख थी मंदिर जोवाय छे।
   बालेन नेत्राभ्याम् देवालयः दृश्यते। — वर्तमान कर्मणि
3. बालक आँख वडे मंदिर जोतो हतो।
   बालः नेत्राभ्याम् देवालयं अपश्यत्। — ह्य कर्तरि
4. बालक वडे आँख थी मंदिर जोवायुं हतुं।
   बालेन नेत्राभ्याम् देवालयः अदृश्यतः। — ह्य कर्मणि

चतुर्थी विभक्ति के वाक्य

1. राजा हाथ वडे भिखारी माटे धन आपे छे।
   नृपः हस्ताभ्याम् भिक्षुकाय धनं यच्छति। — वर्तमान कर्तरि
2. राजा द्वारा हाथ वडे भिखारी माटे धन आपे छे।
   नृपेण हस्ताभ्याम् भिक्षुकाय धनं दीयते। — वर्तमान कर्मणि
3. राजा हाथ वडे भिखारी माटे धन आपतो हतो।
   नृपः हस्ताभ्याम् भिक्षुकाय धनं अयच्छत्। — ह्य कर्तरि
4. राजा द्वारा हाथ वडे भिखारी माटे धनं अपायुं हतुं
   नृपेण हस्ताभ्याम् धनं अदीयत — ह्य कर्मणि

पंचमी विभक्ति के वाक्य

1. हुं हाथ वडे महावीर माटे बगीचामांथी पुष्पो लावुं छुं।
   अहं हस्ताभ्याम् महावीराय उद्यानात् पुष्पाणि आनयामि। — वर्तमान कर्तरि
2. मारा वडे हाथ द्वारा महावीर माटे बगीचामांथी पुष्पो लवाय छे।
   मया हस्ताभ्याम् महावीराय उद्यानात् पुष्पाणि आनीयते। — वर्तमान कर्मणि
3. हुं हाथ वडे महावीर माटे बगीचामांथी पुष्पो लाव्यो हतो।
   अहं हस्ताभ्याम् महावीराय उद्यानात् पुष्पाणि आनयाम्। — ह्य कर्तरि

4. मारा द्वारा हाथ वडे महावीर माटे बगीचा मांथी पुष्पो लवाया हता।
   मया हस्ताभ्याम् महावीराय उद्यानात् पुष्पाणि अनीयत। ह्य कर्मणि

षष्ठी विभक्ति के वाक्य

1. हुं हाथ वडे बाळको माटे बगीचा मांथी वृक्षोना फळो लावुं छुं।
   अहं हस्ताभ्याम् बालेभ्यः उद्यानात् वृक्षाणाम् फलानि आनयामि। वर्तमान कर्तरि
2. मारा द्वारा हाथ वडे बाळको माटे बगीचा मांथी वृक्षोनो फळो लवाय छे।
   मया हस्ताभ्याम् बालेभ्यः उद्यानात् वृक्षाणाम् फलानि अनीयते। वर्तमान कर्मणि
3. हुं हाथ वडे बाळको माटे बगीचा मांथी वृक्षोना फळो लाव्यो हतो।
   अहं हस्ताभ्याम् बालेभ्यः उद्यानात् वृक्षाणाम् फलानि आनयाम्। ह्य कर्तरि
4. मारा वडे हाथ द्वारा बाळको माटे बगीचा मांथी वृक्षोना फलो लवाया हता।
   मया हस्ताभ्याम् बालेभ्यः उद्यानात् वृक्षाणाम् फलानि आनीयत। ह्य कर्मणि

सप्तमी विभक्ति के वाक्य

1. रतिलाल हाथ वडे भिखारिओ माटे महेल मांथी घोडा ऊपर राज्य नुं धन लावे छे।
   रतिलालः हस्ताभ्याम् याचकेभ्यः प्रासादात् अश्वे राज्यस्य धनं आनयति। वर्तमान कर्तरि
2. रतिलाल द्वारा हाथ वडे भिखारिओं माटे महेलमांथी घोडा ऊपर राज्यनुं धन लवाय छे।
   रतिलालेन हस्ताभ्याम् याचकेभ्यः प्रासादात् अश्वे राज्यस्य धनं आनीयते।वर्तमान कर्मणि
3. रतिलाल हाथी वडे भिखारिओं माटे महेलमांथी घोडा ऊपर राज्य नुं धन लावतो हतो।
   रतिलाल हस्ताभ्याम् याचकेभ्यः प्रासादात् अश्वे राज्यस्य धनं आनयत्। ह्य कर्तरि
4. रतिलाल वडे हाथ द्वारा भिखारिओं माटे महेलमांथी घोडा ऊपर राज्यनुं लवायुं हतुं।
   रतिलालेन हस्ताभ्याम् याचकेभ्यः प्रासादात् अश्वे राज्यस्य धनं आनीयत। ह्य कर्मणि

आचार्य पद्मसागरसूरि चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा

प्रकाशित पुस्तके

पुस्तके		लेखक
1.मुक्ति ना मंगल प्रभाते	(गुज.)	आ. वर्धमानसागरसुरि
2.मुक्ति का महल	(हिन्दी)	आ. वर्धमानसागरसुरि
3.गुरू कैलास ना चरणे	(गुज.)	आ. वर्धमानसागरसुरि
4.श्रीमाली वंशनो इतिहास	(गुज.)	आ. वर्धमानसागरसुरि
5.जिन गुण सरीता	(गुज.)	आ. वर्धमानसागरसुरि
6.आओ! सुक्तियों की बगीया में चलें	(हिन्दी)	मुनि महेन्द्रसागर
7.बुढियां का पिटारा	(हिन्दी)	मुनि महेन्द्रसागर

सुवाक्य

तक गुमावे, तकदीर गुमावे।

सही बुद्धिमता हर दिन की मुल्यवान
क्षणों का फायदा उठाने में रहा है।

स्नेह भाव सबके लिए परन्तु समर्पण भाव
सिर्फ प्रभु एवं गुरू के लिए।

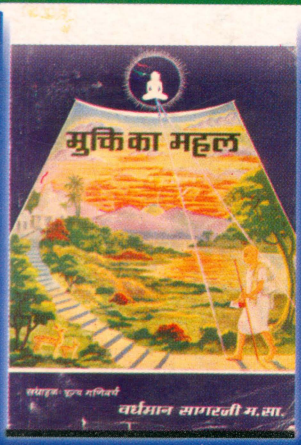
मुक्ति का महल
वर्धमान सागरजी म.सा.

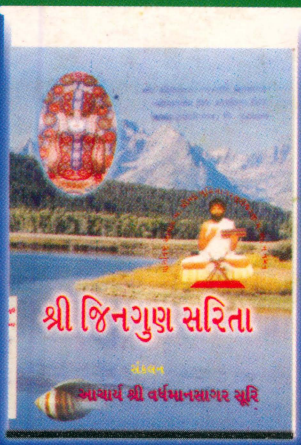
श्री जिनगुण सरिता
आचार्य श्री वर्धमानसागर सूरि

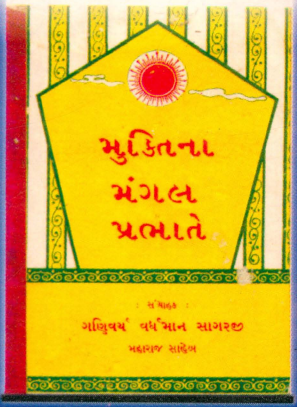
मुक्तिना
मंगल
प्रभाते
गणिवर्य वर्धमान सागरजी
महाराज साहेब

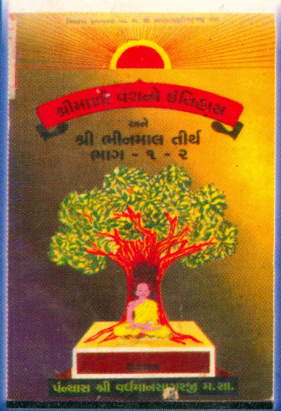
श्रीमाळ વંશનો ઈતિહાસ
અને
श्री भीनमाल तीर्थ
भाग - १ - २

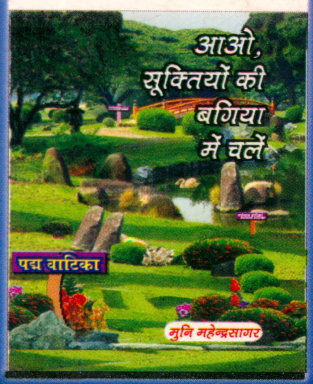
आओ,
सूक्तियों की
बगिया
में चलें
पद्म वाटिका
मुनि महेन्द्रसागर

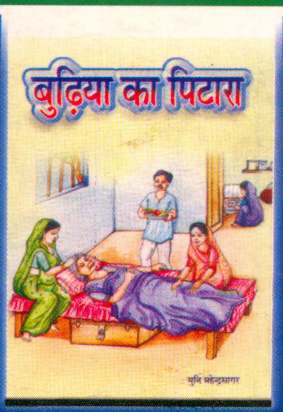
बुढ़िया का पिटारा